



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 3]

नई विल्सो, शनिवार, जनवरी 18, 1992/पौष 28, 1913

No. 3]

NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 18, 1992/PAUSA 28, 1913

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as  
a separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

भारत सरकार के मंत्रालयों द्वारा जारी किये गये सांविधिक शार्वेश प्रौद्योगिकीय अधिसूचनाएं (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर)  
Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than  
the Ministry of Defence)

विधि और न्याय मंत्रालय

(विधि कार्य विभाग)

सूचनाएं

नई विल्सो, 12 दिसम्बर, 1991

का. अ. 159.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6  
के अनुसरण में सधान प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती  
है कि श्री वी. नागराजन एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को  
उक्त नियम नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के  
लिए दिया है कि उसे यशवन्तपुर (बंगलौर) में व्यवसाय  
करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी  
प्रकार का आक्षेत्र इस सूचना प्रकार के चौदह दिन के  
भीतर लिखित रूप में मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5 (126)/91-न्या.]

(289)

MINISTRY OF LAW AND JUSTICE

(Department of Legal Affairs)

(Judicial Section)

## NOTICES

New Delhi, the 12th December, 1991

S.O. 159.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Act, 1956, that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Sh. V. Nagarajan, Advocate for appointment as a Notary to practise in Yashwanthpur (Bangalore).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 5(126)/91-Judl.]

का. प्रा. 160.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सधान प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी

जाती है कि श्री सी.जे. मोतवानी एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए, दिया है कि उसे महाराष्ट्र में अवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप में भेजा जाए।

[सं. 5 (110)/91-न्या.]

जाती है कि श्रीमति कमला तिवारी ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे आगांग व दिल्ली में अवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप में भेजा जाए।

[सं. 5 (134)/91-न्या.]

New Delhi, the 24th December, 1991

S.O. 160.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Act, 1956, that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by C. J. Motwani, Advocate for appointment as a Notary to practise in Maharashtra State.

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 5(110)/91-Judl.]

नई दिल्ली, 16 दिसम्बर, 1991

का.आ. 161.—नोटरीज, नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री आर.एस. गुप्ता एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे दिल्ली नई दिल्ली अवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप में भेजा जाए।

[सं. 5 (130)/91-न्या]

New Delhi, the 16th December, 1991

का.आ. 163 :—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री श्री.एच. शाह ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे महाराष्ट्र राज्य में अवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप में भेजा जाए।

[सं. 5 (133)/91-न्या.]

S.O. 163.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Act, 1956, that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Sh. B. H. Shah, Advocate for appointment as a Notary to practise in State of Maharashtra.

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 5(133)/91-Judl.]

नई दिल्ली, 2 जनवरी, 1992

का.आ. 164 :- नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा सूचना दी जाती है कि श्रीमति हेमलाला प्रफुल्लचन्द्रा वरोट एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे सेटेलाइट रोड भ्रह्मशावाद (गुप्ता) में अवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आवेदन इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप में भेजा जाए।

[सं. 5 (125)/91-न्या.]

पी.सी. कागज, सक्षम प्राधिकारी

New Delhi, the 2nd January, 1992

S.O. 164.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Act, 1956, that application has been made to the said Authority, under

नई दिल्ली, 24 दिसम्बर 1991

का.आ. 162 :- नोटरीज, नियम 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी

Rule 4 of the said Rules, by Smt. Hemlata Prafulchandra Barot, Advocate for appointment as a Notary to practise in Satellite Road, Ahmedabad (Gujarat).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 5(125)/91-Judl.]

P. C. KANAN, Competent Authority

गृह मन्त्रालय  
(आन्तरिक सुरक्षा विभाग)  
(पुनर्वास प्रभाग)

नई दिल्ली, 6 नवम्बर, 1991

का.आ. 165 :—विस्थापित व्यक्ति (प्रतिकर तथा पुनर्वास) अधिनियम, 1954 (1954 का 44) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एवं द्वारा पुनर्वास प्रभाग, आन्तरिक सुरक्षा विभाग, गृह मन्त्रालय में अनुभाग अधिकारी श्री सं. पी. कट्टल को तत्काल प्रभाव से उक्त अधिनियम के द्वारा अथवा उसके अधीन प्रबन्ध अधिकारी को सौंपे गये कार्यों का निष्पादन करने के उद्देश्य से प्रबन्ध अधिकारी नियुक्त करती है।

[सं. 1 (1)/विशेष कक्ष/89-एस.एस.-2/एस]

कुलदीप राय, उप सचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

(Department of Internal Security)

Rehabilitation Division (Settlement)

New Delhi, the 6th November, 1991

S.O. 165.—In exercise of the powers conferred by Sub-Section (1) of Section 3 of the Displaced Persons (Compensation and Rehabilitation) Act, 1951 (44 of 1954), the Central Government hereby appoints Shri C. P. Katyal, Section Officer in the Rehabilitation Division in the Ministry of Home Affairs, Department of Internal Security as Managing Officer for the purpose of performing the functions assigned to a Managing Officer by or under the said Act, with immediate effect.

[No. 1(1)/Spl.Cell/89-SS-II/S]

KULDIP RAI, Dy. Secy.

कार्मिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय

(कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग)

श्रादेश

नई दिल्ली, 9 दिसम्बर, 1991

का.आ. 166 :—केन्द्रीय सरकार, दिल्ली विशेष पुलिस स्थापन अधिनियम, 1946 (1946 का अधिनियम नं. 25) की धारा 6 के साथ पठित धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, नियुक्त राज्य

सरकार की सहमति से, (देखिए नियुक्त राज्य की अधिनियम संख्या एक 39 (28)-पी धी/91 तारीख 29 नवम्बर, 1991 द्वारा भारतीय दण्ड संहिता 1860 (1860 का अधिनियम सं. 45) की धारा 302/326/148-149 के अधीन और आयुक्त अधिनियम 1959 की धारा 27 के अधीन दृष्टिगत अपराधों के मन्त्रेषण के लिए जो हत्या करने, बहुतरनाक शस्त्रों द्वारा स्वैच्छिक रूप से घोर उपहति करने, विधि विरुद्ध जमाव के सदस्यों द्वारा घातक शस्त्रों से बलवा करने तथा उनका विधि विरुद्ध प्रयोजन के आशय से आयुधों और गोला बाल्ड को कड़े में रखने के लिए हों और किन्हीं अन्य अपराधों के लिए चाहे जो भी हों, जो श्री श्याम हरी शर्मा की हत्या तथा श्री ब्रजेश चक्रवर्ती तथा राखाल चक्रवर्ती श्रादि को 13-11-91 को अग्ररतला में स्वैच्छिक रूप से की गई घोर उपहति की बाबत पूर्वी अग्ररतला पुलिस थाना मामला सं. 12 (11)/91 के संबंध में उन्हीं तथ्यों से उत्पन्न होने वाले वैसे ही संघवहार के अनुक्रम में किए गए अपराधों के संबंध में दिल्ली विशेष पुलिस स्थापन के सदस्यों की शक्तियों और अधिकारियों की विस्तार संग्रह नियुक्त राज्य पर करती है।

[संख्या 228/56/91-ए.वी.डी.-II]

ए.सी. शर्मा, अवर सचिव

MINISTRY OF PERSONNEL, PUBLIC GRIEVANCES

AND PENSIONS

(Department of Personnel & Training)

ORDER

New Delhi, the 9th December, 1991

S.O. 166.—In exercise of the powers conferred by Sub-Section (1) of Section 5 read with Section 6 of the Delhi Special Police Establishment Act, 1946 (Act No. 25 of 1946), the Central Government with the consent of the State Government of Tripura (vide Government of Tripura Home Department Notification No. F. 39(28)-PD/91 dated 29th November, 1991) hereby extends the powers and jurisdiction of the members of the Delhi Special Police Establishment to the whole of the State of Tripura for investigation of the offences punishable under Sections 302/326/148/149 of the Indian Penal Code 1860 (Act No. 45 of 1860) and under Section 27 of the Arms Act, 1959, for commission of murder, voluntarily causing grievous hurt by dangerous weapons, rioting with deadly weapons by members of unlawful assembly and also for possessing arms and ammunition with intent to use the same for unlawful purpose and any other offences, whatsoever, committed in course of the same transaction arising out of the same facts in regard to East Agartala P. S. Case No. 12(11)/91 relating to murder of Shri Shyambar Sharma and voluntarily causing grievous hurt by deadly weapons to Shri Brajesh Chakraborty and Shri Rakhal Chakraborty etc. at Agartala on 13-11-1991.

[No. 228/56/91-AVD.II]

A. C. SHARMA, Under Secy.

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 31 जून 1991

मंत्रालय स्थापना

का.आ. 167.—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय राजस्व बोर्ड अधिनियम, 1963 (1963 की नं. 54) की धारा 3 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त

शक्तियों का प्रयोग करते हुए, जो भारतीय सीमा शुल्क और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क सेवा के अधिकारी और पूर्व में निरीक्षण और लेगा परीक्षा, सीमा शुल्क और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, नई विला में महानिदेशक के पद पर सीमा श्री तरुण राय की 29 जुलाई, 91 की अपराह्न से अगला आदेश होने तक वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग के द्वारा प्रत्यक्ष कर बोर्ड में सदस्य नियुक्त करती है।

[फा. सं. 19011/3/91-प्रश्ना. 1]

### MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 31st July, 1991

Headquarter's Establishment

S.O. 167.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 3 of the Central Board of Revenue Act, 1963 (No. 54 of 1963), the Central Government hereby appoint Shri Tarun Roy an officer of Indian Customs and Central Excise Service and formerly posted as Director General, Inspection and Audit, Customs & Central Excise, New Delhi, as Member in Central Board of Excise and Customs, Department of Revenue, Ministry of Finance, with effect from the forenoon of the 29th July, 1991, and until further orders.

[F. No. 19011/3/91-Ad-I]

का. आ. 168.—केन्द्रीय मरकार केन्द्रीय राजस्व बोर्ड अधिनियम, 1963 (1963 की सं. 54) के अन्दर (१) उपचाप (२) में प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारतीय राजस्व सेवा (आपकर) के अधिकारी श्री वी. के. अपाचू को जो इसमें पूर्व आधकर (प्रश्ना.) नई विली में मुख्य आयुक्त के रूप में नैनत थे, वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग के केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड में दिनांक 29 जुलाई, 1991 से और अगला आदेश होने तक सदस्य नियुक्त करते हैं।

[फा. सं. ए. 19011/4/91 प्रश्ना. 1]

S.O. 168.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 3 of the Central Boards of Revenue Act, 1963 (No. 54 of 1963), the Central Government hereby appoint Shri P. K. Appachoo, an officer of I.R.S. (I.T.) and formerly posted as Chief Commissioner of Income-Tax (Admn.), New Delhi as Member in Central Board of Direct Taxes, Department of Revenue, Ministry of Finance, with effect from the forenoon of the 29th July, 1991 and until further orders.

[F. No. A-19011/4/91-Ad-I]

नई विली, 13 अगस्त, 1991

का. आ. 169.—केन्द्रीय राजस्व बोर्ड, अधिनियम, 1963 (1963 की सं. 54) की धारा 3 की जा धारा (२) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय मरकार भारतीय सीमा शुल्क और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क सेवा के अधिकारी और पूर्व में सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, मद्रास के मुख्य भागहर्ता के पद पर नैनत अ.एस.ए. नोवेंद्रराज की वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और सीमा शुल्क बोर्ड में दिनांक 31 जुलाई, 1991 की पूर्वाह्न से अगला आदेश होने तक सदस्य नियुक्त करती है।

[फा. सं. ए—19011/4/91 प्रश्ना. 1]

New Delhi, the 13th August, 1991

S.O. 169.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 3 of the Central Boards of Revenue Act, 1963 (No. 54 of 1963), the Central Government hereby appoint Shri S. A. Govindaraj, an officer of Indian Customs & Central Excise Service and formerly posted as Principal Collector of Customs and Central Excise, Madras, as Member in Central Board of Excise and Customs, Department of Revenue, Ministry of Finance, with effect from the forenoon of the 31st July, 1991 and until further orders.

[F. No. A-19011/5/91-Ad-I]

का. आ. 170.—केन्द्रीय सरकार केन्द्रीय राजस्व बोर्ड अधिनियम, 1963 (1963 का 54), वी. धारा 3 की उपधारा (२) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारतीय सीमा शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क सेवा के अधिकारी श्री सौ. भुजंगास्वामी को जो इससे पूर्व सीमा शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, हैदराबाद से प्रवान समाहर्ता के रूप में नैनत थे, सारोबर 1 अगस्त, 1991 (पूर्वाह्न) से अगला आदेश के होने तक वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग के केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सीमा शुल्क में सदस्य नियुक्त करती है।

[फा. सं. ए-19011/6/91-प्रश्ना. 1]

S.O. 170.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 3 of the Central Boards of Revenue Act, 1963 (No. 54 of 1963), the Central Government hereby appoint Shri C. Bhujangaswamy an officer of Indian Customs & Central Excise Service and formerly posted as Principal Collector of Customs & Central Excise, Hyderabad, as Member in Central Board of Excise and Customs, Department of Revenue, Ministry of Finance, with effect from the forenoon of the 1st August, 1991 and until further orders.

[F. No. A.19011/6/91-Ad.I]

नई विली, 19 अगस्त, 1991

का. आ. 171.—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय राजस्व बोर्ड अधिनियम, 1963 (1963 का 54) की धारा 3 की उपधारा (१) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारतीय राजस्व सेवा (आपकर) अधिकारी श्री ए. आर. राय को, जो इससे पूर्व अंतरिक्ष विभाग, बंगलौर में अपर मन्त्रिक के रूप में नैनत थे, दिनांक 8 अगस्त, 1991 पूर्वाह्न में अगला आदेश होने तक वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग के केन्द्रीय प्रत्यक्ष प्रत्यक्ष कर बोर्ड में सदस्य नियुक्त करते हैं।

[फा. सं. ए 19011/7/91/प्रश्ना. 1]

रमेश कुमार, अवार सचिव

New Delhi, the 19th August, 1991

S.O. 171.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 3 of the Central Boards of Revenue Act, 1963 (No. 54 of 1963), the Central Government hereby appoint Shri A. R. Rao, an officer of IRS (I.T.) and formerly posted as Additional Secretary, Department of Space, Bangalore, as Member in Central Board of Direct Taxes, Department of Revenue, Ministry of Finance, with effect from the forenoon of the 8th August, 1991 and until further orders.

[F. No. A.19011/7/91-Ad.I]

RAMESH KUMAR, Under Secy.

आदेश

नई विली, 27 दिसम्बर, 1991

स्टाम्प

का. आ. 172.—भारतीय स्टाम्प अधिनियम 1899 (1899 का २) की धारा (८) की उपधारा (१) के बाद (क) द्वारा प्रदत्त

प्रक्रियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एवं द्वारा उस शुल्क को माफ करती है जो आवान एवं घटना विकास नियम नि. नई विली द्वारा जारी किए जाने वाले केवल पैरिस करोड़ रुपए के "11.5 प्रतिशत बंधपत्रों—2011 XXXVIII श्रृंखला" काने बंधपत्रों के स्वाप्न में अर्थित बंधों पर उन्नत अधिनियम के प्रतित प्रभाव है।

[फा. सं. 50/91-स्टाप-फा. सं. 33/54/91-वि. क.]

## ORDERS

New Delhi, the 27th December, 1991

### STAMPS

S.O. 172.—In exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby remits the duty with which the bonds in the nature of debentures—"11.5% Debentures—2011-XXXVIII Series" of the value of rupees thirty five crores only to be issued by Housing and Urban Development Corporation Limited, New Delhi are chargeable under the said Act.

[No. 50/91-Stamp-F. No. 33/54/91-ST]

नई विली, 27 दिसम्बर, 1991  
स्टाप

का.आ।. 173 :—भारतीय स्टाप अधिनियम, 1899 (1899 का 2) की धारा 9 की उपधारा (1) के खंड (क) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एवं द्वारा उस शुल्क को माफ करती है जो भारतीय रेलवे वित्त नियम नि. द्वारा जारी किये जाने वाले सात साँ करोड़ रुपए मात्र के बूल्य "9 प्रतिशत कर्सम्बत बंधपत्रों की अपरिक्षत नीतीय श्रृंखला" के रूप में अर्थित बंधपत्रों के रखण के बांधों पर उक्त अधिनियम के अन्तर्गत प्रभाव है।

[सं. 51/91-स्टाप फा. सं. 33/55/91-वि. क.]  
आत्मा राम, अवर सचिव

New Delhi, the 27th December, 1991

### STAMPS

S.O. 173.—In exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of the section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby remits the duty with which the bonds in the nature of debentures described as "6th Series of redeemable 9 per cent tax-free debentures" of the value of rupees seven hundred crores only to be issued by Indian Railway Finance Corporation Limited are chargeable under the said Act.

[No. 51/91-Stamp-F. No. 33/55/91-ST]

ATMA RAM, Under Secy.

[महानिवेशक (आयकर छूट) का कार्यालय]

फलकता, 16 सितम्बर, 1991

आयकर

का. आ।. 174 :—सर्व साधारण की सचना के लिये एवं द्वारा यह अधिसूचना जारी किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (प्रीनी/एक/दो की उपधारा (1) के खंड (ii) के लिये, सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग भी सहमति से, आयकर लियम, 1962 के नियम 6 के प्रधिन विहिन प्राधिकारी प्रवर्ति महानिवेशक (आयकर छूट) द्वारा

निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थात" प्रबों के प्रधिन अनुमोदित किया गया है।

- (1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिये प्राप्त धन के लिये एक अन्य लेखा रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान गवर्नर कार्यालयों का एक वार्षिक विवरण प्रदेश वित्तीय वर्ष के लिये, भवेत्वे वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन, न्यू मैट्रोनी रोड नं० 110016 को भेजेगा।
- (3) यह भवेत्वे वर्ष की 30 जून, तक, लेखा-प्रदानित वार्षिक लेखों की एक प्रति अपनी-भाषा, अभिन्नों एवं वेन्डरियों के विवरण भेजेगा, (क) महानिवेशक (आयकर छूट) (व) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयकर/आयकर निवेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ते हैं, को प्रवृत्त करेगा।

संगठन का नाम

बुल रिसर्च एनोशिएशन,  
अकबर कॉर्प रोड,  
पा. आ. गल्डेज वाग,  
धनलसेट न्यू,  
थाने—400607

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1991 से 31-3-1992 तक की अवधि के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी :—संगठन की अनुमोदन की अवधि वडाने के लिये अनुमोदन की नमायिन के तीन माह पूर्व आयकर आयकर/आयकर निवेशक (छूट) जिनके अधिकारीकार में संगठन में पड़ता है, के माध्यम से साधारण महानिवेशक (छूट) कलकता को तीन प्रांतों में आवेदन करने के लिए सुनार दिया जाता है। विशेष मामलों में जहाँ अनुमोदित आदेश उपर्युक्त तीन माह की नमायिन पर अवधि उक्त अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त दूसरा हो, गंगठन अनुमोदित आयेण प्राप्त करन के पश्चात् यावर्गीय मनुष्योवत का अधिक वडाने के लिये सावेदन फरमाए जाएं। अनुमोदन की अवधि वडाने के संबंध में किए गए आवेदन-पत्र की 6 प्रतिशत सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की प्रस्तुत करता है।

[सं. 513 (फा. स. आ. औ. एम. -101/कज. /35/(1)  
(ii)/90—आ. कर (छूट)]

[Office of the Director General of Income-Tax (Exemptions)]  
Calcutta, the 16th September, 1991

### INCOME-TAX

S.O. 174.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/one/two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions:

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its Scientific Research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year;

(iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities.

#### NAME OF THE ORGANISATION

Wool Research Association,  
Akbar Camp Road,  
P.O. Sandoz Baug,  
Kolshet Road,  
Thane-400607.

This Notification is effective for the period from 14-1991 to 31-3-1992.

NOTE.—The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 513/F. No. DG/M-101/Cal/35(1)(ii)/90-IT(E)]

कलकत्ता 30 भित्तिर, 1991

आयकर

का. आ. 175—संसाधारण की सूचा के लिए एतद्वारा यह प्रधिसूचना जारी किया जाता है कि निम्नलिखन संगठन को, आयकर प्रधिनियम 1961 की घारा 35 (रेटेन्यू/कॉर्पोरेशन) को उपकारा (i) के अंडे (ii) के लिए, वैज्ञानिक और श्रीधोगिक अनुसंधान विभाग को सहमति से, आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के प्रवीन विहित प्राधिकारी पर्यात् गहानिवेशक (आयकर छट) पारा निम्नलिखित गार्ड पर “मंब” प्रर्ण के अर्द्धे अनुमोदित किया गया है।

- (1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिये प्राप्त धन के लिये एक अलग खाता रखेगा।
- (2) यह अपने रैंजानिक अनुरूप तर्बंधी कार्यकलापों का एक वैज्ञानिक विवरण प्रयोक्त वित्तीय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, संचार, वैज्ञानिक व श्रीधोगिक अनुसंधान विभाग, अंधोगिक भवन, न्यू सेक्टरीलो रोड — मई विल्ली—110016 की भेजेगा।
- (3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, नेक्सा-परोक्षित वापिक लेखों को एक प्रति आरोग्या, श्रीमियों एवं देनदारियों के विवरण सहित, (क) नदानिवेशक (आयकर छट) (ख) संचार, वैज्ञानिक व श्रीधोगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर निवेशक (छट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

के ज. रिम्ब फाउण्डेशन,  
941, पूनामल्लै, हाई रोड,  
मद्रास—600084।

यह आधिसूचना विनाक 1-4-1991 से 31-3-1992 तक की भवित्व के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी :—संगठन को अनुमोदन की अधिक बढ़ाने के लिए अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयुक्त/आयकर निवेशक (छट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन में पड़ता है, के माध्यम से आयकर नदानिवेशक (छट), कलकत्ता की तीन प्रतियों में आवेदन करने लिए मुकाबला दिया जाता है। विषेष समयों में, जहां अनुसारित अवधें उपस्थित तीन माह की समाप्ति पर आवधा उत्तर अधिकारी की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदित आवेदन प्राप्त करने के पश्चात् यासीन अनुमोदन की अधिक बढ़ाने के लिए आवेदन करें। अनुमोदन को अधिक बढ़ाने के संबंध में किए गए आवेदन-पत्र का 6 प्रतियो सचिव, वैज्ञानिक और अंधोगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करता है।

[सं. 514 (फ. सं. अ. जा. / टा. एन-2 / कल./ 35/(1) (ii)/ 89—मा. कर (छट)]

Calcutta, the 30th September, 1991

#### INCOME-TAX

S.O. 175.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five-one/two) of the Income-tax Act, 1961 under the category “Association” subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its Scientific Research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, ‘Technology Bhawan’, New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year;
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities.

#### NAME OF THE ORGANISATION

K. J. Research Foundation,  
941, Poonamallee High Road,  
Madras-600084.

This Notification is effective for the period from 1-4-1991 to 31-3-1992.

NOTE.—The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 514 (F. No. DG/TN-2/Cal/35(1)(ii)/89-IT(E)]

आयकर

का. आ. 176 :—संसाधारण की सूचा के लिये एतद्वारा यह आधिसूचना जारी किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आय-

कर अधिनियम, 1961 की घारा 35 पंतीम/एक/दो की उपयारा (1) के अंडे (ii) के फिर, सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की सहमति से, आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विभिन्न प्राधिकारी अधिकारी महानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा नियन्त्रित गति पर "संस्थान" प्रबोध के अधीन अनुमोदित किया गया है।

(1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिये प्राप्त धन के लिये एक अनुसंधान के लिये लिया रखेगा।

(2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष की 31 मई, तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन, न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली—110016 को भेजेगा।

(3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, नेत्रा-परिवित वार्षिक लेखों की एक प्रति अपनी-अपनी, आस्तियों एवं देनदारियों के विवरण सहित, (क) महानिदेशक (आयकर छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके अधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

#### संगठन का नाम

दि इंस्टिल्यूट आफ इंडियन फाउन्ड्रीजन,  
4/2, मिडलटन स्ट्रीट, 1 ली मंजिल,  
"मिडलटन कोर्ट"  
कलकत्ता—700071

यह प्रवितृता दिनांक 1-4-1991 से 31-3-1992 तक की अवधि के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी :—संगठन को अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट), जिनके अधिकार में संगठन पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में प्रत्येक फरने के लिए सुनाक दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहाँ अनुमोदित आदेश उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अधिक उक्त अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्वे प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदित आयुक्त/आयकर फरने के पश्चात यात्रीय अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करें। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए गए आवेदन-पत्र वर्ष 6 प्रतियों संतुष्ट, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करता है।

[सं. 515/फा. सं. डी. जी. /उड्डा. श्री. 9/क . / 35/(1) (ii)/  
89—प्रा. कर (छूट)]

#### INCOME-TAX

S.O. 176.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/one/two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- It will furnish the Annual Return of its Scientific Research activities to the Secretary, Department of

Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and

(iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities.

#### NAME OF THE ORGANISATION

The Institute of Indian Foundrymen,  
4/2, Middleton Street, 1st Floor,  
"Middleton Court",  
Calcutta-700071.

This Notification is effective for the period from 1-4-1991 to 31-3-1992.

NOTE.—The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six Copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 515/F. No. DG/WB-9/Cal/35(1)(ii)/89-IT(E)]

#### आयकर

का.प्रा 177 :—सर्वेसाधारण की सुनना के लिए एवं द्वारा यह प्रवितृता जारी किया जाता है कि नियन्त्रित संगठन को, आयकर अधिनियम 1961 की घारा 35 (पेसेस/एक/दो) की उपयारा (1) के अंडे (ii) के लिए, सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की सहमति से आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विभिन्न प्राधिकारी अधिकारी महानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा नियन्त्रित गति पर "विश्वविद्यालय" प्रबोध के अधीन अनुमोदित किया गया है।

- संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए धन धन के लिए एक मलग लेका रखेगा।
- यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन, न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा।
- यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेत्रा-परिवित वार्षिक लेखों को एक प्रति अपनी-अपनी, आस्तियों एवं देनदारियों के विवरण सहित, (क) महानिदेशक (आयकर छूट) (ख) मंजिल, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके अधिकार में पड़ता है को प्रस्तुत करेगा।

#### संगठन का नाम

दि निजामस इंस्टीट्यूट आफ मैडिकल साइंसेज,  
पंजाबड़ा, हैदराबाद-500472  
प्रांत ग्राम

यह प्रवितृता दिनांक 1-4-1990 से 31-3-1993 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : संगठन को अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयकर/अधिकार/निवेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन से पड़ता है, के माध्यम से आयकर भवानिवेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतिवर्षों में आवेदन करने के लिए मुमाला दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहाँ अनुमोदित आदेश उपर्युक्त सीन माह भी समाप्ति पर अवधि तक अवधि को समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो संगठन अनुमोदित आदेश प्राप्त करने के पश्चात यथार्थ अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करें। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए गए आदेश-पत्र की छः प्रतिवर्ष सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 516(फा. सं. ई. जी. /ए. पी-3/कल. /35/(1)(ii)/88-आ.कर (छूट)]

### INCOME-TAX

S.O. 177.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/one/two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "University" subject to the following conditions :

- The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- It will furnish the Annual Return of its Scientific Research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities.

### NAME OF THE ORGANISATION

The Nizam's Institute of Medical Sciences,  
Panjagutta, Hyderabad-500482.  
Andhra Pradesh.

This Notification is effective for the period from 1-4-1990 to 31-3-1993.

NOTE.—The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 516 (F. No. DG/AP-8/Cal/35(1)(ii)/88-IT(E)]

का. ना. 178:—संविधान को सूचना के लिए एतद्वारा यह अधिसूचना जारी किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को आयकर अधिनियम 1961 की शारा 35 (पर्टीस/एक/दो) की उपधारा (1) के अन्दर (ii) के लिए, सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की महमति से, आयकर नियम, 1961 के नियम 6 के प्रधीन

विभिन्न प्राधिकारों अथवा महानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्न विविध सार्वे पर "संघ" प्रबन्ध के अधीन अनुमोदित किया गया है।

- संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए प्राप्त धन के लिए एक अलग लेखा रखेगा।
- यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकालों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक विद्याय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन, न्यू मेहराली रोड, मई दिल्ली-110016 को भेजेगा।
- यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा-पर्याप्ति वार्षिक सेवों की एक प्रति अपनी-अध्यय, आस्तियों एवं बेनवारियों के विवरण सहित, (क) महानिवेशक (आयकर छूट) (ख) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आपूर्ति/आयकर निवेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

### संगठन का नाम

बत्तरा एकिकल रिसर्च सेंटर,  
अमिरा फार्मासी, बाबुगांव और  
श्रीनगर (काशीमीर)

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1991 से 31-3-1992 तक की अवधि के लिए प्रभारी है।

टिप्पणी : संगठन को अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयकर निवेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है, के माध्यम से आयकर भवानिवेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतिवर्षों में आवेदन करने के लिए मुमाला दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहाँ अनुमोदित आदेश उपर्युक्त सीन माह की समाप्ति पर अवधि तक अवधि को समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदित आदेश प्राप्त करने के पश्चात यथार्थ अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करें। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए गए आवेदन पत्र की 6 प्रतिवर्ष सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 517(फा. सं. ई. जी. /जे. एड फे. /ए/कल. /35/(1)(ii)/88-आ.कर (छूट)]

### INCOME-TAX

S.O. 178.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/one/two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions :

- The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- It will furnish the Annual Return of its Scientific Research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its

audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities.

#### NAME OF THE ORGANISATION

Batra Medical Research Centre,  
Amira Kadal, Badsha Chowk,  
Srinagar (Kashmir).

This Notification is effective for the period from 1-4-1991 to 31-3-1992.

NOTE.—The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 517/F. No. DG/J&K-2] [Cal/35(1)(ii)] [88-JT(E)]

आयकर

का. आ. 179 :—सर्वेताधारण की सूचना के लिए एतदद्वारा यह अधिसूचना जारी किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को आयकर प्रधिनियम 1961 की धारा 35 (पैरीस/एक/दो) को उपधारा (1) के खंड (ii) के लिए सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की सहमति से आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के प्रधीन विहित प्राधिकारी प्रथम् महानिवेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर “संस्थान” प्रवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है।

- (1) संगठन वैज्ञानिक प्रनुसंधान के लिए प्राप्त धन के लिए एक अलग लेखा रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक प्रनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक मंत्र, न्यू महरांगो रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा।
- (3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक लेखा परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति अपनी अवधि, आस्तियों एवं देनदारियों के विवरण सहित (क) महानिवेशक आयकर छूट (अ) सचिव वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयतार निवेशक (छूट) जिनके क्षेत्रिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

श्री जयदेव हनस्टिट्यूट आफ कार्डिअलजी विस्टोरिया अस्पताल  
काम्पस, बैंगलूरु-560002

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1989 से 31-3-1990 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : संगठन को अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयुक्त/आयकर निवेशक (छूट), जिनके क्षेत्रिकार में संगठन पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिवेशक (छूट) कालकर्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करने के लिए सुनाव दिया जाता है। यिन्हें मामलों में, जहाँ अनुमोदित प्रारंभ उत्पुत्ति संन माह की समाप्ति पर अथवा उक्त अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदित आवेदन प्राप्त करने के पश्चात् यथानीष्ठ अनुमोदन की अवधि

बढ़ाने के लिए आवेदन करें। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए गए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियाँ सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक प्रनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करता है।

[सं. 518/का. सं. डी.जी./के.टी. 32/कल. 35/(1) (ii) / 90-  
पा. कर (छूट)]

#### INCOME TAX

S.O. 179.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/one/two) of the Income-tax Act, 1961 under the category ‘Institution’ subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, ‘Technology Bhawan’, New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year;
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual account showing its income, expenditure and its assets and liabilities.

#### NAME OF THE ORGANISATION

Sri Jayadeva Institute of Cardiology,  
Victoria Hospital Complex,  
Bangalore-560002.

This Nitification is effective for the period from 1-4-1989 to 31-3-1990.

NOTE : The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of aproval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 518/F. No. DG/KT-32/Cal/35(1)(ii)] [90-IT(E)]

आयकर

का.आ. 180.—सर्वेताधारण की सूचना के लिये एतदद्वारा यह अधिसूचना जारी किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर प्रधिनियम 1961 की धारा 35 (पैरीस/एक/तीन) की उपधारा (1) के खंड (iii) के लिये, सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक प्रनुसंधान विभाग की सहमति से, आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के प्रधीन विहित प्राधिकारी प्रथम् महानिवेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर “संस्थान” प्रवर्ग के प्रधीन अनुमोदित किया गया है।

- (1) संगठन वैज्ञानिक प्रनुसंधान के लिये प्राप्त धन के लिये एक अलग लेखा रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक प्रनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष की

31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन, न्यू मेहरौली रोड नई दिल्ली-110016 को भेजेगा।

(3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति अपनी-व्यय, आस्तियों एवं देनदारियों के विवरण सहित, (क) महानिवेशक (प्रायकर छूट), (ख) सचिव वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) प्रायकर आयुक्त/प्रायकर निवेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

#### संगठन का नाम

इण्डियन कार्बनिल फौर रिसेंज और इंस्टरनैशनल इकनामिक रिसॉर्स्स, 40, सोधी इस्टेट, नई दिल्ली-110003

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1991 से 31-3-1992 तक की अवधि के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी : संगठन को अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व प्रायकर आयुक्त/प्रायकर निवेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन में पड़ता है, के माध्यम से प्रायकर महानिवेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में अवेदन करने के लिए सुझाव दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहां अनुमोदित आवेदन उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अधिकार उक्त अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदित आदेश प्राप्त करने के पश्चात् यथाशीघ्र अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करें। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए गए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियों सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 519/का. सं. डी. जी./एन.डी. 23/कल./35/(1) (iii)/89-प्रा.कर (छूट)]

#### INCOME TAX

S.O. 180.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/one/three) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year;
- It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income, expenditure and its assets and liabilities.

#### NAME OF THE ORGANISATION

Indian Council for Research on International Economic Relations, 40, Lodi Estate, New Delhi-110003.

This Notification is effective for the period from 1-4-1991 to 31-3-1992.

NOTE : The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No 519/F. No. DG/ND-23/Cal/35(1)(iii)/89-IT(E)]

कलकत्ता, 1 अक्टूबर, 1991

प्रायकर

का.आ. 181.—सर्वसाधारण की सूचना के लिये एतद्वारा यह अधिसूचना जारी की जाती है कि निम्नलिखित संगठन को, प्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (वैतीस/एक/दो) की उपधारा (1) के अन्तर्गत (ii) के लिये, सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की सहमति से, प्रायकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विविध प्राविकारी प्रथम् महानिवेशक (प्रायकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "कालेज" प्रवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है।

- संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिये प्राप्त धन के लिये एक अलग लेखा रखेगा।
- यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन, न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा।
- यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति अपनी-व्यय, आस्तियों एवं देनदारियों के विवरण सहित, (क) महानिवेशक (प्रायकर छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) प्रायकर आयुक्त/प्रायकर निवेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

#### संगठन का नाम

सवाई मानसिंह-मेडिकल कालेज, जयपुर, राजस्थान।

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1991 से 31-3-1992 तक की अवधि के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी : संगठन को अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व प्रायकर आयुक्त/प्रायकर निवेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है, के माध्यम से प्रायकर महानिवेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करने के लिए सुझाव दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहां अनुमोदित आवेदन उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अधिकार उक्त अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदित आदेश प्राप्त करने के पश्चात् यथाशीघ्र अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करें। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए गए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियों सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 520/का. सं. डी.जी./आर. 5/कल./35/(1) (ii)/90-प्रा.क. (छूट)]

Calcutta, the 1st October, 1991

## INCOME-TAX

S.O. 181.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/one/two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "College" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year;
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income, expenditure and its assets and liabilities.

## NAME OF THE ORGANISATION

Sawai Mansingh Medical College,  
Jaipur, Rajasthan.

This Notification is effective for the period from 1-4-1991 to 31-3-1992.

NOTE : The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 520/F. No. DG/R-5/Cal/35(1)(ii)/90-IT(E)]

कलकत्ता, 24 अक्टूबर, 1991

प्रायकर

का. प्रा. 182.—सर्वसाधारण की सूचना के लिये एतदारा यह भ्रष्टसूचना जारी की जाती है कि निम्नलिखित संगठन को, प्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 35 (वित्तीय/एक/वीन) की उपधारा (1) के अंडे (iii) के लिये, सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की सहमति से, प्रायकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी पर्यात् महानिवेशक (प्रायकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" प्रबंध के अधीन अनुमोदित किया गया है।

- (1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिये प्राप्त धन के लिये एक अलग सेक्षा रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यक्रमों का एक वैज्ञानिक विवरण प्रत्येक विस्तृत वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष की 31 मई सक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन, न्यू मेहरोली रोड, नई विल्सी-110016 को भेजेगा।

(3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, सेक्षा-परीक्षित वार्षिक सेक्षों की एक प्रति अपनी-व्यवस्था, प्राप्तियों पर्याप्त देनवारियों के विवरण सहित, (क) महानिवेशक (प्रायकर छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) प्रायकर अनुसंधान/प्रायकर निवेशक (छूट) जिनके वैज्ञानिकार्थ में पड़ता है, प्रस्तुत करेगा।

## संगठन का नाम

श्री भरविन्द सोसाइटी,  
यूनिट : श्री भरविन्द इस्टिट्यूट ऑफ रिसर्च  
इन सोशल साइंस,  
पाइडेंसी-605001

यह भ्रष्टसूचना दिनांक 1-4-1991 से 31-3-1993 तक की भवष्टि के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी : संगठन को अनुमोदन की भवष्टि देने के लिए अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व प्रायकर अनुसंधान/प्रायकर निवेशक (छूट), जिनके वैज्ञानिकार्थ में संगठन में पड़ता है, के व्यापक से प्रायकर महानिवेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतिवर्षों में अनुमोदन करने के लिए मुकाबल विया जाता है। विशेष समालों में, जहाँ अनुमोदित प्रायकर उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अथवा उक्त भवष्टि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदित प्रायकर करने के पश्चात् यथाशीघ्र अनुमोदन की भवष्टि देने के लिए प्रायकर करें। अनुमोदन की भवष्टि देने के संबंध में किए गए प्रायकर-प्रबंध की 6 प्रतिवर्षों सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 521/फा. सं. डी.जी./पड़ि-1/कल. 35/(1)(iii)/89-प्रा. कर (छूट)]

Calcutta, the 24th October, 1991

## INCOME-TAX

S.O. 182.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/one/three) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year;
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income, expenditure and its assets and liabilities.

## NAME OF THE ORGANISATION

Sri Aurobindo Society,  
Unit : Sri Aurobindo Institute of Research,  
in Social Sciences,  
Pondicherry-605001.

This Notification is effective for the period from 1-4-1989 to 31-3-1993.

NOTE : The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 521/F. No. DG/Pondy-1/Cal/35(1)(iii)/89-IT(E)]

#### आयकर

का.प्रा. 83 :—सर्वसाधारण की सूचना के लिये एतद्वारा यह अधिसूचना जारी की जाती है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35 (पेंसीस/एक/दो) की उपधारा (3) के खण्ड (ii) के लिये, सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को सहमति से, आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी प्रथम त महानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" प्रबंध के अधीन अनुमोदित किया गया है।

- (1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिये प्राप्त धन के लिये एक अलग लेखा रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन, न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा।
- (3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति अपनी-व्यय, आस्तियों एवं देनवारियों के विवरण सहित, (क) महानिदेशक (आयकर छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

#### संगठन का नाम

पीशनल इन्स्टीट्यूट ऑफ अडवान्सेड स्टाडिज,  
इण्डियन इन्स्टीट्यूट ऑफ साइंस, कम्पास,  
बैंगलुरु-560012

यह अधिसूचना नियम 30-9-1991 से 31-3-1993 तक की अवधि के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी :—संगठन को अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए अनुमोदन की समाप्ति के हीन माह पूर्वी आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन में पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकता को लीन प्रतियों में आवेदन करने के लिए सुमात्र दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहां अनुमोदित आवेदन उपर्युक्त लीन माह की समाप्ति पर अवधा उपर अवधि की समाप्ति के दीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदित आवेदन करने के पश्चात् यथाक्षम अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करें। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए गए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[मं. 532/फा. सं. डी.जी/के.टी-40/कल./35/(1)(ii)/91-  
आ.कर (छूट)]

#### INCOME-TAX

S.O. 183.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/one/two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, Technology Bhawan, New Mehrauli Road, New Delhi-11006 for every financial year by 31st May of each year;
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income, expenditure and its assets and liabilities.

#### NAME OF THE ORGANISATION

National Institute of Advanced Studies,  
Indian Institute of Science Campus,  
Bangalore-560012.

This Notification is effective for the period from 30-9-1991 to 31-3-93.

NOTE : The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 522/F. No. DG/KT-40/Cal/35(1)(ii)/91-IT(E)]

कलकता, 28 अक्टूबर, 1991

#### आयकर

का.प्रा. 184 :—सर्वसाधारण की सूचना के लिये एतद्वारा यह अधिसूचना जारी की जाती है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35 (पेंसीस/एक/दो) की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिये, सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की सहमति से, आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी प्रथम त महानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" प्रबंध के अधीन अनुमोदित किया गया है ;

- (1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिये प्राप्त धन के लिये एक अलग लेखा रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन, न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा।
- (3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति अपनी-व्यय, आस्तियों एवं देनवारियों के विवरण

सहित, (क) महानिदेशक (आयकर छूट) (ख) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

महाराष्ट्र राज्य द्राक्षा बगैतदार संघ,

'द्राक्षा भवन'

इ/4, मार्केट याड, गुलटेकडी,

पूर्ण-411037

यह अधिसूचना विनांक 1-4-1991 से 31-3-1992 तक की अवधि के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी :—संगठन को अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करने के लिए सुनिश्चित दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहां अनुमोदित आदेश उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अवधार उक्त अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदित आदेश प्राप्त करने के पश्चात् यथाशीघ्र अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करें। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए गए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियों सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 523/फा. सं. श्री. जी. /एम-13/कल. , 35(1) (ii) /89-आ. कर(छूट)]

Calcutta, the 28th October, 1991

INCOME-TAX

S.O. 184.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e. the Director General of Income-tax Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/one/two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual account showing its income expenditure and its assets and liabilities.

#### NAME OF THE ORGANISATION

Maharashtra Rajya Draksha Bagaitdor Sangh,  
Draksha Bhavan,  
R/4, Market Yard, Gultekdi,  
Pune-411037.

This Notification is effective for the period from 1-4-1989 to 31-3-1992.

NOTE : The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In

exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 523/F. No. DG/M-13/Cal[35(1)(ii)]/89-IT(E)]

आयकर

का.आ. 185.—संवैसाधारण की सूचना के लिये एलट्रारा यह अधिसूचना जारी की जाती है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35 (पैतीम/पक्ष/दो) की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिये, सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की सहमति से, आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के प्रधीन विहित प्राधिकारी अर्थात् महानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" प्रबंग के प्रधीन अनुमोदित किया गया है।

- संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिये प्राप्त धन के लिये एक अलग लेखा रखेगा।
- यह प्रगते वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन, न्यू मेहराली रोड, नई दिल्ली-110016 को सेंजेगा।
- यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति अपनी-अपनी, आस्तियों एवं देनवारियों के विवरण सहित, (क) महानिदेशक (आयकर छूट) (ख) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

मेडिकल रिसर्च सेंटर अैफ अम्बर्ड भर्स्पताल ट्रस्ट,

12, मेरिन लाइन्स,

बम्बई-400020.

यह अधिसूचना विनांक 1-4-1991 से 31-3-1992 तक की अवधि के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी :—संगठन को अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन में पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में, आवेदन करने के लिए सुनिश्चित दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहां अनुमोदित आदेश उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अवधा उक्त अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदित आदेश प्राप्त करने के पश्चात् यथाशीघ्र अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करें। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए गए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियों सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 524/फा. सं. श्री. जी. /एम-1/कल. , 35/(1) (ii) /89-आ. कर (छूट) ]

INCOME-TAX

S.O. 185.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/one/two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual account showing its income expenditure and its assets and liabilities.

#### NAME OF THE ORGANISATION

Medical Research Centre of,  
Bombay Hospital Trust,  
12, Marine Lines,  
Bombay-400020.

This Notification is effective for the period from 1-4-1991 to 31-3-1992.

**NOTE :** The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 524/F. No. DG/M-1/Cal/35(1)(ii)/89-IT(E)]

कलकत्ता, 29 अक्टूबर, 1991

आयकर

का.पा. 186. :—सर्वसाधारण की सूचना के लिये एतद्वारा यह अधिसूचना जारी की जाती है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35 (पंतीस/एक/दो) की उपधारा (1) के खंड (ii) के लिये, सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की सहमति से, आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के प्रधीन विहित प्राधिकारी प्रधार्त महानिवेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान/संघ" प्रवर्ग के प्रधीन अनुमोदित किया गया है।

- (1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिये प्राप्त धन के लिये एक अलग लेखा रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वायिक विवरण प्रत्येक विशेष वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक वर्ष, न्यू मैट्रोली रोड, नई विली-110016 को भेजेगा।
- (3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, भेद्या-परीक्षित वायिक लेखों की एक प्रति अपनी-व्यव्य, भास्तियों परं देनदारियों के विवरण महित, (क) महानिवेशक (आयकर छूट) (ख) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर निवेशक (छूट) जिनके अधिकारी में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

के.इ.एम. अस्पताल निसर्च सेटर,  
राता पेथ, सरदार मुश्कियर रोड,  
पूर्ण-411011

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1991 से 31-3-1993 तक की अवधि के लिये प्रभावी है।

**टिप्पणी :**—संगठन को अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए अनुमोदन की समाप्ति के लीन माह पूर्व आयकर आयुक्त/आयकर निवेशक (छूट), जिनके अधिकारी में संगठन पड़ता है, के के माध्यम से आयकर महानिवेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आयोजन करने के लिए सुझाव दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहां अनुमोदित आदेश उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अपवाह उक्त अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदित आदेश प्राप्त करने के पश्चात् यथासीध अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयोजन करें। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए गए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करेगा।

[सं. 525 /फा.सं.डी.जी./एम-20 /कल./35]

(1) (ii)/89-मा. कर (छूट) ]

जे. चक्रवर्ती, उप निवेशक आयकर (छूट)

Calcutta, the 29th October, 1991

#### INCOME-TAX

**S.O. 186.—**It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/one/two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income, expenditure and its assets and liabilities.

#### NAME OF THE ORGANISATION

K.E.M. Hospital Research Centre,  
Rasta Peth, Sardar Mudliar Road,  
Pune-411011.

This Notificaion is effective for the period from 1-4-1991 to 31-3-1993.

**NOTE :** The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of

the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 525]F. No. DG[M-20]Cal/35(1)(ii)[89-IT(E)]

J. CHAKRABORTY, Dy. Director of Income Tax (Exemptions)

(प्राथिक कार्य विभाग)

(बैंकिंग प्रभाग)

नई दिल्ली, 26 दिसम्बर, 1991

का. आ. 187.—बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 56 के साथ पठित धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिश पर घोषणा करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 11 की उप धारा 1 के उपर्युक्त जिला सहकारी बैंक लि., कानपुर दर इस अधिसूचना के सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से 30 जून, 1993 तक लागू नहीं होंगे।

[सं. 6-1/91-ए. सी.]

पी. के. तेजयान, भवर सचिव

(Department of Economic Affairs)  
(Banking Division)

New Delhi, the 26th December, 1991.

S.O. 188.—In exercise of the powers conferred by section 53 read with Section 56 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949) the Central Government on the recommendations of the Reserve Bank of India declares that the provisions of sub-section 1 of Section 11 of the said Act shall not apply to the Zila Sahakari Bank Ltd., Kanpur from the date of publication of this notification in the official Gazette to 30 June 1993.

[F. No. 6(1)/91-AC].

P. K. TEJYAN, Under Secy.

नई दिल्ली, 31 दिसम्बर, 1991

का. आ. 188.—सरकारी स्थान (प्राथिक अधिकारियों की बैंकखाली) अधिनियम, 1971 (1971 का 40) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, प्राथिक कार्य विभाग (बैंकिंग प्रभाग) के विभाग 27 अप्रैल, 1991 को भारत के राजपत्र के भाग II की अण्ड 3 के उप-अण्ड (ii) में प्रकाशित दिनांक 8 अप्रैल, 1991 की अधिसूचना संलग्न का. आ. 1172 का अधिक्रमण करते हुए, परन्तु ऐसे अधिक्रमण से पहले किए गए कार्यों और करने के लिए छोड़े गए कार्यों को छोड़कर, केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा निम्नलिखित सारणी के कालम (1) में उल्लिखित उन अधिकारियों को नियुक्त करती है, जो सरकार के राजपत्रित अधिकारियों के स्तर के समकक्ष अधिकारी होंगे, और उक्त अधिनियम के प्रयोगन के लिए सम्पूर्ण अधिकारी (एस्टेट प्राफिसर) होंगे और जो उक्त अधिनियम द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करेंगे तथा उसके अधीन उक्त सारणी के कालम (2) में शमानुसार उल्लिखित सरकारी स्थानों के सम्बन्ध में प्रपत्ते अधिकार क्षेत्र की स्थानीय सीमाओं के अन्तर्गत सम्पदा अधिकारी को सीधे गए कार्यव्यों को पूरा करेंगे:—

सारणी

अधिकारी का पद	सरकारी स्थानों की श्रेणियों और अधिकार क्षेत्र की सीमा
1. अंचल प्रबन्धक	पंजाब एण्ड सिध बैंक की अधिकारी
पंजाब एण्ड सिध बैंक,	उसके द्वारा अधिकारी उसकी ओर
उत्तरी अंचल कार्यालय—I	से पट्टे पर लिए गए और जिला
3. लारेस रोड अमृतसर-	मसूतसर (पंजाब) में अवस्थित
143001	स्थान।

1

2

2. क्षेत्रीय प्रबन्धक,  
पंजाब एण्ड सिध बैंक,  
क्षेत्रीय कार्यालय-1  
प्रथम तल, चौक फवारा,  
शमानुसर-143001

पंजाब एण्ड सिध बैंक की अधिकारी  
उसके द्वारा अधिकारी उसकी ओर से पट्टे पर लिए गए और जम्मू और कश्मीर राज्य में अवस्थित स्थान।

3. क्षेत्रीय प्रबन्धक,  
पंजाब एण्ड सिध बैंक,  
क्षेत्रीय कार्यालय  
पी. एम. जैन कम्पनीस,  
जी. टी. रोड, जालंधर-  
144001

पंजाब एण्ड सिध बैंक की अधिकारी  
उसके द्वारा अधिकारी उसकी ओर से पट्टे पर लिए गए और होशियारपुर जिला, पंजाब में अवस्थित स्थान।

4. क्षेत्रीय प्रबन्धक,  
पंजाब एण्ड सिध बैंक,  
क्षेत्रीय कार्यालय-II,  
माडन टाउन,  
जालंधर सिटी-144003

पंजाब एण्ड सिध बैंक की अधिकारी  
उसके द्वारा अधिकारी उसकी ओर से पट्टे पर लिए गए और कपूर-थला और जालंधर जिले, पंजाब में अवस्थित स्थान।

5. क्षेत्रीय कार्यालय,  
पंजाब एण्ड सिध बैंक,  
क्षेत्रीय कार्यालय,  
सिविल लाइन्स,  
गुरखासपुर-143121

पंजाब एण्ड सिध बैंक की अधिकारी  
उसके द्वारा अधिकारी उसकी ओर से पट्टे पर लिए गए और गुरदासपुर जिले, पंजाब में अवस्थित स्थान।

6. अंचल प्रबन्धक,  
पंजाब एण्ड सिध बैंक,  
उत्तरी अंचल कार्यालय-II,  
सेक्टर 17-बी,  
चण्डीगढ़-160017

पंजाब एण्ड सिध बैंक की अधिकारी  
द्वारा अधिकारी उसकी ओर से पट्टे पर लिए गए और जांडीगढ़ के संघ शासित क्षेत्र में अवस्थित स्थान।

7. क्षेत्रीय कार्यालय,  
पंजाब एण्ड सिध बैंक,  
क्षेत्रीय कार्यालय-I,  
सेक्टर-17-बी,  
चण्डीगढ़-160017

पंजाब एण्ड सिध बैंक की अधिकारी  
उसके द्वारा अधिकारी उसकी ओर से पट्टे पर लिए गए और हिमाचल प्रदेश राज्य और रोपड़ जिला (पंजाब) में अवस्थित स्थान।

8. क्षेत्रीय कार्यालय  
पंजाब एण्ड सिध बैंक,  
क्षेत्रीय कार्यालय (हरियाणा)  
सेक्टर 17-बी,  
चण्डीगढ़-160017।

पंजाब एण्ड सिध बैंक की अधिकारी  
उसके द्वारा अधिकारी उसकी ओर से पट्टे पर लिए गए और हरियाणा राज्य में अवस्थित स्थान।

9. क्षेत्रीय कार्यालय,  
पंजाब एण्ड सिध बैंक,  
क्षेत्रीय कार्यालय,  
कैलाश सिनेमा बैंक,  
सिविल लाइन्स, भुवियाना।

पंजाब एण्ड सिध बैंक की अधिकारी  
द्वारा अधिकारी उसकी ओर से पट्टे पर लिए गए और लुधियाना जिला पंजाब में अवस्थित स्थान।

10. क्षेत्रीय प्रबन्धक  
पंजाब एण्ड सिध बैंक,  
क्षेत्रीय कार्यालय,  
दिमाल  
पटियाला-147001

पंजाब एण्ड सिध बैंक की अधिकारी  
उसके द्वारा अधिकारी उसकी ओर से पट्टे पर लिए गए और पटियाला जिला पंजाब में अवस्थित स्थान।

11. क्षेत्रीय प्रबन्धक,  
पंजाब एण्ड सिध बैंक,  
क्षेत्रीय कार्यालय, सिविल लाइन्स,  
जी. टी. रोड, भटिष्ठा।

पंजाब एण्ड सिध बैंक की अधिकारी  
उसके द्वारा अधिकारी उसकी ओर से पट्टे पर लिए गए और भटिष्ठा, संगरूर और फीरोजपुर जिले, पंजाब में अवस्थित स्थान।

12. धोक्कीय प्रबन्धक, पंजाब एण्ड सिध बैंक, उमके हारा अथवा उसकी ओर धोक्कीय कार्यालय, रेड ग्रास भवन, से पट्टे पर लिए गए और सादिक बैंक, फरीदकोट-141004 परीक्षकोट जिसे पंजाब में अवस्थित स्थान।

13. सहायक महाप्रबन्धक, सामान्य प्रशासन, पंजाब एण्ड सिध बैंक, प्रधान कार्यालय, 21, राजेन्द्र प्लेस, नई दिल्ली-110008

14. महायक महाप्रबन्धक, पंजाब एण्ड सिध बैंक, धोक्कीय कार्यालय, ज्याला देवी विल्डिंग, लाल बाग, लखनऊ।

15. धोक्कीय प्रबन्धक, पंजाब एण्ड सिध बैंक, धोक्कीय कार्यालय, 201, सोलीगंज, मेरठ-250001

16. धोक्कीय प्रबन्धक, पंजाब एण्ड सिध बैंक, धोक्कीय कार्यालय, बी-6, गामपुर, गार्डन, बरेली-343001

17. धोक्कीय प्रबन्धक, पंजाब एण्ड सिध बैंक, धोक्कीय कार्यालय, 23/2, राजपुर रोड, देहरादून-248001

18. धोक्कीय प्रबन्धक, पंजाब एण्ड सिध बैंक, धोक्कीय कार्यालय, 770-ए, सोन्सर टावर, प्रश्ना सलाई, मद्रास-500002।

19. सहायक महाप्रबन्धक, पंजाब एण्ड सिध बैंक, धोक्कीय कार्यालय, 14-15, पुराना फोर्ट हाऊस, कलकत्ता-700001।

20. धोक्कीय प्रबन्धक, पंजाब एण्ड सिध बैंक, धोक्कीय कार्यालय, 42, एम. जी. रोड, रोवर साइट, गोहाटी।

21. धोक्कीय प्रबन्धक, पंजाब एण्ड सिध बैंक, धोक्कीय कार्यालय, बी-23, गोविन्द मार्ग, आदर्श नगर, जयपुर-302004।

22. अंचल प्रबन्धक, पंजाब एण्ड सिध बैंक, पश्चिम अंचल कार्यालय, 27/29, अम्बा लाल दोणी, मार्ग, फोर्ट, बम्बई-400023।

23. धोक्कीय प्रबन्धक, पंजाब एण्ड सिध बैंक, लाल बहादुर शास्त्री मार्ग, विवरोनी (पश्चिम) बम्बई-400083।

24. धोक्कीय प्रबन्धक, पंजाब एण्ड सिध बैंक, धोक्कीय कार्यालय, 13/114, अरेश कालोनी, भोपाल-462016।

[सं. 15/1/91—बी. ओ.-III]

के. के. मंगल, अवर सचिव

New Delhi, the 31st December, 1991.

S.O. 188.—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Public Premises (Eviction of Unauthorised Occupants) Act, 1971 (40 of 1971), and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (Banking Division), number S.O. 1172 dated the 8th April, 1991, published in the Gazette of India, Part II section 3, sub-section (ii), dated the 27th April, 1991, except as respects things done or omitted to be done before such supersession, the Central Government hereby appoints the officers mentioned in column (1) of the Table below, being the officers equivalent to the rank of gazetted officers of Government, to be estate officers for the purposes of the said Act, who shall exercise the powers conferred and perform the duties

imposed on the estate officers by or under the said Act, within the local limits of their respective jurisdiction in

respect of the public premises specified in the corresponding entries in column (2) of the said Table :—

TABLE

Designation of the officer	Categories of public premises and local limits of jurisdiction
1	2
1. Zonal Manager, Punjab and Sind Bank, Northern Zonal Office-I, 3, Lawerence Road, Amritsar-143001.	Premises belonging to or taken on lease by or on behalf of Punjab and Sind Bank and situated in District Amritsar, Punjab.
2. Regional Manager, Punjab and Sind Bank, Regional Office-I, 1st Floor, Chowk Phawara, Amritsar-143001.	Premises belonging to or taken on lease by or on behalf of Punjab and Sind Bank and situated in the State of Jammu and Kashmir.
3. Regional Manager, Punjab and Sind Bank, Regional Office-I, P.S. Jain Complex, G.T. Road, Jalandhar-144001.	Premises belonging to or taken on lease by or on behalf of Punjab and Sind Bank and situated in District Hoshiarpur, Punjab.
4. Regional Manager, Punjab and Sind Bank, Regional Office-II, Model Town, Jalandhar City-144003.	Premises belonging to or taken on lease by or on behalf of Punjab and Sind Bank and situated in the Districts of Kapurthala and Jalandhar, Punjab.
5. Regional Manager, Punjab and Sind Bank, Regional Office, Civil Lines, Gurdaspur-143121.	Premises belonging to or taken on lease by or on behalf of Punjab and Sind Bank and situated in District Gurdaspur, Punjab.
6. Zonal Manager, Punjab and Sind Bank, Northern Zone Office-II, Sector 17-B, Chandigarh-160017.	Premises belonging to or taken on lease by or on behalf of Punjab and Sind Bank and situated in the Union territory of Chandigarh.
7. Regional Manager, Punjab and Sind Bank, Regional Office-I, Sector 17-B, Chandigarh-160017.	Premises belonging to or taken on lease by or on behalf of Punjab and Sind Bank and situated in the State of Himachal Pradesh and District Ropar, Punjab.
8. Regional Manager, Punjab and Sind Bank, Regional Office (Haryana), Sector 17-B, Chandigarh-160017.	Premises belonging to or taken on lease by or on behalf of Punjab and Sind Bank and situated in the State of Haryana.
9. Regional Manager, Punjab and Sind Bank, Regional Office, Kailash Cinema Chowk, Civil Lines, Ludhiana.	Premises belonging to or taken on lease by or on behalf of Punjab and Sind Bank and situated in the District Ludhiana, Punjab.
10. Regional Manager, Punjab and Sind Bank, Regional Office, The Mall, Patiala-147001.	Premises belonging to or taken on lease by or on behalf of Punjab and Sind Bank and situated in District Patiala, Punjab.
11. Regional Manager, Punjab and Sind Bank, Regional Office, Civil Lines, G.T. Road, Bhatinda.	Premises belonging to or taken on lease by or on behalf of Punjab and Sind Bank and situated in Districts of Bhatinda, Sangrur and Ferozepur, Punjab.

12. Regional Manager,  
Punjab and Sind Bank,  
Regional Office, Red Cross Bhawan,  
Sadiq Chowk, Faridkot-141004.

13. Assistant General Manager,  
General Administration,  
Punjab and Sind Bank,  
Head Office, 21, Rajendra Place,  
New Delhi-110008.

14. Assistant General Manager,  
Punjab and Sind Bank,  
Regional Office,  
Jewalk Devi Building, Lal Bagh,  
Lucknow.

15. Regional Manager,  
Punjab and Sind Bank,  
Regional Office, 201, Soti Ganj,  
Meerut-250001.

16. Regional Manager,  
Punjab and Sind Bank,  
Regional Office, B-6, Rampur Garden,  
Baroily-343001.

17. Regional Manager,  
Punjab and Sind Bank,  
Regional Office, 23/2, Rajpur Road,  
Dehradun-248001.

18. Regional Manager,  
Punjab and Sind Bank,  
Regional Office,  
770-A, Sponsor Tower, Anna Salai,  
Madras-600002

19. Assistant General Manager,  
Punjab and Sind Bank,  
Regional Office,  
14-15, Old Court House Street,  
Calcutta-700001.

20. Regional Manager,  
Punjab and Sind Bank,  
Regional Office, 4, M.G. Road,  
Riv. Side, Guwahati.

21. Regional Manager,  
Punjab and Sind Bank,  
Regional Office B/23 Govind Marg  
Adarsh Nagar, Jaipur-302004

22. Zonal Manager,  
Punjab and Sind Bank,  
Western Zonal Office,  
27/29, Ambala Doshi Marg, Fort,  
Bombay-400023.

Premises belonging to or taken on lease by or on behalf of Punjab and Sind Bank and situated in District Faridkot, Punjab.

Premises belonging to or taken on lease by or on behalf of Punjab and Sind Bank and situated in the Union Territory of Delhi.

Premises belonging to or taken on lease by or on behalf of Punjab and Sind Bank and situated in Districts of Lucknow, Kanpur, Varanasi, Allahabad, Gorakhpur, Mirzapur, Jhansi and Kheri, Uttar Pradesh.

Premises belonging to or taken on lease by or on behalf of Punjab and Sind Bank and situated in Districts of Meerut, Mathura, Muzafarnagar, Bulandshahr, Ghaziabad, Aligarh, Bijnor and Agra, Uttar Pradesh.

Premises belonging to or taken on lease by or on behalf of Punjab and Sind Bank and situated in Districts of Bareilly, Moradabad, Shahjahanpur, Pilibhit, Rampur, Nainital, Pithoragarh, Uttar Pradesh.

Premises belonging to or taken on lease by or on behalf of Punjab and Sind Bank and situated in Districts of Dehradun, Saharanpur, Chamoli and Garhwal Uttar Pradesh.

Premises belonging to or taken on lease by or on behalf of Punjab and Sind Bank and situated in the States of Kerala, Tamil Nadu, Karnataka and Andhra Pradesh.

Premises belonging to or taken on lease by or on behalf of Punjab and Sind Bank and situated in the States of West Bengal, Orissa and Bihar.

Premises belonging to or taken on lease by or on behalf of Punjab and Sind Bank and situated in the States of Assam, Tripura, Nagaland, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur and Sikkim.

Premises belonging to or taken on lease by or on behalf of Punjab and Sind Bank and situated in the State of Rajasthan.

Premises belonging to or taken on lease by or on behalf of Punjab and Sind Bank and situated in Bombay, Maharashtra.

23. Regional Manager, Punjab and Sind Bank, Lal Bahadur Shastri Marg, Vikhroli (West), Bombay-400083.	Premises belonging to or taken on lease by or on behalf of Punjab and Sind Bank and situated in the States of Maharashtra (except Bombay), Gujarat and Goa.
24. Regional Manager, Punjab and Sind Bank, Regional Office, 13/114, Arera Colony, Bhopal-462016.	Premises belonging to or taken on lease by or on behalf of Punjab and Sind Bank and situated in the State of Madhya Pradesh.

[No. 15/1/91—B.O.-III]

K.K. MANGAL, Under Secy.

(आई.एफ. 1 अनुभाग)

नई दिल्ली, 9 जनवरी, 1992

का. आ. 189.—केन्द्रीय सरकार, औद्योगिक वित्त नियम अधिनियम, 1948 (1948 का 15) की धारा 21 की उपधारा (2) के अनुसरण में, मारतीय औद्योगिक वित्त नियम के नियमक बोर्ड की सिफारिश पर उक्त नियम द्वारा 13 जनवरी, 1992 को जारी किए जाने वाले तथा 13 जनवरी, 2012 को परिपक्व होने वाले बालंड पर देय अधिक की दर एवं द्वारा 12% (मात्र हजार प्रतिशत) वार्षिक निर्धारित करती है।

[का. सं. 2(19)/91—आई.एफ.-1]

मी. पी. भारद्वाज, अवृत्त सचिव

(IF. I Section)

New Delhi, the 9th January, 1992

S.O. 189.—In pursuance of sub-section 2 of Section 21 of the Industrial Finance Corporation Act, 1948 (15 of 1948), the Central Government on the recommendation of the Board of Directors of the Industrial Finance Corporation of India, hereby fixes 12 per cent (twelve per cent) per annum as the rate of interest payable on the bonds to be issued by the said Corporation on 13th January, 1992 and maturing on 13th January, 2012.

[F. No. 2(19)91-IF-1].

V. P. BHARDWAJ, Under Secy.

## वाणिज्य भवालय

## भारत

नई दिल्ली, 3 जनवरी, 1992

का. आ. 190.—केन्द्रीय सरकार ने, नियांत (क्षालिदी नियंत्रण और नियोजन) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के भूतपूर्व वाणिज्य तथा नागरिक पूर्ति भवालय की कार्यालय का उपयोग से संबंधित अधिसूचना संकाया 1197 तारीख 15 अप्रैल, 1966 में संशोधन करते के लिए कानिपय प्रस्ताव बनाया है और उन्हें नियांत (क्षालिदी नियंत्रण और नियोजन) नियम, 1964 के नियम 11 के उपनियम (2) की अधिकानुसार भारत सरकार के वाणिज्य भवालय के अधीन संकाया 1994 तारीख 3 जुलाई, 1991 के मान्त्रित भारत के राजपत्र भाग-II, खंड-3, उपग्रहण—(ii) तारीख 20 जूलाई, 1991 में प्रकाशित कर दिया है,

ग्रोर उन द्वारा अनुकूल से किनके उनसे प्रभावित होने की संभावना थी उक्त आदेश के राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से पैंतालीस दिनों के भीतर उक्त प्रस्ताव के संबंध में ग्राहोप तथा ग्राहाय मांगे गए थे,

उक्त राजपत्र की प्रतिवार्ता जनका को 30 जूलाई, 1991 को उपलब्ध करा दी गई थी,

उक्त प्रस्ताव पर जनका से प्राप्त ग्राहोपों तथा मुझायों पर केन्द्रीय सरकार ने विवार कर लिया है।

अतः, ग्रब, केन्द्रीय सरकार, नियांत (क्षालिदी नियंत्रण और नियोजन) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, नियांत नियोजन परिवाद से परामर्श करते के पश्चात् भारत सरकार के वाणिज्य भवालय के आदेश संकाया 1197 तारीख 15 अप्रैल, 1966 में निम्नलिखित संशोधन करता है, अर्थात्—

परिषिष्ट-II के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात्—

## परिषिष्ट-II

1. एसिडिल एसिड के निए विभिन्नें

1. शेणी—एसिडिल एसिड की जार श्रेणियां होंगी, ज्यान् तकनीकी शूद्र विश्लेषिक अभिकर्मक लथा प्रयोगशाला अभिकर्मक शेणी।

## 2. अपेक्षाएँ—

2.1 विवरण—सकनीक श्रेणी सामग्री या तो रंगहीन होगी या रंग में मूली पीली होगी। यह 1000 मिमी पानी में 0.0030 ग्राम शुद्ध पोटाशियम हाईकोमेट के धोल से प्राप्त पोटाशियम हाईकोमेट के ताजे तैयार किए गए धोल से गहरी नहीं होगी। प्रयोगशाला अभिकर्मक (रीजेट) श्रेणी रंग में 10 हीजन यूनिट से अधिक नहीं होगी।

शुद्ध तथा वेश्वेषिक श्रेणी की सामग्री रंगहीन होगी।

2.2 जब नियंत्रित निरीक्षण परिषद द्वारा अनुमोदित मानक प्रक्रिया के अनुसार मनुष्ये लिए जाएं तथा परीक्षित हों तो सामग्री नीचे दी गई सारणी की अपेक्षाओं को पूरा करेगी।

## सारणी

## एसिटिक एसिड के लिए अपेक्षाएँ

क्र.सं.	प्रिशेषताएँ	तकनीकी श्रेणी	शुद्ध श्रेणी	वेश्वेषिक अभिकर्मक प्रयोगशाला अभिकर्मक श्रेणी के लिए अपे. कांकक श्रेणी क्षाएँ	
1	2	3	4	5	6
(i)	पानी में बुलनशीलता	पूर्णतया मिश्रण याहै होगी।	एक बंटे के भीतर कोई आविस्तार नहीं		
(ii)	एसिटिक एसिड तत्व (सीएच3 सीओओएच) भार के आधार पर प्रतिशत शून्यतम	98.0	99.5	99.7	99.5
(iii)	क्रिस्टलीकरण त्वार्हांत सी <sup>0</sup> शून्यतम।	--	15.6	16.0	15.8
(iv)	बाष्पीकरण पर अक्षरेष्य भार के आधार पर प्रतिशत अधिकतम।	0.02	0.01	0.001	0.01
(v)	क्लोरोहाइड (सीएच3 के रूप में) पीपी एम अधिकतम।	35	15	1	5
(vi)	लोह (एफ ई के रूप में पी) पी एम अधिकतम।	--	2	1	1
(vii)	सल्फेट (एसओ 4 के रूप में) पीपीएम अधिकतम।	--	--	1	5
(viii)	भारी धातु (लोह सहित) पीपी के रूप में प्रतिक्लित पी पी एम अधिकतम।	--	--	2	1
(ix)	फौमिक एसिड (एचमीओओएच) भार के आधार पर प्रतिशत अधिकतम।	0.35	0.15	--	0.01
(x)	एसीटिल-जीहार्ड (सीएच3 सी एचओ) भार के आधार पर प्रतिशत अधिकतम।	0.15	0.05	--	--
(xi)	प्रसनिक (एएस के रूप में) भार के आधार पर प्रतिशत अधिकतम।	--	--	--	0.001
(xii)	20° से घेड पर भार प्रति मि.ली.	--	--	1.048 से 1.050 ग्राम	

## 3. नियंत्रित के लिए वैकिंग तथा चिह्नांकन:

(1) पक्की—कैला तथा नियंत्रित के मध्य हुए करार के अनुसार उपयुक्त प्राधारों में सामग्री एक की जाएगी।

(2) चिह्नांकन—एसिटिक एसिड के आधारों को सुरक्षित मजदूत बन्द किया जाएगा तथा एसिटिक एसिड का भार, नाम तथा श्रेणी दर्शाने हुए उपयुक्त रूप से चिह्नित किया जाएगा तथा उन पर चिन्ह शब्द भी प्रमिलता से प्रदर्शित किए जाएंगे।

“संक्षारक—आधारों के लिए हायनिकारक वाष्प तथा द्रव”

## 2. हाईड्रोक्सीनोन के लिए विनियोग:

1. श्रेणी—हाइड्रोक्सीनोन की तीन श्रेणियां होंगी, फोटोप्राक्टिक, तथा प्रयोगशाला अभिकर्मक श्रेणी।

## 2. अपेक्षाएँ—

## 2.1 फोटोप्राक्टिक श्रेणी के लिए:

2.1.1 भौतिक स्वरूप—सामग्री धूल तथा ग्रन्यब्रूयन प्रप्रदर्शनों से मुक्त, अमकदार रूपेत या भीम रूपेत सूईयों के रूप में होगी।

2.1.2 तनु एसिटिक एसिड के धोल का स्वरूप—कभी तापमान पर तनुकृत एसिटिक एसिड (1.19) में 5% धोल स्पष्ट और अग्रभग रंगहीन या बिल्कुल हल्के पीले रंग का धोल होगा।

2.2 तकनीकी श्रेणी के लिए—तकनीकी घेड सामग्री धूल तथा बाल गंदगी से मुक्त भूरे रंग की सूईयों के रूप में होगी।

2.3 तकनीकी अभिकर्मक श्रेणी के लिए—प्रयोगशाला अभिकर्मक श्रेणी सामग्री रंगहीन या पूर्णतः रंगहीन किस्टल या किस्टलीय कूर्ण के रूप में होगी। प्रयोगशाला अभिकर्मक श्रेणी जल में 4 प्रतिशत धोल साफ तथा हल्के रंग से अधिक नहीं होगा।

2.4 साधारण—जब नियंत्रित निरीक्षण परिषद द्वारा अनुमोदित मानक प्रक्रिया के अनुसार समूचा कृत तथा परीक्षित की जाए, तब सामग्री निम्न सारणी में दी गई अपेक्षाओं को भी पूरा करेगी।

## सारणी

## हार्ड्ड्रोक्सिवनोन की अपेक्षाएं

क्र. सं.	लक्षण	फ्लोप्रार्टिक श्रेणी	तकनीकी श्रेणी	प्रयोगशाला अधिकार्मक श्रेणी
(1)	हार्ड्ड्रोक्सिवनोन नत्व, भार के आधार पर प्रतिशत न्यूनतम	99.00	97.5	99.101
(2)	गलनांक बिंदु	171° में.प्रैड में 175° में.प्रैड	--	170-174° में.प्रैड
(3)	सल्फोटेट गाख प्रतिशत	0.10	0.75	0.05
(4)	सल्फोट (एसओ 4) भार के आधार पर प्रतिशत अधिकतम।	0.075	--	0.05
(5)	लोह (एकही रूप में) भार के आधार पर प्रतिशत अधिकतम	0.002	0.001	--
(6)	प्रोटेक्टोल भार के आधार पर प्रतिशत अधिकतम	--	--	0.05

2.5 पैकिंग—सामग्री हवा में घंव डिब्बों में पैक की जाएगी ताकि अन्तंवस्तु को पकाश से बचाया जा सके।

3. औक्सीलिक एसिड के लिए विनिर्देश—

श्रेणी——औक्सीलिक एसिड की सीमा श्रेणियां होंगी अर्थात् तकनीकी, थैरेलिक तथा प्रयोगशाला अधिकार्मक।

2. अपेक्षाएं—

2.1 विवरण—

सामग्री रंगहीन फ्लिट्स के रूप में होगी तथा बुद्धुदाने से मुक्त होगी। जब उत्पादित हो तो वह अंगारण के बिना बायिन होगी।

2.2 शुष्कतानीलता—5.0 ग्राम सामग्री 50 मि.मी. गुनगुने पानी में धोते। एक साथ रंगहीन घोल बिना किसी अवसाद के उत्पन्न होगा।

2.3 सामग्री, जब निर्धारित निरीक्षण परिषद् द्वारा अनुमोदित मानक प्रक्रिया के अनुसार नमूनाबद्ध तथा परीक्षित की जाए तब निम्न सारणी में दी गई अपेक्षाओं को पूरा करेगी।

## सारणी

## औक्सीलिक एसिड के लिए अपेक्षाएं

क्र. सं.	लक्षण	तकनीकी	वैरोधिक अभिकर्मक श्रेणी के लिए	प्रयोगशाला अभिकर्मक अपेक्षाएं
(1)	औक्सीलिक एसिड [(सोपोओप्ल)] <sup>2</sup> 24% 2] भार के आधार पर प्रतिशत न्यूनतम	96.0	998	99.5
(2)	सल्फोटित गाख, भार के आधार पर प्रतिशत अधिकतम	0.5	0.001	0.1
(3)	फ्लोराइड (संग्रे के रूप में) भार के आधार पर प्रतिशत अधिकतम	0.1	0.001	0.005
(4)	सल्फेट (एसओ के रूप में) भार के आधार पर प्रतिशत अधिकतम	0.1	0.01	0.02
(5)	भारी ध्रातु (पीडी के रूप में) भार के आधार पर प्रतिशत अधिकतम	--	0.0005	--
(6)	नाईट्रोजन सम्मिश्रण (एन के रूप में) भार के आधार पर प्रतिशत अधिकतम	--	0.01	--
(7)	नीह (एकही के रूप में) भार के आधार पर प्रतिशत अधिकतम	0.05	0.0005	--
(8)	कैल्चियम (सीए के रूप में) भार के आधार पर प्रतिशत अधिकतम	--	0.002	--
(9)	मैर्नीसियम (एमजी के रूप में) भार के आधार पर प्रतिशत अधिकतम	--	0.003	--
(10)	भारी ध्रातु तथा नीह (एकही के रूप में) भार के आधार पर प्रतिशत अधिकतम	--	--	0.005

4. नैप्यालिन के लिए विनिर्देश—

1. श्रेणी—नैप्यालिन को नीत्र श्रेणियां होंगी, अर्थात् श्रेणी-I नैप्यालिन (शृङ्), श्रेणी-II नैप्यालिन (तप्त मर्पीडिस) तथा नैप्यालिन एल आर श्रेणी।

2. अपेक्षाएं—

2.1 विवरण—श्रेणी-I सामग्री मुख्य सफेद बॉल, टुकड़ों, पवेक्स या क्रिस्टलीय चूर्ण के रूप में होगी तथा धूल या तेलीय अणुङ्गियों से मुक्त होगी। जब में निम्न ढंग में परीक्षित की जाए तब उनी फैलिक के संपर्क में अंते पर कौई धब्बा नहीं लगेगा।

2.1.1 धूंगी सी सामग्री सफेदसर्ज के टुकड़ों में कमक अपेक्षी जाएगी, और 4 घंटों के लिए इस 50° में.प्रैड 10° में.प्रैड पर रखा जाएगा। फिर सर्ज के टुकड़ों को धब्बों, यदि कोई हो, के लिए परखा जाएगा।

2.2 श्रेणी-I---सामग्री तथा संरचित उपकरण धार्दि से प्राप्त की जाएगी। यह रंग में सफेद से हल्के भूरे रंग की ओर इसमें लोम टुकड़ों वा बातों के स्पष्ट में होती है।

तथादि 100 मि.ली. पानी में 20 ग्राम पोटाशियम अमोर्फिन के घोन से अधिक गहरा रंग नहीं होता।

2.3 नेप्यालिन एकप्रार श्रेणी सफेद या पूर्ण होने वाली सथा नमूने एथनोन में इसका 10 प्रतिशत धोन साफ होता।

2.4 जब नियंत्रित निरीक्षण परिषद् द्वारा अनुमोदित मानक प्रक्रियाओं के आधार पर नमूना बढ़ नया परिवर्तित को जाए, तामग्री निम्न सारणी में वी गई अपेक्षाओं को भी पूरा करेगी।

## सारणी

## नेप्यालिन के लिए अपेक्षाएँ

क्र.सं.	लक्षण	श्रेणी-I के लिए		प्रयोगशाला प्रमिकाद्यक
		अपेक्षाएँ	श्रेणी-II	
1	2	3	4	5
(1)	किस्टलीकरण बिन्दु 0 से ० चैड०न्यूनतम	7.4	78.5	79.5-8से.ग्रेड
(2)	आर्द्धता तत्व, भार के प्राधारपर प्रतिशत अधिकतम	0.2	0.2	--
(3)	राख, भार के आधार पर प्रतिशत अधिकतम	0.02	0.2	0.05
(4)	कुल गंधक, भार के आधार पर प्रतिशत अधिकतम	--	0.02	--
(5)	कुल नाइट्रोजन अंश, भार के आधार पर प्रतिशत अधिकतम	--	0.02	--
(6)	मूलतम मात्रा मिर्चांड और एस सी	--	--	99%
5.	बैंजीन के लिए विभिन्नता—			
1.	श्रेणीयाँ—बैंजीन की तीन श्रेणियाँ होती हैं, अर्द्ध श्रेणी-I, श्रेणी-II तथा अधिकमंक श्रेणी।			
1.2	विवरण—उत्पुक्त प्रमाण और अन्य ऐ घोन द्वितीय राकिनो को अवन या भमके में कोयने के कार्बनोकरण द्वारा उत्पन्न गैस से अपरिकृत बैंजीन के जलाय वरिष्ठण द्वारा व्युत्पन्न या पेट्रोलियम परिष्ठकण या पेट्रोरसियन संकियाओं में उप उत्पाद के रूप में प्राप्त की जाएगी। यह स्वच्छ और निलंबित सामग्री तथा अपुनतशील जल से मुक्त होती है।			
2.	अपेक्षाएँ:			
2.1	श्रेणी-I—पेट्रोलीयिक डायस्टक तथा उत्पाद रसायनिक उत्पादों के लिए एस्लिकीकृत, माइट्रोकृत तथा हेनौजीकृत कार्बनिक माध्यमों के विनिर्माण में कच्ची सामग्री के रूप में शुद्ध बैंजीन प्रयुक्त किया जाएगा।			
2.2	श्रेणी-II—बैंजीन, साप्ताहिक और शामिलियक रूप में बैंजीन और शामिलियक श्रेणी-I के नाम से जात है। रसायन तथा धूमक के रूप में प्रयुक्त होता।			
2.3	अधिकमंक श्रेणी—सामग्री धार्दि गंधीय पानी में अधिकतम परन्तु परिष्ठु अल्कोहल या अन्य में पूर्ण अधिकतम योग्य विशिष्टियाओं सहित साफ रंगहीन द्रव होती है। ये निलंबित पदार्थों से मुक्त होती है।			
2.4	जब नियंत्रित निरीक्षण परिषद् द्वारा अनुमोदित मानक प्रक्रिया के अनुसार नमूने लिए जाएं और परीक्षण किया जाए तब सामग्री नीचे सारणी में वी गई अपेक्षाओं को भी पूरा करेगी।			

## सारणी

## बैंजीन के लिए अपेक्षाएँ

क्र. सं.	लक्षण	श्रेणी-I के लिए अपेक्षाएँ	श्रेणी-II	अधिकमंक श्रेणी
(1)	अपेक्षित घनत्व	0.877 से	0.872 से	--
(क)	15.5°/15.5° से, ग्रेड	0.884	0.882	
(ख)	27°/27° से, ग्रेड	0.866 से 0.873	0.861 से 0.871	0.871 0.873
(2)	आपसन रेज	तापमान (चालू बिन्दु के) बीच का अन्तर जिस पर लिए गए आपसन का 1 और 96 प्रतिशत संग्रहीत किया गया है 0.6° से, ग्रेड से अधिक नहीं होता। इस रेज में 80.1° से, ग्रेड तापमान भी सम्मिलित होता।	तापमान (चालू बिन्दु के) बीच का अन्तर जिस पर लिये गये आपसन का 1 और 96 प्रतिशत संग्रहीत किया गया है 1° से, ग्रेड से अधिक नहीं होता। इस रेज में 80.1° से, ग्रेड का तापमान भी सम्मिलित होता।	96 प्रतिशत के अन्दर 79.5° और 80.5° से ग्रेड के बीच आसदित हो जाएगा।

1	2	3	4	5
(3) जायीकरण पर अवधिकार मिश्राम/ 100 मि. मी. अधिकतम।	5	5		0.002
(4) कुल गंधक प्रतिशत भारत के अधिकार पर अधिकतम	0.015	0.1	--	
(5) किस्टरीकरण बिन्दु न्यूनतम	3.2° सें. प्रेड	--	5.5° सें. प्रेड से कम नहीं	
(6) शियोपिन (गंधक के रूप में) प्रतिशत भारत के अधिकार पर अधिकतम	0.01	--	0.00025	

## 3. पैक करना और विन्हाँकन --

3.1 पैक करना—सामग्री, दूधर रंग के कांच के या सामग्री के गुणों के प्रत्युष्प प्रत्य उपयुक्त डिल्डों में पैक की जायेगी। डिल्डो, शुल्क, भाफ अंगीन में युग्मानील किसी भी पदार्थ से मुक्त तथा रिसाव रोधी में मुक्त होनी तथा मील करते समय निम्नलिखित पूर्वविधानित वर्तमान जानी चाहिए, अर्थात्—

- (1) डिल्डों में बल्क करते के लिये रखके स्टापर या कम्पोजिशन कार्क प्रयोग नहीं किये जायेंगे।
- (2) प्रत्येक डिल्डो के स्टापर पर असेव सामग्री का लक्कन प्रयुक्त करके मंरक्षित किया जायेगा जिससे कि ओतल के मुद्र को नभो नया धूल से दूर रखा जाए।
- (3) सीलिंग बैक्स या अन्य प्लास्टिक सामग्री यदि प्रयोग किया जाता है तो उसे इस प्रकार से लगाया जायेगा जिससे कि डिल्डो को ओतले समय सामग्री की दूषित न करे।

3.2 चिन्हांकन—अंगीन के डिल्डो मंरक्षित स्पष्ट से लंब लिये जायेंगे और उन पर स्पष्ट रूप से निम्नलिखित शब्द प्रदर्शित होंगे—

“प्रत्यक्ष अवलनगील प्रथ

दृष्टा, चिगारियों और उत्तरा से दूर रहें”।

## 6. अपेक्षालिन के लिये विनियोग —

1. अपेक्षालिन

1. 1 विवरण—

1. 2 सामग्री असूक्त कोल-तार के उपयुक्त भाग से प्राप्त की जायेगी। ये रंगहीन या भीते जाती फ्लोरोसेंट किस्टरीय ठोस के रूप में अवसाद में मुक्त होती है।

1. 2 सामग्री जब नियत निरीक्षण परिवर द्वारा अनुमोदित भानक प्रक्रिया के अनुसार नमूने लिए जाएं और परिक्षित किये जाएं तब तो ये दी गई सारणी में दी गई अपेक्षाओं के अनुस्पष्ट होती हैं।

सामग्री

अपेक्षालिन के लिये अपेक्षालिन

क्रम सं.	लक्षण	अपेक्षालिन
(1) गलभांक बिन्दु		213° सें. प्रेड से 216.2° सें. प्रेड
(2) नार्यालिय बिन्दु		340° सें. प्रेड से 351° सें. प्रेड

## 7. टीन्युइन के लिये विनियोग—

1. अपेक्षालिन की तीन अविधियां होती हैं—शुद्ध (मार्टिनेशन) श्रेणी, अक्सिकम्पक श्रेणी तथा औद्योगिक निलायक श्रेणी।

2. शुद्ध (मार्टिनेशन) श्रेणी—सामग्री, कोयसे के कार्बोनाइजेशन द्वारा उत्पादित गैस से प्राप्त कच्चे बेंजीन या पैट्रोलियम परिकरण और पैट्रोलियन सक्रियाओं में उपोत्पाद से अनुसन्धान की जायेगी।

2. 1. अपेक्षालिन—सामग्री साफ और अवसाद निलंबित सामग्री भी र ग्राविटेशन जल से मुक्त होती है।

2. 1. 2 अक्सिकम्पक श्रेणी—सामग्री साफ, रंगहीन द्वारा खाक्षणिक गंध वाली, जल में अनुसन्धान किल्टु परिशुद्ध एल्कीहैल या ईवर में पूर्णतया मिथरीय होती है। ये निलंबित पदार्थों से मुक्त होती हैं।

2. 1. 3 औद्योगिक द्वीपक श्रेणी—सामग्री साफ और अवसाद निलंबित पदार्थों और ग्राविटेशन जल से मुक्त होती है।

2. 1. 4 सामग्री जब नियत निरीक्षण परिवर द्वारा अनुमोदित प्रक्रिया के द्वारा नमूने लिये जाएं और परिक्षित किये जाएं तब तो ये सारणी में दी गई अपेक्षाओं को पूरा करेगी।

## सारणी

टोमलन के लिये अपेक्षाएँ

क्रम सं.	लक्षण	गुद (नाहड़ेगन) श्रेणी	प्रमिकर्मक श्रेणी	ओशोगिक श्रेणी
1	2	3	4	5
(1)		0.870 मे 0.874	—	0.860 मे 875
(क)	15.5°/15.5° मे, ग्रेड पर अपेक्षित घनत्व			
(घ)	27°/27° मे, ग्रेड पर अपेक्षित घनत्व	0.859 मे 0.863	0.859 मे 0.862	859.0 मे 0.864
(2)	आपसवन रेंज	तापमान (चालू बिन्दु) के भीच का प्राप्तर जिस पर लिया गया घनत्व 1 और 9.6 प्रतिशत यदि गंग्रहीत किया गया है, तो वह 0.6° मे ग्रेड से अधिक नहीं होगा। इस रेंज में 110° मे, ग्रेड का तापमान सम्मिलित होगा।	110° मे, ग्रेड* (क) और 111° मे, की तापमान रेंज में 0.4° मे, ग्रेड से 9.5 प्रतिशत से अध्यूत से आसक्ति होगा।	(क) 105° मे, ग्रेड सक. मि.मी. (घ) 120° मे, ग्रेड तक 90 मि. मी. व्यूमतम
(3)	वाष्पीकरण पर अवशिष्ट मि.प्राम/ 100 मि. अधिकतम।	5	0.002	10.00
(4)	कूल गंधक प्रतिशत भार के आधार पर अधिकतम	0.1	—	0.2

\* 760 मि.मी. पावर के बाबत के लिये तापमान सही होगा।

## 3. वैक करना और चिन्हांकन

3.1 वैक करना—सामग्री एंकर रंग के या सामग्री के गुणों के अनुरूप अन्य उपयुक्त छिक्कों में वैक की जायेगी। सील करते समय निम्नलिखित पूर्वायामानियों वरती जानी आहिए, आर्याः—

(1) छिक्कों को बन्द करते के लिये रबड़ के स्टापर या कमोजिशन कार्क का प्रयोग नहीं किया जायेगा।

(2) प्रत्येक छिक्कों के स्टापर पर अपेक्ष सामग्री का लक्षन प्रयुक्त कारके संरक्षित किया जायेगा जिससे कि बोतल के भुंह को नभी तथा धातु से दूर रखा जा सके और उठाई धराई करते समय संरक्षित रखा जा सके।

(3) सीलिंग बैक्स या अन्य प्लास्टिक सामग्री का यदि प्रयोग किया जाता है तो उसे इस प्रकार से लगाया जायेगा जिससे कि छिक्के को छोलते समय सामग्री को दूरित न करें।

3.2 चिन्हांकन टोलुइम के छिक्के मुरशित रूप से बन्द किये जायेंगे और उनपर स्पष्ट रूप से निम्नलिखित भाष्य प्रवर्णित होंगे।

## “अस्थल उच्चनर्दीय प्रत्य

उद्योग, नियन्त्रियों और ज्वाला से दूर रहे”

## 8. एथिल एल्कोहॉल के लिए विनिर्देश—

1. सामग्री पांच प्रकार की होगी, अर्थात्—परिशुद्ध एल्कोहॉल, परिशोधित स्प्रिट, साधरण विक्रीकृत स्प्रिट पावर एल्कोहॉल, और सुगंधशाला श्रेणी एल्कोहॉल।

2. एथिल एल्कोहॉल की विभिन्न किसी के लिए अपेक्षाएँ सुनियम भारतीय भासकों के अनुमार होंगी जो निम्न सारणी में दी गई हैः—

सारणी  
एथिल एल्कोहॉल की अपेक्षाएँ

क्रम सं.	एथिल एल्कोहॉल का प्रकार	भारतीय भासक अनुमार द्वारा जारी सुनियम विनिर्देश
1	2	3
(1)	परिशुद्ध एल्कोहॉल	भा. मा.-321-- 1964
(2)	पावर एल्कोहॉल	भा. मा.-322-- 1953
(3)	परिशोधित स्प्रिट	भा. मा.-323-- 1959
(4)	साधरण विक्रीकृत स्प्रिट	भा. मा.-324-- 1959
(5)	सुगंधशाला श्रेणी एल्कोहॉल	भा. मा.-1049-- 1957

टिप्पणी : उपरोक्त सामग्री में तत्त्वम् 2 में विनिरिप्ट एथिल एल्कोहॉल के किसी भी प्रकार के संबंध में यदि भारतीय मानक घूर्णे द्वारा सुनिश्चित विनिर्देशों का पश्चात्वर्ती संस्करण है, तो ऐसे एथिल एल्कोहॉल पर लागू विनिर्देश ऐसे नवीनतम संस्करण के होंगे और इसके तत्त्वम् 3 की तत्त्वांधी प्रक्रिया में उत्स्थिति विनिर्देश नहीं होंगे।

### 9. जाईलीन के लिए निर्देश

#### 1. अपेक्षाएँ :

1.1 विवरण— सामग्री बैन्डोन तथा टोमोन को पृथक करने के पश्चात् शुद्धिकरण करके तथा उपयुक्त बैंडनों द्वारा कोक ओवल तथा भवकों में कोयले से उत्पन्न हुई गैस के निष्कर्षण द्वारा प्राप्त कच्चे बैन्डोन से व्युत्पन्न सामग्री होगी या पैट्रोलियम कंसियरों या पैट्रोलियम परिप्रकरण के उत्पाद द्वारा प्राप्त की जाएगी। ये साफ होगी और निलंबित पदार्थों और बिना धूले जल से मुक्त होगी। प्रयोगशाला अधिकर्मक श्रेणी या जाईलीन (गंधक मुक्त) सेपनोल में विश्वासीय होंगी।

1.2 सामग्री के जब निर्यात भिरीकण परिवद द्वारा द्वया अनुमोदित मानक प्रक्रिया के अनुसार नमूने लिए जाते हैं और परीक्षण किया जाता है तब सामग्री नीचे सारणी में दी गई अपेक्षाओं के अनुरूप भी होगी।

### सारणी

#### जाईलीन के लिए विनिर्देश

क्रम सं.	संक्षण	अपेक्षाएँ	प्रयोगशाला अधिकर्मक श्रेणी अपेक्षाएँ
(i)	(क) $15.5^\circ/15.5^\circ$ से, ग्रेड	0.860 सें. ग्रेड 0.975	---
	(ख) $27^\circ/27^\circ$ से, ग्रेड पर अपेक्षित घमत्व	0.860 सें. ग्रेड 0.865	---
	(ग) भार प्रति मि. ली. $20^\circ$ से, ग्रेड पर	---	0.850-0.856 भार
(ii)	प्रावसन श्रेणी	तापमान (चालू बिन्दु) के बीच का घस्तर जिस पर लिए गए आधारन का 1 प्रतिशत और $96$ प्रतिशत संग्रहीत किया गया है $0.5^\circ$ से, ग्रेड से अधिक नहीं होगा जब सूखे नमूने का परीक्षण किया जाता है। रेज $137^\circ$ से, ग्रेड तथा $145^\circ$ से, ग्रेड के बाने होगा।*	
(iii)	बाल्कीकरण पर अवशिष्ट मि. ग्राम 100 मि. ली. अधिकतम।	10	—
(iv)	क्षयन रेज (95 प्रतिशत)	—	$137-142^\circ$ से, ग्रेड
(v)	अनुद्रुताओं की अधिकतम सीमाएँ	—	0.0003%
	(क) गंधक भिन्नण (सी एस 2)	—	0.01 प्रतिशत
	(ख) अवसरणशील पदार्थ	—	
* 76 मि. ली. पारद के दाव से परिवर्तन के प्रत्येक 100 मि. सी. के लिए $0.7^\circ$ से, ग्रेड का शुद्ध तापमान लागू होगा।			

### 2. पैक करना और विनिर्वाहन

2.1 पैक करना— सामग्री एवर रंग के या सामग्री के गुणों के अनुरूप प्राप्त उपयुक्त डिब्बों में पैक की जाएगी। सील करते समय निम्नलिखित पूर्वान्धारणाओं अवधी जाएगी, अर्थात् :—

- (1) डिब्बों को बन्द करने के लिए रबड़ के स्टापर या कम्पोजिशन कार्क का प्रयोग नहीं किया जाएगा।
- (2) प्रत्येक डिब्बों को स्टापर पर अमेड़ सामग्री का छक्कत प्रयुक्त करके संरक्षित किया जाएगा। जिससे कि बोतल के मुह को नमी तथा धूल से दूर रखा जा सके और उठाई धाराई करते भयंकर संरक्षित रखा जा सके।
- (3) सीलिंग बैक्स या अन्य प्लास्टिक सामग्री का यदि प्रयोग किया जाता है तो उसे इस प्रकार से लगाया जाएगा जिससे कि डिब्बे को खोलते समय सामग्री को दूषित न करें।

2.2 विनिर्वाहन— जाईलीन के डिब्बे गुरुरक्षित रूप से बंद किए जाएंगे और उन पर स्पष्ट रूप से निम्नलिखित शब्द प्रतिशत होंगे।  
“प्रत्यन्त उत्पादनशील द्रव्य उत्पादन, विग्रहियों और ज्वाला से दूर रखें”

### 10. सीडियम साईट्रिट (नॉनकार्मि सिपोसिल) के लिए विनिर्देश

1. बर्जन— सामग्री रंगहीन किट्टल है। गफेद किट्टाइलीन-कूर्ण के रूप में होगी। यह नियंत्रित होगी या इसमें किस्टरीकरण जल के द्वारा प्रतिशत होगे। द्राइसीडियम साईट्रिट, एल. आर. श्रेणी छोटे सफेद किट्टल है। एक किट्टाइलीन कूर्ण के रूप में होगी।

#### 2. अपेक्षाएँ :

2.1 विनेयता— एक ग्राम नियंत्रीय पदार्थ  $1.5$  मि. ली. जल में  $25^\circ$  से, ग्रेड पर और  $0.6$  मि. ली. उबलते हुए जल में विलेय होगी।

2.2 सामग्री एल्कोहॉल में विलेय होगी। जल में द्राइसीडियम साईट्रिट एल आर श्रेणी क. 10 प्रतिशत घोल साफ और रंगहीन होगा।

2.3 जब निर्यात भिरीकण परिवद द्वारा अनुमोदित मानक प्रक्रिया के अनुसार नमूने लिए जाते हैं और परीक्षण किया जाता है तब सामग्री नीचे सारणी में दी गई अपेक्षाओं के अनुरूप भी होगी।

## सारणी

सोशियम साइट नॉनकार्बन सिपोसील के लिए अपेक्षाएं

क्रम सं.	लक्षण	अपेक्षाएं	प्रयोगशाला अधिकारी
(i)	सुधित होने के प्राप्तार पर शुक्रता (सी 6 एच 5 एन ५३ और) भार के प्राप्तार प्रतिशत न्यूमतम।	99	99-100 प्रतिशत
(ii)	आप्रति अप्रति भार के प्राप्तार पर अधिकतम (क) निपंथ 1 (क) डिहाइड्रेट 13	--	--
(iii)	प्राक्तिकलीटी, प्राप्तसेट और वीथ्र कार्बनीक्स होने योग्य पदार्थ।	*परीक्षण पास करने के लिए	
(iv)	आर्द्धिक (एस) रूप में शुक्रता के आप्तार पर मिं. प्राप्त /फिं. प्राप्त अधिकतम	3	--
(v)	सीसा (पीथी के रूप में) शुक्रता के आप्तार पर मि. प्राप्त/फि. प्राप्त अधिकतम	10	--
(vi)	प्रशुद्धताओं की अधिकतम सीमा अन्तर्यामी या क्षारीयता	--	1 मि. ली. एच प्रतिशत
	क्लोराइड (सीएस) सल्फेट (एस ओप)	--	0.01 प्रति शत
	सीसा (पीथी)	--	0.02 प्रतिशत
			0.001 प्रतिशत

\* निम्नलिखित के लिए परीक्षण।

क्षारीयता—जल में सामग्री का 5 प्रतिशत धौत लिट्टमस वैपर के लिए क्षारीय किस्तु 0.2 मि.ली. गंधक धम्ल (0.1 एन) के मिलाने पर एक धूर फिल्मोयपालीन से गुलाबी रंग उत्पन्न नहीं होगा।

बौक्सलेट—1 मि.ली. जल भौर 3 मि. ली. सनुक्त हाईड्रोक्सीरिक धम्ल के मिश्रण में एक प्राप्त सामग्री भौले। इसमें 90 प्रतिशत एल्कोहल का 4 मि. ली. और क्लियम क्लोराइड भौल की 4 बूंदे मिलाएं एक घाटे के लिए रखें। यह मिश्रण साफ रहेगा।

तीव्रार कार्बनीक्स पदार्थ—परीक्षण यूथी में 10 मि. ली. गंधक धम्ल (एच एस ओप) का 94.5 से 95.5 प्रतिशत लें और एक प्राप्त सामग्री मिलाएं। उत्पाते पानी में एक बट्टे तक गम्भीर हल्के धूरे रंग से अधिक रंगदार पदार्थ नहीं मिलेगा।

2. ऐक करना—सामग्री अच्छी तरह से भर डिब्बों में सुरक्षित रूप से पैक की जाएगी विभिन्न प्रकाश और आप्रता की कम से कम पहुँच हो। डिब्बे ऐसे हींगे कि विससे प्रस्तुत धूरु या अन्य प्रशुद्धताओं के मंदूषण से निवारित रहें।

[फाइल सं. 6(9)/90-ईमाई एण्डईपी]

of the publication of the said Order in the Official Gazette from all persons likely to be affected thereby;

And whereas the copies of the said Gazette were made available to the public on 30th July, 1991;

And whereas the objections and suggestions received from the public on the said proposals have been considered by the Central Government.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 6 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government, after consulting the Export Inspection Council, hereby makes the following amendment in the Order of the Government of India in the Ministry of Commerce, No. S.O. 1994 dated 3rd July, 1991 as required by sub-rule (2) of rule 11 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964;

And whereas the objections or suggestions with respect to the said proposals were invited within forty-five days

For Annexure-II, the following shall be substituted, namely:—

## ANNEXURE-II

## 1. Specification of Acetic Acid.

1. Grades—There shall be four grades of acetic acid, namely technical, pure, analytical reagent and laboratory reagent grade.

## 2. Requirements—

2.1 Description—The technical grade material shall be either colourless or pale straw in colour. It shall not be darker than a freshly prepared solution of potassium dichromate obtained by dissolving 0.0030 gm. of pure potassium dichromate in 1000 ml. of water. The laboratory reagent grade shall not be more than 10 Hogen units in colour. The pure and analytical grade of the material shall be colourless.

2.2 The materials shall comply with the requirement given in the table below when sampled and tested as per the standard procedure approved by the Export Inspection Council.

TABLE

## Requirement of Acetic Acid

Sl. No.	Characteristics	Technical grade	Pure grade.	Requirements Analytical Reagent	For Laboratory Reagent grade.
1	2	3	4	5	6
	(i) Solubility in water	—	shall be completely mixible.	No turbidity within one hour.	—
	(ii) Acetic acid content ( $\text{CH}_3\text{COOH}$ ) percent by weight min.	98.0	99.5	99.7	99.5
	(iii) Crystallizing point $^{\circ}\text{C}$ min.	—	15.6	16.0	15.8
	(iv) Chlorides (as cl.) ppm max.	35	15	1	5
	(v) Residue on evaporation per cent by weight max.	0.02	0.01	0.001	0.01
	(vi) Iron (as Fe) ppm max.	—	2	1	1
	(vii) Sulphates ( $\text{a}_2\text{SO}_4$ ) max.	—	—	1	5
	(viii) Heavy metal (including iron) calculated as pb, ppm. Max.	—	—	2	1
	(ix) Formic Acid ( $\text{HCOOH}$ ) percent by weight max.	0.35	0.15	—	0.1
	(x) Acetaldehyde ( $\text{CH}_3\text{CHO}$ ) percent by weight max.	0.15	0.05	—	—
	(xi) Arsenic (as As) percent weight max.	—	—	—	0.001
	(xii) Weight per ml. at $20^{\circ}\text{C}$ .	—	—	—	1.048 to 1.050 gm

## 3. Packing and marking for export—

(i) Packing—The material shall be packed in suitable containers as agreed to between the buyer and the exporter  
 (ii) Marking—The containers of the acetic acid shall be securely closed and shall be suitably marked showing the weight, name and grade of the acetic acid and these shall also prominently display the words.

**"CORROSIVE—VAPOUR AND LIQUID DANGEROUS TO EYES"**

## 2. Specification for Hydroquinone.

1. Grades—There shall be three grades of hydroquinone, namely photographic, technical and laboratory reagent grade.

## 2. Requirements

## 2.1 For photographic grade

2.1.1 Physical appearance—The material shall be in the form of shining white or cream white needles, free from dirt and other extraneous impurities.

2.1.2 Appearance of solution in Dilute Acetic Acid. A 5% solution in the dilute acetic acid (1.19) at room temperature shall be clear and almost colourless or light straw coloured solution.

2.2 For Technical grade—The technical grade material shall be in the form of slightly brownish needles free from dirt and extraneous impurities.

2.3 For Laboratory Reagent Grade—The laboratory Reagent grade material shall be colourless or a most colourless crystalline powder. Laboratory Reagent grade, 4% solution in water is clear and not more than faintly coloured.

2.4 General—The material shall also comply with the requirement given in the table below, when sampled and tested as per the standard procedure approved by the Export Inspection Council.

TABLE  
REQUIREMENTS FOR HYDROQUINONE

Sl. No.	Characteristics	Photographic grade	Technical grade	Laboratory grade
(i)	Hydroquinone content per cent by weight min.	99.0	97.5	99.101
(ii)	Melting point	171°C to 175°C	—	170—174°C
(iii)	Sulphated ash per cent	0.10	0.75	0.05
(iv)	Sulphate ( $\text{SO}_4$ ) per cent by weight max.	0.075	—	0.05
(v)	Iron (as Fe), per cent by weight max.	0.002	0.001	—
(vi)	Phrocatechol per cent by weight max.	—	—	0.05

2.5 Packing—The material shall be packed in air-tight containers so as to protect the contents from light.

3. Specification for Oxalic Acid. Grades—There shall be three grade of the Oxalic acid namely, technical, analytical and laboratory reagent.

## 2. Requirements

2.1 Description—The material shall be in the form of colourless crystals and free from effervescence. When heated, it shall volatilize without charring.

2.2 Solubility—Dissolve 5.0 g of the material in 50 ml. of warm water. A clear colourless solution shall be produced without sediment.

2.3 The material shall also comply with the requirements given in the Table below, when sampled and tested as per the standards procedure approved by the Export Inspection Council.

TABLE  
Requirements for Oxalic Acid

Sl. No.	Characteristics	Requirement for Grade		
		Technical	Analytical Reagent	Laboratory Reagent
(i)	Oxalic acid ( $\text{CO}_2\text{O}_4$ ), $2\text{H}_2\text{O}$ per cent by weight min.	96.0	99.8	99.5
(ii)	Sulphated ash, per cent by weight max.	0.5	0.01	0.1
(iii)	Chlorides (as Cl), per cent by weight max.	0.1	0.001	0.005
(iv)	Sulphates (as $\text{SO}_4$ ) percent by weight max.	0.1	0.01	0.02
(v)	Heavy metals (as Pb) percent by weight max.	—	0.0005	—
(vi)	Nitrogen compounds (as N) per cent by weight max.	—	0.001	—
(vii)	Iron as (Fe) per cent by weight max.	0.5	0.0005	—
(viii)	Calcium (as Ca) per cent by weight max.	—	0.02	—
(ix)	Magnesium (as Mg) per cent by weight max.	—	0.003	—
(x)	Heavy metals and Iron (Fe) per cent by weight max.	—	—	0.005

## 4. Specification for Naphthalene.

1. Grades—There shall be three grades of Naphthalene, namely Grade-I Naphthalene (pure), Grade II Naphthalene (hot, pressed) and Naphthalene L.R. Grade.

### 2. Requirements

2.1 Description Grade I Material consist of prime white balls, blocks, flakes or crystalline powder and shall be free from dirt or oily impurities. It shall not produce any stain in contact with woollen fabrics when tested as prescribed below.

2.1.1 Wrap a small quantity of material tightly in a piece of white serge, and maintain it at  $50^\circ\text{C} \pm 1^\circ\text{C}$  for 4 hours. Then examine the piece of serge for stains, if any.

2.2 Grade II material may be obtained by not pressing centrifuging etc. It shall be white to light brown in colour and shall consist of lumps, blocks or granules. The colour shall however, be not darker than a solution of 20 mg. of potassium iodine in 100ml. water.

2.3 Naphthalene L.R. Grade shall be white or almost white crystalline powder and its 10% solution in warm ethanol would be clear.

2.4 The material shall also comply with the requirements given in the Table below. When sampled and tested as per the standard procedure approved by the Export Inspection Council.

**TABLE**  
**Requirements for Naphthalene**

Sl. No.	Characteristics	Requirement		Laboratory Reagent Grade
		Grade-I	Grade-II	
1	2	3	4	5
	(i) Crystallizing points °C Min.	74.4	78.5	79.5-80°C
	(ii) Moisture content, per cent by weight Max.	0.2	0.2	—
	(iii) Ash, per cent by weight Max.	0.2	0.2	0.05
	(iv) Total sulphur, percent by weight, Max.	—	0.02	—
	(v) Total Nitrogen content per cent by weight max.	—	0.02	—
	(vi) Minimum Assay GLC.	—	—	99%

**5. Specification for Benzene.**

1. Grades—There shall be three Grades of Benzene, namely Grade-I, Grade-II and Reagent Grade.

1.2 Description—The material shall be derived by suitable fraction and refining by washing with acid or hydro refining of crude benzene recovered from the gas produced by carbonization of coal in a coke over the retorts or recovered as by production petroleum refining or petro-chemical operations. It shall be clear and free from suspended matter and undissolved water.

**2. Requirements:**

2.1 Grade-I Benzene pure used as raw materials in the manufacture of alkylated, nitrated and halogenated organic intermediate for the petrochemicals dye stuffs and fine chemical industries.

2.2 Grade-II Benzene, Ordinary (commercially known as benzene Industrial grade I) used as a chemical and solvent.

2.3 Reagent grade—The material shall be clear, colourless liquid with characteristic odour, insoluble in water but completely mixable with absolute alcohol or ether. It shall be free from suspended matter.

2.4 The material shall also comply with the requirements given in the Table below, when sampled and tested as per the standard procedure, approved by the Export Inspection Council.

**Requirements for Benzene**

S.No.	Characteristics	Requirement for		Reagent Grade
		Grade-I	Grade-II	
1	2	3	4	5
	(i) Specific gravity at (a) 15.5°/15.5°C (b) 27°/27° C	0.877 to 0.844 0.866 to 0.873	0.872 to 0.882 0.861 to 0.871	— 0.871 to 873
	(ii) Distillation range.	The difference between the temperature (running) points at which 1 and 96 percent of the volume taken have been collected shall not exceed 0.6°C. This range shall include the temperature 80.1°C.	The difference between the temperature (running points) at which 1 and 96 percent of the volume taken have been collected shall not exceed 1°C. This range shall include the temperature of 80.1°C.	Not less than 95 per cent shall distill over between 79 °C & 80.5°C.
	(iii) Residue on evaporation mg/100 ml Max.	5	5	0.002
	(iv) Total sulphur percent by weight Max.	0.015	0.1	—
	(v) Crystallizing point Min.	5.2°C	—	Not less than 5° C.
	(vi) Thiophene (as sulphur) percent by weight Max.	0.01	—	—0.00025.

**3. Packing and Marking. :**

3.1—Packing—The material shall be packed in amber coloured Glass or other suitable containers compatible with the properties of the material. The containers shall be dry, clean, free from any substance soluble in Benzene, and leak proof, while sealing, the following precautions shall be observed, namely:—

(1) Rubber stoppers or composition corks shall not be used for closing the containers.

(2) Each container shall be protected by a cover of a suitable impervious material over the stopper to keep away moisture and dust from the mouth of the bottle and to protect it while being handled.

(3) Sealing wax or other plastic material, if used, shall be applied in such a way that it does not contaminate the material when the containers are opened.

3.2 Marking—The containers of Benzene shall be securely closed and shall also prominently display the words—  
“HIGHLY FLAMMABLE LIQUID KEEP A WAY FROM HEAT, SPARKS AND OPEN FLAME”.

6. Specifications for Anthracene

1. Requirements

1.1 Description

The material shall be obtained from the suitable fraction of coal tar distillate. It shall be in the form of colourless or blue violet fluorescent crystalline solid, free from sediments.

1.2 The material shall conform to the requirements given in the Table below when sampled and tested as per the standard procedure approved by the Export Inspection Council.

TABLE  
Requirements for Anthracene

Sl.No.	Characteristics	Requirement
(i)	Melting point	213°C to 216.2°C
(ii)	Boiling point	340°C to 351°C.

7. Specification for Toluene.

1. Grades—There shall be three grades of Toluene, namely Pure (nitration) Grade Reagent Grade, and Industrial Solvent Grade.

2. Pure (Nitration) Grade—The material shall be derived from crude benzol recovered from the gas produced by coal carbonisation or recovered as a by-product in petroleum refining and petrochemical operations.

2.1 Requirements—The material shall be clear and free from sediment, suspended matter and undissolved water.

2.1.2 Reagent Grade.—The material shall be clear, colourless liquid, with characteristic odour, insoluble in water but completely miscible with absolute alcohol or other. It shall be free from suspended matter.

2.1.3 Industrial solvent grade—The material shall be clear and free from sediment, suspended matter and undissolved water.

2.1.4 The material shall also comply with the requirements given in the table below, when sampled and tested as per the standard procedure approved by the Export Inspection Council.

TABLE  
Requirements for Toluene

Sl. No.	Characteristics	Pure (nitration) Grade	Reagent Grade	Industrial solvent Grade
1	2	3	4	5
(i)	Specific gravity at (a) 15.5°/15.5° (b) 27°/27° C.	0.870 to 0.874	—	0.860 to 0.875.
(ii)	Distillation range	0.859 to 0.863 The difference between the temperature (running points) at which 1 and 96% of the volume taken have been collected shall not exceed 0.6° C. This range shall include the temperature of 110. 6° C.	0.859 to 0.862 Not less than 95% shall distill over in 0.4°C in the temperature range of 110° C and 111° C.	*(a) Up to 105°C, 5 ml. (b) Up to 120°C, 90 ml. Min.
(iii)	Residue on evaporation mg/100ml. Max.	5	0.002	10.00
(iv)	Total sulphur percent by weight Max.	0.1	—	0.02

\*The temperature being corrected for a pressure of 760 mm. Hg.

3. Packing and Marking

3.1 Packing—The material shall be packed in amber-coloured or other suitable containers compatible with the properties of the material. While sealing the following precautions shall be observed, namely:—

(1) Rubber stoppers or composition corks shall not be used for closing the containers.

(2) Each container shall be protected by a cover of a suitable impervious material over the stopper to keep away moisture and dust from the mouth of the bottle and to protect it while being handled.

(3) Sealing wax or other plastic material, if used, shall be applied in such a way that does not contaminate the material when the containers are opened.

3.2 Marking—The containers of toluene shall be securely closed and shall also prominently display the words—  
**"HIGHLY FLAMMABLE LIQUID  
 KEEP AWAY FROM HEAT, SPARKS AND OPEN FLAME".**

8. Specification for Ethyl Alcohol.

1. The material shall be in five types, namely:—

Absolute alcohol, rectified spirit, ordinary denatured spirit, power alcohol and perfumery grade alcohol.

2. The requirements for various types of ethyl alcohol shall be as per the relevant Indian Standard given in the Table below:—

TABLE  
 Requirements for Ethyl Alcohol

S.No.	Type of Ethyl Alcohol	Relevant specification issued by the Bureau of Indian Standards
1	2	3
(1)	Absolute alcohol	IS—321—1964
(2)	Power Alcohol	IS—322—1952
(3)	Rectified Spirit	IS—323—1959
(4)	Ordinary denatured spirit	IS—324—1959
(5)	Alcohol perfumery grade	IS—1049—1957

NOTE:—If in respect of any type of Ethyl Alcohol specified in column No. 2 of the above table, there is any later version of the relevant specifications by the Bureau of Indian Standards, the specification applicable to such ethyl alcohol shall be the latest of such versions and not the specifications mentioned in the corresponding entry in column 3 thereof.

9. Specification for Xylene.

1. Requirements

1.1 Description—The material shall be derived from crude benzene obtained by extraction of the gas produced from coal in coke ovens and retorts, by suitable fractionation and refining after the removal of benzene and toluene or recovered as by product in petroleum refining or petrochemical operations. It shall be clear and free from suspended matter and undissolved water. Laboratory Reagent Grade or Xylene (Sulphur free) shall be mixable with methanol.

1.2 The material shall also comply with requirements given in the Table below, when sampled and tested as per the standard procedure approved by the Export Inspection Council.

TABLE  
 SPECIFICATION FOR XYLENE

S.No.	Characteristics	Requirement	Laboratory Reagent grade requirement.
(i)	Specific gravity at (a) 15.5/15.5°C (b) 27/27°C (c) Weight per ml. at 20°C.	0.860 to 0.975 0.850 to 0.865 —	— — 0.850—0.856 gm.
(ii)	Distillation range	The difference between the Temperature (running point) at which 1 percent and 96 percent of the volume taken have been collected shall not exceed 5°C when the dried sample is tested. The range shall be between 137°C and 145°C.*	—
(iii)	Residue on evaporation mg/100ml. Max.	10	—
(iv)	Boiling range (95%)	—	137—142°C.
(v)	Maximum Limits of impurities. (a) Sulphur compounds (Cs ) (b) Non-volatile matter	— —	0.0003% 0.01%

\* A temperature correction of 0.7°C for every 100 mm change of pressure from 76 mm of mercury shall be applied.

2. Packing and marking

2.1 Packing—The material shall be packed in amber coloured or other suitable containers compatible with the properties of the material. While sealing, the following precautions shall be observed, namely:—

(1) Rubber stoppers or compositions cork shall not be used for closing the containers.

(2) Each container shall be protected by a cover of a suitable impervious material over the stopper to keep away moisture and dust from the mouth of the bottle and protect it while being handled.

(3) Sealing wax or other plastic materials, if used, shall be applied in such a way that it does not contaminate the material when containers are opened.

2.2 Marking—The container of Xylene shall be securely closed and shall also prominently display the words—  
“HIGHLY FLAMMABLE LIQUID”

KEEP AWAY FROM HEAT, SPARKS AND OPEN FLAME”.

10. Specification for Sodium Citrate (non-pharmacopoeial)

1. Description

The material shall be in the form of colourless crystals or white crystalline powders. It shall be anhydrous or may contain two molecules of water of crystallization. Trisodium Citrate L.R. Grade shall be in the form of small white crystals or a crystalline powders.

2. Requirements

2.1 Solubility

One gram of dehydrated material shall be soluble in 1.5 ml of water at 25° C and in 0.6 ml of boiling water.

2.2 The material shall be insoluble in alcohol 10% solution of Trisodium citrate WR Grade in water shall be clear and colourless.

2.3 The material shall also conform to the requirements given in the Table below, when sampled and tested as per the standard procedure approved by the Expert Inspection Council.

TABLE  
Requirements for Sodium Citrate (Non-Pharmacopoeial)

S.No.	Characteristics	Requirement	Laboratory Reagent
1	2	3	4
(i)	Purity ( $C_8 H_6 N_2 O_7$ ) on dry basis percent by weight, Min.	99	99—100%
(ii)	Moisture percent by weight Max.		
(a)	Anhydrous	1	—
(b)	Dehydrate	13	—
(iii)	Alkalinity, oxalate and substances, readily carbonisable.	To pass the test *	
(iv)	Arsenic (as As) on dry basis mg/kg. Max.	3	—
(v)	Lead (as Pb) on dry basis mg/kg. Max.	10	—
(vi)	Maximum Limits of Impurities acidity or Alkalinity		
Chloride (Cl)		—	1 ml N%
Sulphate ( $SO_4$ )		—	0.01%
Lead (Pb)		—	0.02%
		—	0.001%

\*Test for—

Alkalinity : A 5 per cent solution of the material in water is alkaline to litmus paper, after the addition of 0.2 ml. of sulphuric acid (0.1N) no pink colour shall be produced by one drop of phenolphthalein.

Oxalate—Dissolve one gram of the material in a mixture of 1 ml. of water and 3 ml. of dilute hydrochloric acid. Add to it 4 ml of 90 per cent alcohol and 4 drops of calcium chloride solution. Allow to stand for one hour. The mixture shall remain clear.

Readily carbonisable substances—

Taking 10 ml. of sulphuric acid (94.5 to 95.5) per cent of  $H_2SO_4$  in a test tube and add one gram of the material. Heat in a boiling water bath for one hour. Not more than a pale brown colour shall produce.

3. Packing—The material shall be securely packed in well-filled containers with minimum access to light and moisture. The containers shall be such as to preclude contamination of contents with metals or other impurities”.

[F.No. 6/9/90-EI&EP]

Footnote :

The principal notification was published vide S.O. No. 1197 dated 15th April, 1966.

का. आ. 191.—केंद्रीय सरकार ने, नियंत्रित (कवलिटी नियंत्रण और नियोजन) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) को धारा ८ द्वारा प्रदत्त मानकों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय के आदेश सं. का. आ. 1153 तारीख ९ फ्रैल, 1988 का संशोधन करने के लिए कानूनी प्रस्ताव भेजा है और उसे नियंत्रित (कवलिटी नियंत्रण और नियोजन) नियम, 1964 के नियम (2) को अपेक्षात्मक भारत सरकार के वाणिज्य बाजार में अदेश सं. का. आ. 2029 तारीख 27 जुलाई, 1991 के अन्तर्गत भारत के राजपत्र, भाग II खंड 3, उप खंड (ii) तारीख 27 जुलाई, 1991 में प्रकाशित कर दिया गया;

ऐसे सभी व्यक्तियों से जिनके उनसे प्रभावित होने की संभावना थी उनके आदेश के राजपत्र में प्रकाशन से पैकार्नाम विल के भीतर आक्षेप और सुझाव माने गए थे;

उनके राजपत्र की प्रतियां जनता को 12 मार्च, 1991 को उपलब्ध करा दी गई थीं;

उनके प्रस्तावों पर जनता से कोई आक्षेप या सुझाव प्राप्त नहीं हुए हैं;

भारत सरकार, केंद्रीय सरकार, नियंत्रित (कवलिटी नियंत्रण और नियोजन) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) को धारा ८ द्वारा प्रदत्त मानकों का प्रयोग करते हुए, नियंत्रित विधिवाद से पर, सर्व करने के वाणिज्य मंत्रालय का अधिसूचना सं. का. आ. 1153 तारीख ९ फ्रैल, 1988 में इसके द्वारा नियंत्रित मानकों का संशोधन करती है, अर्थात्—

उन अधिसूचना में मद सं. 10, “हिसारीति मछली और मछली झटाओं के अन्य अविनियित भयों के लिए विनियोग” के स्थान पर नियंत्रित रखा जाएगा अर्थात्

“10. हिमशीतिन मछली और मछली उत्पादों के अग्नि किसी अविनियित मर्दां के मामलों में ऋता और विकेता के बीच करार पाए विनियोग लगू होंगे, परन्तु यह तब, जबकि ये आयात करने वाले देश को आद्य विधियों, यदि कोई हो, के अनुरूप हों। ऐसे विनियोगों के प्राप्ताव में नियत निरीक्षण परिषद द्वारा नियुक्त विशेषज्ञों के पैनल द्वारा अनुमोदित विनियोग लागू होंगे, परन्तु यह तब जबकि ऐसे विनियोग आयात करने वाले देश को आद्य विधियों, यदि कोई हो, के अनुरूप हों।

इस प्रयोगन के लिए विशेषज्ञों द्वा पैनल किस्मलिंगित से मिलकर बनेगा : --

- (क) सामुद्रिक उत्पाद नियन्त्रित विकास प्राधिकरण से एक प्रतिनिधि ।
- (ख) केन्द्रीय मछली उद्योग प्रौद्योगिकी संस्थान से एक प्रतिनिधि ।
- (ग) सोफ्ट एक्सपोर्ट्स एंड एक्सिप्रेशन से एक प्रतिनिधि ।
- (घ) नियंत्रित निरीक्षण अधिकारी ।

टिप्पण : सभी हिमशीतिन मछली स्था मछली उत्पादों की दशा में किसी अविनियित प्रकार और किसी के लिए कोड सूचियों में वास्तविक पूरा नाम दिया जाएगा ।

पोष टिप्पण :--सूल अधिसूचना भारत के राजपत्र, भाग II, खंड 3, उपखंड (ii) में का. धा. सं. 1153 तारीख 9 अप्रैल, 1988 को प्रकाशित की गई था । 1550-1583 पृष्ठों पर तारीख 9 अप्रैल, 1988 को प्रकाशित की गई था ।

S.O. 191.—Whereas, in exercise of the powers conferred by Section 6 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government had formulated certain proposal for amending the Order of the Government of India in the Ministry of Commerce, No. S.O. 1153, dated 9th April, 1988 and published in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (ii) dated 27th July, 1991 under the Order of the Government of India in the Ministry of Commerce, No. S.O. 2029, dated the 27th July, 1991 as required by Sub-rule (2) of rule 11 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964;

And whereas objections and suggestions were invited within forty-five days of the publication of the said Order in the Official Gazette from all persons likely to be affected thereby;

And whereas copies of the said Gazette were made available to the public on 12th August 1991;

And whereas no objections or suggestions have been received from the public on the said proposal;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 6 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government, after consulting the Export Inspection Council, hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Commerce, No. S.O. 1153, dated the 9th April, 1988, namely :—

In the said notification, for item No. 10, SPECIFICATION FOR ANY OTHER UNSPECIFIED ITEMS OF FROZEN FISH AND FISHERY PRODUCTS, the following shall be substituted, namely :—

#### “10. SPECIFICATION FOR ANY OTHER UNSPECIFIED ITEMS OF FROZEN FISH AND FISHERY PRODUCTS

General—In the case of any other unspecified items of frozen fish and fishery products, the specifications agreed to between the buyer and seller shall be applicable provided these conform to the Food Laws, if any, of the importing country. In the absence of such specifications, the specifications approved by the panel of experts appointed by the Export Inspection Council, provided such specifications conform to the Food Laws, if any, of the importing country, shall be applicable.

For this purpose, panel of experts shall consist of—

- (a) a representative from Marine Product Export Development Authority;
- (b) a representative from Central Institute of Fisheries Technology;
- (c) a representative from Seafood Exporters Association;
- (d) an officer from Export Inspection Agency.

Note :—For any unspecified type and variety, the actual name in full shall be given in the code slips in the case of all frozen fish and fishery products”.

[F. No. 6/12/84-EI&EP]  
A. K. CHAUDHAURI, Director

Foot Note :—The principal Notification was published vide No. S.O. 1153 dated 9th April, 1988 in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (ii) at pages 1550-1583 dated 9th April, 1988.

#### साल एवं नामगिरिक पूर्ति भंगालय

(नामगिरिक पूर्ति विभाग)

भारतीय मानक अपूर्ति

मई विलेली, 19 दिसम्बर, 1991

का. धा. 192.—भारतीय मानक अपूर्ति नियम, 1987 के नियम 7 के उपनियम (1) का खंड (ख) के अनुसरण में भारतीय मानक अपूर्ति एवं द्वारा अधिसूचित करता है कि त्रिमूर्ति भारतीय मानक/मानकों, का/ के विवरण नीचे अनुदूषकों में दिया गया है/दिए गए है, यह/वे विवाक़ \*\*\*\*\* को स्वापित हो गया है/हो गए है ।

#### अनुसूची

नए भारतीय मानक द्वारा प्रतिक्रिया दिया गया, यदि कोई हो  
भारतीय मानक अपूर्ति मानकों,  
यदि कोई हो, की सं. और खंड

(1)	(2)	(3)	(4)
1. आई.एस. : 896-1991 लक्ष्यकारके ऊनी कम्पनी लूमस्टेट (पहला पुनरीक्षण)		आई.एस. : 896-- 1957	1991-06-30
2. आई.एस. : 1110-1990 फैरोमिल कॉन्सैट्रिक्शन		आई.एस. : 1110-- 1981	1991-05-31

(1)	(2)	(3)	(4)
1. आई एस : 1443 (पृ. 137)---1991 पेट्रोलियम और उत्तरके उत्तराद परं क्रान्त की विधियाँ (भाग 137) आयुदानों टरब्यूलेशनों के इंधन के जलवायन प्रभिलक्षण	--		1991-05-31
4. आई एस : 2039 (भाग 1 से 3)---1991 भारी सक्रिय और साइकिल रिक्षा के लिए ह स्टास के पासव विशिष्ट (दूसरा पुनरेक्षण)	आई एस : 2039---1981		1991-06-30
5. आई एस : 3211---1991 इंजीनियरों के इंग्लिश यंत्र, पेन प्लाईट---विशिष्ट (पहला पुनरेक्षण)	आई एस : 3211---1965		1991-06-30
6. आई एस : 3215---1991 इंजीनियरों के इंग्लिश पंक्ति-सूची प्लॉइट---विशिष्ट (पहला पुनरेक्षण)	आई एस : 3215---1965		1991-06-30
7. आई एस : 3460---1991 नूर्ड डिप्रो विशिष्ट (सरा पुनरेक्षण)	आई एस : 3460---1972		1991-07-31
8. आई एस : 4027 (भाग 8) 1991 कासे के रासायनिक विश्लेषण की विधियाँ भाग 8 लोहे का निष्परिण (पहला पुनरेक्षण)	आई एस : 4027---1967		1991-06-30
9. आई एस : 4338---1991 घरेलू सिलाई मशीन के लिए अवधारी शीलन प्राइव-विशिष्ट (दूसरा पुनरेक्षण)	आई एस : 4338---1974		1991-06-30
10. आई एस : 4886---1991 औद्योगिक भवनों की आग से सुरक्षा : आग का फैक्ट्रियों—रेति संहिता (पहला पुनरेक्षण)	आई एस : 4886---1966		1991-06-30
11. आई एस : 5553 (भाग 6)---1990 रिएक्टर-विशिष्ट भाग 6 भूसंपर्कन ट्रॉतकार्बर (रप्ट्रलकपलर) (पहला पुनरेक्षण)	आई एस : 3151---1932		1991-08-31
12. आई एस : 7404 (भाग 2)---1991 कागज से ढके कागज तालक विशिष्ट भाग 2 आपत्तिकार कालक (पहला पुनरेक्षण)	आई एस : 7404 (भाग 2)---1991 और आई एस : 1666---1961	1991-04-30	
13. आई एस: 7531---1990 शल्यकिया के गंत-संकारण प्रतिरोधी स्टेनलैस इस्पात के शल्यकिया गंत-पर्सीय विधियाँ (पहला पुनरेक्षण)	आई एस : 7531---1975		1991-05-31
14. आई एस : 8335---1991 शुद्धयाहिनी शल्यकिया गंत-क्लैम्प, स्टेनलैस पेटन- राइज, आकार आपाम (पहला पुनरेक्षण)	आई एस : 8335---1977		1991-06-30
15. आई एस : 7583---1991 शल्यकिया के गंत-पिसानलिका विस्फारक, वैक्स पेटन-विशिष्ट (पहला पुनरेक्षण)	आई एस : 8583---1977		1991-04-30
16. आई एस : 9588---1990 क्राइचन-नियर-विशिष्ट (पहला पुनरेक्षण)	आई एस : 9588---1980		1991-06-30
7. आई एस : 10061---1991 यांत्रिक युक्ति द्वारा खुले खानों के बट्टानों को इकाई दर के विश्लेषण का प्रोफायरी (पहला पुनरेक्षण)	आई एस : 10062---1981		1991-07-31
18. आई एस : 10358---1991 कार्बन ब्लैक, सुपर एंब्रेशन फार्नेस (ए : एक (एस-110)-विशिष्ट (पहला पुनरेक्षण)	आई एस : 10358---1982		1991-05-31
19. आई एस : 10738 (भाग 2/खंड 2)---1989 वेव गाइड के लिए फैरीज-विशिष्ट भाग 2 साधारण आपत्तिकार वेव गाइड के लिए फैरीज खंड 2 फैरीज टाइप ए	--		1991-04-30
20. आई एस : 10738 (भाग 2/खंड 5)---1989 वेव गाइड के लिए फैरीज-विशिष्ट भाग 2 साधारण आपत्तिकार वेवगाइड के लिए फैरीज खंड 5 फैरीज टाइप डी	--		1991-03-31
21. आई एस : 10738 (भाग 5/खंड 1)---1991 वेव गाइड के लिए फैरीज-विशिष्ट भाग 5 मध्यम लपटे वेवगाइड की पर्सीज खंड 1 सामान्य	--		1991-05-31
22. आई एस : 10738 (भाग 6/खंड 1)---1991 वेव गाइड के लिए फैरीज-विशिष्ट भाग 6 मध्यकारिक वेवगाइड की पर्सीज खंड 1 सामान्य	--		1991-06-30
23. आई एस : 10738 (भाग 6/खंड 2)---1991 वेवगाइड के लिए फैरीज की विशिष्ट भाग 6 मध्यकार वेवगाइड की पर्सीज खंड 2 पर्सीज टाइप के	--		1991-07-31
24. आई एस : 1255 (भाग 5)---1990 स्टिर लोट से लस्टर्जन के मापन की विधियाँ भाग 5 कुल 9 लोट-राइड	--		1990-10-31
25. आई एस : 12309 (भाग 6)---1991 कच्चे और ढलवारा लोहे के रासायनिक विश्लेषण की विधियाँ भाग 6 क्लिकान विधारण की भारतीय विधि (0.1 से 6.0 प्रतिशत के लिए)	--		1991-06-30

(1)	(2)	(3)	(4)
26. आई एस : 12308 (भाग 10) -- 1991 कच्चे और बलवां लोहे के रासायनिक विषयक विशेषण को विधिया। भाग 10 मैग्नेशियन का निर्धारण ( 7.0 प्रतिशत सफ ) को मास्टेनाइट विधि द्वारा	--		1990-05-31
27. आई एस : 13023 -- 1991 एम्बाइम बेटाम् ( प्र: रोय ) -- विशिष्टि	--		1991-06-30
28. आई एस : 13044 -- 1991 प्रैग्नेश मैड के ताजे एकवित बीर्ड की तकनीकी अपेक्षाएँ	--		1991-05-31
29. आई एस : 13052 -- 1991 आस्ट्रेलिक दहन इंजन-सिलिंडर इन्हनर गुणता ग्रामिलक्षण	--		1991-06-30
30. आई एस : 13054 -- 1991 कैरोग्लायन के उत्पादन के लिए क्वार्टजाइट/क्वार्टज-विशिष्टि	--		1991-05-31
31. आई एस : 13063 -- 1991 चट्टान पर कम गूहरी नीत्र याले भवनों की संरचनात्मक सुरक्षा-रोति गंदिता	--		1991-05-31
32. आई एस : 13065 -- 1991 शाक हैर्डिंग उपस्कर-बैगत मर्सिलिंग उपस्कर-सिरा ब्रिंहून रस्तों टाइट-सामान्य अपेक्षाएँ	--		1991-05-31
33. आई एस : 13066 -- 1991 विचुल उपयोगों के लिए कांच बुने करवे पर आधारित प्राप्तेग-विशिष्टि	--		1991-05-31
34. आई एस : 13076 -- 1991 ड्राक बैलों को ले जाने के लिए हप्ट्रोलो- - विशिष्टि	--		1991-05-31
35. आई एस : 13079 -- 1991 स्टॉपिंग मोटर-विशिष्टि	--		1991-06-10
36. आई एस : 13090 -- 1991 मोटर बाह्य व्यापारिक बाह्य-कल व हाँ उपस्कर-आपाम	--		1991-06-11
37. आई एस : 13098 -- 1991 फोस्टर-प्रूफ मारमानों सहित हिपरो-कम अन्तराल वर्त्तों चूकियाँ-यात्रिक गुणवर्ष्म	--		1991-06-10
38. आई एस : 13108 (भाग 1) -- 1991 प्रकाशिकी यंत्र-सूक्ष्मदर्शिया भाग 1 प्रकाश सूक्ष्मदर्शिकों के सामान्य प्रयोग के लिए मज्जन सेल	--		1991-06-30
39. आई एस : 13114 -- 1991 जंकल कार्पों के लिए कोर्जित गेट, ग्लोब और चक्र बाल्ड-विशिष्टि	--		1991-06-10
40. आई एस : 13115 -- 1991 सामान्य प्रयोग के लिए सुवाहा प्रायमिन्ह उत्तराकिट	--		1991-06-30
41. आई एस : 13122 (भाग 2) -- 1991 ओचोगिक प्रक्रम निवेदन तंत्र में प्रयोग के लिए ट्रांस्फोर्मर-विशिष्टि	--		1991-07-31
भाग 2 संस्थापन मिरोक्षण और नेपी परीक्षण के दिशा निर्देश			
42. आई एस : 13129 (भाग 1) -- 1991 सीर तापन-परेलू जल तापन तंत्र भाग 1 अंतर्जन परीक्षण विधि का प्रयोग करते हुए कार्यकारिता रेटिंग प्रक्रिया	--		1991-07-31
43. आई एस : 13129 (भाग 2) -- 1991 सीर तापन-परेलू जल तापन तंत्र भाग 2 तंत्र कार्यकारिता प्रभिलक्षण अंकन और कार्यकारिता पूर्णत्वान	--		1991-07-31
44. आई एस : 13129 (भाग 3) -- 1991 सीर तापन-परेलू जल तापन तंत्र भाग 3 तंत्र पटक कार्यकारिता प्रभिलक्षण अंकन और कार्यकारिता पूर्णत्वान	--		1991-07-31
45. आई एस : 13129 (भाग 4) -- 1991 सीर तापन-परेलू जल तापन तंत्र भाग 4 टिकाऊन और विश्वसनीयता का निर्धारण	--		1991-07-31

इन मानकों की प्रतियोगी भारतीय मानक व्यूही, मानक भवन, 9 वडाकुर शाह जकर मार्य, नई दिल्ली-110002 और क्षेत्रीय कार्यालयों वर्षद्वारा कलनता वर्षद्वारा तथा ग्राम और ग्राम कार्यालयों भ्रूरमानार, वैद्यान, बोगान, तुर्कोपट, युक्तिका, इंद्रधनर, गुरु, कामुक या तिरेश्वर में विकास के लिए उपलब्ध है।

[सं. के. प्र. वि. / 13: 2

MINISTRY OF FOOD AND CIVIL SUPPLIES  
(Department of Civil Supplies)

BUREAU OF INDIAN STANDARDS

N. w Delhi, the 19th December, 1991

S.O. .... 19: — In pursuance of clause (b) of Sub-rule (1) of Rule 7 of the Bureau of Indian Standards Rules 1987, The Bureau of Indian Standards hereby notifies that the Indian Standard(s), Particulars of which are given in the Schedule, hereto annexed, has/have been established on the date indicated against each :

## SCHEDULE

Sl. No.	No., Year and Title of the Indian Standard(s) Established	No. and year of the Indian Standard or Standards, if any, superseded by the new Indian Standard	Date of Establishment
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	IS : 896—1991 Handloom woollen Kamblies, loomstate (First Revision)	IS : 896—1957	1991-06-30
2.	IS : 1110—1990 Ferrosilicon—Specification (Fourth Revision)	IS : 1110—1981	1991-05-31
3.	IS : 1448 (P : 137)—1991 Methods of test for petroleum and its products (P : 137) Water separation characteristics of aviation turbine fuels.	—	1991-05-31
4.	IS : 2039 (Part I to 3)—1991 Steel tubes for bicycles and cycle rickshaws—Specification. (Second Revision).	IS : 2039—1981	1991-06-30
5.	IS : 3211—1991 Engineers' drawing instruments, pen points (First Revision)	IS : 3211—1965	1991-06-30
6.	IS : 3215—1991 Engineers' drawing instruments-needle points—Specification. (First Revision)	IS : 3215—1965	1991-06-30
7.	IS : 3460—1991 Knurled nuts—Specification (Second Revision)	IS : 3460—1972	1991-07-31
8.	IS : 4027 (Part 8)—1991 Methods of chemical analysis of bronzes Part 8 Determination of Iron (First Revision)	IS : 4027—1967	1991-06-30
9.	IS : 4333—1991 Household sewing machines vertical oscillating shuttle—Specification. (Second Revision)	IS : 4338—1974	1991-06-30
10.	IS : 4886—1991 Fire safety of industrial buildings : Tea factories—Code of practice (First Revision)	IS : 4886—1968	1991-06-30
11.	IS : 5553 (Part 6)—1990 Reactors—Specification Part 6 Earthing transformers (Neutral couplers) (First Revision)	IS : 3151—1982	1991-08-31
12.	IS : 740 (Part 2)—1991 Paper covered copper conductors—Specification Part 2 Rectangular conductors (First Revision).	IS : 7404 (Part 2)—1974 & IS : 1666—1961	1991-04-30
13.	IS : 7531—1990 Surgical instruments—corrosion resistance of stainless steel surgical instruments—Methods of tests (First Revision).	IS : 7531—1975	1991-05-31
14.	IS : 8335—1991 Cardiovascular surgery instruments—clamps, auricle, satinsky pattern-sizes, shape and dimensions. (First Revision).	IS : 8335—1977	1991-06-30
15.	IS : 8583—1991 Surgical instruments-gall duct dilators, bake's pattern—Specification. (First Revision)	IS : 8583—1977	1991-04-30
16.	IS : 9588—1990 Kraft liner—Specification. (First Revision)	IS : 9588—1980	1991-06-30
17.	IS : 10062—1991 Proforma for analysis of unit sample of quarrying rock by mechanical means (First Revision)	IS : 10062—1981	1991-07-31
18.	IS : 10358—1991 Carbon black, super abrasion furnace (SAF (N-110))—Specification) (First Revision)	IS : 10358—1982	1991-05-31
19.	IS : 10738 (Part 2/Sec. 2)—1989 Flanges for waveguides—Specification Part 2 Flanges for ordinary rectangular waveguides Section 2 Flange Type A.	—	1991-04-30
20.	IS : 10738 (Part 2/Sec 5)—1989 Flanges for waveguides—Specification Part 2 Flanges for ordinary rectangular waveguides Section 5 Flange Type D	—	1991-03-31

(1)	(2)	(3)	(4)
21.	IS : 10738 (Part 5/Sec 1)—1991 Flanges for waveguides Part 5 Flanges for medium Flat rectangular waveguides Section 1 General	—	1991-05-31
22.	IS : 10738 (Part 6/Sec 1)—1991 Flanges for waveguides—Specification Part 6 Flanges for square waveguides Section 1 General.	—	1991-06-30
23.	IS : 10738 (Part 6/Sec 2)—1991 Specification for flanges for waveguides Part 6 Flanges for square waveguides Section 2 Flange Type K	—	1991-07-31
24.	IS : 11255 (Part 5)—1990 Methods of measurement of emissions from stationary sources Part 5 Total fluoride	—	1990-10-31
25.	IS : 12308 (Part 6)—1991 Methods for chemical analysis of cast iron and pig iron. Part 6 Determination of silicon by gravimetric method (for silicon 0.1 to 6.0 percent).	—	1990-06-30
26.	IS : 12308 (Part 10)—1991 Methods of chemical analysis of cast iron and pig iron Part 10 Determination of magnesia (Up to 7.0 Percent) by arsenite (Volumetric) method	—	1000-05-31
27.	IS : 13023—1991 Enzyme bates (Acidic)—Specification	—	1991-06-30
28.	IS : 13044—1991 Technical requirements for freshly collected semen of breeding sheep.	—	1991-05-31
29.	IS : 13052—1991 Internal combustion engines—cylinder liners—quality characteristics.	—	1991-06-30
30.	IS : 13054—1991 Quartzite/quartz for the production of ferroalloys—Specification.	—	1991-05-31
31.	IS : 13063—1991 Structural safety of buildings on shallow foundations on rocks—Code of practice.	—	1991-05-31
32.	IS : 13065—1991 Bulk handling equipment—wagon marshalling equipment—endless rope type—General requirements.	—	1991-05-31
33.	IS : 13066—1991 Prepreg based on glass woven fabric for electrical applications—Specification.	—	1991-05-31
34.	IS : 13076—1991 Hand trolley for carrying mail bags—Specification	—	1991-05-31
35.	IS : 13079—1991 Stepping motors—Specification	—	1991-06-30
36.	13090—1991 Automotive Vehicles—commercial vehicles—clutch housings—Dimensions	—	1991-07-31
37.	IS : 13096—1991 Fasteners—nuts with specified proof load values—fine pitch thread—mechanical properties.	—	1991-06-30
38.	13108—(Part 1) 1991 Optics and optical instruments—microscopes Part 1 Immersion oil for general use in light microscopy	—	1991-06-30
39.	IS : 13114—1991 Forged brass gate, globe and check valves for water works purposes—Specification	—	1991-06-30
40.	IS : 13115—1991 Portable first aid kit for general use—Specification	—	1991-06-30
41.	IS : 13122 (Part 2)—1991 Transmitters for use in industrial process control systems—Specification Part 2 Guidance for installation, inspection and routine testing.	—	1991-07-31
42.	IS : 13129 (Part 1)—1991 Solar heating—domestic water heating systems Part 1 Performance rating procedure using indoor test methods	—	1991-07-31
43.	IS : 13129 (Part 2)—1991 Solar heating—domestic water heating systems Part 2 Procedure for system performance characterization and yearly performance predication.	—	1991-07-31
44.	IS : 13129 (Part 3)—1991 Solar heating—domestic water heating systems Part 3 Procedures for system component characterization and predication for yearly performance using component performance data.	—	1991-07-31
45.	IS : 13129 (Part 4)—1991 Solar heating—domestic water heating systems Part 4 Determination of durability and reliability.	—	1991-07-31

Copies of these Indian Standards are available for sale with the Bureau of Indian Standards, Manak Bhavan, 9 Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110002 and Regional Office: Bombay, Calcutta, Chandigarh and Madras and also Branch Offices : Ahmedabad, Bangalore, Bhopal, Bhubaneshwar, Guwahati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Patna and Trivandrum.

[No. CMD/13 : 2]

का.आ. 193.—भारतीय मानक व्यूरो नियम, 1987 के नियम 7 के उपनियम (1) की खंड (ब) के अनुसरण में भारतीय मानक व्यूरो एवं द्वारा प्रधिसूचित करता है कि जिस/जिन भारतीय मानकों, का के विवरण नीचे अनुसूची में दिया गया है/दिए गए हैं, वह/वे वितांक ..... को स्थापित हो गया है/हो गए हैं।

## अनुसूची

क्रम सं.	स्थापित भारतीय मानक (कों) की संख्या वर्ण और शीर्षक	नए भारतीय मानक द्वारा प्रतिक्रिया भारतीय मानक वर्चवा मानकों, यदि कोई हो, की सं. और वर्ण	टिप्पणी यदि कोई हो
(1)	(2)	(3)	(4)
1. आई.एस : 10 (भाग 4)-1989 प्लाईबुड की चाय की पेटियों की विशिष्टि भाग 4 वातु आई.एस : 10 (भाग 4)-1978	प्रिटिंग (पांचवां पुनरीक्षण)	आई.एस : 10 (भाग 4)-1978	1990-12-01
2. आई.एस : 269-1989 साधारण पोर्टलैण्ड सीमेंट, 33 ग्रेन्विशिष्टि (चौथा पुनरीक्षण)	आई.एस : 269-1976	आई.एस : 269-1976	1990-12-01
3. आई.एस : 916-1989 चौकोर 18 लिटर-विशिष्टि (तीसरा पुनरीक्षण)	आई.एस : 916-1975	आई.एस : 916-1975	1990-04-30
4. आई.एस : 1137-1990 चद्वार की मोटाई और तार का व्यास (पहला पुनरीक्षण)	आई.एस : 1137-1959	आई.एस : 1137-1959	1991-02-28
5. आई.एस : 1447 (भाग 4)-1989 पेट्रोलियम और उसके उत्तराध-नमूने की विधियां भाग 4 प्रयोगशाला विश्लेषण के लिए कोक के नमूने (पहला पुनरीक्षण)	आई.एस : 1447 (भाग 4)-1984	आई.एस : 1447 (भाग 4)-1984	1990-12-31
6. आई.एस : 1536-1989 जल, गैस मल-जल हेतु अपकेन्द्री डल (स्पन) लोहे के दात्र पाइप-विशिष्टि आई.एस : 1536-1976 (तीसरा पुनरीक्षण)	आई.एस : 1536-1976	आई.एस : 1536-1976	1990-06-30
7. आई.एस : 1592-1989 एस्सेस्टस दात्र पाइप आई.एस : विशिष्टि (तीसरा पुनरीक्षण)	आई.एस : 1592-1980	आई.एस : 1592-1980	1991-01-01
8. आई.एस : 1610-1989 थरेल सिलाई मशीन-सामान्य अपेक्षाएं (दूसरा पुनरीक्षण)	आई.एस : 1610-1981	आई.एस : 1610-1981	1991-06-01
9. आई.एस : 1879-1987 धातुधर्य डलवां लोहे के दात्र फिटिंग की विशिष्टि	ई.एस : 1879 (भाग 1 से 10)-1975	ई.एस : 1879 (भाग 1 से 10)-1975	1991-04-16
10. आई.एस : 1891 (भाग 3)-1988 रबड़ कनेक्टर और उत्थापक बस्त्रादि पट्टे की विशिष्टि भाग 3 तेल प्रति रोप्ती पट्टे (तीसरा पुनरीक्षण)	आई.एस : 1891 (भाग 3)-1978	आई.एस : 1891 (भाग 3)-1978	1990-09-01
11. आई.एस : 2291-1990 स्पर्शज्य की और की वे (तीसरा पुनरीक्षण)	आई.एस : 2291-1981	आई.एस : 2291-1981	1991-02-28
12. आई.एस : 5423-1989 नोटर वाहन-शाक आब्जर्वर-विशिष्टि (तीसरा पुनरीक्षण)	आई.एस : 5423-1978	आई.एस : 5423-1978	1991-01-31
13. आई.एस : 5658-1990 स्लिप नोग्र व्हान-विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	आई.एस : 5658-1970	आई.एस : 5658-1970	1991-02-28
14. आई.एस : 6240-1989 तप्त बेलिन इस्तान लेइ (6 भिन्नों तरह) चंद्र और रंग, त्रय आई.एस : 6240-1976 दास द्रवणीय गैसों सिलिंडर हेतु-विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	आई.एस : 6240-1976	आई.एस : 6240-1976	1990-12-01
15. आई.एस : 6803 (भाग 7)-1990 मशीन औजार आरोदंते के निए विशिष्टि हेतु प्रोफार्मा भाग 7 क्षेत्रिक तर्कु सिलिन बाल्क मिलिंडर पिराई मशीन	आई.एस : 6803 (भाग 7)-1990	आई.एस : 6803 (भाग 7)-1990	1991-02-28
16. आई.एस : 8041-1990 शीघ्र जमने वाला सीमेंट-विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	आई.एस : 8041-1978	आई.एस : 8041-1978	1991-05-01
17. आई.एस : 8042-1989 सफेद पोर्टलैण्ड सीमेंट की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	आई.एस : 8042-1978	आई.एस : 8042-1978	1991-05-01
18. आई.एस : 8112-1989 43 पोर्टलैण्ड सीमेंट विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	आई.एस : 8112-1976	आई.एस : 8112-1976	1991-05-01
19. आई.एस : 8271 (भाग 6/खंड 5)-1991 आकृति चयन और नियंत्रण हेतु प्रयुक्त क्वार्टेज क्रिस्टल-विशिष्टि भाग 6 श्रेणी बी एफ डोलिन खंड 5 क्वार्टेज क्रिस्टल हवाई पाइप बी एफ-05			1991-02-28

(1)	(2)	(3)	(4)
20. आई एस : 8271 (भाग 6/खण्ड 6)–1991 आकृति चयन और नियंत्रण हेतु प्रयुक्त क्रार्ड्ज — फिल्टर-विशिष्ट भाग 6 थोड़ी बी एफ डोसित खण्ड 6 क्रार्ड्ज फिल्टर इकाई बी एफ-06			1991-02-28
21. आई एस : 8373 (भाग 1)–1991 स्टील लॉच-विशिष्ट भाग 1 एक्जेक्यूटिव मैमेंजर फोरी आई एस : 8373 (भाग 1)–1977 1991-02-28 लॉच (पहला पुनरीक्षण)			
22. आई एस : 8409–1991 हृदय पाहिजों का शल्यक्रिया यंत्र-डाइलेटर वाल्व, टिक्किंग वैटर्न- आई एस : 8409–1977 विशिष्ट (पहला पुनरीक्षण)			1991-02-28
23. आई एस : 8824 (भाग 2)–1988 विजली के सभी मापी की विशिष्ट भाग 2 पटसन हेतु — (चालकता केबल)			1991-01-31
24. आई एस : 3269–1990 द्रवीय फिल्टर तत्व आर फिल्टर के बाब कमी और ब्राह्म अभिनवण आई एस : 9269–1979 के बोन्ड मूल्यांकन परीक्षण विधि (पहला पुनरीक्षण)			1991-02-28
25. आई एस : 10242 (भाग 3/खण्ड 7)–1990 जलपोत में विजली के संस्थापन-विशिष्ट, भाग — 3 उपकरण खण्ड 7 तापन और कुरिंग उपकरण			1991-02-28
26. आई एस : 12418 (भाग 4)–1991 मूलाश्रयी गर्भ निरोधक युक्ति-विशिष्ट भाग 4 कापर- आई एस : 12418 (भाग 4)–1987 1991-02-28 टी (200 ग्री)			
27. आई एस : 12933 (भाग 1)–1990 सपात लेट सौर संग्रहक भाग 1 सामान्य भ्रष्टकारी— —			1991-01-31
28. आई एस : 12962–1990 मूत्रभूत इंजीनियरों मंत्र डिजाइन हेतु अग्रकड़ा पत्र	—		1991-02-28
29. आई एस : 2966 (भाग 2)–1990 बाबों में गैलरी और धन्य खुली जगहों को रीति महिला भाग 2 संरचना डिजाइन			1991-02-28
30. आई एस : 12968–1991 समुद्री इंजनों हेतु और साप्ट हेतु इस्पात की डलाइया-विशिष्ट	—		1991-02-28
31. आई एस : 12976–1990 /गानी करने के लिए सौर ऊर्जा संकरी-रीति संहिता	—		1991-02-28
32. आई एस : 12983–1980 तिलहन अवधिष्ट कुल अवधिष्ट हेक्सन का निर्धारण	—		1991-02-28
33. आई एस : 19894–1990 संयंक बंगल मधीन की अर्दीय विधिवाल हेतु प्रोफार्मा	—		1991-02-28
34. आई एस : 12985–1990 नीपर और कटिंग टांगल तिलहन लगा-विशिष्ट	—		1991-02-28
35. आई एस : 12991–1990 फैम्प नगाने वासें नम्बू-नाभकरण	—		1991-02-28
36. आई एस : 12992 (भाग 2)–1990 पिण्ड लगे निरापद मोबक क्याल्क-विशिष्ट भाग 2-परीक्षण अपर्याप्त लगे :			1991-02-28
37. आई एस : 12993–1991 अंत वेशीय जलपोत हस्त छेष-विशिष्ट	—		1991-01-31
38. आई एस : 13008–1990 उथले मालीवार एम्बेस्टस सीमेंट की चम्बूर-विशिष्ट	—		1991-02-28
39. आई एस : 13012–1990 थेले का फास्ट कापर एम्बेसेबल क्राप्ट कापर-विशिष्ट	—		1991-02-28
40. आई एस : 10316–1991 अर्द्धश्वर्ग इंजन-रेडिएट थेले फैक्ट-विशिष्ट	—		1991-03-31

इन मानकों की प्रतियों भारतीय मानक व्यूरो, मानक मंत्र, ९ वडावुरुमाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002 और क्षेत्रीय कार्यालयों अम्बाहू, कलकता, चंडीगढ़ तथा मद्रास और शाहा कार्यालयों अहमदाबाद, बंगलौर, भोपाल, भूवनेश्वर, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, पट्टा और लिम्बुगढ़ में विक्री हेतु उपलब्ध हैं।

[सं. के.प्र.वि./13 : 2]  
एन. श्रीनिवासन, अपर. महानिवेशक

S.O. 193—In pursuance of clause (b) of Sub-rule (1) of Rule 7 of the Bureau of Indian Standards Rules 1987, The Bureau of Indian Standards hereby notifies that the Indian Standard(s), Particulars of which is/are given in the Schedule hereto annexed, has/have been established on the date indicated against each:

#### SCHEDULE

Sl. No.	No. and Title of the Indian Standard(s) Established	No. and year of the Indian Standard or Standards, if any, superseded by the new Indian Standard	Date of Establishments
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	IS : 10 (Part 4)–1989 Specification for plywood tea-chests, Part 4 Metal fittings (Fifth Revision)	IS : 10 (Part 4)–1978	1990-12-01
2.	IS : 269–1989 Ordinary portland cement, 33 Grade— Specification (Fourth Revision)	IS : 269–1976	1990-12-01

(1)	(2)	(3)	(4)
3.	IS : 916—1989 Square Tins, 18 Litre—Specification (Third Revision)	IS : 916—1975	1990-04-30
4.	IS : 1137—1990 Thicknesses of sheet and diameter of wire (First Revision)	IS : 1137—1959	1991-02-28
5.	IS : 1447 (Part 4)—1989 Petroleum and its products— Methods of sampling Part 4 Sampling of petroleum coke for laboratory analysis. (First Revision).	IS : 1447 (Part 4)—1984	1990-12-31
6.	IS : 1536—1989 Centrifugally cast (spun) iron pressure pipes for water, gas and sewage— specification. (Third Revision)	IS : 1536—1976	1990-06-30
7.	IS : 1592—1989 Asbestos cement pressure pipes—Specification (Third Revision).	IS : 1592—1980	1991-01-01
8.	IS : (1610—1989 Household sewing machines—general requirements (Second Revision).	IS : 1610—1981	1991-05-01
9.	IS : 1879—1987 Specification for malleable cast iron pipe fittings (Second Revision).	IS : 1879 (Part 1 to 10)—1975	1991-04-16
10.	IS : 1891 (Part 3)—1988 Specification for rubber conveyor and elevator textile belting Part 3 Oil resistant belting. (Second Revision)	IS : 1891 (Part 3)—1978	1990-09-01
11.	IS : 2291—1990 Tangential keys and keyways (Third Revision).	IS : 2291—1981	1991-02-28
12.	IS : 5423—1989 Automotive vehicles—shock absorbers—Specification (Second Revision)	IS : 5423—1978	1991-01-31
13.	IS : 5658—1990 Snipe nose pliers— Specification (First Revision).	IS : 5658—1970	1991-02-28
14.	IS : 6240—1989 Hot rolled steel plate (upto 6 mm), sheet and strip for the manufacture of low pressure liquifiable gas cylinders—Specification (Second Revision).	IS : 6240—1976	1990-12-01
15.	IS : 6893 (Part 7)—1990 Proforma for purchase specification for machine tools Part 7 External cylindrical grinding machines with horizontal spindle.	—	1991-02-28
16.	IS : 8041—1990 Rapid hardening portland cement—Specification (Second Revision)	IS : 8041—1978	1991-05-01
17.	IS : 8042—1989 Specification for white portland cement (Second Revision).	IS : 8042—1978	1991-05-01
18.	IS : 8112—1989 43 Grade ordinary portland cement—Specification (First Revision).	IS : 8112—1976	1991-05-01
19.	IS : 8271 (Part 6/Sec. 5)—1991 Quartz crystal units used for frequency control and selection—Specification Part 6 Series BF oscillators section 5 Quartz crystal unit type BF-05.	—	
20.	IS : 8271 (Part 6/Sec. 6)—1991 Quartz crystal units used for frequency control and selection—Specification Part 6 Series BF for oscillators Section 6 Quartz crystal unit type BF—06	—	1991-02-28
21.	IS : 8373 (Part 1)—1991 Steel launches—Specification Part 1 Single hull passenger ferry launches (First Revision).	IS : 8373 (Part 1)—1977	1991-02-28
22.	IS : 8409—1991 Cardiovascular surgery instruments—dilator, valve, tubbs mitral pattern—Specification (First Revision).	IS : 8409—1977	1991-02-28
23.	IS : 8824 (Part 2)—1988 Specification for electrical moisture meters Part 2 for jute (conductivity type)	—	1991-01-31
24.	IS : 9269—1990 Evaluation of pressure drop versus flow characteristics of hydrophilic filter elements and filters—Method of test. (First Revision).	IS : 9269—1979	1991-02-28
25.	IS : 10242 (Part 3/Sec. 7)—1990 Electrical installations in ships— Specification. Part 3 Equipment Section 7 Heating and cooking appliances.	—	1991-02-28

(1)	(2)	(3)	(4)
26. IS : 12418 (Part 4)—1991 Intra-uterine contraceptive devices—Specification Part 4 Copper T(200 B). (First Revision.)	IS : 12418 (Part 4)—1987		1991-02-28
27. IS : 12933 (Part 1)—1990 Solar flat plate collector Part 1 General requirements.	—		1991-01-31
28. IS : 12962—1990 Data sheet for basic engineering plant design	—		1991-02-28
29. IS : 12965 (Part 2)—1990 Code of practice for galleries and other openings in dams Part 2 Structural Design.	—		1991-02-28
30. IS : 12968—1991 Steel castings for crankshafts for marine engines— Specification.	—		1991-02-28
31. IS : 12976—1990 Solar water heating systems—Code of practice	—		1991-02-28
32. IS : 12983—1990 Oil seed residues—Determination of Total residual hexane	—		1991-02-28
33. IS : 12984—1990 Proforma for purchase specification for plate bending machines.	—		1991-02-28
34. IS : 12985—1991 Nippers, nail-cutting—toggle lever assisted—Specification	—		1991-02-28
35. IS : 12991—1990 Camping tents - nomenclature	—		1991-02-28
36. IS : 12992 (Part 2)—1990 Spring loaded safety relief valves— Specification Part 2 Testing.	—		1991-02-28
37. IS : 12993—1991 Inland vessels—hand—holes—Specification	—		1991-01-31
38. IS : 13003—1990 Shallow corrugated asbestos cement sheets—Specification	—		1991-02-28
39. IS : 13012—1990 Sack kraft paper and extensible kraft paper—Specification	—		1991-02-28
40. IS : 13016—1991 Internal combustion engines - Radiator drain cocks - Specification	—		1991-03-31

Copies of those Indian Standards are available for sale with the Bureau of Indian Standards, Manak Bhavan, 9 Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110002 and Regional Office : Bombay, Calcutta, Chandigarh and Madras and also Branch Office : Ahmedabad, Bangalore, Bhopal, Bhubaneswar, Guwahati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Patna and Trivandrum.

[No. CMD /13:2]  
N. SRINIVASAN, Addl. Director General

### नागरिक पूर्ति और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय

नई दिल्ली, 20 दिसम्बर, 1991

का.पा. 194. :—भारतीय मानक भूरो अधिनियम, 1986 (1986 का 63) की धारा 7 की उप धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा ले. जमरल ए.एस. भुल्लर को 7300-100-7600/- रु. के बेतनमान में 20 दिसम्बर, 1993 (द्वाहिन) से आगामी शताब्दी तक भारतीय मानक भूरो के महान नियेमक के रूप में नियुक्त करती है।

[का. स. 2/16/91-बी-आई-एस]

ए.पी. श्रीवास्तव मिशेशक

### MINISTRY OF CIVIL SUPPLIES & PUBLIC DISTRIBUTION

New Delhi, the 20th December, 1991

S.O. 194.—In exercise of the powers conferred by Sub-Section (1) of Section 7 of the Bureau of Indian Standards Act, 1986 (63 of 1986), the Central Government hereby appoints Lt. Genl. A. S. Bhullar as Director-General of the Bureau of Indian Standards in the scale of pay of Rs. 7300-100-7600 with effect from the 20th December, 1991 (F.N), until further orders.

[F. No. 2/6/91BIS]  
A. P. SRIVASTAVA, Director

### कृषि मंत्रालय

(हिन्दी भनुसंधान तथा शिक्षा विभाग)

नई दिल्ली, 9 दिसम्बर, 1991

का.पा. 195. :—केन्द्रीय सरकार, हिन्दी मंत्रालय, हिन्दी भनुसंधान तथा शिक्षा विभाग राजभाषा (संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग) नियम 1976 के नियम 10 के उपनियम (4) के अनुसरण में एतद्वारा भारतीय कृषि भनुसंधान परिषद के संस्थान केन्द्रीय कल्यान फसल भनुसंधान संस्थान श्रीकार्य, तिरबनस्तपुरम, केरल जिनके 80% से अधिक कर्मचारियों ने हिन्दी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है को अधिसूचित करती है।

[का. स. 13-11/91-हिन्दी]  
टी.सी. सूद, अधिकारी

### MINISTRY OF AGRICULTURE (Deptt. of Agricultural Research & Education)

New Delhi, the 9th December, 1991

S.O. 195.—The Central Government, Ministry of Agriculture, Deptt. of Agricultural Research & Education hereby declares the Central Tuber Crops Research Institute, Indian Council of Agricultural Research, Sreekariyam, Trivandrum, Kerala where more than 80 per cent of staff have acquired the working knowledge of Hindi, as notified office in pursuance of Sub-Rule 4 of Rule 10 of the official Language (use of official purpose of the union) Rule 1976.

[No. 13/11/91-Hindi]  
T. C. SUD, Under Secy.

## जल संसाधन मंत्रालय

नई विस्तृत, 20 फिरांवर, 1991

का. आ. 196:—तुगड्हा बोर्ड के गठन के संबंध में तत्कालीन मिर्चाई और विद्युत मंत्रालय की विनांक 10 मार्च, 1955 की अधिसूचना सं. दी डब्ल्यू-VI-4 (9) (समय-समय पर यथासंशोधित) में निम्नलिखित और संशोधन किया जाता है अर्थात्:—

पैरा-1 में “मवस्तो” के सन्तर्भ “विभाग प्रविधि अर्थात् “मन्त्रि-II मार्षानिक बार्य, कमान थेव विकास तथा विद्युत विभाग, कर्नाटक सरकार” के स्थान पर निम्नलिखित प्रविधिय प्रतिस्थापित की जाए।

“मन्त्रि, कर्नाटक सरकार, मिर्चाई विभाग, बंगलौर”।

[स. 19/4/76-दी डब्ल्यू I/पी. IV/पी. -II/संख्या-II]  
वी.के. विज्ञा. अवर सचिव

## MINISTRY OF WATER RESOURCES

New Delhi, the 20th December, 1991

S.O. 196.—The following further amendment is made in the erstwhile Ministry of Irrigation and Power Notification No. DW VI-4(9) dated 10th March, 1955 (as amended from time to time) relating to the constitution of the Tungabhadra Board, namely:—

For the existing entry under “Members” in para 1 namely “Secretary-II Public Works, CAD and Electricity Department Government of Karnataka” the following entry shall be substituted:—

“Secretary to the Government of Karnataka, Irrigation Department, Bangalore”.

[No. 19/4/76-DW.I/P.IV|P.II|Vol.II.]  
V. K. TRIKHA, Under Secy.

## मानव संसाधन विकास मंत्रालय

(युवा कार्यक्रम और खेल विभाग)

मई विस्तृत, 31 दिसम्बर, 1991

का. आ. 197:—इस विभाग की विनांक 7 मई, 1986 की प्रधिसूचना सं. 13-11/85-सी-1 (खेल) जिसके अंतर्गत राष्ट्रीय कल्याण निधि योजना प्रधिसूचित की गई थी तथा जिसमें समय-समय पर संशोधन किये गये हैं; एतद्वारा उसमें निम्न संशोधन और किया जाता है:—

भाग II पैरा 4(I) में “युवा कार्यक्रम और खेल उप-मंत्री—प्रध्यक्ष” शब्दों के स्थान पर “युवा कार्यक्रम और खेल राज्य मंत्री—प्रध्यक्ष” शब्द रखे जाएंगे।

2. उपर्युक्त प्रधिसूचना के पैरा 4(भाग II) में उल्लिखित राष्ट्रीय विलासी कल्याण निधि के प्रबन्ध तथा प्रशासन हेतु गठित जनरल कमेटी का निम्न प्रकार से पुनर्गठन किया गया है जिसकी प्रधाधि उपर्युक्त प्रधिसूचना के अंतर्गत बनाये गये नियमों के अनुसार इसकी प्रथम बैठक की तिथि से 3 दिन होगी:—

## अध्यक्ष

1. युवा कार्यक्रम और खेल राज्य मंत्री सदस्य	—संभी भगवा बनर्जी
2. सचिव, भारत सरकार, युवा कार्यक्रम और खेल विभाग	—श्री एम.एम. राजेश्वरन
3. वित्तीय सलाहकार, युवा कार्यक्रम और खेल विभाग	—श्री प.स. बनर्जी
4. प्रध्यक्ष, भारतीय ओलंपिक एनोसिएशन	—श्री बी.एस. श्रावित्यन
5. महानिदेशक, भारतीय खेल प्राविकरण	—श्री ए.के. पाण्ड्या

—श्री वी.ए. इता

## 6. प्रध्यक्ष,

पैरेशना और दृष्टियन्त्र चैम्बर और  
कोमर्स एण्ड इण्डस्ट्री

7. केन्द्रीय सरकार द्वारा नामित किये जाने वाले 3 वरोवृद्ध विद्यार्थी:—

(1) श्री एम.ए.के. पटांदी

(2) श्री मिलाना सिंह

(3) श्री पी.के. बनर्जी

8. केन्द्रीय सरकार द्वारा नामित किये जाने वाले राज्य खेल प्रशिक्षण/राज्य सरकार के 5 प्रतिनिधि:—

(1) विशेष सचिव, पश्चिम बंगाल सरकार,  
खेल तथा युवा सेवाएं विभाग।(2) निदेशक, खेल तथा युवा कार्यक्रम  
मेष्ट्रालय गवर्कार।(3) आयुक्त अ मन्त्रिय, खेल विभाग,  
हरियाणा सरकार।(4) उपाध्यक्ष तथा प्रबन्ध निदेशक,  
प्रान्तीय प्रदेश खेल प्राविकरण,  
नाल अंदामान और निकोबार द्वे देशवासिय(5) मन्त्रिय (खेल),  
गोवा सरकार

9. केन्द्रीय सरकार द्वारा नामित किये जाने वाले राज्यों खेल मंत्री के 5 प्रतिनिधि:—

(1) अध्यक्ष,  
भारतीय बास्केट बाल गोप(2) अध्यक्ष,  
भारतीय गिम्नास्टिक मंग(3) मन्त्रिय,  
भारतीय हॉकी संघ(4) मानद मन्त्रिय,  
भारतीय लीग्बाजी मंड(5) मानद मन्त्रिय,  
भारतीय फिलेट नियक्रण बोर्ड10. संयुक्त सचिव (खेल),  
युवा कार्यक्रम और खेल विभाग,  
सदस्य-सचिव तथा अध्यक्ष

—श्रीमती नीना रंजन

[म. स. 13-3/91-खेल-4]  
नीना रंजन, संयुक्त सचिव

## MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT

(Department of Youth Affairs and Sports)

New Delhi, the 31st December, 1991

S.O. 197.—This Department's Notification No. F. 13-11/85-D-I(SF) dated 7th May, 1986 vide which the scheme of National Welfare Funds Scheme was notified and which has since been modified from time to time, is hereby further modified as follows:—

In Part II, Para 4 (i) the words “Deputy Minister for Youth Affairs & Sports—Chairman” shall be substituted with the words “Minister of State for Youth Affairs & Sports—Chairperson”.

2. In accordance with para 4 (Part II) of the Notification quoted above, the General Committee for the purpose of management and administration of National Welfare Fund for Sports persons stands re-constituted as follows for a period

of 3 years in accordance with the Rules framed under the above mentioned notification from the date of its first meeting :—

Chairperson

1. Minister of State for Youth Affairs and Sports.  
—Ms. Mamata Banerjee.

Members

2. Secretary to the Govt. of India, Department of Youth Affairs & Sports.—Sh. M. M. Rajendran.
3. Financial Adviser, Deptt. of Youth Affairs & Sports.—Sh. S. Banerjee.
4. President, Indian Olympic Association.—Sh. B. S. Adityan.
5. Director General, Sports Authority of India.—Sh. A. K. Pandya.
6. President, Federation of Indian Chamber of Commerce and Industry.—Sh. V. L. Dutt.
7. 3 Veteran Sportspersons to be nominated by the Central Government.
  - (i) Sh. M. A. K. Pataudi
  - (ii) Sh. Milkha Singh.
  - (iii) Sh. P. K. Banerjee.
8. 5 Representatives of State Sports Councils/State Governments to be nominated by the Central Government.
  - (i) Special Secretary, Govt. of West Bengal, Department of Sports and Youth Services.
  - (ii) Director, Sports & Youth Affairs Government of Meghalaya.
  - (iii) Commissioner & Secretary, Sports Department, Govt. of Haryana.
  - (iv) Vice-Chairman and Managing Director, Sports Authority of Andhra Pradesh, Lal Bahadur Stadium, Hyderabad.
  - (v) Secretary (Sports) Govt. of Goa.
9. 5 Representatives of National Sports Federations to be nominated by the Central Government :
  - (i) President, Basketball Federation of India.
  - (ii) President, Gymnastics Federation of India.
  - (iii) Secretary, Indian Hockey Federation.
  - (iv) Hon. Secy. Archery Association of India.
  - (v) Hon. Secretary, Board of Control for Cricket in India.
10. Joint Secretary (Sports) Department of Youth Affairs and Sports Member-Secretary & Treasurer.—Smt. Neena Ranjan.

[No. F. 13-3/91-SP.IV]  
NEENA RANJAN, Jt. Secy.

कस्याण मंत्रालय  
(वक्फ प्रभाग)

नई दिल्ली, 1 जनवरी, 1992

का. आ. 193 :—केंद्रीय सरकार, भारत सरकार के तत्कालीन विधि, न्याय और कंपनी कार्य मंत्रालय, विधायी विभाग की अधिसूचना संख्यांक का. आ. 247, तारीख 30 दिसम्बर, 1975, जो भारत के राजपत्र, भाग-2, खण्ड-3, उपखण्ड (2) तारीख 17 जनवरी, 1976 को गई थी, के साथ पंचित वक्फ अधिनियम, 1954 (1954 का 29) की धारा 21 की उपधारा (2) द्वारा प्रवत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, विधायी अधिसूचना और निकोबार द्वीप सिंधिय सेवा के अधिकारी 1 जनवरी, 1992 को और उसमें एक वर्ष की

मावधि के लिए प्रसिद्धिमुक्ति पर पंजाब वक्फ बोर्ड के सचिव के रूप में नियुक्त करती है।

[सं. 4/3/91-वक्फ]

एम.एस. पण्डित, संयुक्त सचिव

### MINISTRY OF WELFARE

(Wakf Division)

New Delhi, the 1st January, 1992

S.O. 198.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 21 of the Wakf Act, 1954 (29 of 1954) read with the Notification of the Government of India in the erstwhile Ministry of Law, Justice and Company Affairs, Legislative Department, number S.O. 247 dated the 30th December, 1975 published in the Gazette of India, Part II, Section 3, sub-section (ii), dated the 17th January 1976, the Central Government hereby appoints Shri F. O. Hashmi an officer of Delhi, Andaman and Nicobar Islands Civil Services, as Secretary of the Punjab Wakf Board on deputation basis, for a period of one year, on and from, the 1st day of January, 1992.

[No. 4/3/91-Wakf]

M. S. PANDIT, Jt. Secy.

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

नई दिल्ली, 15 मार्च, 1991

का.आ. 199 :—यह देशों विभिन्न प्राइवेट भूमियों में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना का.आ.सं. 2611 तारीख 6-10-90 द्वारा केंद्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न मनुसूची में विनियिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के लिए अनियंत्रित करने का अपना आवश्यक घोषित कर दिया था।

और यह देशम अधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के प्रधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यह देशम केंद्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न मनुसूची में विनियिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एक द्वारा अनियंत्रित करने का विनियश्य किया है।

अब, यह देशम अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त अधिकार का प्रयोग करते हुए केंद्रीय सरकार एक द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न मनुसूची में विनियिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एक द्वारा अनियंत्रित किया जाता है।

और आगे उस द्वारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केंद्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केंद्रीय सरकार में निहित होने की बजाय तेल और प्राकृतिक गैस आवश्यक में सभी आधारों से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस सारीय को निहित होगा।

मनुसूची

नामा-1 से जी.एन.ए.क्यू तक पाईप लाईन बिछाने के लिए।

राज्य—गुजरात जिला—भरचु तालुका जैनपुर

गांव	ब्लाक नं.	त्र.	आर.	घोषी
1	2	3	4	5
टंकारी	1962	0	07	50
	1961	0	06	75
	1957	0	07	50
	1960	0	07	60

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
ટકારી (જારી)	1959	0	09	75		458	0	01	95
	1950	0	20	40		457	0	03	04
	1951	0	05	25		459	0	03	75
	1935	0	12	75		467	0	00	34
	1942	0	12	75		460	0	09	80
	1942/1	0	06	30		461	0	00	12
	1941/ય	0	11	78		462	0	08	25
	1945	0	05	40		463	0	05	10
	1940	0	05	12		464	0	04	80
	1939	0	14	41		484	0	13	20
	2011	0	16	50		485	0	13	95
	2123	0	09	00		495	0	20	85
	2122	0	05	10		494	0	00	12
	2121	0	21	75		489	0	14	55
	2100	0	17	55		491	0	17	25
	2141	0	06	90		490	0	00	90
	2142	0	21	90		430	0	10	50
	2143	0	13	20		429	0	05	87
	2148/ય/ય	0	06	30		427	0	07	05
	2146	0	06	75		Govt. Bund Protection	0	00	90
	2145	0	08	30		Minor Sub Course	0	00	60
	2144	0	02	66		Govt. Bund Khar land	0	00	90
	2088	0	02	53			0	95	40
ગાડાબાટ		0	15	41					
	2158	0	13	62					
	2159	0	14	85					
	2164	0	22	65					
	2162	0	22	95					
	2168	0	10	65					
	2169	0	09	60					
	2181	0	11	89					
	2180	0	14	70					
	2178	0	08	40					
	2177	0	08	19					
	2176	0	00	62					
ગાડાબાટ		0	09	60					
	1586	0	09	00					
	575	0	08	40					
	176	0	03	60					
	1796	0	03	15					
	1795	0	02	70					
	1888	0	02	14					
	1981	0	00	56					
	672	0	28	69					
	2335	0	14	70					
	54	0	07	50					
	55	0	20	85					
	35	0	04	50					
	36	0	09	00					
	38/ય/ય	0	09	00					
	39	0	18	00					
ગાડાબાટ		0	08	42					
	450	0	01	54					
	454	0	18	90					
ગાડાબાટ		0	03	75					

[S. O. - 11027/99/90-સો. એન. જી. ફી-III]

ને. વિભાગાન્વ, ઈસ્ક પાયાકારી

## MINISTRY OF PETROLEUM &amp; NATURAL GAS

New Delhi, the 15th March, 1991

S.O. 199.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of petroleum & Natural Gas S.O. No. 2611 dated 6-10-90 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Government.

And Further Whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification.

Now therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline.

And further in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

## SCHEDULE

Pipeline from NADA-1 to GNAQ

State : Gujarat District : Bharuch Taluka : Jambusar

Village	Block No.	Hec-tare	Are	Cen-tiarc
1	2	3	4	5
Tankari	1962	0	07	50
	1961	0	06	75

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
Tenkari—Contd.	1957	0	07	50		484	0	13	20
	1960	0	07	50		485	0	13	95
	1959	0	09	75		495	0	20	85
	1950	0	20	40		494	0	00	12
	1951	0	05	25		489	0	14	55
	1935	0	012	75		491	0	17	25
	1942	0	12	75		490	0	00	90
	1942/1	0	06	30		430	0	10	50
	1941/A	0	11	78		429	0	05	87
	1945	0	05	40		427	0	07	05
	1940	0	05	12		Govt. Bund			
	1939	0	14	41		Protection	0	00	90
	2011	0	16	50		Minor Sub			
	2123	0	09	00		Course	0	00	60
	2122	0	05	10		Govt. Bund	0	00	90
	2121	0	21	75		Khar land	0	95	40
	2100	0	17	55					
	2141	0	06	90					
	2142	0	21	90					
	2143	0	13	20					
	2148/A/B	0	06	30					
	2146	0	06	75					
	2145	0	68	30					
	2144	0	02	66					
	2088	0	02	53					
	Cart track	0	15	41					
	2153	0	13	62					
	2159	0	14	85					
	2164	0	22	65					
	2162	0	22	95					
	2168	0	10	65					
	2169	0	09	60					
	2181	0	11	89					
	2180	0	14	70					
	2178	0	08	40					
	2177	0	08	19					
	2176	0	00	62					
	Cart track	0	06	60					
	1586	0	09	00					
	575	0	08	40					
	1760	0	03	60					
	1796	0	03	15					
	1795	0	02	70					
	1858	0	02	14					
	1981	0	08	56					
	672	0	28	69					
	2335	0	14	70					
	54	0	07	50					
	55	0	20	85					
	33	0	04	50					
	36	0	09	00					
	38/A/B	0	09	00					
	39	0	18	00					
	Cart track	0	08	42					
	450	0	01	54					
	454	0	18	90					
	Cart track	0	03	75					
	458	0	01	95					
	457	0	03	04					
	459	0	03	75					
	467	0	00	34					
	460	0	09	80					
	461	0	00	12					
	462	0	08	25					
	463	0	05	10					
	464	0	04	80					

[No. O-11027/99/90-ONG. D-II]]

K. VIVEKANAND, Desk Officer

नई दिल्ली, 31 दिसम्बर, 1991

का.आ. 200 : —केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह भावशक है कि गुजरात राज्य में काड़ला से पंजाब राज्य में भट्टा तक राजस्थान भी दूरियाण से होकर पैदेलियम के परिवहन के लिए इंडियन आपल कारपोरेशन लिमिटेड द्वारा पाइपलाइन बिछायी जाए;

और ऐसा प्रतीत होता है कि ऐसी पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के सिए इस भविसूचना से उपर्युक्त भनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग के प्रधिकार का अर्जन करना भावशक है;

अतः, केन्द्रीय सरकार पैदेलियम और बनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के प्रधिकार का अर्जन) प्रधिलियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त विभिन्नों का प्रयोग करते हुए, उसमें उपयोग के प्रधिकार का प्रर्जन करने के अपने प्राप्ति की बोधायण करती है।

उक्त भनुसूची में वर्णित भूमि में हितवद्ध कोई व्यक्ति उसमें उपयोग के प्रधिकार का अर्जन या भूमि के अन्दर पाइपलाइन बिछाने पर मालेप लिखित रूप में श्री कुपाल सिंह सम्पर्क प्रधिकारी और संस्थम प्रधिकारी, इंडियन आपल कारपोरेशन लिमिटेड, काड़ला-भट्टा पाइपलाइन परियोजना, एससीओ 178, सेक्टर 37-सी, चंडीगढ़ को, राजपत्र में प्रकाशित इस भविसूचना की प्रतियाँ जनता को उपलब्ध कराए जाने की तरीका से 21 वित के भीतर कर सकेगा।

भनुसूची

तहसील: सुनाम

जिला: संग्रहर

राज्य: पंजाब

गांव का नाम	हवालस्त नं.	मुस्तकील नं./ किला नं.	सेक्टर	मार	वर्गमीटर
1	2	3	4	5	6
महलान	54	8/2	—	12	39
		8	—	6	32
		9	—	08	09
		13/1	—	5	56
		13/2	—	7	59
		14	—	3	60
		16	—	9	36

I	2	3	4	5	6
महालन—आरी		17/1	—	2	53
		17/2	—	4	05
		17/3	—	—	76
कमालपुर	126	93/16	—	—	51
		17	—	13	41
		24/3	—	1	26
		25	—	12	14
		114/1/1	—	12	14
		1/2	—	—	51
		8	—	2	53
		9	—	14	16
		10/1	—	01	01
		10/2	—	1.	52
		12	—	—	25
कमालपुर	126	13/1	—	6	07
		13/2	—	3	04
		14/1	—	6	83
		14/2	—	2	02
		16/3	—	1	26
		17/2/1	—	6	07
		115/5	—	4	55
खनालकला	122	81/23/1	—	—	76
		24/1	—	1	52
		24/2	—	2	51
		77/9	—	1	77
		10	—	13	41
		11	—	—	53
		12	—	12	39
	122	18/4/1	—	14	67
		5	—	6	07
		6	—	9	11

[सं.ग्राम. - 31015/4/91-ओ.ग्राम. I]

New Delhi, the 31st December, 1991

S.O. 200.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Kandla in the State of Gujarat to Bhatinda in the State of Punjab, via Rajasthan and Haryana, Pipeline should be laid by the Indian Oil Corporation Limited;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of way in the land described in the Schedule annexed to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (i) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962); the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user there in.

Any person interested in the land described in the schedule may within 21 days from the date on which the copies of this notification, as published in the Gazette of India are made available to the general public, object in writing to the acquisition of the right of user there in or laying of the pipeline under the land to Shri Kripal Singh, Liaison Officer.

and Competent Authority, Indian Oil Corporation Limited  
Kandla-Bhatinda Pipeline Project, Sector 37-C SCO 178  
Chandigarh.

## SCHEDULE

Tehsil : Sunam District : Sangrur State : Punjab

Name of Village	Hadbast No.	Survy No./ Khasra No./ Hec- Mustateeel No.	Area Are	Cen- tiare	
		Killa No.			
1	2	3	4	5	6
Mehlan	54	8/2	—	12	39
		8	—	6	32
		9	—	8	09
		13/1	—	5	56
		13/2	—	7	59
		14	—	8	60
		16	—	9	36
		17/1	—	2	53
		17/2	—	4	05
		17/3	—	—	76
Kamalpur	126	93/16	—	—	51
		17	—	13	41
		24/3	—	1	26
		25	—	12	14
		114/1/1	—	12	14
		1/2	—	—	51
		8	—	2	53
		9	—	14	16
		10/1	—	01	01
		10/2	—	1	52
		12	—	—	25
		13/1	—	6	07
Kamalpur	126	13/2	—	3	04
		14/1	—	6	83
		14/2	—	2	02
		16/3	—	1	26
		17/2/1	—	6	07
		115/5	—	4	55
		51/23/1	—	—	76
Khanal Kaln	122	24/1	—	1	52
		24/2	—	2	53
		77/7	—	1	77
		10	—	13	41
		11	—	—	51
		12	—	12	39
		18/4/1	—	14	67
		5	—	6	07
		6	—	9	11

[No. R-31015/4/91-O.R.I.]

का. आ. 201—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में भय भावश्यक है कि गुजरात राज्य में काढ़ा से पंजाब राज्य में भटिडा तक राजस्थान और हस्तियाण से होकर पैट्टोलियम के परिवहन के लिए हड्डियम आयल कारपोरेशन लिमिटेड हांग पाईपलाइन बिलारी जाए।

और ऐसा प्रसीत होता है कि ऐसी पार्श्वसाईन विलाने के प्रयोगम  
के लिए इस अविभूतिका से उपायक अनुभूति में वर्णित भूमि में उपयोग  
के प्रधिकार का अर्जन करना आवश्यक है ।

अनु : केन्द्रीय सरकार पैट्रोलियम और खनिज पाईपलाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 52) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उसमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने प्राणा की धोषणा करती है।

उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उसमें उपयोग के अधिकार का अर्जन या भूमि के मान्दर पाईपलाईन बिछाने पर आक्षेप निलिन स्प में श्री कृष्ण मिश्र समर्क अधिकारी और सक्षम अधिकारी, इंडियन शायर कार्पोरेशन लिमिटेड, काप्तन भंटिडा पाईपलाईन परियोजना एस मी ओ 178 सेक्टर 37 गोंडीगढ़ को गजपत्र में प्रकाशित इस अधिसूचना की प्रतियाँ जनता को उपलब्ध कराए जाने की नीति ने 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

## अनुसूची

नामस्थिति	मान्दर	जिला	मान्दर	राज्य पंजाब-
गां. का नाम	हृष्टवस्त्र	मुस्तीउमनं	जिला नं.	सेवफल भार वर्गमीमांसर
1	2	3	4	5
गग्गापुर	55	1391	--	31 11
		320/2		
		322	--	51
गग्गापुर	55	357/1	--	67
		366	--	26

[सं. भार. 31015/4/91 ओ. भार. -I]

S. O. 201.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for transport of petroleum from Kandla in the State of Gujarat to Bhatinda in the State of Punjab, via Rajasthan and Haryana, Pipelines should be laid on the Indian Oil Corporation limited;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipelines it is necessary to acquire the right of user in the land described in the Schedule annexed to this notification;

No. 1, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-Section (1) of section 13 of the Petroleum and Minerals Pipeline (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein.

Any person interested in the land described in the said Schedule may within 21 days from the date on which the copies of this notification, as published in the Gazette of India, are made available to the general public, object in writing to the acquisition of the right of user therein or laying of the pipeline under the land to Shri Kirpal Singh, Liaison Officer and Competent Authority, Indian Oil Corporation Limited Kandla-Bhatinda Pipeline Project, Sector 37-C, SCO 178 Chandigarh.

## SCHEDULE

Tehsil : Sangrur District : Sangrur State : Punjab

Name of Village	Habbast No.	Survey No. Khasra No./	Area		
			Mustaice H. acre No.	Centiare Killa No.	6
1	2	3	4	5	6
Gaggarpur	55	1391	320/2	—	31 11
		322	—	—	51
		357/1	—	14	67
		366	—	1	26

[No. R-31015/4/91-O.R.-I]

ना. भा. — 202—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि गोक्किल में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में कांडला से पंजाब राज्य में भंटिडा तक राजस्थान और हरियाणा से होकर पैट्रोलियम के परिवहन के लिए इंडियन शायर कार्पोरेशन लिमिटेड द्वारा पाईपलाईन बिछायी जाए।

और ऐसा प्रतीत होता है कि ऐसी पाईपलाईन बिछाने के प्रयोजन के लिए इस अधिसूचना से उत्पादक अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन करना आवश्यक है;

अनु : केन्द्रीय सरकार पैट्रोलियम और खनिज पाईपलाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 52) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उसमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के प्राप्ते शायर की धोषणा करती है।

उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उसमें उपयोग के अधिकार का अर्जन या भूमि के मान्दर पाईपलाईन बिछाने पर आक्षेप निलिन स्प में श्री कृपाल मिश्र समर्क अधिकारी और सक्षम अधिकारी, इंडियन शायर कार्पोरेशन लिमिटेड, कांडला भंटिडा पाईपलाईन परियोजना एस मी ओ 178 सेक्टर 37—सी बंडीगढ़ को गजपत्र में प्रकाशित इस अधिसूचना की प्रतियाँ जनता को उपलब्ध कराए जाने की नीति में 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

## अनुसूची

नामस्थिति	मान्दर	जिला भंटिडा	राज्य	पंजाब	
गां. का नाम	हृष्टवस्त्र	मुस्तीउमनं	जिला नं.	सेवफल भार वर्ग	
1	2	3	4	5	6
पक्किला	6 71	11/2	—	50 56	—
		12	—	—	11. 39
प्रक्किला	6	13/2	—	12. 39	—
		20/1	—	5. 06	—

[सं. भार. 31015/4/91 ओ. भार. -I]

S.O. 201.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Kandla in the State of Gujarat to Bhatinda in the State of Punjab, via Rajasthan and Haryana pipelines should be laid by the Indian Oil Corporation Limited;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipelines it is necessary to acquire the right of user in the land described in the Schedule annexed to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (i) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein.

Any person interested in the land described in the said Schedule may within 21 days from the date on which the copies of this notification, as published in the Gazette of India, are made available to the general public, object in writing to the acquisition of the right of user therein or laying of the pipeline under the land to Shri Kirpal Singh, Liaison Officer and Competent Authority, Indian Oil Corporation Limited Kandla-Bhatinda Pipeline Project, SCO 178 Sector 37-C, Chandigarh.

#### SCHEDULE

Tehsil : Mansa District : Bhatinda State : Punjab

Name of Village	Hadbast No.	Survey No./ Khasra No./	Area		
			Mustate 1	Hectare	Centi Arc
Killa No.					
1	2	3	4	5	6
Aklia	6	71			
		11/2		5.56	
		12	—	11.39	
	6	13/2	—	12.39	
		20/1	—	5.06	

[No. R-31015/4/91-O.R.-I]

का. आ. 203—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में कांडला से पंजाब राज्य में भटिंडा तक गजस्थान और हरियाणा से क्षेत्रकर पैट्रोलियम के परिवहन के लिए इंडियन ग्रायल कारपोरेशन लिमिटेड द्वारा पाईपलाईन बिणायी जाए।

और ऐसा प्रतीत होता है कि ऐसी पाईपलाईन बिणाने के प्रयोजन के लिए इस अधिसूचना से उपयोग अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग के अधिकार का प्रार्जन करना आवश्यक है।

अतः केन्द्रीय रकार पैट्रोलियम और अनिंज पाईपलाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम 1962 (1962 का 52) 1 की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रबल शक्तियों का प्रयोग करते हुए उपर्योग के अधिकार का प्रार्जन करने के अपने ग्रामीण की ओषण करती है।

उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितवद्ध कोई व्यक्ति उसमें उपयोग के अधिकार का अर्जन या भूमि के अधिकारी नाहीं बिणाने पर आवश्यक लिखित रूप में श्री हृपाल सिंह सम्पर्क अधिकारी और सकाम अधिकारी, इंडियन ग्रायल कारपोरेशन लिमिटेड, कांडला भटिंडा पाईपलाईन परियोजना एस सी बोर्डी 178 सेक्टर 37-सी चंडीगढ़ को राजपत्र में प्रकाशित इस अधिसूचना की प्रतियां जनता को उपलब्ध कराए जाने की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

तहसील नाम	फुल नं.	जिला भटिंडा	राज्य अनुसूची		
			हस्तांतर नं. मुस्तसीत नं. है जिला नं.	भैतकल वर्गीकरण ग्राम	पंजाब
1	2	3	4	5	6
ठाडे	3	584	—	6.58	—
		585/1	—	12.64	—
		585/2	—	3.54	—
		587/1/2	—	15.68	—
ठाडे	3	589/4/1	—	7.08	—
		589/3/1	—	6.58	—
		591/1/1	—	12.65	—
		591/2/1	—	1.26	—
		592/2	—	4.05	—

[गं. गार. 31015/4/91 ओ आर-1]

S.O. 203.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Kandla in the State of Gujarat to Bhatinda in the State of Punjab, via Rajasthan and Haryana, Pipelines should be laid by the Indian Oil Corporation Limited;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipelines it is necessary to acquire the right of user in the land described in the Schedule annexed to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein.

Any person interested in the land described in the said Schedule may within 21 days from the date on which the copies of this notification, as published in the Gazette of India, are made available to the general public object in writing to the acquisition of the right of user therein or laying of the pipeline under the land to Shri Kirpal Singh, Liaison Officer and Competent Authority, Indian Oil Corporation Limited, Kandla-Bhatinda Pipeline Project SCO Sector 37-C, Chandigarh.

#### SCHEDULE

Tehsil : Phul District : Bhatinda State : Punjab

Name of Village	Hadbast No.	Survey No./ Khasra No./	Ar.a		
			Mustate 1	Hectare	Centi Arc
Killa No.					
1	2	3	4	5	6
Dhade	3	584	—	6.58	—
		585/1	—	12.64	—
		585/2	—	3.54	—
		587/1/2	—	15.68	—
		589/4/1	—	7.08	—
		589/3/1	—	6.58	—
		591/1/1	—	12.65	—
		591/2/1	—	1.26	—
		592/2	—	4.05	—

[No. R-31015/4/91-O.R.-I]

का. नं. 204.—केन्द्रीय सरकार ने, पेट्रोलियम और अनियंत्रित लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का वर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की बारा 3 की उपचारा (1) अधीन जारी भी गई भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना संख्या 832 तारीख 23 मार्च, 1991 द्वारा पेट्रोलियम परिवहनके लिए पाइप लाइन बिलाने के प्रयोगनार्थे उक्त अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनियिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकारों के वर्जन के अपने आशय की घोषणा भी थी;

और राजपत्रित अधिसूचना की प्रतियोगी जनता को तारीख 8 फरवरी, 1991 को उपलब्ध करा भी रही थी;

और केन्द्रीय सरकार का उक्त लिस्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समावाल हो गया है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनियिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार का वर्जन किया जाएः

अतः भव, केन्द्रीय सरकार, उक्तअधिनियम की बारा 6 की उपचारा (1) द्वारा प्रवत् अस्तियों का प्रयोग करते हुए, इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनियिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार प्राप्ति करने की घोषणा करती है;

यह और कि केन्द्रीय सरकार उक्त भारत की उपचारा (4) द्वारा प्रवत् अस्तियों के प्रयोग करते हुए, यह निरेश देती है कि उक्त भूमियों के उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाए सभी विस्तरों से रहित, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड में निहित होगा।

#### अधिसूची

सहस्रलः संग्रहालय क्षेत्रः संग्रहालय राज्यः राज्य

गांव का नाम	हृष्टवंस नं.	मुस्तकील नं./ क्षेत्र नं.:	सेवकल		
			हृष्टवंस	भार	बांगमीटर
1	2	3	4	5	6
नगरा	109	2720	0	12	65
		2732	0	01	26
		2733	0	15	94
		2734	0	05	06
		2735	0	03	29
		2740	0	13	40
		2741	0	09	36
		2753	0	01	77
		2754	0	15	68
		2755/1	0	07	59
		2768	0	15	68
		2767	0	00	51
		2769/2	0	08	85
		2880	0	13	91
		2781	0	07	33
		2799	0	01	52
		2800	0	15	68
		2800/1/1	0	04	30
		2809	0	10	12
		4123/2810/2	0	13	15
		2871	0	07	08

नगरा	109	2872	0	15	18
		2873	0	01	77
		2878	0	15	93
		2879	0	00	81
		2881	0	05	82
		2882	0	11	38
		2884	0	09	37
		2889	0	01	52
		2890	0	05	56
बालपुर	55	112	0	18	21
		210	0	03	29
		211/1	0	10	62
		211/2/2/2	0	02	02
		211/2/2/1	0	10	12
		212	0	02	02
		215/1	0	16	70
		215/2	0	05	06
		208/1	0	11	88
		208/2	0	00	76
		207	0	09	61
		206	0	22	00
		223	0	00	76
		201/2	0	00	76
		200/1	0	09	11
		194/2/2	0	07	59
		185/2	0	07	59
		185/1	0	10	11
		343	0	00	51
		344/1	0	24	78
		350	0	01	26
		200/2	0	16	68
		351	0	26	06
		352/1	0	00	51
		352/2	0	00	75
		353	0	26	05
		358/1	0	03	04
		357/1	0	13	40
		357/2	0	12	65
		321	0	09	35
		320/2	0	23	02
		317	0	03	05
		318	0	22	00
		315	0	10	37
		450/2	0	16	68
		452/1/2	0	10	37
खेरी	47	14			
		16/1	0	01	77
		16/2	0	08	35
		16/3	0	01	01
खेरी	47	15			
		19/2	0	06	07
		20	0	12	90

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
47	22		0	03	04	47	13		0	00	51
	23		0	12	14		14		0	08	84
	24		0	12	65		17		0	04	55
25/1			0	01	26	कम्बो नायर					
25/2			0	09	10	कला	45	34/2	0	13	92
16								335/31/1	0	20	23
21			0	00	51			32/1	0	13	91
19								337/32/2	0	06	32
11			0	08	86			422/33/1	0	10	11
18			0	00	51			422/33/2	0	10	12
19			0	11	89			150	0	20	23
20			0	04	89			165	0	20	23
22/2			0	01	26			173	0	20	24
23			0	14	16			174	0	05	06
24			0	02	28			179/2	0	06	32
20								180/1	0	20	23
1/2			0	10	87			190/2	0	15	17
02			0	12	90			197/1/2	0	16	45
03			0	10	88			197/2	0	02	53
07			0	01	01			198/	0	08	85
07			0	13	91			199	0	1	38
08			0	01	26			200/2	0	01	26
15			0	10	88						
06			0	04	55	शीर अस्त्रान	38	8			
34									12	0	03
									13	0	02
04			0	11	63				18	0	00
05			0	07	85				18	0	16
06			0	06	07				23	0	01
35									24	0	13
											66
09			0	00	26				16		
10			0	12	65				10	0	08
11			0	02	02				11	0	10
12			0	11	38				12	0	05
13/2			0	01	77				18	0	02
18			0	12	65				19	0	12
19			0	00	26				22	0	22
17			0	07	88				23	0	23
24			0	06	83						66
25			0	11	38				17		
26			0	03	29						
37									04	0	04
01			0	11	63				05	0	10
09			0	01	77				06	0	07
38									18		
05			0	03	28				03	0	03
05			0	03	28				04	0	11
06									06	0	08
06									07	0	06

1	2	3	4	5	6	7	8	9	4	5	6
बीर अस्त्राम	38	07	0	08	32	उपली	7	536	0	02	53
		15	0	09	61			539	0	14	66
		19						540	0	11	63
		11	0	05	06			1291	0	06	58
		19	0	01	77			1292	0	01	52
		20	0	11	64			1293	0	14	16
राम नगर सिवियाम	37	102						1294/2	0	13	91
		02	0	17	71			1479	0	17	96
		105	0	20	22			1480	0	13	91
		106	0	20	24			1481	0	13	91
		109/1	0	08	83			1495/1	0	03	79
		109/2	0	03	79			1495/2	0	09	87
		110	0	03	04			1496	0	13	91
		111	0	11	39			1497	0	12	39
		624/243	0	20	23			1498/2	0	09	61
		677/246	0	20	24			1807	0	06	32
		249	0	08	85			1808	0	12	64
		250	0	19	47			1815	0	13	15
		251	0	00	76			1818	0	13	91
		252	0	11	38			1819	0	13	91
		442	0	18	22			1920	0	00	77
		443/1	0	20	24			1822	0	01	27
		444	0	20	23			2087	0	05	06
		391/2	0	21	73			1853	0	04	85
		392	0	19	48			2129/1	0	09	86
		373	0	18	21			2129/2	0	01	26
		374	0	00	78			2130	0	00	76
		372	0	14	92			2131/1	0	08	85
		393/2	0	03	29	चट्टा सेष्ट्राम	8	241	0	15	18
		363	0	10	37			246	0	13	91
		365	0	22	51			311	0	13	15
		359	0	02	02			318	0	13	91
		360	0	06	33			319	0	09	61
								320/2	0	03	29
कनोई	46	01	0	08	85			321	0	10	62
उपली	7	451/2	0	20	23			322	0	04	30
		456	0	13	91			357	0	13	91
		457	0	13	91			358	0	13	91
		458	0	13	91			362	0	13	91
		459	0	13	91			363	0	05	06
		490	0	13	91	उत्तराम	6	99			
		491	0	10	88			17/2	0	04	30
		495	0	07	59			18	0	11	89
		496	0	04	30			19	0	09	11
		501	0	00	51			20	0	03	28
		511	0	15	68			21/2	0	09	11
		512	0	13	91			22	0	03	28
		513	0	13	40			23	0	00	26
		534	0	09	62						
		535	0	06	32						

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
उद्देश्य	6	22		0	12	39	उद्देश्य	6	150		
		23		0	12	40			04	0	03
		24/2-3		0	11	13			05	0	09
		25		0	12	39			06	0	03
		126							7/1	0	00
		14		0	01	77			7/2	0	00
		15		0	12	40					
		16		0	00	76			151		
		17/1		0	08	32			01	0	09
		17/2		0	04	05			02	0	10
		18/2-3		0	13	15			3/1	0	07
		19		0	03	29			3/2	0	03
		22/1		0	08	07			04	0	12
		22/2		0	03	54			5/1	0	04
									5/2	0	08
		127							07	0	00
									08	0	01
		06		0	12	39			09	0	02
		07		0	12	39			10	0	02
		08		0	11	89					
		09		0	07	94			152		
		10		0	00	51					
		11		0	13	16			1/1	0	12
		12/1		0	03	54			02	0	11
		12/2		0	01	26			3/2	0	09
		13		0	00	51			04	0	12
									05	0	12
		128							153		
		04		0	02	78					
		05		0	10	37			01	0	12
		07		0	09	61					
		08		0	12	65					
									02	0	12
		09		0	11	13			03	0	12
		10		0	12	40			4/2	0	06
									4/3	0	06
		129							5/1	0	07
									5/2	0	05
		01		0	10	12					
		02		0	12	39			154		
		10		0	02	27					
									01	0	12
		140							02	0	12
									03	0	12
		19		0	13	41			04	0	12
		20/2		0	04	03			5/1	0	10
		21/1		0	01	52			5/2	0	02
		21/2		0	07	84					
									155		
		141									
									01	0	12
		24		0	08	60			02	0	12
		25		0	13	40			3/2	0	12

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
उद्यात	6	04	0	12	39	किला भारियात	5	21	0	05	56
		5/2	0	12	39		22		0	07	84
		156					23/1		0	09	11
		01	0	11	38		23/2		0	02	78
		02	0	12	39		24		0	12	40
		03	0	12	40		25		0	12	39
		04	0	12	39		52				
		05	0	12	39		16/1		0	08	60
		157					17		0	11	13
		01	0	12	40		18		0	12	39
		02	0	12	40		19		0	12	39
		03	0	12	39		20/1		0	06	07
		04	0	12	39		20/2		0	06	33
		05	0	12	40		24/1		0	00	25
		158					25		0	02	78
		02	0	12	39		53				
		2/1	0	02	79		11		0	01	77
		2/2	0	07	07		16		0	12	39
		3/1	0	04	30		17		0	12	40
		3/2	0	08	35		18		0	12	39
		04	0	06	32		19/1		0	01	52
		48					19/2		0	01	52
किला भारियात	6	48					20/1		0	10	63
		21	0	05	31		54				
		48					11		0	01	77
		22	0	02	78		16		0	12	39
		23	0	00	50		17		0	12	40
		49					18		0	12	39
		21	0	12	39		19/1		0	01	52
		22/3	0	10	63		19/2		0	01	52
		23	0	12	39		20/1		0	04	05
		24	0	11	13		5/2				
		25/2	0	08	34		04		0	01	01
		50					04		0	04	05
		21	0	12	39		60				
		22	0	12	40		01		0	06	83
		23	0	12	39		02		5	09	11
		24	0	11	13		04		0	12	39
		25/2	0	08	34		04		0	06	58
		50					5/1		0	06	58
		21	0	12	39		61				
		22	0	12	40		1/1		0	08	09
		23	0	12	39		2/1		0	12	40
		24	0	12	40		03		0	11	63
		25	0	12	39		04		0	12	40
		51					5/2/2		0	12	39
		18	0	01	52		62				
		19	0	04	55		01		0	11	13
		20/1	0	01	52		02		0	11	13
		20/2	0	05	06		02		0	11	89

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
मिला चारियम (जारी)	5	3/2	0	10	62	मोगोबाल (जारी)	4	5/2	0	02	78
		4/2	0	05	31		6/2	0	01	52	
		07	0	01	52		7/1	0	05	06	
		08	0	01	77		7/2	0	01	26	
		9/1	0	00	51		08	0	12	39	
मोगोबाल	4	248					09	0	12	39	
		24	0	03	04		10	0	12	40	
		25	0	09	12						
		249					01	0	12	39	
		21/1	0	08	35		02	0	11	38	
		21/2	0	04	05		03	0	12	40	
		22	0	12	39		04	0	12	14	
		23/1	0	12	39		05	0	09	11	
		24	0	11	38		06	0	03	28	
		25	0	11	64		07	0	00	25	
		250					255				
		16	0	12	39		01	0	05	66	
		17	0	12	39		3/1	0	00	25	
		18	0	12	40		06	0	13	66	
		19	0	12	39		255				
		250					07	0	08	10	
		20	0	07	39		8/1	0	06	07	
		21	0	02	28		8/2	0	06	07	
		251					09	0	09	61	
							10	0	06	83	
							256				
		12	0	02	53						
		13	0	08	35		08	0	12	39	
		14	0	12	39		09	0	12	40	
		15	0	12	39		10	0	12	39	
		18	0	04	05		15/2	0	00	51	
		19	0	08	85		257				
		20	0	12	40						
		252					7/1	0	00	25	
							08	0	02	53	
		06	0	12	40		09	0	06	07	
		07	0	08	84		10/2	0	01	01	
		14/1	0	03	54		10/3	0	08	60	
		14/2	0	01	01		11	0	02	78	
		08	0	00	76		12	0	06	07	
		11	0	12	39		13/1	0	07	84	
		12/1	0	05	31		13/2	0	01	52	
		12/2	0	07	08		14	0	12	14	
		13	0	11	64		15	0	12	39	
		253					258				
		04	0	03	79		11/1	0	12	40	
		5/1	0	08	10		12	0	12	39	

1	2	3	4	5	6	1	2	3	5	5	6
लोगोवाल (आरी)	4	13/1	0	03	54	लोगोवाल (आरी)	4	22	0	06	83
		13/2	0	03	03		23		0	04	05
		14	0	12	39		24		0	01	01
		15/1	0	04	05		263				
		15/2	0	05	31						
		269					16/1		0	02	78
							16/2		0	09	61
		11	0	11	13		17		0	12	39
		12	0	09	11		18		0	12	40
		13	0	06	07		19		0	12	39
		14	0	02	78		20/1		0	08	09
		16	0	07	59		20/2		0	02	79
		17	0	06	32		264				
		18	0	06	07						
		19	0	03	29		16		0	12	39
		20/1	0	00	50		17		0	12	40
		20/2	0	00	51		264				
		260					18		0	12	39
							19		0	13	15
		16	0	12	39		20		0	09	61
		17	0	12	40		265				
		18/2	0	07	08		11		0	01	01
		19/1	0	08	60		12		0	03	29
		19/2	0	03	79		13		0	05	56
		20/1/2	0	10	88		14		0	08	35
		20/2	0	00	51		15		0	11	38
		261					16		0	01	01
							17/1		0	02	28
		18/1	0	00	25		17/2		0	01	52
		18/2	0	01	01		18		0	06	88
		18/3	0	03	04		19		0	09	11
		17	0	07	84		20		0	11	38
		18/1	0	02	02		266				
		18/2	0	09	11		11		0	11	38
		19	0	12	39		12		0	12	39
		20/1	0	02	53		13/1		0	03	25
		20/2	0	09	86		13/2		0	09	11
		23	0	01	01		14		0	12	39
		24	0	04	55		15		0	12	39
		25	0	08	36		267				
							11/2		0	12	14
		262					12		0	10	12
							13		0	07	08
		16	0	12	40		16/1		0	03	54
		17	0	11	38		16/2		0	02	28
		18	0	08	35		17/1		0	06	83
		19/1	0	04	30		18		0	04	65
		19/2	0	01	52		19		0	02	28
		20/1	0	01	01		20		0	00	25
		20/2	0	01	01		289				
		20/3	0	01	01		2/2		0	12	40
		21	0	09	11		03		0	12	13
							04		0	8	35

लोकोक्ति (जारी)	1	2	3	4	5	6	लोकोक्ति (जारी)	1	2	3	4	5	6
290	05	0	03	29			लोकोक्ति (जारी)	17	0	00	51		
03		0	02	53			23	0	08	86			
04		0	09	11			24	0	11	89			
05		0	12	39			25	0	06	83			
07		0	03	29			80						
290							16	0	12	14			
08		0	09	61			17	0	12	39			
9/1		0	03	29			18	0	12	89			
9/2		0	08	10			19/1	0	02	53			
10/1		0	12	39			19/2	0	07	33			
291							20	0	11	89			
06		0	12	39			21	0	00	50			
07		0	11	39			81						
08		0	04	55			20	0	04	30			
09		0	00	51			88						
11/1		0	00	78			2/2	0	01	52			
11/2		0	11	63			09	0	10	12			
12		0	10	88			10/1	0	12	39			
13		0	07	84			89						
14		0	01	01			06	0	12	39			
292							07	0	12	15			
11/1		0	04	55			08	0	00	76			
12		0	11	89			09	0	06	83			
13/2		0	12	39			10	0	01	01			
14		0	12	40			11/1	0	11	38			
15/2		0	06	07			12	0	04	80			
15/3		0	06	32			90						
19		0	00	51			11	0	10	88			
20		0	02	53			12	0	12	39			
293							90						
15		0	00	25			13	0	12	40			
294							14	0	10	87			
21/2		0	11	37			15	0	12	39			
22		0	13	67			91						
295							15	0	04	56			
24		0	02	28			16	0	07	84			
25		0	07	33			17	0	12	39			
307							18	0	04	55			
02		0	00	76			लोकोक्ति	78	08				
03		0	08	35			22	0	01	01			
04		0	12	39			23	0	08	35			
05		0	12	39			24	0	11	89			
08		0	03	04			25/1	0	00	26			
308							25/3/2	0	05	56			
01		0	12	39			09						
02		0	12	40			16	0	11	13			
03		0	11	89			17	0	07	33			
04		0	06	83			18	0	01	77			
256							21/2	0	12	39			
06		0	11	89			22	0	12	39			
07		0	12	39			23/2	0	10	37			
लोकोक्ति	1	78					24	0	05	66			
	16	0	05	56			25	0	01	01			

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6	
स्तोके	76	जारी	10			मन्दिर खुद	81	(जारी)	12	0	11	63
			18/2	0	07	59			13	0	12	39
			19	0	12	39			14	0	12	40
			20	0	12	40			15	0	09	36
			15						44			
			1/1/1	0	11	63			13	0	01	01
			02	0	11	38			14	0	02	79
			03	0	04	05			15	0	05	31
			16						17	0	03	79
			1/2	0	03	28			18	0	11	38
			2/2	0	09	62			19	0	12	39
			03	0	12	39			50			
			04	0	12	39			11	0	05	06
			05	0	12	40			20	0	07	33
			09	0	02	78			51			
			10/1	0	08	35			14	0	00	25
सालोके	78		17						15	0	02	78
			6/1	0	05	81			16	0	09	61
			6/3	0	04	53			17/2	0	12	14
			07	0	12	39			17/1	0	11	13
			08	0	08	60			19/1/2	0	07	84
मन्दिर खुद	82		06						19/2/2	0	00	51
			08	0	03	79			20/1	0	11	13
			9/1	0	12	40			20/2	0	01	26
			10	0	09	35			52			
			11/1	0	03	04			16	0	12	40
			07						17	0	12	39
			15/1	0	02	53			18	0	12	39
			08						19	0	12	39
			14	0	03	54			20	0	12	39
			15	0	06	07			53			
			16	0	01	01			16	0	10	12
			17	0	02	02			17	0	06	83
			09						18	0	04	05
			16	0	00	75			19/2	0	00	50
			10						21/2	0	06	58
			11/2	0	11	63			21/1/2	0	01	26
			12						22	0	11	89
			1/2	0	00	25						
			2/2	0	04	05						
			18	0	13	91						
			19/2	0	07	59						
			11						24	0	05	56
			11/1	0	03	54			25	0	02	27
			11/3	0	03	54			60			
			12/2	0	12	39			2/2	0	00	50
			13	0	12	39			46			
			14/1	0	04	66			21	0	11	63
			14/2	0	07	84			22	0	09	36
			15/1	0	01	52			23/1	0	09	35
			15/2	0	10	88			23/2	0	03	04
			12									
			15	0	12	39						
मन्दिर खुद	81		43									
			11	0	12	39						

[सं. आर-31015/2/90—ओ. आर-I]

S.O. 204.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas No. S.O. 832 dated the 23rd, March, 1991 issued under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) (hereinafter referred to as the said Act), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline for the transport of petroleum;

And whereas the copies of the Gazette notification were made available to the public on 8th April, 1991;

And whereas the Competent Authority in pursuance of sub-section (1) of section 6 of the said Act has made his report to the Central Government;

And whereas the Central Government after considering the said report is satisfied that the right of user in the Lands specified in the Schedule appended to this notification should be acquired;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification are hereby acquired;

And further in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of the said section, the Central Government hereby directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government, vest, free from all encumbrances, in the Indian Oil Corporation Limited.

#### SCHEDULE

Tehsil : Sangrur District : Sangrur State : Punjab

Name of Village	Hadbast No.	Survey No./Khasra No./Mustafeel No./Killa No./	Area		
			Hec-tare	Are	Square Meter
1	2	3	4	5	6
Nagra	109	2720	0	12	65
		2732	0	01	26
		2733	0	15	94
		2734	0	05	06
		2735	0	03	29
		2740	0	13	40
		2741	0	09	36
		2753	0	01	77
		2754	0	15	68
		2755/1	0	07	59
		2768	0	15	68
		2767	0	00	51
		2769/2	0	08	85
		2780	0	13	91
		2781	0	07	33
		2799	0	01	52
		2800	0	15	68
		2801/1	0	04	30
		2809	0	10	12
		4123/2810/2	0	13	15
		2871	0	07	08
Nagra	109	2872	0	15	18
		2873	0	01	77
		2878	0	15	93
		2879	0	00	51
		2881	0	5	82
		2882	0	11	38

		1	2	3	4	5	6
Ghaggarpur	55	2884		0	09	37	
		2889		0	01	52	
		2890		0	05	56	
Kheri	47	112		0	18	21	
		210		0	03	29	
		211/1		0	10	62	
		211/2/2		0	02	02	
		211/2/1		0	10	12	
		212		0	02	02	
		215/1		0	16	70	
		215/2		0	05	06	
		208/1		0	11	89	
		208/2		0	00	76	
		207		0	09	61	
		206		0	22	00	
		223		0	00	76	
		201/2		0	00	76	
		200/1		0	09	11	
		194/2/2		0	07	59	
		185/2		0	07	59	
		185/1		0	10	11	
		343			00	51	
		344/1		0	24	78	
		350		0	01	26	
		200/2		0	16	68	
		351		0	26	06	
		352/1		0	00	51	
		352/2		0	00	75	
		353		0	26	05	
		358/1		0	03	04	
		357/1		0	13	40	
		357/2		0	12	65	
		321		0	09	35	
		320/2		0	23	02	
		317		0	03	05	
		318		0	22	00	
		315		0	10	37	
		450/2		0	16	69	
		452/1/2		0	10	37	
		14					
		16/1		0	01	77	
		16/2		0	08	35	
		16/3		0	01	01	
		15					
		19/2		0	06	07	
		20		0	12	90	
		22		0	03	04	
		23		0	12	14	
		24		0	12	65	
		25/1		0	01	26	
		25/2		0	09	10	
		16					
		21		0	00	51	
		19					
		11		0	08	85	
		18		0	00	51	
		19		0	11	89	
		20		0	04	89	
		22/2		0	01	26	
		23		0	14	16	
		24		0	02	28	
		20					
		1/2		0	10	87	
		02		0	12	90	

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
Kheri	47	03	0	10	88	Beer	38	12	0	05	31
(Contd.)		04	0	01	01	Ashwan		18	0	01	26
		07	0	13	91	Contd.		19	0	12	90
		08	0	01	26			22	0	00	25
		15	0	10	88			23	0	13	66
		06	0	04	55			17			
		34									
		04	0	11	63				0	04	55
		05	0	07	85				05	0	88
		06	0	06	07				06	0	34
		35							18		
		09	0	00	26				03	0	54
		10	0	12	65				04	0	89
		11	0	02	02				06	0	85
		12	0	11	38				07	0	32
		13/2	0	01	77				15	0	61
		18	0	12	65				19		
		19	0	00	26				11	0	06
		17	0	07	58				19	0	77
		24	0	06	83				20	0	64
		25	0	11	38						
		26	0	03	29	Ram Nagar	37	102 m			
		37				Sibian					
		01	0	11	63				02	0	71
		09	0	01	77				105	0	22
		38							106	0	20
		05	0	03	29				109/1	0	85
		06							109/2	0	79
		13	0	00	51				110	0	04
		14	0	08	84				111	0	39
		17	0	04	55				624/243	0	23
Kambo	45	34/2	0	13	92				677/246	0	24
Majra		335/31/1	0	20	23					0	85
Kalan		32/1	0	13	91				249	0	47
		337/32/2	0	06	32				250	0	19
		422/33/1	0	10	11				251	0	76
		422/33/2	0	10	12				252	0	38
		150	0	20	23				442	0	22
		165	0	20	23				443/1	0	24
		173	0	20	24				444	0	23
		174	0	06	32				391/2	0	75
		179/2	0	05	06				392	0	48
		180/1	0	20	23				373	0	21
		196/2	0	15	17				374	0	76
		197/1/2	0	16	45				372	0	92
		197/2	0	02	53				393/2	0	29
		198	0	08	85				363	0	87
		199	0	1	38				365	0	51
		200/2	0	01	26				359	0	02
Beer	38	8				Upli	7	451/2	0	20	23
Ashwan		12	0	03	04			456	0	13	91
		13	0	02	27			457	0	13	91
		17	0	00	50			458	0	13	91
		18	0	16	95			459	0	13	91
		23	0	01	52			490	0	13	91
		24	0	13	66			491	0	10	88
		16						495	0	07	59
		10	0	08	09			496	0	04	30
		11	0	10	12			501	0	00	51
								511	0	15	68
								512	0	13	91
								513	0	13	40

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
Upli—Contd.						Ubewal—Contd.	6	18/2-3	0	13	15
	534	0	09	62			19	0	03	29	
	535	0	06	32			22/1	0	06	07	
	536	0	02	53			22/2	0	03	54	
	539	0	14	60			127				
	540	0	11	63			06	0	12	39	
	1291	0	06	58			07	0	12	39	
	1292	0	01	52			08	0	11	89	
	1293	0	14	16			09	0	07	84	
	1294/2	0	13	91			10	0	00	51	
	1479	0	17	96			11	0	13	15	
	1480	0	13	91			12/1	0	03	54	
	1481	0	13	91			12/2	0	01	26	
	1495/1	0	03	79			13	0	00	51	
	1495/2	0	09	87			128				
	1496	0	13	91			04	0	02	78	
	1497	0	12	39			05	0	10	37	
	1498/2	0	09	61			07	0	09	61	
	1807	0	06	32			08	0	12	65	
	1808	0	12	64							
	1815	0	13	15			09	0	11	13	
	1818	0	13	91			10	0	12	40	
	1819	0	13	91			129				
	1820	0	00	77							
	1822	0	01	27							
	2087	0	05	06			01	0	1	12	
	1853	0	04	55			02	0	12	39	
	2129/1	0	09	86			10	0	02	27	
	2129/2	0	01	26			140				
	2130	0	00	76							
	2131/1	0	08	85			19			13	41
	2132/1	0	06	83			20/2			04	05
	2132/2	0	03	04			21/1	0	01	52	
	2139	0	13	91			21/2	0	07	84	
	2140	0	13	91			141				
Chatha	8	241	0	15	18						
Sekwan		246	0	13	91		24	0	08	60	
		311	0	13	15		25	0	13	40	
		318	0	13	91		150				
		319	0	09	61						
		320/2	0	03	29		04	0	03	28	
Chatha	8	321	0	10	62		05	0	09	11	
Sekwan		322	0	04	30		06	0	03	29	
Contd.		357	0	13	91		7/1	0	00	76	
		358	0	13	91		7/2	0	00	76	
		362	0	13	91		151				
		363	0	05	06						
Ubewal	6	99					01	0	09	61	
		17/2	0	04	30		02	0	10	12	
		18	0	11	89		3/1	0	07	34	
		19	0	09	11		3/2	0	03	29	
		20	0	03	28		04	0	12	14	
		21/2	0	09	11		5/1	0	04	30	
		22	0	03	28		5/2	0	08	09	
		23	0	00	26		07	0	00	25	
		100					08	0	01	01	
		22	0	12	39		09	0	02	28	
		23	0	12	40		10	0	02	78	
		24/2-3	0	11	13		152				
		25	0	12	39						
		126					1/1	0	12	40	
		14	0	01	77		02	0	11	63	
		15	0	12	40		3/2	0	09	87	
		16	0	00	76		04	0	12	39	
		17/1	0	06	32		05	0	12	39	
		17/2	0	04	05		153				
								01	0	12	40

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
Ubewal—Confd.	6	153				Killa Bharian—Confd.	5	20/2	0	05	06
			02	0	12 40		21	0	03	56	
			03	0	12 39		22	0	07	84	
			4/2	0	06 07		23/1	0	09	11	
			4/3	0	06 07		23/2	0	02	78	
			5/1	0	07 33		24	0	12	40	
			5/2	0	05 06		25	0	12	39	
		154					52				
			01	0	12 40		16/1	0	08	60	
			02	0	12 39		17	0	11	13	
			03	0	12 39		18	0	12	39	
			04	0	12 40		19	0	12	39	
			5/1	0	10 12		20/1	0	06	07	
			5/2	0	02 27		20/2	0	06	33	
		155					24/1	0	00	25	
			01	0	12 40		25	0	02	78	
			02	0	12 39		53				
			3/2	0	12 40		11	0	01	77	
			04	0	12 39		16	0	12	39	
			5/2	0	12 39		17	0	12	40	
		156					18	0	12	39	
			01	0	11 38		19/1	0	01	52	
			02	0	12 39		19/2	0	01	52	
			03	0	12 40		20/1	0	10	63	
			04	0	12 39		54				
			05	0	12 39		—				
		157					15	0	01	26	
			01	0	12 40		16	0	03	04	
			02	0	12 40		59				
			03	0	12 39		—				
			04	0	12 39		—				
			05	0	12 39		—				
		158					—				
			01	0	12 39		04	0	01	01	
			2/1	0	02 79		5/2	0	04	05	
			2/2	0	07 07		60				
			3/1	0	04 30		01	0	06	83	
			3/2	0	08 35		02	0	09	11	
			04	0	06 32		04	0	12	39	
		548					5/1	0	06	58	
Killa Bharian	5	48					61				
		21	0	05	31		—				
		48					—				
		22	0	02	78		01	0	11	13	
		23	0	00	50		02	0	11	89	
		49					—				
		21	0	12	39		3/2	0	10	62	
		22/3	0	10	63		4/2	0	05	31	
		23	0	12	39		07	0	01	52	
		24	0	11	13		08	0	01	77	
		25/2	0	08	34		9/1	0	00	51	
		50				Longowal	4	248			
		21	0	12	39		—				
		22	0	12	40		24	0	03	04	
		23	0	12	39		25	0	09	12	
		24	0	12	40		249				
		25	0	12	39		—				
		51					21/1	0	08	35	
		—					21/2	0	04	05	
		18	0	01	52		22	0	12	39	
		19	0	04	55		23/1	0	12	39	
		20/1	0	01	52		24	0	11	38	

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
Longowal Contd.	4	25	0	11	64	Longowal—Contd.	4	8/1	0	06	07
								8/2	0	06	07
								09	0	09	61
								10	0	06	83
								256			
								08	0	12	39
								09	0	12	40
								10	0	12	39
								15/2	0	00	51
								257			
								7/1	0	00	25
								08	0	02	53
								09	0	06	07
								10/2	0	01	01
								10/3	0	08	60
								11	0	02	78
								12	0	06	07
								13/1	0	07	84
								13/2	0	01	52
								14	0	12	14
								15	0	12	39
								258			
								11/1	0	12	40
								12	0	12	39
								13/1	0	03	54
								13/2	0	03	03
								14	0	12	39
								15/1	0	04	05
								15/2	0	05	31
								259			
								11	0	11	13
								12	0	09	11
								13	0	06	07
								14	0	02	78
								16	0	07	59
								17	0	06	32
								18	0	06	07
								19	0	03	29
								20/1	0	00	50
								20/2	0	00	51
								260			
								11	0	12	39
								17	0	12	40
								18/2	0	07	08
								19/1			
								19/2	0	03	79
								20/1/2	0	10	88
								20/2	0	00	51
								261			
								16/1	0	00	25
								16/2	0	01	01
								16/3	0	03	04
								17	0	07	84
								18/1	0	02	02
								18/2	0	09	11
								19	0	12	39
								20/1	0	02	53
								20/2	0	09	86
								23	0	01	01
								07	0	08	10

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
Longowal—Contd.	4	24	0	04	55	Longowal—Contd.	4	16/2	0	02	28
		25	0	08	35			17/1	0	06	83
		262						18	0	04	55
		—						19	0	02	28
		16	0	12	40			20	0	00	25
		17	0	11	38			289			
		18	0	08	35			—			
		19/1	0	04	30			2/2	0	12	40
		19/2	0	01	52			03	0	12	13
		20/1	0	01	01			04	0	08	35
		20/2	0	01	01			05	0	03	29
		20/3	0	01	01			290			
		21	0	09	11			—			
		22	0	06	83			03	0	02	53
		23	0	04	05			04	0	09	11
		24	0	01	01			05	0	12	39
		263						07	0	03	29
		—						290			
		16/1	0	02	78			—			
		16/2	0	09	61			08	0	09	61
		17	0	12	39			9/1	0	03	29
		18	0	12	40			9/2	0	08	10
		19	0	12	39			10/1	0	12	39
		20/1	0	08	09			291			
		20/2	0	02	79			—			
		264						06	0	12	39
		—						07	0	11	39
		16	0	12	39			08	0	04	55
		17	0	12	40			09	0	00	51
		264						11/1	0	00	76
		—						11/2	0	11	63
		18	0	12	39			12	0	10	88
		19	0	13	15			13	0	07	84
		20	0	09	61			14	0	01	01
		265						292			
		—						—			
		11	0	01	01			11/1	0	04	55
		12	0	03	29			12	0	11	89
		13	0	03	56			13/2	0	12	39
		14	0	08	35			14	0	12	40
		15	0	11	38			15/2	0	06	07
		16	0	01	01			15/3	0	06	32
		17/1	0	02	28			19	0	00	51
		17/2	0	01	52			20	0	02	53
		18	0	06	88			293			
		19	0	09	11			—			
		20	0	11	38			15	0	00	25
		266						294			
		—						—			
		11	0	11	38			21/2	0	11	37
		12	0	12	39			22	0	13	67
		13/1	0	03	25			295			
		13/2	0	09	11			—			
		14	0	12	39			24	0	02	28
		15	0	12	39			25	0	07	33
		267						307			
		—						—			
		11/2	0	12	14			02	0	00	76
		12	0	10	12			03	0	08	35
		13	0	07	08			04	0	12	39
		16/1	0	03	54			05	0	12	39
		—						08	0	03	04
		11/2	0	12	14			308			
		12	0	10	12			—			
		13	0	07	08			01	0	12	39
		16/1	0	03	54						

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
Longowal Contd.		02	0	12	40	Rattoke Contd.	76	22	0	01	01
		03	0	11	89			23	0	08	35
		04	0	06	83			24	0	11	89
		256									
		06	0	11	89		25/1		0	00	26
		07	0	12	39		25/3/2		0	05	56
Loha Khera	1	79					09				
		16	0	05	56		16		0	11	13
		17	0	00	51		17		0	07	33
		23	0	09	86		18		0	01	77
		24	0	11	89		21/2		0	12	39
		25	0	06	83		22		0	12	39
		80					23/2		0	10	37
		16	0	12	14		24		0	05	06
		17	0	12	39		25		0	01	01
		18	0	12	89		10				
		19/1	0	02	53		18/2		0	07	59
		19/2	0	07	33		19		0	12	39
		20	0	11	89		20		0	12	40
		21	0	00	50		15				
		81					1/1/1		0	11	63
		20	0	04	30		02		0	11	38
		88					03		0	04	05
		2/2	0	01	52		16				
		09	0	10	12		1/2		0	03	28
		10/1	0	12	39		2/2		0	09	62
		89					03		0	12	39
		16					04		0	12	39
		06	0	12	39		05		0	12	40
		07	0	12	15		09		0	02	78
		08	0	00	76		10/1		0	08	35
		09	0	06	83		17				
		10	0	01	01		6/1		0	05	81
		11/1	0	11	38		6/3		0	04	55
		12	0	04	80		07		0	12	39
		90					08		0	08	60
		11	0	10	88	Sahoke	82	06			
		12	0	12	39		08		0	03	79
		90					9/1		0	12	40
		13	0	12	40		10		0	09	35
		14	0	10	87		11/1		0	03	04
		15	0	12	39		07				
		91					15/1		0	02	53
		15	0	04	56		08				
		16	0	07	84		14		0	03	54
		17	0	12	39		15		0	06	07
		18	0	04	55		16		0	01	01
Rattoke	76	08					17		0	02	02
		10					09				
		11/2					16		0	00	75
		12					10				

1	2	3	4	5	6
Sahok—Contd	82	1/2	0	00	25
	2/2	0	04	05	
	18	0	13	91	
	19/2	0	07	59	
	11	—	—	—	—
	11/1	0	03	54	
	11/3	0	03	54	
	12/2	0	12	39	
	13	0	12	39	
	14/1	0	04	56	
	14/2	0	07	84	
	15/1	0	01	52	
	15/2	0	10	88	
	12	—	—	—	—
	15	0	12	39	
Mander Khurd	81	43	—	—	—
	11	0	12	39	
	12	0	11	63	
	13	0	12	39	
	14	0	12	40	
	15	0	09	36	
	44	—	—	—	—
	13	0	01	01	
	14	0	02	79	
	15	0	05	31	
	17	0	03	79	
	18	0	11	38	
	19	0	12	39	
	50	—	—	—	—
	11	0	05	06	
	20	0	07	33	
	51	—	—	—	—
	14	0	00	25	
	15	0	02	79	
	16	0	09	61	
	17/2	0	12	14	
	17/1	0	11	13	
	19/1/2	0	07	84	
	19/2/2	0	00	51	
	20/1	0	11	13	
	20/2	0	01	26	
	52	—	—	—	—
	16	0	12	40	
	17	0	12	39	
	18	0	12	39	
	19	0	12	39	
	20	0	12	39	
	53	—	—	—	—
	16	0	10	12	
	17	0	06	83	
	18	0	04	05	
	19/2	0	00	50	
	21/2	0	06	58	
	21/1/2	0	01	26	
	22	0	11	89	

1	2	3	4	5
Mander Khurd Contd.	81	53	—	—
	23	0	08	35
	24	0	05	56
	25	0	02	27
	60	—	—	—
	2/2	0	00	50
	46	—	—	—
	21	0	11	63
	22	0	09	36
	23/1	0	09	35
	23/2	0	03	04

[No. R-31015/2/90-O.R.-I]

का. आ. 205.—केन्द्रीय सरकार ने, पेट्रोलियम और गैस विभाग द्वारा जनवरी १९६२ का ५०) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया) की धारा ३ की उपधारा (१) के अधीन जारी की गई भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना द्वारा आरा ८ अप्रैल, १९९१ को उपलब्ध करा दी गई थी;

और उक्त अधिनियम की धारा ६ की उपधारा (१) के अनुसरण में जमीन प्राकृतिक गैस सरकार को रिपोर्ट दे दी गई है;

और केन्द्रीय सरकार का उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार का जन्म किया जाए;

प्रतः यह, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा ६ की उपधारा (१) द्वारा प्रदत्त अनियतों का प्रयोग करते हुए, इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में उपयोग के अधिकार के केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाए सभी विलांगों से मुक्त इंडियन आयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड में निहित होगा।

## अनुसूची

तहसील : फूल	जिला : भटिया	राज्य : पंजाब	—	—	—
गांव का नाम	हवायत सूस्तातील नं/ त्र.	क्षेत्रफल किला नं/	—	—	—
1	2	3	4	5	6
आकर्ष	450	207	—	—	—
		22/2	0	01	51
		23	0	10	12

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
चालके	450	209				चालके	450	216			
	01		0	12	90		22		0	00	51
	2/1		0	02	53		23		0	01	77
	2/2		0	09	11		24/2		0	03	29
	03		0	01	01		25		0	05	58
	210						227				
	04		0	01	01		1/2		0	00	51
	5/2		0	06	07		03		0	00	50
	06		0	00	76		04		0	01	77
	7/1		0	14	17		05		0	02	28
	8/1		0	06	07		06		0	10	12
	8/2		0	06	07		07		0	10	62
	09		0	11	13		8/2		0	11	89
	10		0	01	52		09		0	12	14
	11/1		0	11	38		228				
	12		0	01	77		01		0	02	78
	211						02		0	03	29
	13/2		0	00	76		03		0	04	05
	14		0	10	62		4/1		0	00	25
	15/1		0	05	06		4/2		0	03	54
	15/2		0	08	09		05		0	04	55
	17/1		0	02	28		06		0	07	84
	18		0	11	88		07		0	07	34
	19		0	12	90		8/2		0	08	09
	20/1		0	02	28		09		0	09	11
	20/2		0	04	30		10		0	09	61
	21		0	01	01		229				
	212						01		0	04	55
	17/2		0	02	03		2/1		0	03	04
	18		0	01	01		2/2		0	02	02
	21		0	12	39		03		0	03	57
	22		0	12	40		04		0	05	56
	23		0	11	38		05		0	06	08
	24		0	09	11		06		0	06	07
	25/2		0	01	26		07		0	05	83
	213						08		0	05	83
	21		0	12	39		09		0	07	33
	22		0	12	39		10		0	07	84
	23		0	12	40		230				
	24		0	12	39		01		0	06	83
	25/1		0	03	29		02		0	07	33
	25/2		0	07	33		03		0	07	84
	214						08		0	01	51
	21		0	12	39		09		0	02	78
	22		0	10	13		10		0	03	29
	23		0	12	65		232				
	24		0	12	39		5/2		0	04	56
	25		0	12	39		5/1		0	07	5
	215						233				
	21/2		0	07	84		01		0	12	39
	22		0	10	12		02		0	12	40
	23		0	11	13		03		0	12	39
	24		0	12	39		04		0	12	40
	25		0	12	40		05		0	12	39

1	2	3	4	5	9	1	2	3	4	5	6
बांगड़े	450	234				खोखर	1	944	0	25	55
	01		0	12	40			972	0	04	55
	2/1		0	09	60			973	0	00	25
	03		0	08	09			976	0	15	43
	4/1		0	12	39			977	0	15	18
	5/1		0	11	13			977/1	0	13	90
	5/2		0	01	01			978	0	06	07
	235							981	0	17	96
	01		0	12	39			982	0	11	63
	02		0	11	89			984	0	15	43
	03		0	10	62	क्षेत्र	3	156	0	22	76
	04		0	09	11			157	0	15	43
	05		0	08	83			158	0	15	43
	236							160/1	0	15	43
	01		0	04	55			165/2	0	01	26
	02		0	02	28			165/3	0	14	16
खोखर	561		0	05	06			166/1/2	0	13	91
	562		0	06	07			167/2	0	10	62
	563		0	18	46			408/2	0	06	57
	568		0	05	31			577	0	10	62
	568/1		0	11	63			578	0	15	43
	569		0	04	30			580	0	15	43
	685		0	16	19			582	0	15	43
	705		0	22	00			583	0	05	82
	713		0	22	51			589/4/2	0	01	77
	714/1		0	06	58			599/1/1/2	0	07	08
	715		0	01	26			599/1/2	0	07	84
	716		0	15	43			600/1	0	15	43
	717		0	15	43			605	0	15	43
	723		0	15	43			607	0	15	43
	724		0	15	43			898/5/1	0	01	01
	735		0	05	06			898/4/1	0	05	56
	736		0	15	43			898/4/2	0	07	85
	737		0	15	43			899/2/2/1	0	15	43
	754/1		0	23	78			900/2/2/1	0	04	55
	1476/756		0	02	53			900/2/2/3	0	10	87
	1477/757		0	19	98			901/1	0	15	43
	761		0	15	43			910/2/1	0	00	76
	855/1		0	14	92			911/1/2	0	07	84
	857		0	10	62			915	0	06	58
	858		0	15	43			916	0	14	67
	859		0	15	43			912	0	09	87
	860		0	15	43			914/2/2	0	00	25
	862		0	14	42			965	0	00	28
	888		0	15	43			966/2/1	0	11	89
	889		0	13	91			966/2/2	0	02	78
	898		0	15	43			967/2	0	02	78
	901		0	15	43			967/3	0	12	65
	919		0	15	43			968/1	0	15	43
	920		0	09	36			971/1	0	04	55
	922		0	11	38			971/4	0	00	51
	1491/925		0	28	08			971/3	0	10	12
	940		0	22	26			972/1	0	15	43
	1502/941		0	15	43			975/2	0	07	24
	942		0	20	74						

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
३६	३	९७५/३	०	०३	८४	बालियाबाली	६	३/२/१	०	१५	४३
		९७७/२/१	०	०१	०१		४/१		०	०९	८६
		९७७/२/२	०	१३	९१		४/२		०	०४	५६
		९७८/२/१	०	१५	४३		१४०				
		९८१/३/१/१	०	०४	५४		३/१		०	०४	३०
		९८१/३/२	०	१०	८८		४/२		०	११	३८
		९८२/१/२/२	०	०१	२६		०५		०	०३	२८
		९८२/१/१/२/१	०	०७	३४		०६		०	११	१३
		९९०	०	०९	३६		०७		०	१०	४३
		९९१/२/१	०	०७	८४		०८		०	१५	४३
		९९१/२/२	०	०६	०७		१४७				
		९९२/१/१	०	०१	०१		५/१		०	१५	४३
रामगंगाल	४	२०					६/१		०	१२	९०
		११/२	०	०१	२६		६/२/२		०	००	७६
		१२/१/१	०	०४	५५		७/२/१/२		०	०२	२८
		१२/२	०	०१	५२		७/२/२/२		०	१२	६४
		१३/१	०	०९	६१		८/२		०	१५	४२
		१४/१	०	१२	१४		१४८				
		१५/१	०	०७	३३		५/१		०	०१	५२
		१५/२	०	०२	७८		१४८				
		१७/१	०	००	२५		५/२		०	१३	९१
		१८/१	०	०२	२८		०६		०	१५	४३
		१८/२	०	००	७६		७/१		०	१३	६६
		१९	०	०६	०७		७/२		०	०१	७७
		२०	०	०३	०४		०८		०	१५	४३
		२१					१४९				
		११/१	०	०८	०९		५/१		०	०४	०५
		१२/१/१	०	०५	३१		५/२		०	११	३८
		१२/२	०	०३	७९		६/१/१		०	०६	०७
		१३/१	०	१२	३९		६/२		०	०७	५९
		१४/२	०	१२	३९		७/१		०	१५	४३
		२१					८/३		०	१५	४२
		१५/१/१	०	०१	२६		१५०				
		१५/२	०	११	१३		५/१/२		०	०९	३६
		२२					६/३		०	०२	०२
		०६	०	११	१३		१५८				
		०७	०	०८	०९		५/१		०	०१	५२
		०८	०	०५	०६		५/२		०	०१	५२
		९/१	०	०१	०१		१५९				
		११	०	१२	३९		५/२		०	१५	४३
		१२	०	११	३८		६/१		०	१५	४३
		१३/१	०	०२	०२		७/२		०	१५	४३
		१३/२	०	०५	०६		८/१		०	१५	४३
		१४	०	०३	७९		१६०				
		१५	०	०१	०१		०५		०	१५	४३
बालियाबाली	६	१४४					०६		०	१४	४२
		०१	०	१५	४३		०७		०	१५	४२
		२/१	०	१०	१२		८/१		०	११	८९
		३/२	०	१२	९०		८/२		०	०३	५४
		०४	०	०७	०८		१६१				
		१४५					३/२		०	०१	२६
		१/२	०	१६	४३		५/१		०	०५	५६
		२/१	०	१५	४३		०६		०	१४	१७

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
		162				शंखके	11	15/2	0	01	26
		1/1	0	14	42			85/2	0	07	83
		02	0	15	43			86/1	0	09	36
		03	0	15	43			86/2	0	05	57
		4/2	0	15	43			89/1/1/1	0	12	90
बालियावाली	6	163						92	0	15	43
		01	0	15	43			94/1	0	054	06
		2/1	0	10	11			94/2	0	10	62
		2/2	0	05	31			101/1	0	15	43
		3/2	0	14	92			102/1	0	14	42
		4/1	0	00	51			103	0	15	43
		4/2	0	14	92			104	0	15	43
		164			4			107/1	0	15	43
		01	0	15	43			108/1/1/1	0	12	90
		02	0	15	43			109	0	00	76
		03	0	15	43			141	0	11	38
		04	0	13	91			142/1	0	02	53
		165						142/2	0	12	90
		01	0	13	91			143/1	0	01	26
		02	0	15	43			143/2/1	0	04	56
		03	0	13	41			143/2/2	0	08	09
		4/1	0	05	31			144	0	09	11
								150	0	00	25
								151	0	03	54
नंदगढ़	9	88/1	0	00	25			169/1	0	05	31
		88/2	0	01	52			169/2	0	01	27
		89/1	0	14	92			170/1	0	00	25
		90/1	0	01	77			170/3	0	09	36
		103	0	13	91			171/1/2	0	04	56
		104	0	15	68			171/1/3	0	05	06
		105	0	12	85			172/3/2	0	03	03
गिलखुर्द	8	80						172/2	0	07	08
		15/2	0	00	51			213/2	0	19	98
		16	0	12	14			214/2	0	14	92
		17/1	0	09	61			221/1/1	0	01	01
		17/2	0	03	04			222/1	0	05	31
		18	0	12	14			222/3	0	00	76
		19	0	12	90			230/1/1	0	01	26
		61						230/1/2/2	0	10	63
		11	0	06	07			246/3/1	0	03	54
		12	0	11	38			246/4/2	0	11	89
		13	0	01	52			247/1/2	0	04	05
		19	0	00	25			247/3/2	0	01	01
		20	0	06	07			247/4/2	0	10	82
		65						248/2/1	0	15	69
		08	0	00	72			249	0	15	68
		09	0	00	25			250	0	15	68
शंखके	11	06	0	11	63	शंखके	11	252	0	10	88
		09	0	15	43			261/2	0	05	57
		10	0	15	43			261/3	0	09	86
		14/1	0	05	06				पं. आर-31015/2/90-ओ. आर.-1]		
		14/2	0	10	62						
		15/1/1	0	04	05						
		15/1/2	0	00	51						

S.O. 205.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas No. S.O. 835, dated the 23rd, March 1991 issued under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines

(Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) (hereinafter referred to as the said Act), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline for the transport of petroleum;

And whereas the copies of the Gazette notification were made available to the public on 8th April, 1991;

And whereas the Competent Authority in pursuance of sub-section (1) of section 6 of the said Act has made his report to the Central Government;

And whereas the Central Government after considering the said report is satisfied that the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification should be acquired;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification are hereby acquired;

And further in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of the said section, the Central Government hereby directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government, vest, free from all encumbrances, in the Indian Oil Corporation Limited.

#### SCHEDULE

Tehsil : Phul District : Bhatinda State : Punjab

Name of Village	Had-bast	Survey No / Khasra	Area
	No.	No./ Hec- Mustafeel tare	Are Sq. M.
		No./	
		Killa No./	
	1	2	3
			4
			5
			6

	1	2	3	4	5	6
Chouke	Contd.	450	207			
			22/2	0	01	51
			23	0	10	12
			209			
			01	0	12	90
			2/1	0	02	53
			2/2	0	09	11
			03	0	01	01
			210			
			04	0	01	01
			5/2	0	06	07
			06	0	00	76
			7/1	0	14	17
			8/1	0	06	07
			8/2	0	06	07
			09	0	11	13
			10	0	01	52
			11/1	0	11	38
			12	0	01	77
Chouke	Contd.	450	211			
			13/2	0	00	62
			14	0	10	76
			15/1	0	05	06
			15/2	0	08	09

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6	
Chouke Contd.	450	229				Khokhar Contd.	1	724	0	15	43	
			01	0	04	55		735	0	05	06	
			2/1	0	03	04		736	0	15	43	
			2/2	0	02	02		737	0	15	43	
			03	0	05	57		754/1	0	23	78	
			04	0	05	56		1476/756	0	02	53	
			05	0	06	08		1477/757	0	19	98	
			06	0	06	07		761	0	15	43	
			07	0	05	83		855/1	0	14	92	
			08	0	05	83		857	0	10	62	
			09	0	07	33		858	0	15	43	
			10	0	07	84		859	0	15	43	
		230						860	0	15	43	
			01	0	06	83		862	0	14	42	
			02	0	07	33		888	0	15	43	
			03	0	07	84		889	0	13	91	
			08	0	01	51		898	0	15	43	
			09	0	02	78		901	0	15	43	
			10	0	03	29		919	0	15	43	
		232						920	0	09	36	
			5/2	0	04	56		922	0	11	38	
			5/1	0	07	85		1491/925	0	28	08	
			233					940	0	22	26	
			01	0	12	39		1502/941	0	15	43	
			02	0	12	40		942	0	20	74	
			03	0	12	39		944	0	25	53	
			04	0	12	40		972	0	04	55	
			05	0	12	39		973	0	00	25	
		234						976	0	15	43	
			01	0	12	40		977	0	15	18	
			2/1	0	09	60		977/1	0	13	90	
			03	0	08	09		978	0	06	07	
			4/1	0	12	39		981	0	17	96	
			5/1	0	11	13		982	0	11	63	
			5/2	0	01	01		984	0	15	43	
		235					Dhadde	3	156	0	22	76
			01	0	12	39		157	0	15	43	
			02	0	11	89		158	0	15	43	
			03	0	10	62		160/1	0	15	43	
			04	0	09	11		165/2	0	01	26	
			05	0	06	83		165/3	0	14	16	
		236						166/1/2	0	13	91	
			01	0	04	55		167/2	0	10	62	
			02	0	02	28		408/2	0	06	57	
Khokhar	1	561	0	05	06			577	0	10	62	
		562	0	06	07			578	0	15	43	
		563	0	18	46			580	0	15	43	
		568	0	05	31			582	0	15	43	
		568/1	0	11	63			583	0	05	82	
		569	0	04	30			589/4/2	0	01	77	
		685	0	16	19			599/1/1/2	0	07	08	
		705	0	22	00			599/1/2	0	07	34	
		713	0	22	51			600/1	0	15	43	
		714/1	0	06	58			605	0	15	43	
		715	0	01	26			607	0	15	43	
		716	0	15	43			898/5/1	0	01	01	
		717	0	15	43			898/4/1	0	05	56	
		723	0	15	43			898/4/2	0	07	85	

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
Dhadde Contd.	3	915	0	06	58	Balian Wall	6	144	—	—	—
		916	0	14	67		01	0	15	43	
		912	0	09	87		2/1	0	10	12	
		914/2/2	0	00	25		3/2	0	12	90	
		965	0	00	26		04	0	07	08	
		966/2/1	0	11	89		145				
		966/2/2	0	02	78		1/2	0	15	43	
		967/2	0	02	78		2/1	0	15	43	
		967/3	0	12	65		3/2/1	0	15	43	
		968/1	0	15	43		4/1	0	09	86	
		971/1	0	04	55		4/2	0	04	56	
		971/4	0	00	51		146				
		971/3	0	10	12		—				
		972/1	0	15	43		3/1	0	04	30	
		975/2	0	07	84		4/2	0	11	38	
		975/3	0	03	84		05	0	03	28	
		977/2/1	0	01	01		06	0	11	13	
		977/2/2	0	13	91		07	0	15	43	
		978/2/1	0	15	43		08	0	15	43	
		981/3/1/1	0	04	54		147				
		981/3/2	0	10	88		—				
		982/1/2/2	0	01	26		5/1	0	15	43	
		982/1/1/2/1	0	07	34		6/1	0	12	90	
		990	0	09	36		6/2/2	0	00	76	
		991/2/1	0	07	84		7/2/1/2	0	02	28	
		991/2/2	0	06	07		7/2/2/2	0	12	64	
		992/1/1	0	01	01		8/2	0	15	42	
Ramanwas	4	20	—	—	—		148				
		11/2	0	01	26		5/1	0	01	52	
		12/1/1	0	04	55		148				
		12/2	0	01	52		—				
		13/1	0	09	61		5/2	0	13	91	
		14/1	0	12	14		06	0	15	43	
		15/1	0	07	33		7/1	0	13	66	
		15/2	0	02	78		7/2	0	01	77	
		17/1	0	00	25		08	0	15	43	
		18/1	0	02	28		149				
		18/2	0	00	76		—				
		19	0	06	07		5/1	0	04	05	
		20	0	03	04		5/2	0	11	38	
		21	—	—	—		6/1/1	0	06	07	
		11/1	0	08	09		6/2	0	07	59	
		12/1/1	0	05	31		7/1	0	15	43	
		12/2	0	03	79		8/3	0	15	42	
		13/1	0	12	39		150				
		14/2	0	12	39		—				
Ramanwas (Contd.)	4	21	—	—	—		5/1/2	0	09	36	
		15/1/1	0	01	26		6/3	0	02	02	
		15/2	0	11	13		158				
		22	—	—	—		—				
		06	0	11	13		5/1	0	01	52	
		07	0	08	09		5/2	0	15	43	
		08	0	05	06		6/1	0	15	43	
		9/1	0	01	01		7/2	0	15	43	
		11	0	12	39		8/1	0	15	43	
		12	0	11	38		160				
		13/1	0	02	02		—				
		13/2	0	05	06		05	0	15	43	
		14	0	03	79		06	0	14	42	
		15	0	01	01		07	0	15	42	

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
Balian Wali (Contd.)	6	8/1	0	11	89	Jhanduke	11	10	0	15	43
		8/2	0	03	54		14/1	0	05	06	
		161					14/2	0	10	62	
		3/2	0	01	26		15/1/1	0	04	05	
		5/1	0	05	56		15/1/2	0	00	51	
		06	0	14	17		15/2	0	01	26	
		7/1	0	15	43		85/2	0	07	83	
		162					86/1	0	09	86	
		1/1	0	14	42		86/2	0	05	57	
		02	0	15	43		89/1/1/1	0	12	90	
		03	0	15	43		92	0	15	43	
		4/2	0	15	43		94/1	0	05	06	
		163					94/2	0	10	62	
		01	0	15	43		101/1	0	15	43	
		2/1	0	10	11		102/1	0	14	42	
		2/2	0	05	31		103	0	15	43	
		3/2	0	14	92		104	0	15	43	
		4/1	0	00	51		107/1	0	15	43	
		4/2	0	14	92		108/1/1	0	12	90	
		164					109	0	00	76	
		01	0	15	43		141	0	11	38	
		02	0	15	43		142/1	0	02	53	
		03	0	15	43		142/2	0	12	90	
		04	0	13	91		143/1	0	01	26	
		165					143/2/1	0	04	56	
		01	0	13	91		143/2/2	0	08	09	
		02	0	15	43		144	0	09	11	
		03	0	13	41		150	0	00	25	
		4/1	0	05	31		151	0	03	54	
Nandgarh	9	88/1	0	00	25		169/1	0	05	31	
		88/2	0	01	52		169/2	0	01	27	
		89/1	0	14	92		170/1	0	00	25	
		90/1	0	01	77		170/3	0	09	36	
		103	0	13	91		171/1/2	0	04	56	
		104	0	15	68		171/1/2	0	05	06	
		105	0	12	65		172/3/2	0	03	03	
Gill Khurd	8	60					172/2	0	07	08	
		15/2	0	00	51		213/2	0	19	98	
		16	0	12	14		214/2	0	14	92	
		17/1	0	09	61		221/1/1	0	01	01	
		17/2	0	03	04		222/1	0	05	31	
		18	0	12	14		222/3	0	00	76	
		19	0	12	90		230/1/1	0	01	26	
		61					230/1/2/2	0	10	63	
		11	0	06	07		246/3/1	0	03	54	
		12	0	11	38		246/4/2	0	11	89	
		13	0	01	52		247/1/2	0	04	05	
		19	0	00	25		247/3/2	0	01	01	
		20	0	06	07		247/4/2	0	10	62	
		65					248/2/1	0	15	69	
		08	0	00	76		249	0	15	68	
		09					250	0	15	68	
Jhanduke	11	06	0	11	63		252	0	10	88	
		09	0	15	43		261/2	0	05	57	

[No. R-31015/2/90-O.R.-I]

नई दिल्ली, 7 जनवरी, 1992

का.पा. 206.—केन्द्रीय सरकार ने, पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस भवालय की अधिसूचना सं.का.पा. 1147 तारीख 20 अप्रैल, 1991 द्वारा पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन बिलाने के प्रयोजनों तक अनुमति से भवाल अनुमूली में विनियिट भूमि में उपयोग के अधिकारों के अर्जन के अपने आगे बोलाने की थी।

और राजावित अधिसूचना की प्रतियां जनता की तारीख 30 अप्रैल, 1991 को उपलब्ध कर थीं थीं;

और उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अनुसरण में सक्त प्राधिकारी ने केन्द्रीय सरकार की रिपोर्ट दी थी है,

और केन्द्रीय सरकार का उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुमूली में विनियिट भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए :

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त मक्कियों का प्रयोग करते हुए, इस अधिसूचना से संलग्न अनुमूली में विनियिट भूमि में उपयोग के अधिकार अर्जित करने की घोषणा करती है;

यह और कि केन्द्रीय सरकार उक्त धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त मक्कियों का प्रयोग करते हुए, यह निवेद देती है कि उक्त भूमि के उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाए सभी विलगमां से मुक्त इंडियन आयल कार्पोरेशन लिमिटेड में निवित होगा।

## अनुमूली

तहसील : गुडला		जिला : कैथल				राज्य : हरियाणा	
गांव का नाम	हस्तक्षेत्र नं.	खसरा	कताल	भरता	ट्रैक्टर	मार	बर्च मीटर
1	2	3	4	5	6	7	8
खेडी सलाम भरती	83	04					
		11	0	16	0	09	11
		12	0	00	0	00	00
		18	1	03	0	05	82
		19	2	16	0	14	16
		20	0	12	0	03	03
		23	1	14	0	08	60
		25	0	05	0	01	26
		05					
		03	0	19	0	04	81
		06	0	07	0	01	77
		07	2	14	0	13	66
		08	1	11	0	07	84
		14	0	02	0	00	51
		15	2	06	0	11	63
		11					
		04	0	02	0	00	51
		05	2	10	0	12	64
		12					
		08	0	03	0	00	76
		12					
		09	2	17	0	14	42
		10	0	18	0	04	55
		12	0	05	0	01	27
		13	2	10	0	14	92
		14	0	11	0	02	78
		16	1	02	0	05	56
		14					
		01	1	07	0	06	53
		02	2	06	0	11	63
		08	2	17	0	14	42
		09	0	15	0	03	79
		13	0	06	0	01	52
		14	0	10	0	02	53

1	2	3	4	5	6	7	8
उमेषपुर	82	47					
		18	0	07	0	01	77
		19	2	17	0	14	42
		20	1	04	0	06	07
		22	0	02	0	00	51
		23	2	12	0	13	15
		24	1	07	0	06	83
		50					
		04	1	07	0	06	83
		06	0	08	0	02	02
		51					
		01	0	01	0	00	25
		09	0	15	0	03	79
		10	2	18	0	14	67
		11	0	00	0	00	00
		12	2	04	0	11	13
		13	1	15	0	08	85
		16	0	10	0	02	53
		17	2	16	0	14	16
		18	1	03	0	05	82
		24	0	00	0	00	00
		25	2	02	0	10	62
		52					
		21	2	05	0	11	38
		22/1	0	00	0	00	
		66					
		01	0	10	0	02	53
		2/1	0	19	0	04	81
		2/2	1	06	0	06	58
		03	0	00	0	00	00
प्रधानमंत्री	81	06					
		07	2	12	0	13	15
		14	1	15	0	08	85
		15	0	11	0	02	78
		16	2	06	0	11	64
		17	0	01	0	00	25
		10					
		11/1	1	03	0	05	82
		11/2	1	03	0	03	82
		19	0	11	0	02	78
		20	1	15	0	08	85
		21	0	01	0	00	25
		22	2	03	0	10	88
		16					
		20	0	10	0	02	53
		21	2	09	0	12	39
		22	1	11	0	07	84
		17					
		2/1	0	06	0	01	52
		2/2	2	01	0	10	37
		08	1	04	0	06	07
		09	1	13	0	08	35
		13	1	09	0	07	33
		14/1	0	13	0	03	29

1	2	3	4	5	6	7	8
प्रभावत	81	14/2 15/1 16 17 25/1 25 02 3/1 3/2 04 06 07 8/1 15	1 0 2 — 0 — 0 0 1 0 0 2 0 0 0 2	05 00 18 — 01 — 09 18 12 02 18 17 07 00	0 0 0 — 0 — 0 0 0 0 0 0 0 0 0	06 00 14 — 00 — 02 04 08 00 04 14 01 10	32 00 67 — 25 — 28 55 09 51 55 42 77 12
प्रभावत	80	19 19 20/1 20/2 21 22 23 22 03 04	1 0 1 0 0 2 0 — 2 1	03 07 12 10 01 15 16 — 06 01	0 0 0 0 0 0 0 — 0 0	05 01 08 02 00 13 04 11 08	82 77 10 53 23 91 05 63 31
जनाना वर्षकू	97	11 02 09 08 10/1 12 13 17 18 24 25 24 1/1 1/2 09 10 12 13 17 18 24/1 25 25 5/1 5/2 33 04	— 0 2 0 0 0 2 2 0 1 2 0 0 1 1 1 0 2 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0	02 17 00 00 08 08 16 10 13 00 01 03 05 00 01 10 09 09 12 03 07 10 12 00 12 00 00 00 00	0 0	00 14 00 00 02 02 14 12 03 05 10 04 01 01 07 07 07 08 09 09 05 04 11 02 03 03 00	51 77 10 53 23 91 05 63 31

1	2	3	4	5	6	7	8
लवासा वर्क्स	97	05	2	13	0	13	41
		06	0	01	0	00	25
		34					
		01	0	03	0	00	76
		09	0	04	0	01	01
		10	2	16	0	14	16
		11	0	04	0	01	01
		12	2	17	0	14	42
		13	0	00	0	00	00
		18	2	14	0	13	66
		19	0	08	0	02	02
		23	0	12	0	03	03
		24	2	08	0	12	14
		46					
		01	1	03	0	05	82
		09	2	01	0	10	37
		10	1	03	0	05	82
		12	2	06	0	11	63
		13	0	06	0	01	52
		18	2	11	0	12	90
		19	0	02	0	00	51
		23	1	12	0	08	09
		24	1	01	0	05	31
		47					
		05	2	12	0	13	15
		56					
		04	2	10	0	12	65
		06	1	14	0	08	60
		07	0	19	0	04	81
		15/1	1	09	0	07	33
		15/2	0	07	0	01	77
		16/1	0	04	0	01	01
		57					
		11/1	0	01	0	00	25
		20	2	05	0	11	38
		21	2	05	0	11	39
		22	0	08	0	02	02
		66					
		21	1	01	0	05	31
		22	1	04	0	06	07
		09	1	13	0	08	35
		13	2	13	0	13	40
		17	1	15	0	08	85
		18	0	18	0	04	55
		66					
		24/1	1	07	0	06	83
		24/2	1	04	0	06	07
		25	0	02	0	00	51
		79					
		4/2	0	04	0	01	01
		80					
		11	1	10	0	07	59
		19/2	0	02	0	00	51

1	2	3	4	5	6	7	8
संवाद अन्वय	97	20/1	1	08	0	07	08
		20/2	1	01	0	05	31
		21	0	08	0	02	03
		22/1	1	00	0	05	06
		22/2	1	15	0	08	85
		23	1	01	0	05	31
		85					
		18	0	00	0	00	00
		20	2	10	0	12	65
		22	1	01	0	03	31
		23	2	14	0	13	66
		24	1	12	0	08	09
		86					
		10	1	03	0	05	82
		11	1	15	0	08	85
		12/1	0	14	0	03	54
		12/2	1	11	0	07	84
		13/1	1	02	0	05	57
		13/2	0	09	0	02	28
		14	0	03	0	00	76
		16	2	10	0	12	64
		17/1/1	2	01	0	10	37
		17/1/2	0	07	0	01	77
		18	0	14	0	03	54
		87					
		03	0	17	0	04	30
		05	0	02	0	00	51
		06	2	13	0	13	40
		07	1	03	0	05	82
		107					
		04	1	03	0	05	82
		05	2	15	0	13	91
		108					
		01	1	04	0	06	07
		08	0	10	0	02	53
		09	2	15	0	13	91
		10	1	11	0	07	84
		205/1	5	15	0	29	08
तात्पर्याली	101	08					
		24	0	00	0	00	00
		15					
		19/1	0	04	0	01	01
		19/2	0	00	0	00	00
		20	2	10	0	12	65
		22	2	07	0	11	89
		16					
		1/2	0	05	0	01	26
		08	0	04	0	01	01
		09	2	09	0	12	39
		10	1	07	0	06	83
		12	0	04	0	01	01
		13	2	09	0	12	39

1	2	3	4	5	6	7	8
ताराशाली (जारी)	101	14	2	9	0	12	39
		15	0	4	0	01	01
		16	2	7	0	11	89
		17	0	4	0	01	01
		17					
		04	2	03	0	10	88
		05	1	18	0	09	61
		6/1	0	13	0	03	29
		26					
		03	0	01	0	00	25
		04	2	01	0	10	37
		05	2	10	0	12	65
		06	0	01	0	00	25
		27					
		01	0	09	0	02	28
		09	2	13	0	14	40
		12	0	01	0	00	25
		13	2	03	0	10	88
		14	2	13	0	13	40
		17	0	01	0	00	25
कसोरे	102	78					
		22	0	17	0	04	30
		23	2	14	0	13	66
		24	1	15	0	08	85
		81					
		04	0	18	0	04	55
		05	2	11	0	12	90
		82					
		01	1	12	0	08	09
		8/1	0	08	0	02	02
		09	2	14	0	13	66
		10/1	0	15	0	03	79
		10/2	0	06	0	01	52
		13/1	1	08	0	07	8
		14	2	14	0	13	66
		15	1	01	0	05	31
		83					
		22	1	12	0	08	10
		23	2	14	0	13	66
		24	0	18	0	04	55
		94					
		19/2	0	12	0	03	05
		20	2	10	0	12	63
		31	0	00	0	00	00
		22/1	1	08	0	07	08
		22/2	0	13	0	03	29
		23	2	13	0	13	40
		24	0	10	0	02	53
		95					
		01	0	15	0	03	79
		08	0	15	0	03	79
		09	2	13	0	13	41
		10	1	17	0	09	36

1	2	3	4	5	6	7	8
कसोरे (जारी)	102	13	1	17	0	09	36
		14/1	1	09	0	07	33
		14/2	1	04	0	06	07
		15	0	13	0	03	29
		16	1	18	0	09	61
		17	0	00	0	00	00
		96					
		04	1	15	0	08	85
		96					
		05	1	11	0	12	90
		103					
		03	0	00	0	00	00
		04	1	12	0	08	09
		05	2	11	0	12	90
		06	0	02	0	00	31
		104					
		01	0	08	0	02	02
		08	0	08	0	02	02
		09	2	12	0	13	15
		10	2	08	0	11	64
		12	0	02	0	00	51
		13	2	02	0	10	62
		14	2	10	0	12	64
		15	0	06	0	01	52
		16	2	07	0	11	89
		17	0	03	0	00	76
		105					
		19	0	06	0	01	52
		20	2	10	0	12	64
		21	0	03	0	00	76
		22	2	07	0	11	89
		23	2	09	0	12	39
		24	0	02	0	00	51
		107					
		03	0	02	0	0	31

[सं. घार-31015/6/90-ग्रो घा(र-)]

New Delhi, the 7th January, 1992

S.O. 206.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas No. S.O. 1147, dated the 20th April, 1991, issued under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) (hereinafter referred to as the said Act), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline for the transport of petroleum;

And whereas the copies of the Gazette notification were made available to the public on 30th April, 1991;

And whereas the Competent Authority in pursuance of sub-section (1) of section 6 of the said Act has made his report to the Central Government;

And whereas the Central Government after considering the said report is satisfied that the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification should be acquired;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification are hereby acquired;

And further in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of the said section, the Central Government hereby directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government, vest, free from all encumbrances, in the Indian Corporation Limited.

## SCHEDULE

Tehsil : Guhla	District : Kaithal			State : Haryana			
Name of Village	Hasabst No.	Survey No./Khasra No.			Area		
		Killa	Kanal	Marla	Hectare	Area	Square Meter
1	2	3	4	5	6	7	
Kh. Gulam Ali	83	04					
	11		1	16	0	09	11
	12		0	00	0	00	00
	18		1	03	0	05	82
	19		2	16	0	14	16
	20		0	12	0	03	03
	23		1	14	0	08	60
	25		0	05	0	01	26
	05						
	03		0	19	0	04	81
	06		0	07	0	01	77
	07		2	14	0	13	66
	08		1	11	0	07	84
	14		0	02	0	00	51
	15		2	06	0	11	63
	11						
	04		0	02	0	00	51
	05		2	10	0	12	64
	12						
	08		0	03	0	00	78
	12						
	09		2	17	0	14	42
	10		0	18	0	04	55
	12		0	05	0	01	27
	13		2	19	0	14	92
	14		0	11	0	02	78
	16		1	02	0	05	56
	14						
	01		1	07	0	06	83
	02		2	06	0	11	63
	08		2	17	0	14	42
	09		0	15	0	03	79
	13		0	06	0	01	52
	14		0	10	0	02	53
Umedpur	82	47					
	18		0	07	0	01	77
	19		2	17	0	14	42
	20		1	04	0	06	07
	22		0	02	0	00	51
	23		2	12	0	13	15
	24		1	07	0	06	83
	50						
	04		1	07	0	06	83
	06		0	08	0	02	02
	51						
	01		0	01	0	00	25
	09		0	15	0	03	79
	10		2	18	0	14	67
	11		0	00	0	00	00
	12		2	04	0	11	13
	13		1	15	0	08	85
	16		0	10	0	02	53

1	2	3	4	5	6	7	8
Umedpur Contd.	82	17	2	16	0	14	16
		18	1	03	0	05	82
		24	0	00	0	00	00
		25	2	02	0	10	62
		52					
		21	2	05	0	11	38
		22/1	0	00	0	00	
		66					
		01	0	10	0	02	53
		66					
		2/1	0	19	0	04	81
		2/2	1	06	0	06	58
		03	0	00	0	00	00
Parbhawat	81	06					
		07	2	12	0	13	15
		14	1	15	0	08	85
		15	0	11	0	02	78
		16	2	06	0	11	64
		17	0	01	0	00	25
		10					
		11/1	1	03	0	05	82
		11/2	1	03	0	05	82
		19	0	11	0	02	78
		20	1	15	0	08	85
		21	0	01	0	00	25
		22	2	03	0	10	88
		16					
		20	0	10	0	02	53
		21	2	09	0	12	39
		22	1	11	0	07	84
		17					
		2/1	0	06	0	01	52
		2/2	2	01	0	10	37
		08	1	04	0	06	07
		09	1	13	0	08	35
		13	1	09	0	07	33
		14/1	0	13	0	03	29
		14/2	1	05	0	06	32
		15/1	0	00	0	00	00
		16	2	18	0	14	67
		17					
		25/1	0	01	0	00	25
		25					
		02	0	09	0	02	28
		3/1	0	18	0	04	55
		3/2	1	12	0	08	09
		04	0	02	0	00	1
		06	0	18	0	04	55
		07	2	17	0	14	42
		8/1	0	07	0	01	77
		15	2	00	0	10	12
		26					
		11	1	03	0	05	82
Paharpur	80	19					
		19	0	07	0	01	77
		20/1	1	12	0	08	10
		20/2	0	10	0	02	53
		21	0	01	0	00	25
		22	2	15	0	13	91
		23	0	16	0	04	05
		22					
		03	2	06	0	11	63
		04	1	01	0	05	31

1	2	3	4	5	6	7	8
Ladana Chakku	97	11					
	02		02	0	00		51
	09	2	17	0	14		42
	08	0	00	0	00		00
	10/1	0	08	0	02		02
	12	0	08	0	02		02
	13	2	16	0	14		16
	17	2	10	0	12		65
	18	0	13	0	03		29
	24	1	00	0	05		06
	25	2	01	0	10		27
	24						
	1/1	0	05	0	01		26
	1/2	1	10	0	07		59
	09	1	09	0	07		34
	10	1	12	0	08		09
	12	1	19	0	09		86
	13	1	03	0	05		82
	17	0	17	0	04		30
	18	2	07	0	11		89
	24/1	0	10	0	02		53
	25	0	12	0	03		04
	25						
	5/1	0	12	00	03		03
	5/2	0	13	0	03		29
	33						
	04	0	00	0	00		00
	05	2	13	0	13		41
	06	0	01	0	00		25
	34						
	01	0	03	0	00		76
	09	0	04	0	01		01
	10	2	16	0	14		16
	11	0	04	0	01		01
	12	2	17	0	14		42
	13	0	00	0	00		00
	18	2	14	0	13		66
	19	0	08	0	02		02
	23	0	12	0	03		03
	24	2	08	0	12		14
	46						
	01	1	03	0	05		82
	09	2	01	0	10		37
	10	1	03	0	05		82
	12	2	06	0	11		63
	13	0	06	0	01		52
	18	2	11	0	12		90
	19	0	02	0	00		51
	23	1	12	0	08		09
	24	1	01	0	05		31
	47						
	05	2	12	0	13		15
	56						
	04	2	10	0	12		65
	06	1	14	0	08		60
	07	0	19	0	04		81
	15/1	1	09	0	07		33
	15/2	0	07	0	01		77
	16/1	0	04	0	01		01
	57						
	11/1	0	01	0	00		25
	20	2	05	0	11		38
	21	2	05	0	11		39
	22	0	08	0	02		02
	66						

1	2	3	4	5	6	7	8
Ladiana Chakku Contd.	96	2/1	1	01	0	05	31
		2/2	1	04	0	06	07
		09	1	13	0	08	35
		13	2	13	0	13	40
		17	1	15	0	08	85
		18	0	18	0	04	55
		66					
		24/1	1	07	0	06	83
		24/2	1	04	0	06	07
		25	0	02	0	00	51
		79					
		4/2	0	04	0	01	01
		80					
		11	1	10	0	07	59
		19/2	0	02	0	00	51
		20/1	1	08	0	07	08
		20/2	1	01	?	05	31
		21	0	08	0	02	03
		22/1	1	00	0	05	06
		22/2	1	15	0	08	85
		23	1	01	0	05	31
		85					
		18	0	00	0	00	00
		20	2	10	0	12	65
		22	1	01	0	05	31
		23	2	14	0	13	66
		24	1	12	0	08	09
		86					
		10	1	03	0	05	82
		11	1	15	0	08	85
		12/1	0	14	0	03	54
		12/2	1	11	0	07	84
		13/1	1	02	0	05	57
		13/2	0	09	0	02	28
		14	0	03	0	00	76
		16	2	10	0	12	64
		17/1/1	2	01	0	10	37
		17/1/2	0	07	0	01	77
		18	0	14	0	03	54
		87					
		03	0	17	0	04	30
		05	0	02	0	00	51
		06	2	13	0	13	40
		07	1	03	0	05	82
		107					
		04	1	03	0	05	82
		05	2	15	0	13	91
		108					
		01	1	04	0	06	07
		08	p	10	0	02	53
		09	2	15	0	13	91
		10	1	11	0	07	84
		205/1	5	15	0	29	08
Taranwali	101	08					
		24	0	00	?	00	00
		15					
		19/1	0	04	0	01	01
		19/2	0	00	0	00	00
		20	2	10	0	12	65
		22	2	07	0	11	89
		16					
		1/2	0	05	0	01	26
		08	0	04	0	01	01
		09	2	09	0	12	39
		10	1	07	0	06	83

1	2	3	4	5	6	7	8
		12	0	04	0	01	01
		13	2	09	0	12	39
		14	2	9	0	12	39
		15	0	4	0	01	01
		16	2	7	0	11	89
		17	0	4	0	01	01
		17					
		04	2	03	0	17	88
		05	1	18	0	09	61
		6/1	0	13	0	03	29
		26					
		03	0	01	0	00	25
		04	2	01	0	10	37
		05	2	10	0	12	65
		06	0	01	0	00	25
		27					
		01	0	09	0	02	28
		09	2	13	0	13	40
		12	0	01	0	00	25
		13	2	03	0	10	88
		14	2	13	0	13	40
		17	0	01	0	00	25
Kasore	102	78					
		22	0	17	0	04	30
		23	2	14	0	13	66
		24	1	15	0	08	85
		81					
		04	0	18	0	04	35
		05	2	11	0	12	90
		82					
		01	1	12	0	08	09
		8/1	0	08	0	02	02
		09	2	14	0	13	66
		10/1	0	15	0	03	79
		10/2	0	06	0	01	52
		13/1	1	08	0	07	8
		14	2	14	0	13	66
		15	1	01	0	05	31
		83					
		22	1	12	0	08	10
		23	2	14	0	13	66
		24	0	18	0	04	55
		94					
		19/2	0	12	0	03	03
		20	2	10	0	12	65
		21	0	00	0	00	00
		22/1	1	08	0	07	08
		22/2	0	13	0	03	29
		23	2	13	0	13	40
		24	0	10	0	02	53
		95					
		01	0	15	0	03	79
		08	0	15	0	03	79
		09	2	13	0	13	41
		10	1	17	0	09	36
		13	1	17	0	09	36
		14/1	1	09	0	07	33
		14/2	1	04	0	06	07
		15	0	13	0	03	29
		16	1	18	0	09	61
		17	0	00	0	00	00
		96					
		04	1	15	0	08	85
Kasore Contd.	102	96					

1	2	3	4	5	6	7	8
Kasore (Contd.)	102	05	2	11	0	12	90
	103						
	03	0	00	0	00	00	
	04	1	12	0	08	09	
	05	2	11	0	12	90	
	06	0	02	0	00	51	
	104						
	01	0	08	0	02	02	
	08	0	08	0	02	02	
	09	2	12	0	13	15	
	10	2	06	0	11	64	
	12	0	02	0	00	51	
	13	2	02	0	10	62	
	14	2	10	0	12	64	
	15	0	06	0	01	52	
	16	2	07	0	11	89	
	17	0	03	0	00	76	
	105						
	19	0	06	0	01	52	
	20	2	10	0	12	64	
	21	0	03	0	00	76	
	22	2	07	0	11	89	
	23	2	09	0	12	39	
	24	0	02	0	00	51	
	107						
	03	0	02	0	00	51	

[No. R-31015/6/90-O.R.I.]

का. भा. 207.—केन्द्रीय सरकार में, पेट्रोलियम और अधिनियम पाइप-लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का वर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस संसाधनों की अधिसूचना सं. का. भा. 2781, तारीख 27 अक्टूबर, 1990 द्वारा पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन के प्रयोजनार्थ उक्त अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनियिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकारों के वर्जन के अपने भाषण की घोषणा की थी;

और राजपत्रित अधिसूचना की प्रतियां जनता की तारीख 6 नवम्बर, 1990 को उपलब्ध करा दी गई थी;

और उक्त अधिनियम की धारा 8 की उपधारा (1) के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी ने केन्द्रीय सरकार को रिपोर्ट दे दी है;

और केन्द्रीय सरकार का उक्त रिपोर्ट पर विचारकरने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनियिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार का वर्जन किया जाए;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त वित्तीयों का प्रयोग करते हुए, इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनियिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार वर्जित करने की घोषणा करती है;

यह और कि केन्द्रीय सरकार उक्त धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त वित्तीयों का प्रयोग करते हुए, पहले निवेदन देती है कि उक्त भूमि में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बाबत, सभी विलोगमों से मुक्त विविध कार्पोरेशन लिमिटेड में निहित होगा।

तहसील : राष्ट्रपुर	जिला : बनासकांठा	राज्य : गुजरात	अनुसूची				
			गांव का नाम	सर्वे संख्या	क्षेत्रफल		
1	2	3	4	5	हेक्टर	मारि	बर्गमीटर
धार्यवडी	103	0	54	94			
	102	0	16	90			
	105	0	14	09			
	106	0	33	10			
	109	0	31	69			
	110	0	24	65			
	111	0	28	17			
	113	0	20	43			
	114	0	18	50			
	115	0	14	09			
	116	0	24	65			
	117	0	13	68			
	118	0	13	38			
	119	0	07	04			
	260	0	26	06			
	275	0	33	10			

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
	274	0	06	34	सरदापुरा	42	0	22	15
	277	0	00	70		43	0	32	48
	278	0	15	49		44	0	13	29
	279	0	34	74		50	0	00	74
	285	0	28	88		47/1	0	32	48
	288	0	07	40		48	0	32	48
	289	0	04	58		64	0	23	62
						76	0	08	86
नानपुरा	87	0	21	75		72	0	18	46
	88	0	25	38		73	0	18	46
	89	0	30	45		81	0	28	06
	90	0	26	83		82	1	18	12
	93	0	21	75		91	0	32	49
	112	0	06	16	सरपुर	408	0	21	10
	109	0	44	95		409	0	03	77
	108	0	29	73		410	0	05	27
	107	0	22	48		400	0	34	66
	105	0	48	58		399	0	28	63
	104/2	0	13	05		329/10/3	0	01	51
	150	0	16	67		331	0	36	17
	151	0	09	42		314/7	0	25	62
	272	0	38	43		314/5	0	16	58
	269	0	13	05		314/2	0	03	77
	275	0	18	12		312	0	32	40
	276	0	21	75		313/2	0	15	07
	261	0	36	25		313/1	0	22	80
	262	0	16	68		301/10	0	07	53
	263	0	15	95		301/8	0	19	59
	259	0	26	10		301/7	0	21	10
	258	0	23	38		301/6	0	28	63
	254	0	44	23		301/2	0	18	08
	295	0	54	38		301/3	0	19	59
	308	0	46	40		274	0	21	10
	309	0	65	25		272	0	75	35
	304	0	06	53	सातुरा	241/14	0	28	64
शीतारा	262	0	03	41		226	0	41	12
	273	0	17	41		222/4	0	10	28
	264	0	05	12		222/2	0	27	90
	265	0	26	95		230	0	06	61
	272	0	00	68		231	0	02	94
	271	0	01	03		222/1	0	16	89
	266	0	07	85		233	0	19	09
	270	0	07	85		235	0	32	31
	269	0	36	88		181	0	26	44
	268	0	16	38		180	0	27	90
	286	0	29	38		173	0	47	00
	287/2	0	24	37		172	0	29	37
	288	0	21	84		170	0	25	70
	298	0	25	94		169/3	0	16	16
	309	0	25	26		53	0	27	90
	310	0	11	60		56	0	18	35
	308	0	11	60		57	0	00	73
	311	0	19	79		55	0	17	62
	297	0	04	78		42	0	15	42

1	2	3	4	5	6
मात्रा (मात्रा)	58		0	15	42
	38		0	44	07
	37		0	07	34
	36		0	05	88
	30		0	30	84
सरकारी	295		0	12	45
	303		0	01	38
	267		0	48	42
	259		0	02	77
	267		0	23	52
	251		0	22	14
	252		0	09	68
	250		0	16	60
	249		0	30	44
	246		0	35	96
	244		0	11	07
	12		0	27	67
	13		0	17	99
	16		0	24	90
	19		0	30	43
	20		0	08	30
	18		0	01	39
	21		0	12	45
	22		0	09	69
	23		0	08	30
	24		0	08	30
	27		0	08	30
	29		0	11	07
	30		0	11	07
	31		0	16	60
	33		0	13	84
मानीमेपली	21		0	22	80
	22		0	22	80
	31		0	27	36
	39		0	36	47
	60		0	44	07
	4		0	01	52
	61		0	10	64
	117		0	10	64
	123/3		0	38	47
	123/2		0	22	80
	123/1		0	33	44
	126		0	51	67
	134		0	01	52
	130		0	39	51
	149/2		0	36	47
	151		0	34	96
मोहरी विधानी	10		0	21	43

Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act 1962 (50 of 1962) (hereinafter referred to as the said Act), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline for the transport of petroleum.

And whereas the copies of the Gazette notification were made available to the public on 6th November, 1990;

And whereas the Competent Authority in pursuance of sub-section (1) of section 6 of the said Act has made his report to the Central Government;

And whereas the Central Government after considering the said report is satisfied that the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification should be acquired;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the lands specified in the Schedule to this notification are hereby acquired;

And further in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of the said section, the Central Government hereby directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government, vest, free from all encumbrances, in the Indian Oil Corporation Limited.

#### SCHEDULE

Tehsil—Radhanpur District—Banaskantha State Gujarat

Name of Village	Survey No.	Area		
		Hect.	Acre	Sq. M.
		1	2	3
Dharavadi	103	0	54	94
	102	0	16	90
	105	0	14	09
	106	0	33	10
	109	0	31	69
	110	0	24	65
	111	0	28	17
	113	0	20	43
	114	0	15	50
	115	0	14	09
	116	0	24	65
	117	0	12	68
	118	0	13	38
	119	0	07	04
	260	0	26	06
	275	0	33	10
	274	0	06	34
	277	0	00	70
	278	0	15	49
	279	0	38	74
	285	0	28	88
	288	0	07	40
	289	0	04	58
Nanapura	87	0	21	75
	88	0	25	38
	89	0	30	45
	90	0	26	83
	93	0	21	75
	112	0	06	16
	109	0	44	95

[S. O. 31015/11/89-ओपार-1]

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
Nanapura (Contd.)	108	0	29	73	Radhanpura (Contd.)	313/1	0	22	60
	107	0	22	48		301/10	0	07	53
	105	0	48	58		301/8	0	19	59
	104/2	0	13	05		301/7	0	21	10
	150	0	16	67		301/6	0	28	63
	151	0	09	42		301/2	0	18	08
	272	0	38	43		301/3	0	19	59
	269	0	13	05		274	0	21	10
	275	0	18	12		272	0	75	35
	276	0	21	75	Satun	241/4	0	28	64
	261	0	36	25		226	0	41	12
	262	0	16	68		222/4	0	10	28
	263	0	15	95		22/22	0	27	90
	259	0	26	10		230	0	06	61
	258	0	25	38		231	0	02	94
	254	0	44	23		222/1	0	16	89
	295	0	54	38		233	0	19	09
	308	0	46	40		235	0	32	31
	309	0	65	25		181	0	26	44
	304	0	06	53		180	0	27	90
Shinad	262	0	03	41		173	0	47	00
	273	0	17	41		172	0	29	37
	264	0	05	12		170	0	25	70
	265	0	26	95		169/3	0	16	16
	272	0	00	68		53	0	27	90
	271	0	01	03		56	0	18	35
	266	0	07	85		57	0	00	73
	270	0	07	85		55	0	17	62
	269	0	36	86		42	0	15	42
	268	0	16	38		58	0	15	42
	286	0	29	35		38	0	44	07
	287/2	0	24	57		37	0	07	34
	288	0	21	84		36	0	05	88
	298	0	25	94		30	0	30	84
	309	0	25	26	Sarkarpura	295	0	12	45
	310	0	11	60		303	0	01	38
	308	0	11	60		267	0	48	42
	311	0	19	79		259	0	02	77
	297	0	04	78		257	0	23	52
Sardarpura	42	0	22	15		251	0	22	14
	43	0	32	48		252	0	09	68
	44	0	13	29		250	0	16	60
	50	0	00	74		249	0	30	44
	47/1	0	32	48		246	0	35	96
	48	0	32	48		244	0	11	07
	64	0	23	62		12	0	27	67
	76	0	08	86		13	0	17	99
	72	0	18	46		16	0	24	90
	73	0	18	46		19	0	30	43
	81	0	28	06		20	0	08	30
	82	1	18	12		18	0	01	39
	91	0	32	49		21	0	12	45
Radhanpura	408	0	21	10		22	0	09	69
	409	0	03	77		23	0	08	30
	410	0	05	27		24	0	08	30
	400	0	34	66		27	0	08	30
	399	0	28	63		29	0	11	07
	329/10/3	0	01	51		30	0	11	07
	331	0	36	17		31	0	16	60
	314/7	0	25	62		33	0	13	84
	314/5	0	16	58	Nanipipali	21	0	22	80
	314/2	0	03	77		22	0	22	80
	312	0	32	40		31	0	27	36
	313/2	0	15	07		39	0	36	47

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5	6
Nanipipali (Contd.)	60	0	44	07	जोगा	6				
	4	0	01	52		11/1	—	1	77	
	61	0	10	64		11/2	—	3	04	
	117	0	10	64		12	—	8	35	
	123/3	0	36	47		13	—	11	13	
	123/2	0	22	80		6				
	123/1	0	33	44		14	—	12	39	
	126	0	51	67		15	—	5	82	
	134	0	01	52		16	—	3	79	
	130	0	39	51		18	—	1	02	
	149/2	0	36	47		19	—	4	05	
	151	0	34	95		20	—	7	33	
Motipipali	10	0	21	43		7				

[No. O-31015/11/89-O.R.-1]

का. ना. 208—केन्द्रीय सरकार ने, पेट्रोलियम और जैविक पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्ज) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) (जिसे इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) को भारा 3 की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्रकार्तिक गैस संसाधन की अधिसूचना सं. का. ना. 2810 तारीख 3 नवम्बर, 1990 द्वारा पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन विभाग के प्रयोगनार्थ उक्त अधिसूचना से संसाधन भन्तुसूची में विनियिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकारों के अर्जन के अपने आधार की घोषणा की थी;

और राजपत्रित अधिसूचना की प्रतियां जनसा को तारीख 7 नवम्बर, 1990 की उपलब्ध करा थी गई थी;

और उक्त अधिनियम की भारा 6 की उपधारा (1) के अनुसरण में सकार प्राधिकारी ने केन्द्रीय सरकार को रिपोर्ट दे दी है;

और केन्द्रीय सरकार का उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात यह समाप्त हो गया है कि इस अधिसूचना से संसाधन भन्तुसूची में विनियिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए;

अतः, अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की भारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस अधिसूचना से संसाधन भन्तुसूची में विनियिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार अर्जित करने की घोषणा करती है :

यह और कि केन्द्रीय सरकार उक्त भारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह नियंत्रण देती है कि उक्त भूमि के उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाए पर्यायिकार्थी से मुक्त इंडिपेंडेंट आयल कार्पोरेशन लिमिटेड में निहित होगा।

## भन्तुसूची

ताहसील - मानसा जिला - भटिहा राज्य - पंजाब

गांव का नाम	हृष्टस्त मुस्तसील नं.	धेनकल
	नं.	किला नं.
		हेक्टर घर बग्न मीटर
1	2	3
4	5	6
जोगा	8	5/
	11	-- 12 39
	12	-- 12 39
	13	-- 12 39
	14	-- 11 14

6	11/1	—	1	77
	11/2	—	3	04
	12	—	8	35
	13	—	11	13
	6			
	14	—	12	39
	15	—	5	82
	16	—	3	79
	18	—	1	02
	19	—	4	05
	20	—	7	33
	7			
	15/1	—	—	76
	15/2	—	1	52
	16/1	—	10	12
	17/1	—	12	15
	18	—	12	39
	19	—	12	39
	20	—	12	39
	27	—	—	25
	8			
	16	—	9	86
	17	—	12	39
	19	—	7	33
	20	—	12	39
	23	—	2	28
	26	—	2	53
	9			
	16	—	7	84
	17	—	12	39
	18	—	12	39
	19	—	12	39
	20/1	—	1	52
	20/2	—	10	89
	26	—	4	55
	10			
	16	—	12	39
	21	—	1	01
	22	—	—	51
	23	—	5	56
	24	—	5	83
	11			
	24	—	—	76
	25/1	—	1	01
	25/2	—	1	26
	13			
	21/1	—	7	02
	21/2	—	5	31
	22	—	12	39
	23	—	11	38
	24	—	5	82
	14			
	23	—	7	84

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
जोग।	8	24	—	7	84	अकलिया (जारी)	6	11	—	12	65
		25	—	12	40			12	—	9	61
प्रकलिय।	6	69						86			
	24/1	—	—	76				13	—	—	76
	24/2	—	1	26				87			
	25/1	—	3	35				13/2	—	—	51
	25/2	—	3	04				14/2	—	8	85
	70							15	—	12	65
	16/1	—	8	09				17	—	3	54
	16/2	—	3	04				18/1	—	12	14
	17	—	12	65				19	—	12	39
	18 1	—	8	85				20	—	9	61
	18 2	—	2	53				21/1	—	3	29
	19	—	1	77				88			
	21	—	12	65				16	—	—	25
	22	—	10	67				23	—	9	36
	23							24/2	—	12	90
	21	—	1	26				25/1	—	—	76
	6/2	—	4	55				25/2	—	11	63
	14/1	—	12	65				98			
	15	—	6	07				16/2	—	1	26
	72							23/1	—	7	33
	4	—	3	79				23/2	—	—	25
	4	—	12	14				24	—	12	15
	5	—	11	89				99			
	7	—	—	51				13	—	1	25
	8	—	—	89				14	—	11	38
6	72							15/1/2	—	2	78
	9	—	12	65				15/2/2	—	5	56
	73							17/2	—	1	52
	1/1	—	12	39				18	—	11	63
	2/1	—	12	39				99			
	3	—	12	39				19	—	12	39
	4/2	—	12	39				20	—	10	63
	5	—	12	39				21/1	—	1	77
	74							100			
	1	—	12	39				4	—	—	51
	3	—	12	39				5	—	9	36
	4/2	—	8	10				6	—	3	04
	5	—	3	79				7/2	—	6	07
	85							8	—	12	91
	1/1	—	5	56				9/1	—	6	08
	2/1	—	5	56				9/2	—	3	54
	2/2	—	6	84				10	—	—	51
	3/1	—	1	01				11	—	12	39
	3/2	—	11	63				12	—	2	03
	4/2	—	5	83				101			
	9/2	—	—	—				1	—	12	90
	10/1	—	6	84				2	—	12	39
	86							3	—	2	28
	6	—	12	65				128			
	7/2	—	12	65				1/1	—	6	32
	8	—	10	88				1/2	—	6	07
	9	—	3	04				2/1	—	10	12

1	2	3	4	5	6
प्रकलिया (जारी)	6	3/1	-	1	01
		<u>129</u>			
	4	-	1	26	
	5	-	10	62	
	6/1	-	1	52	
	7/1	-	11	89	
	<u>129</u>				
	7/3	-	-	25	
	8/1	-	3	54	
	8/2	-	8	60	
	9	-	10	12	
	10	-	0	76	
	11/1	-	4	56	
	11/2	-	7	33	
	12	-	1	77	
	<u>130</u>				
	13	-	-	51	
	14	-	10	12	
	15/1	-	12	65	
	15/2	-	-	25	
	17/1	-	2	78	
	18/1	-	5	56	
	18/2	-	6	07	
	19/2	-	12	90	
	20	-	10	12	
	<u>131</u>				
	16	-	1	76	
	24/1	-	5	81	
	24/2	-	7	84	
	25	-	12	14	
	384	-	2	53	
	394/1	-	1	77	
	396	-	-	51	
	399	-	1	26	
	402	-	-	51	
	354	-	1	77	
	356	-	3	04	
	1458	-	2	78	
	1458	-	1	01	
	1475	-	1	52	
	1477/1	-	1	52	
	1482	-	1	01	
	1483	-	1	01	
	1488	-	1	01	
	1490	-	1	51	
	1492/1	-	-	51	
	1676	-	-	75	

Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule attended to that notification for the purpose of laying pipeline for the transport of petroleum;

And whereas the copies of the Gazette notification were made available to the public on 7th November, 1990;

And whereas the Competent Authority in pursuance of sub-section (1) of section 6 of the said Act has made his report to the Central Government;

And whereas the Central Government after considering the said report is satisfied that the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification should be required;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification are hereby acquired;

And further in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of the said section, the Central Government hereby directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government, vest, free from all encumbrances, in the Indian Oil Corporation Limited.

## SCHEDULE

Name of Village		Hadbast No.	Survey No./ Khasra No./ Mustaeeel No./ Killa No./	Hec- tare	Area Are	Area Square Meter
1	2	3	4	5	6	
Joga	8	5				
		11		—	12	39
		12		—	12	39
		13		—	12	39
		14		—	11	14
		6				
		11/1		—	1	77
		11/2		—	3	04
		12		—	8	35
		13		—	11	13
		6				
		14		—	12	39
		15		—	5	82
		16		—	3	79
		18		—	1	02
		19		—	4	05
		20		—	7	33
		7				
		15/1		—	—	76
		15/2		—	1	52
		16/1		—	10	12
		17/1		—	12	15
		18		—	12	39
		19		—	12	39
		20		—	12	39
		27		—	—	25
		8				
		16		—	9	86
		17		—	12	39
		8				
		19		—	7	33

[सं. भार - 31015/1/90 - ओ. भार .-1]

S.O. 208.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas No. S.O. 2810, dated the 3rd November, 1990, issued under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of Use in Land) Act, 1962 (50 of 1962) (hereinafter referred to as the said Act), the

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
Joga	8	20	—	12	39	Aklia	6	3	—	12	39
(Contd.)		23	—	2	28	(Contd.)	4/2	—	—	8	10
		26	—	2	53		5	—	—	3	79
		9					85				
		16	—	7	84		1/1	—	—	5	56
		17	—	12	39		2/1	—	—	5	56
		18	—	12	39		2/2	—	—	6	84
		19	—	12	39		3/1	—	—	1	01
		20/1	—	1	52		3/2	—	—	11	63
		20/2	—	10	89		4/2	—	—	5	84
		26	—	4	55		9/2	—	—	—	—
		10					10/1	—	—	6	84
		16	—	12	39		86				
		21	—	1	01		6	—	—	12	65
		22	—	—	51		7/2	—	—	12	65
		23	—	5	56		8	—	—	10	88
		24	—	5	83		9	—	—	3	04
		11					11	—	—	12	65
		24	—	—	76		12	—	—	9	61
		25/1	—	1	01		86				
		25/2	—	1	26		13	—	—	—	76
		13					87				
		21/1	—	7	08		13/2	—	—	—	51
		21/2	—	5	31		14/2	—	—	8	85
		22	—	12	39		15	—	—	12	65
		23	—	11	38		17	—	—	3	54
		24	—	5	82		18/1	—	—	12	14
		14					19	—	—	12	39
		23	—	7	84		20	—	—	9	61
		24	—	7	84		21/1	—	—	3	29
		25	—	12	40		88				
Aklia :	6	69									
		24/1	—	—	76		16	—	—	—	23
C		24/2	—	1	26		23	—	—	9	36
		25/1	—	8	35		24/2	—	—	12	90
		25/2	—	3	04		25/1	—	—	—	76
		70					25/2	—	—	11	63
		16/1	—	8	09		98				
		16/2	—	3	04		16/2	—	—	1	26
		17	—	12	65		23/1	—	—	7	33
		18/1	—	8	85		23/2	—	—	—	25
		18/2	—	2	53		24	—	—	12	15
		19	—	1	77		99				
		21	—	12	65		13	—	—	1	25
		22	—	10	88		14	—	—	11	38
		23	—	1	26		15/1/2	—	—	2	78
		71					15/2/2	—	—	5	56
		6/2	—	4	55		17/2	—	—	1	52
		14/1	—	12	65		18	—	—	11	63
		15	—	6	07		99				
		72					19	—	—	12	39
		4	—	3	79		20	—	—	10	63
		4	—	12	14		21/1	—	—	1	77
		5	—	11	89		100				
		7	—	—	51		4			—	51
		8	—	8	09		5	—	—	9	36
		72					6	—	—	3	04
		9	—	12	65		7/2	—	—	6	07
		73					8	—	—	12	91
		1/1	—	12	39		9/1	—	—	6	08
		2/1	—	12	39		9/2	—	—	3	54
		3	—	12	39		10	—	—	—	51
		4/2	—	12	39		11	—	—	12	39
		5	—	12	39		12	—	—	2	03
		74					101				
		1	—	12	39		1	—	—	12	90

1	2	3	4	5	6
Aklia	6	2	—	12	39
(Contd.)		3	—	2	28
	128				
	1/1		—	6	32
	1/2		—	6	07
	2/1		—	10	12
	3/1		—	1	01
	129				
	4		—	1	26
	5		—	10	62
	6/1		—	1	52
	7/1		—	11	89
	129				
	7/3		—	—	25
	8/		—	3	54
	8/2		—	8	60
	9		—	10	12
	10		—	0	76
	11/1		—	4	56
	11/2		—	7	33
	12		—	1	77
	130				
	13		—	—	51
	14		—	10	12
	15/1		—	12	65
	15/2		—	—	25
	17/1		—	2	78
	18/1		—	5	56
	18/2		—	6	07
	19/2		—	12	90
	20		—	10	12
	131				
	16		—	—	76
	24/1		—	5	81
	24/2		—	7	84
	25		—	12	14
	384		—	2	53
	394/1		—	1	77
	396		—	—	51
	399		—	1	26
	402		—	—	51
	354		—	1	77
	356		—	3	04
	1458		—	2	78
	1459		—	1	01
	1475		—	1	52
	1477/1		—	1	52
	1482		—	1	01
	1483		—	1	01
	1488		—	1	01
	1490		—	—	51
	1492/		—	—	51
	1676		—	—	75

[No. R-31015/1/90-O.R.I]

का.पा. 209 :— केन्द्रीय सरकार ने, पैट्रोलियम और अनिंज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के प्रधिकार का पर्जन) प्रधिनियम, 1962 (1962 का 50) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त प्रधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई भारत सरकार के पैट्रोलियम और प्राहृतिक गैस मंड़ालय की प्रधिसूचना स.का.पा. 2811 सारीख 3 मव्वर, 1990 द्वारा पैट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन लिलाने के प्रयोजनार्थ उक्त प्रधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिविष्ट भूमि में उपयोग के प्रधिकारों के पर्जन के अधीन प्राप्ति की घोषणा की थी;

और राजपत्रित प्रधिसूचना की प्रतिमा जनता को सारीख 7 नवम्बर, 1990 को उपलब्ध कर दी गई थी;

और उक्त प्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के प्रमुखरण में सक्तम प्राधिकारी ने केन्द्रीय सरकार को स्पेष्ट दे दी है;

और केन्द्रीय सरकार का उक्त स्पेष्ट पर विचार करने के पश्चात यह समाधान हो गया है कि इस प्रधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिविष्ट भूमि में उपयोग के प्रधिकार मर्जित करने की घोषणा करती है;

यह भव केन्द्रीय सरकार, उक्त प्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रवल शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस प्रधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिविष्ट भूमि में उपयोग के प्रधिकार मर्जित करने की घोषणा करती है;

यह और कि केन्द्रीय सरकार उक्त धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह निदेश देती है कि उक्त भूमि के उपयोग का प्रधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित हो की बात सभी विलंग भूमि से मुक्त इंडियन आयल कारपोरेशन लिमिटेड में निहित होगा।

तहसील : मुनाम	जिला : संगमर	राज्य : पंजाब			
गांव का नाम	हृदवस्तु नं.	मुस्तकील मं. किला नं.	क्षेत्रफल		
1	2	3	4	5	6
सेहाल	331	14/25	—	4	30
		21/5	—	8	65
		22/1/1	—	8	09
		1/2	—	5	06
		2	—	1	52
		7	—	—	50
		8/2	—	02	02
		8/3	—	2	78
		8/4	—	6	58
		9	—	12	15
		10/1	—	1	27
		13/2	—	1	52
		14	—	14	41
		16/1	—	9	36
		23/20/2	—	4	05
		23/1	—	11	63
		24/1	—	—	25
		36/21	—	12	91
		22	—	3	29
		28	—	2	02
		37/9/1	—	4	55
		10/	—	12	40
		12/1	—	9	1
		13/1/1	—	9	36
131	37				
	13/2	—	1	76	
	14	—	—	76	
	16	—	9	35	

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6	
	17	—	13	67			10/2	—	—	25		
	18	—	1	26			12	—	12	15		
	25	—	3	27			13	—	5	31		
	38/	—	2	28			17	—	6	58		
	3/2	—					18/1	—	5	31		
	4	—	13	41			18/2	—	5	82		
	5/1	—	9	35			24	—	9	36		
	6/1	—	1	01			25	—	8	60		
	6/2	—	4	05			45/5/2	—	11	38		
	47/2	—	10	37			6/1/2	—	—	50		
	3/1	—	12	90			43/5	—	7	34		
	4	—	—	—			44/1	—	10	12		
	6	—	1	01			9	—	12	13		
	7	—	14	92			10	—	5	82		
	8/2	—	1	01			12	—	3	54		
	14	—	—	25			13	—	14	42		
	15/1	—	12	65			14	—	—	25		
	15/2	—	2	03			17	—	5	06		
	16	—	—	25			133	44/18	—	1	77	
	48/11	—	2	27			134	2/19	—	1	77	
	19	—	3	03								
	20	—	14	17			21	—	—	25		
131	48	—					22	—	12	65		
	22/2/2	—	13	41			23	—	5	81		
	50/11	—	4	55			23/1	—	7	33		
	51/3/1	—	1	52			23/2	—	2	53		
	3/3	—	4	05			7/3	—	9	61		
	4/2	—	4	05			4	—	7	85		
	6	—	5	06			7	—	9	61		
	7	—	12	14			6/1	—	—	25		
	15	—	11	39			6/2	—	7	09		
सूचीबद्ध	135	6/21	—	12	39		15/1	—	1	52		
	22	—	0	51			15/2	—	6	06		
	7/16	—	2	27			16/3/2	—	2	02		
	17	—	10	12			5/1	—	1	77		
	24/2	—	—	25			6/1	—	7	08		
	25	—	11	38			6/2	—	6	83		
	9/2	—	13	91			17/10	—	1	02		
	3	—	8	34			11	—	14	66		
	6	—	4	05			134	17/2	—	2	28	
	7	—	14	17			19	—	12	90		
	8	—	5	31			18/1	—	3	04		
	15	—	9	11			23	—	10	63		
	10/11	—	13	41			24	—	7	08		
	12	—	1	52			20/4/2	—	7	85		
	18	—	9	87			5	—	8	35		
	20	—	—	51			6	—	7	34		
	10/23	—	2	78			19/10	—	9	87		
सक्रिय खंड	135	24	—	13	91		11/1	—	—	25		
	133	29/35/1	—	—	—		11/2	—	5	82		
	41/1	—	1	52			12/1	—	9	87		
	9	—	3	54			12/2	—	2	28		
	10/1	—	13	92								

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
	17/2	—	—	25			18	—	2	28	
	18/1	—	5	31			17	—	4	80	
	18/2	—	9	36							
	19	—	3	53		खाल कला	122	49/23	—	7	08
	23/1/2	—	2	27			24	—	0	25	
	24/1	—	1	52			50/3	—	2	02	
	24/2	—	11	38			4	—	14	42	
	25	—	—	76			6/1	—	6	57	
	36/4	—	1	01			6/2	—	6	58	
	5	—	1	52			51/10	—	2	28	
	16/15	—	—	75			11	—	9	86	
	126	93/2	—	1	02		12	—	8	35	
खालपुर	8	—	2	53			18/1	—	2	78	
	9	—	14	67			19	—	7	59	
	13	—	13	15			23/2	—	2	53	
	14	—	4	05			77/13/2	—	8	09	
	113/21/2	—	13	40			17	—	8	85	
	22	—	—	51			18	—	7	58	
	114/16/1/2	—	4	80			24	—	3	54	
	120/1	—	1	26			25	—	12	89	
	3	—	1	52			82/5	—	2	78	
	8	—	11	89			83/1	—	14	67	
	13	—	—	25			2	—	1	26	
	15/2	—	—	51			8	—	3	04	
	16	—	11	88			9	—	14	42	
	121/20	—	6	07			13	—	11	89	
	21	—	10	12			14	—	6	58	
	22/1	—	1	01			16	—	8	86	
	22/2	—	4	55			17	—	9	36	
	132/20	—	13	91			122	83/25	—	7	34
	21	—	2	78				84/21	—	11	89
	22	—	14	41				104/20	—	6	83
	23	—	—	51				21/1	—	7	08
	133/2	—	8	60				22	—	10	12
	3	—	8	86				105/1	—	3	54
	126	133/7	—	10	37			2	—	14	17
	8	—	7	59				3/1	—	—	25
	14	—	5	06				7	—	2	53
	15/1	—	6	32				8	—	14	93
	15/2	—	5	06				9/1	—	1	77
	16	—	1	52				13/2	—	—	25
	140/2	—	1	26				14	—	8	35
	3	—	15	18				15	—	2	78
	4	—	1	77				16	—	9	11
	6	—	2	28				117/2/2	—	4	04
	7	—	14	17				3	—	14	41
	8	—	—	25				4/2	—	2	53
	14	—	—	25				6	—	8	09
	15	—	13	91				7	—	12	14
	141/11	—	3	04				18	—	4	81
	19	—	2	78				118/11/1	—	3	29
	20	—	12	90				11/2	—	4	05
	21	—	—	25				12	—	1	51
खाल कला	121	28/12	—	1	26			118/18	—	6	83
	13	—	9	11				20	—	—	50

1	2	3	4	5	6	1	3	4	5	6
	23	—	7	83	पुरातात्त्व	13	—	8	35	
	25	—	—	25		17/1	—	—	50	
	130/1	—	4	81		17/2	—	7	84	
	10	—	9	11		17/3	—	2	53	
	12	—	2	53		18/1	—	6	83	
	13	—	13	41		24/1	—	3	54	
	16	—	—	25		25	—	14	16	
	17/1	—	9	36		32/21	—	—	51	
	17/2	—	4	81		41/1/1	—	7	59	
	24	—	1	77		1/2	—	7	33	
	25	—	12	65		2	—	2	28	
	143/5	—	6	68		9/1/2	—	10	88	
	144/1	—	7	58		8/1/1	—	3	04	
	9	—	3	79		13	—	11	64	
	10	—	11	38		14	—	7	08	
	12	—	13	15		41/16	—	7	84	
	13	—	4	81		17/1	—	7	33	
	17	—	6	58		17/2	—	—	51	
	18	—	11	13		25	—	5	32	
	25	—	9	36		40/21	—	13	15	
	149/21/1	—	—	50		22/2	—	—	25	
	150/9/2	—	11	38		61/1/1	—	2	28	
122	150/10	—	6	57		2/1	—	4	55	
	12	—	3	04		2/2	—	10	12	
	13	—	5	82		3/2	—	1	26	
	14	—	—	25		7/1	—	2	28	
	16	—	—	51		7/2	—	1	26	
	17	—	7	84		8	—	14	16	
	24	—	1	26		9	—	—	51	
	25	—	14	68		14	—	10	63	
	151/5	—	7	08		15	—	7	33	
	152/5	—	1	52		16/1	—	2	28	
	53/1/1	—	9	10		16/2/1	—	2	52	
	1/2	—	5	32		16/2/2	—	3	04	
गुजरात	110	8/19	—	6	58	62/20	—	10	87	
	20	—	1	77		21/2	—	5	06	
	23/2	—	1	26		22	—	13	16	
	24/1	—	1	01		23/1	—	—	25	
	18/4	—	14	92		64/11	—	7	33	
	3	—	—	76		64/19	—	9	61	
	5/2	—	2	28		20	—	7	59	
	6	—	13	65		22	—	5	31	
	17/10/2	—	—	51		23	—	5	82	
	10/3	—	—	04		65/2/1	—	1	52	
	11	—	10	88		2/2	—	1	01	
	12	—	8	60		3	—	14	67	
	17/18	—	11	38		4	—	1	52	
	19	—	7	08		6	—	4	04	
	23	—	4	55		7	—	13	66	
	24	—	12	65		27/24	—	3	29	
	30/5/1	—	13	41		28/4	—	8	34	
	31/9	—	3	54		5	—	13	66	
	30/4	—	3	54		29/1/1	—	2	54	
	31/10	—	14	17		8/2	—	—	25	
	12	—	11	39						

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
गोविंदपुर नगरी—जारी	9		—	7	33	गोविंदपुर नगरी—जारी	7/3		—	5	82
10/1		—	—	5	57		47/5		—	7	08
10/2		—	—	7	08		15/1/1		—	4	55
12/1		—	—	66	07		57/3		—	—	51
12/2		—	—	—	51		4/2		—	13	66
13/2		—	—	12	64		5/1		—	4	05
17/1		—	—	7	84		5/3		—	—	25
16		—	—	1	01		6/1		—	8	85
17/2		—	—	3	54		6/2		—	1	01
28/18		—	—	2	78		58/10		—	3	54
24/2		—	—	1	01		10/2		—	5	06
25		—	—	14	93		11/1		—	8	60
30/21		—	—	3	04		12/1		—	8	35
35/1/1		—	—	6	58		12/2		—	—	25
1/2		—	—	3	79		18		—	11	89
2		—	—	8	09		19		—	7	08
8		—	—	8	60		23		—	3	54
9		—	—	8	85		24/1		—	6	07
13/2		—	—	5	31		24/2		—	5	56
13/1		—	—	1	26		25		—	—	51
14/1		—	—	7	84		62/1		—	3	54
14/2		—	—	3	29		9		—	8	09
16/3		—	—	13	15		10		—	11	63
17/1		—	—	3	54		12/3		—	—	76
25/1		—	—	—	76		12/2		—	6	07
34/20/1		—	—	—	76		62/13/1		—	12	15
21		—	—	14	67		16		—	1	52
22/1		—	—	3	04		17		—	14	67
41/2/1/1		—	—	1	52		18		—	2	78
41/2/1/1		—	—	1	52		24		—	—	51
2/1/2		—	—	3	03		25		—	3	79
2/2/2		—	—	2	02		63/4/1		—	1	27
3/3		—	—	6	08		5/1		—	3	04
41/7/1		—	—	1	77		5/2		—	11	38
7/3		—	—	7	08		8/4		—	—	—
8/4		—	—	8	84		14		—	3	54
15		—	—	5	81		15		—	13	41
16/2		—	—	12	90		21		—	—	—
42/20		—	—	2	28		22		—	1	77
18/2/2		—	—	14	67		4/16		—	10	12
21/1		—	—	1	01		25		—	6	83
22/1		—	—	1	01		9/21		—	2	34
22/2		—	—	2	53		14/1		—	11	63
23		—	—	10	37		2		—	2	78
46/11/1		—	—	2	02		8/2		—	1	01
18/1		—	—	9	36		9		—	14	67
18/2		—	—	6	07		12/1		—	—	76
20		—	—	4	30		13/1		—	12	90
22		—	—	6	07		13/2		—	1	52
23		—	—	3	04		17/1/2		—	5	79
24/1		—	—	14	42		17/2		—	8	85
47/2		—	—	—	76		14/18/1		—	3	04
3		—	—	—	26		24		—	5	57
4		—	—	14	16		25/1		—	10	87
7/1		—	—	5	08		28/5/1		—	6	07
		—	—	4	55						

1	2	3	4	5	6
मेहरा (जारी)	29/1/2	—	2	78	
	9	—	4	81	
	10	—	10	62	
	12	—	13	40	
	13	—	2	78	
	18	—	14	17	
	17	—	1	01	
	23	—	1	01	
	24	—	13	65	
	25	—	6	58	
	34/20/1	—	1	77	
	21	—	12	40	
	22	—	8	34	
	35/1	—	12	14	
	9	—	14	67	
	8	—	3	04	
	10	—	2	78	
	13	—	10	62	
	14/1	—	10	62	
	14/2	—	—	51	
	35/16	—	14	92	
	17	—	3	54	
	25/1	—	—	25	
	36/5	—	8	10	
	57/2	—	5	8	
	3	—	13	66	
	4	—	1	01	
	6	—	3	54	
	7	—	14	42	
	8	—	—	76	
	15	—	11	12	
	58/11	—	7	84	
	18	—	1	01	
	19	—	13	66	
	20	—	4	56	
	22	—	1	01	
	23	—	14	17	

[सं. प्रार-31015/1/90-ओ. प्रार-1]

कुलदीप सिंह, मंत्री सचिव

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification are hereby acquired;

And further in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of the said section, the Central Government hereby directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government, vest, free from all encumbrances, in the Indian Oil Corporation Limited.

## SCHEDULE

Tehsil : Sunam		District : Sangrur		State : Punjab	
Name of Village	Hadbast No.	Survey No./Khasra No./Mustaeeel No./Killa No.	Area Hectare	Area	Square Meter
Sehal	131	14/25 21/5 22/1/1 1/2 2	— — — — —	4 8 8 5 1	30 35 09 06 52
		7	—	—	50
		8/2 8/3 8/4 0	— — —	02 2 6	02 78 58
		9	—	12	15
		10/1 13/2 14 16/1 23/20/2	— — — — —	1 1 14 9 4	27 52 41 36 05
		23/1 24/1 36/21 22	— — — —	11 — 12 3	63 25 91 29
		28	—	2	02
		37/9/1 10/1 12/1 13/1/1	— — — —	4 12 9 9	55 40 10 36
		37	—	—	—
		13/2	—	1	76
		14	—	—	76
		16	—	8	35
		17	—	13	67
		18	—	1	26
		25	—	3	28
		38	—	2	28
		3/2	—	13	41
		4	—	9	35
		5/1	—	1	01
		6/1	—	4	05
		6/2	—	10	37
		47/2	—	12	90
		3/1	—	—	—
		4	—	1	01
		6	—	14	92
		7	—	1	01
		8/2	—	—	—

S.O. 209.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas No. S.O. 2811, dated the 3rd November, 1990, issued under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) (hereinafter referred to as the said Act), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline for the transport of petroleum;

And whereas the copies of the Gazette notification were made available to the public on 7th November, 1990;

And whereas the Competent Authority in pursuance of sub-section (1) of section 6 of the said Act has made his report to the Central Government;

And whereas the Central Government after considering the said report is satisfied that the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification should be acquired;

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6	
S <sup>h</sup> ai <sup>l</sup> -(contd.)	131	14	—	—	25	Samuran (continued)	134	21	—	—	25	
	15/1	—	12	65			22	—	12	65		
	15/2	—	2	03			23	—	5	81		
	16	—	—	25			6/11	—	8	85		
	48	—	—	—			19	—	10	62		
	—	—	—	—			20	—	7	08		
	11	—	2	27			22	—	5	06		
	19	—	3	03			23/1	—	7	33		
	20	—	14	17			23/2	—	2	53		
	48	—	—	—			7/3	—	9	61		
	—	—	—	—			4	—	7	85		
	22/2/2	—	13	41			7	—	9	61		
	50/11	—	4	55			6/1	—	—	25		
	51/3/1	—	1	52			6/2	—	7	09		
	3/3	—	4	05			15/1	—	1	52		
	4/2	—	4	05			15/2	—	6	06		
	6	—	5	06			16/3/2	—	2	02		
	7	—	12	14			5/1	—	1	77		
	15	—	11	39			6/1	—	7	08		
M <sup>un</sup> shiwala	135	6/2/1	—	12	39		6/2	—	6	83		
	22	—	0	51			17/10	—	1	02		
	7/16	—	2	27			11	—	14	66		
	17	—	10	12			17/12	—	2	28		
	24/2	—	—	25			19	—	12	90		
	25	—	11	38			18/1	—	3	04		
	9/2	—	13	91			23	—	10	63		
	3	—	8	34			24	—	7	08		
	6	—	4	05			20/4/2	—	7	85		
	7	—	14	17			5	—	8	35		
	8	—	5	31			6	—	7	34		
	15	—	9	11			19/10	—	9	87		
	10/11	—	13	41			11/1	—	—	25		
	12	—	1	52			11/2	—	5	82		
	18	—	9	87			12/1	—	9	87		
	20	—	—	51			12/2	—	2	28		
	10/23	—	2	78			17/2	—	—	25		
	24	—	13	91			18/1	—	5	31		
Safipur Khurd	133	29/25/1	—	—	—		18/2	—	9	36		
	41/1	—	1	52			19	—	3	53		
	9	—	3	54			23/1/2	—	2	27		
	10/1	—	13	92			24/1	—	1	52		
	10/2	—	—	25			24/2	—	11	38		
	12	—	12	15			25	—	—	76		
	13	—	5	31			36/4	—	1	01		
	17	—	6	58			5	—	1	52		
	18/1	—	5	31			16/15	—	—	75		
	18/2	—	5	82			Kamalpur	126	93/2	—	1	02
	24	—	9	36				8	—	2	53	
	25	—	8	60				9	—	14	67	
	42/5/2	—	11	38				13	—	13	15	
	6/1/2	—	—	50				14	—	4	05	
	43/5	—	7	34				113/21/2	—	13	40	
	44/1	—	10	12				22	—	—	51	
	9	—	12	13				114/16/1/2	—	4	80	
	10	—	5	82				120/1	—	1	26	
	12	—	3	54				3	—	1	52	
	13	—	14	42				8	—	11	89	
	14	—	—	25				13	—	—	25	
	17	—	5	06				15/2	—	—	51	
	133	44/18	—	1	77			16	—	11	88	
								121/20	—	6	07	
								21	—	10	12	
								22/1	—	1	01	
								22/2	—	4	55	
Samuran	134	2/19	—	1	77			132/20	—	13	91	
								21	—	2	78	

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
Kamalpur— (Continued)	126	22	—	14	41	Khanal Kalan (continued)	122	9/1	—	1	77
		23	—	—	51		13/2	—	—	—	25
		133/2	—	8	60		14	—	8	35	
		3	—	8	86		15	—	2	78	
		133/7	—	10	37		16	—	9	11	
		8	—	7	59		117/2/2	—	4	04	
		14	—	5	06		3	—	14	41	
		15/1	—	6	32		4/2	—	2	53	
		15/2	—	5	06		6	—	8	09	
		16	—	1	52		7	—	12	14	
		140/2	—	1	26		15	—	4	81	
		3	—	15	18		118/11/1	—	3	29	
		4	—	1	77		11/2	—	4	05	
		6	—	2	28		12	—	1	51	
		7	—	14	17		118/18	—	6	83	
		8	—	—	25		20	—	—	50	
		14	—	—	25		23	—	7	83	
		15	—	13	91		25	—	—	25	
		141/11	—	3	04		130/1	—	4	81	
		19	—	2	78		10	—	9	11	
		20	—	12	90		12	—	2	53	
		21	—	—	25		13	—	13	41	
		16	—	—	—		16	—	—	25	
Khanal Khurd	121	28/12	—	1	26		17/1	—	9	36	
		13	—	9	11		17/2	—	4	81	
		18	—	2	28		24	—	1	77	
		17	—	4	80		25	—	12	65	
Khanal Kalan	122	49/23	—	7	08		143/5	—	6	58	
		24	—	0	25		144/1	—	7	58	
		50/3	—	2	02		9	—	3	79	
		4	—	14	42		10	—	11	38	
		6/1	—	6	57		12	—	13	15	
		6/2	—	6	58		13	—	4	81	
		51/10	—	2	28		17	—	6	58	
		11	—	9	86		18	—	11	13	
		12	—	8	35		25	—	9	36	
		18/1	—	2	78		149/21/1	—	—	50	
		19	—	7	59		150/9/2	—	11	38	
		23/2	—	2	53		156/10	—	6	57	
		77/13/2	—	8	09		12	—	3	04	
		17	—	8	85		13	—	5	82	
		18	—	7	58		14	—	—	25	
		24	—	3	54		16	—	—	51	
		25	—	12	89		17	—	7	84	
		82/5	—	2	78		24	—	1	26	
		83/1	—	14	67		25	—	14	68	
		2	—	1	26		151/5	—	7	08	
		8	—	3	04		152/5	—	1	52	
		9	—	14	42		53/1/1	—	9	10	
		13	—	11	89		1/2	—	5	32	
		14	—	6	58	Gujran	110	8/19	—	6	58
		16	—	8	86		20	—	1	77	
		17	—	9	36		23/2	—	1	26	
		83/25	—	7	34		24/1	—	1	01	
		84/21	—	11	89		18/4	—	14	92	
		104/20	—	6	83		2	—	—	76	
		21/1	—	7	08		5/2	—	2	28	
		22	—	10	12		6	—	13	65	
		105/1	—	3	54		17/10/2	—	—	51	
		2	—	14	17		10/3	—	4	04	
		3/1	—	—	25		11	—	10	88	
		7	—	2	53		12	—	8	60	
		8	—	14	93		17/18	—	11	38	
		19	—	—	—		19	—	7	08	

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
Gujran (Continued)	110	23	—	4	55	Gobindpur	57	12/1	—	6	07
		24	—	12	65	Nagri	12/2	—	—	—	51
		30/5/1	—	13	41	(continued)	13/2	—	12	64	
		31/9	—	3	54		17/1	—	7	84	
		30/4	—	3	54		16	—	1	01	
		31/10	—	14	17		17/2	—	3	54	
		12	—		39		29/18	—	2	78	
		13	—	—	8		24/2	—	1	01	
		17/1	—	—	—		25	—	14	93	
		17/2	—	—	7		30/21	—	13	04	
		17/3	—	—	2		35/1/1	—	6	58	
		18/1	—	—	6		1/2	—	3	79	
		24/1	—	—	3		2	—	8	09	
		25	—	—	14		8	—	8	60	
		32/21	—	—	—		9	—	8	85	
		41/1/1	—	—	7		13/2	—	5	31	
		1/2	—	—	7		13/1	—	1	26	
		2	—	—	2		14/1	—	7	84	
		9/1/2	—	—	10		14/2	—	3	29	
		8/1/1	—	—	3		16/3	—	13	15	
		13	—	—	11		17/1	—	3	54	
		14	—	—	7		25/1	—	—	76	
		41/16	—	—	7		34/20/1	—	—	76	
		17/1	—	—	7		21	—	14	67	
		17/2	—	—	—		22/1	—	3	04	
		25	—	—	5		41/2/1/1	—	1	52	
		40/21	—	—	13		2/1/2	—	3	03	
		22/2	—	—	—		2/2/2	—	2	02	
		61/1/1	—	—	2		3/2	—	6	08	
		2/1	—	—	4		41/7/1	—	1	77	
		2/2	—	—	10		7/3	—	7	08	
		3/2	—	—	1		8/4	—	8	84	
		7/1	—	—	2		14	—	5	81	
		7/2	—	—	1		15	—	12	90	
		8	—	—	14		16/2	—	2	28	
		9	—	—	—		42/20	—	14	67	
		14	—	—	10		19/2/2	—	1	01	
		15	—	—	7		21/1	—	1	01	
		16/1	—	—	2		22/1	—	2	53	
		16/2/1	—	—	2		22/2	—	10	37	
		16/2/2	—	—	03		23	—	2	02	
		62/20	—	—	10		46/11/1	—	9	36	
		21/2	—	—	5		19/1	—	6	07	
		22	—	—	13		19/2	—	4	30	
		23/1	—	—	—		20	—	6	07	
		64/11	—	—	7		22	—	3	04	
		64/19	—	—	9		23	—	14	42	
		20	—	—	7		24/1	—	—	76	
		22	—	—	5		47/2	—	—	26	
		23	—	—	5		3	—	14	16	
		65/2/1	—	—	1		4	—	5	06	
		2/2	—	—	1		7/1	—	4	55	
		3	—	—	14		7/3	—	5	82	
		4	—	—	1		47/6	—	7	08	
		6	—	—	04		15/1/1	—	4	55	
		7	—	—	13		57/3	—	—	51	
Gobindpur	57	27/24	—	3	29		4/2	—	13	66	
Nagri		28/4	—	8	34		5/1	—	4	05	
		5	—	13	66		5/3	—	—	25	
		29/1/1	—	2	54		6/1	—	8	85	
		8/2	—	—	25		6/2	—	1	01	
		9	—	7	33		58/10/1	—	3	54	
		10/1	—	5	57		10/2	—	5	06	
		10/2	—	7	08		11/1	—	8	60	
							12/1	—	8	35	

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
Gobindpur	57	12/2	—	—	25	Mehlan	54	9	—	4	81
Nagri		18	—	11	89	(contd.)		10	—	10	62
(continued)		19	—	7	08			12	—	13	40
		23	—	3	54			13	—	2	78
		24/1	—	6	07			18	—	14	17
		24/2	—	5	56			17	—	1	01
		25	—	—	51			23	—	1	01
		62/1	—	3	54			24	—	13	65
		9	—	8	09			25	—	6	58
		10	—	11	63			34/20/1	—	1	77
		12/1	—	—	76			21	—	12	40
		12/2	—	6	07			22	—	8	34
		62/13/1	—	12	15			35/1	—	12	14
		16	—	1	52			9	—	14	67
		17	—	14	67			8	—	3	04
		18	—	2	78			10	—	2	78
		24	—	—	51			13	—	10	62
		25	—	3	79			14/1	—	10	62
		63/4/1	—	1	27			14/2	—	—	51
		5/1	—	3	04			35/16	—	14	92
		5/2	—	11	38						
Mehlan	54	3/20	—	3	54			17	—	3	54
		21	—	13	41			25/1	—	—	25
		22	—	1	77			36/5	—	8	10
		4/16	—	10	12			57/2	—	5	81
		25	—	6	83			3	—	13	66
		9/21	—	7	34			4	—	1	01
		14/1	—	11	63			6	—	3	54
		2	—	2	78			7	—	14	42
		8/2	—	1	01			8	—	—	76
		9	—	14	67			15	—	11	12
		12/1	—	—	76			58/11	—	7	84
		13/1	—	12	90			18	—	1	01
		13/2	—	1	52			19	—	13	66
		17/1/2	—	5	79			20	—	4	56
		17/2	—	8	85			22	—	1	01
		14/18/1	—	3	04			23	—	14	17
		24	—	5	57						
		25/1	—	10	87						
		28/5/1	—	6	07						
		29/1/2	—	2	78						

[No. R-31015/1/90-O.R.I.]

KULDIP SINGH, Under Secy.

पैट्रोलियम और रसायन भंशालय  
(पैट्रोलियम और नैसर्गिक वायु विभाग)

नई विल्ली, 1 जनवरी, 1992

का. आ. 210.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि, लोकसभा में यह आवश्यक है कि महाराष्ट्र राज्य, जिला रायगढ़ में मौजे बोरीस, तहसिल-अलिबाग से मौजे सभाव, तहसिल-मुरुह जंजिरा तक नैसर्गिक गैस परिवहन के लिये पाईय लाईन गैस अथर्विटी और इंडिया, नई विल्ली-110066 द्वारा बिछाई जानी आहिये।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाईनों को बिछाने के प्रयोगन के लिये एतद्वावद्ध अमुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पैट्रोलियम और अन्तिज पाईय लाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की पारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का अधिकार अर्जित करने का अपना आवश्यक एतद्वावा घोषित किया है।

बेशर्ते की उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उम भूमि के नीचे पाई लाई बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, गैस आर्थारिटी आक इंडिया, प्रभू निवास, दुसरा मंजला, तहसिल-अलिबाग जिला-रायगढ़ को इस प्रविसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्विष्टः सह भी कथन करेगा की यह जाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत स्वरूप से हो या किसी विधि व्यवहारी के मार्फत।

परिणिष्ट

राज्य : महाराष्ट्र

जिला - रायगढ़

तहसिल—अलिबाग

गांव	संख्या नंबर	हिस्सा नंबर	गट नंबर	क्षेत्र		
				हेक्टर	आर	सेंटीआर
जानाव	67	9 + 15 भाग	—	0	05	20
	67	4 + 6 + 8 + 16 भाग	—	0	03	00
	67	22 + 17 भाग	—	0	04	70
	67	13 भाग	—	0	03	40
	67	14 + 18 + 19 भाग	—	0	12	70
	65	1 + 2-ए भाग	—	0	09	70
	65	1 + 2-बी भाग	—	0	00	20
	65	3 भाग	—	0	17	50
	75	1 भाग	—	0	10	40
	76	4-ए भाग	—	0	01	80
	76	3 भाग	—	0	17	40
	78	4 भाग	—	0	05	40
	83	0 भाग	—	0	16	00
	82	0 भाग	—	0	13	80
	92	0 भाग	—	0	05	20
	66	1 भाग	—	0	05	20
	66	2-ए भाग	—	0	03	60
	66	2-बी भाग	—	0	06	30
	66	3-ए भाग	—	0	04	50
	66	4 भाग	—	0	04	80
	1	1 भाग	—	0	06	80
	1	2 भाग	—	0	06	40
	1	3 भाग	—	0	07	20
	1	4 भाग	—	0	04	40
	2	2 ए-2-बी भाग	—	0	20	00

[न. 14016/63/90-जी पी]

MINISTRY OF PETROLEUM AND CHEMICALS  
(Department of Petroleum and Natural Gas)

New Delhi, the 1st January, 1992

S.O. 210.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Natural Gas, from Boris, Tahsil-Alibag, District-Raigad to village Salav, Tahsil-Murud Janjira, District-Raigad in the state of Maharashtra pipe line should be

laid through the agency of Gas Authority of India, New Delhi-110066.

And whereas it appears to the Central Govt. that for the purpose of laying such pipe lines, it is necessary to acquire the Right of user in the lands described in the schedule annexed hereto:

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals pipe lines (Acquisition of Right of user in the land) Act

1962 (50 of 1962), the Central Govt. hereby declares its intention to acquire the right of user in the lands referred in the schedule :—

Provided that any person interested in the said lands having any objection for laying the pipe line through the said lands may prefer any objections within 21 days from the date of publication of

the Notifications to the Competent Authority, Gas Authority of India, Prabhu Niwas, second floor, At. Post Tahsil-Alibag, District-Raigad, Maharashtra state.

And every person making such an objection shall state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

### SCHEDULE

State : Maharashtra

District: Raigad

Tahsil : Alibag

Village	Survey No.	Hissa No.	Gat No.	Area		
				Hector	Aro	C. Are
Khanav	67	9+15 Part.	—	0	05	20
	67	4+6+8+16 Part.	—	0	03	00
	67	12+17 Part	—	0	04	70
	67	13 Part	—	0	03	40
	67	14+18+19 P.	—	0	12	70
	65	1+2+A Part	—	0	09	70
	65	1+2+B Part	—	0	00	20
	65	3 Part	—	0	17	50
	75	1 Part	—	0	10	40
	76	4-A Part	—	0	01	80
	76	3 Part	—	0	17	40
	78	4 Part	—	0	05	40
	83	0 Part	—	0	16	00
	82	0 Part	—	0	13	80
	92	0 Part.	—	0	05	20
	66	1 Part	—	0	05	20
	66	2-A Part	—	0	03	60
	66	2-B Part	—	0	06	30
	66	3-A Part	—	0	14	50
	66	4 Part	—	0	04	80
	1	1 Part	—	0	06	80
	1	2 Part	—	0	06	40
	1	3 Part	—	0	07	20
	1	4 Part	—	0	04	40
	2	2-A 2-B Part	—	0	20	00

[No. O-14016/63/90-GP]

## गुद्धि पत्र

का. आ. 211.—भारत सरकार के तारीख 9-3-91 के राजपत्र भाग II, खंड 3 उप खंड (ii) के पृष्ठ संख्या 1173 पर प्रकाशित अधिसूचना में निम्न विवरण अनुसार संशोधन कर पढ़ा जाएः संशोधन स्वरूप उसे निम्न तालिका के कालम 4 में दिए गए अनुसार पढ़े।

अधिसूचना संख्या	ग्राम	निम्न के स्थान पर						निम्न पढ़े					
		क्रम संख्या	मकान	एच	आर	सी	आर	क्रम संख्या	मकान	एच	आर	सी	आर
का. आ. सं. 700 गूंजिस	34-ए भाग	12-ए	0	25	49	34-ए		12-ए भाग	0	16	49		
					34-ए			12-बी	0	04	00		
					34-ए			12-बी	0	05	00		
					2-ए			2-ए	0	25	49		

[ओ-14016/1/91/जी.पी.]

## CORRIGENDUM

S.O.211.—The partial modification to the notification published in Govt. Gazette of India, Part II Section 3 sub section (ii) dtd. 9-3-91 page No. 1173 may be made as per detailed given hereunder :

Notifi- cation No.	Village	May be read as					In place of				
		S.No.	H.No.	H	R	CR	S.No.	H.No.	H	R	CR
S.O. 700	Gunjis	34-A	12-A	0	16	49	34-A	12-A	0	25	49
			Part					Part			
		34-A	12-B	0	04	00					
			1-A								
		34-A	12-B	0	05	—00					
			2-A	0	25	49					

[O-14016/1/91-G.P.]

## गुद्धि पत्र

का. आ. 212.—भारत सरकार के राजपत्र भाग II, खंड 3(ii) तारीख 5-9-91 में का. आ. सं. 571 (ई) के संदर्भ में प्रकाशित बवाना ग्राम की अधिसूचना में संशोधन स्वरूप उसे निम्न तालिका के कालम 4 में दिए अनुसार पढ़े

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
जिला	ग्राम	खसरा संख्या	अधिग्रहीत थेल बीघा	विष्वा
दिल्ली	बवाना	98/19/1	0	9

[ओ-14016/1/91-जी.पी.]

## CORRIGENDUM

S.O. 212.—that partial modification to the notification published in Govt. Gazette of India Part II Section 3 sub section (ii) dated 5-9-91 page no. 571(E) may be made as per detailed given hereunder :

District	Village	Khasra No.	Acquired area	
			Bigha	Vishwa
Delhi	Bawana	98/19/1	0	9

[O-14016/1/91-G.P.]

## मूल्यना

का. आ. 213.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में दण्ड ट्रैप औफ से जी. एस. एफ. सी. तक पैट्रोलियम के परिवहन के लिये पाईप लाइन गैस ओपोरिटी आफ इंडिया लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए ।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाईनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्पावड़ अनुमूल्यी में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

यतः अब पैट्रोलियम और खनिज पाईप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) का धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाईप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी गैस ओपोरिटी आफ इंडिया लि. दर्पण निलिङ्ग, आर. सी. दत्त रोड बड़ोदरा को इस अधिमूल्यना की तारीख से 21 विनों के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टः यह भी करन करेगा कि क्या यह चाहता है कि उसकी मुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

## अनुमूल्यी

दण्ड गांव — हेप आफ से जी एस एफ सी लाईन  
राज्य:—गुजरात जिला—बड़ोदरा तहसील—बड़ोदरा

गांव	सर्वे नम्बर	हैक्टेयर	आरे	सेन्टिअरे
दण्ड	325	0	0.4	50

राजाव महर्षि, उप सचिव

[ओ—14016/63/91-जी पी]

S.O. 213.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Dasharada Tap-off to G.S.F.C. in Gujarat State pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act,

1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. Darpan Building R. C. Dutt Road, VADODARA-5.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

## SCHEDULE

For Dasharath Village Tap-off to G.S.F.C. line

State : Gujarat

District : Baroda

Taluka : Baroda

Village	Block No.	Hector	Area	Contiare
Dasharath	325	0	04	00

[No. O-14016/63/91-GP]  
RAJIV MEHRSHI, Dy. Secy.

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

नई दिल्ली, 27 दिसम्बर, 1991

का.आ. 214.—केन्द्रीय सरकार, होमियोपैथी केन्द्रीय परिषद अधिनियम, 1973 (1973 का 59) की धारा 13 की उपधारा (2) द्वारा प्रवत शक्तियों का प्रयोग करते हुए, होमियोपैथी केन्द्रीय परिषद से परामर्श फरने के पश्चात् उक्त अधिनियम की दूसरी अनुसूची में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिनियम की दूसरी अनुसूची में, "कर्नाटक" शब्दक के नीचे मव एवं और उसमें संरेखित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित मद और प्रविष्टियां अन्तःस्थापित की जायेगी, अर्थात् :—

1	2	3	4
"ज्ञ गुलबारी विष्वनिधालय	बैचलर आफ होमियोपैथिक मेडिसिन एंड सर्जरी	बी.एच.एम. एस	1990 से 1993 तक"

[सं. ब-27021/16/89-होमो.]

आर.के. मुख्य, निदेशक

टिप्पण : मूल अधियमूलना भारत के राजपत्र, माय 2, खंड 1 में का.आ. मं. 76 तारीख 20 दिसम्बर, 1973 के अधीन अधिसूचित की गई थी।।

## MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE

New Delhi, the 27th December, 1991

S.O. 214.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 13 of the Homoeopathy Council Act, 1973 (39 of 1973), the Central Government, after consulting the Central Council of Homoeopathy, makes the following amendment in the Second Schedule to the said Act, namely :—

in the Second Schedule to the said Act, under the heading 'Karnataka' after item 7A and the entries following thereto, the following item and entries shall be inserted namely :—

1	2	3	4
73. Gulbarga University	Bachelor of Homoeopathic Medicine and Surgery	B.H.M.S.	From 1990 to 1993"

[No. V-27021/16/89-Homoco]

R. K. MUKHI, Director

NOTE :—The Principal Notification was notified S.O. No. 76 dated 20-12-1973 in Part II Section 1 of Gazette of India.

ज्ञानी विकास मंत्रालय

(निर्माण प्रभाग)

नई दिल्ली, 2 जनवरी, 1992

का.आ. 215.—एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि राजघाट समाधि अधिनियम, 1951 (1951 का 41) की धारा 4 की उपधारा (1) के अण्ड (प) के अनुसार दसवीं लोक सभा के सदस्य श्री राम राम थावक को राजघाट समाधि समिति के सदस्य के रूप में चुना गया है।

[सं. 25011/7/85-निर्माण-3]

बी.एस. रमन, उप सचिव

## MINISTRY OF URBAN DEVELOPMENT

(Works Division)

New Delhi, the 2nd January, 1992

S.O. 215.—It is hereby notified that Shri Ram Sharan Yadav a Member of the Tenth Lok Sabha, has been elected as Member of the Rajghat Samadhi Committee in accordance with clause (d) of Sub-section (1) of Section 4 of the Rajghat Samadhi Act, 1951 (No. 41 of 1951).

[No. 25011/7/85-W-3]

V. S. RAMAN, Dy. Secy.

श्रम संवादात्मक

नई दिल्ली, 20 दिसम्बर, 1991

क्र.प्र. - 216—श्रीधारिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) का धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार मार्गीय स्टेट बैंक के प्रबन्धताल के सबै नियमों और उनके वासिकारों के बार्च, अनुबंध में निर्दिष्ट श्रीधारिक विवाद में केन्द्रीय सरकार श्रीधारिक अधिकारण व श्रम न्यायालय, चंडीगढ़ के अंतर्पत का प्रकाशित करता है, जो केन्द्रीय सरकार वो 19-12-91 को प्राप्त हुआ था।

## MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 20th December, 1991

S.O. 216.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Chandigarh as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of State Bank of India and their workmen, which was received by the Central Government on 19-12-1991.

## ANNEXURE

BEFORE SHRI ARVIND KUMAR, PRESIDING OFFICER  
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-  
CUM-LABOUR COURT, CHANDIGARH.

I. D. No. 31/87

V. K. Arora

Vs.

State Bank of India.

For the workman—Shri J. C. Verma Advocate.

For the management—Shri T. S. Doabia Advocate.

## AWARD

Central Government vide Gazette Notification No. L-12021/334/86-D.II (A) dated 6th May 1987 issued U/S 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947 referred the following dispute to this Tribunal for decision :

“Whether the action of the Regional Manager, Region I, State Bank of India, Chandigarh in terminating the service of Shri Varinder Kumar Arora, Clerk-cum-cashier at the Hall Bazar, Amritsar Branch w.e.f. 13-12-83 is legal and justified ? If not, to what relief is the said workman entitled ?”

2. Claim of the petitioner as set out in the claim statement that he was employed as clerk-cum-cashier with the respdt. on 3-10-1973 and was confirmed on 3-4-74 and had been working efficiently when suddenly he was suspended on 24-5-1980 in connection with an incident of shortage of Rs. 30,000 occurred on 12-5-1980. It was alleged that when the said amount is said to have been missing one Gurdeep Singh Cash Kuli was also in the cabin alongwith the petitioner whereas the petitioner at that time had gone out of cabin at about 1.30 P.M. went to deputy head cashier for making some entries in the accounts books and on his return after five minutes he found Rs. 30,000 missing. On his asking Gurdeep Singh cash kuli could not reply satisfactorily and he informed the Deputy Manager Sh. N. L. Joshi who instead of closing doors of the branch acted carelessly and even Gurdeep Singh cash kuli was not searched personally. It was also alleged that the management instead of sympathising resorted to coercive tactics and got a letter written from him that he would make good the said shortage, at 9-00 P.M. although working hours are 9-45 AM to 4-45 PM. It was also alleged that on the following day i.e. 13-5-80 he requested the respdt. management of proper investigation of missing amount by lodging a complaint but no action was taken. But however at 6-00 PM respdt. made false report against him with mala fide intention without mentioning the name of Gurdeep Singh cash kuli which resulted in registration of case U/S 409 of IPC which resulted in acquittal. Appeal against acquittal was also dismissed by the High Court. It was further submitted that instead of honouring the judge-

ment after acquittal when the workman submitted applications for reinstating him but the management did not take any action. Although he was entitled to reinstatement after acquittal in terms of para 521(c) of Sastri Award approved by Desai Award in para 8-28. It was further alleged that in order to cover up the illegality, started disciplinary proceedings while issuing charge sheet on 24-5-1982 which was illegal and against the principal of natural justice and also that material documents when asked by him vide his representations dated 7-6-82 and 21-7-82 were not supplied and rejected. The domestic inquiry was totally illegal, unjustified and unwarranted and against the principal of natural justice. It was further stressed that appointment of the Enquiry Officer vide letter dated 25-11-1982 without supplying the documents and fixing the date by the Enquiry Officer on 3-12-1982 was also illegal for the reason that no enquiry officer can be appointed or enquiry be held unless and until the workman is supplied the documents for preparation of his defence. It was also stressed that he was also not allowed to engage the counsel. It was also averred that he was not aware of the material documents at the starting of the enquiry relying by the management and the same is liable to be vitiated being against the principal of natural justice. Action of the enquiry officer was also mala fide and was given with biased mind. Letters of the petitioner dated 13-12-1982 for staying of the proceedings was also not called to. The letter dated 22-12-1982 for supplying the documents was also not complied with. The adjournments sought by his wife was taken as avoiding to face the enquiry vide proceedings dated 18-1-1983. The enquiry officer adopted very rigid attitude and after hot discussion on 7-3-1983 the enquiry officer directed the management to produce the documents. However the respdt. management vide letter dated 21-3-1983 denied the copies of the documents. It was also stressed that the failure of the management to supply of the documents has caused prejudice to the workman. That his letter dated 10-5-1983 was also rejected. He was also not allowed to cross-examine the witnesses of the Bank. It was also alleged that without giving proper opportunity the enquiry was closed which was wholly illegal and further the order dated 13-12-1983 terminating the services of the workman by way of dismissal is wholly illegal and unjustified and also the appellate order dated 2-3-1984 passed against the workman and prayed for the reinstatement of the workman with full back wages.

3. Claim of the workman was contested by the respdt. Bank. Preliminary objection was taken that the petitioner was acquitted by giving him the benefit of doubt but not completely exonerated of the guilt. The mere acquittal in a criminal case does not bar the departmental proceedings according to para 521 of the Sastri Award. On merits it was contended that the shortage of Rs. 30,000 was found on 12-5-1980 and the petitioner admitted the shortage in his letter written on 12-5-1980; but he tried to put forward a story that the amount was done away by one Shri Gurdeep Singh cash coolie which was not found convincing. Further stand put forward by the workman that he had gone out of the cabin for five minutes and left the cash with Gurdeep Singh cash coolie was also not believed. It was due to his negligence that the shortage in question took place and the explanation given by him was not satisfactory and thus he is guilty of committing an act of gross negligence in performance of his duties. It was admitted that FIR was lodged against the workman because he was primarily responsible for the maintenance of the accounts. It was also alleged that interpretation stated by the workman of para 521 of Sastri Award is not correct. The charge sheet was issued in accordance with law. Therefore, there is no violation of principal of natural justice. Enquiry was held in accordance with law and the sufficient opportunity was given to the workman. However the workman was very keen to prolong the proceedings and ultimately walked out of the enquiry proceedings. Enquiry Officer had been accommodating the workman throughout the inquiry proceedings and was not adopted any rigid attitude. Other allegations were also denied.

4. Petitioner also filed replication to the written statement reiterating the claim made in the claim statement.

5. In support of his case petitioner filed his affidavit as Ex. W-1 reiterating his claim in the claim statement and relied documents Ex. A-1 to A-20. The management produced Shri H. L. Mehra Manager DPD S.B.I. who filed his affidavit Ex. M-3 in evidence and also relied on documents Exs. M-1 and M-2 the letters.

6. I have heard both the parties and gone through the record and evidence of the case. Counsel for the petitioner has steadily contended that the enquiry is to be vitiated for the non supply of the documents to the petitioner enabling him for preparing the defence. There is force in this contention. Ex. A-8 dated 13-12-1982 is the application moved by the petitioner to the enquiry officer requesting the enquiry officer to stay the proceedings till the copies of documents are supplied to him. Similarly another application Ex. A-9 was moved to the enquiry officer for the supply of the various documents and a request was made that in case the date is fixed prior to the supply of the copies of the documents, it may not be possible for him to prepare his defence in absence thereof. The application of the petitioner was replied by the enquiry officer vide Ex. A-7 dated 3-1-1983 in which there is clear indication that at the start of the enquiry copies of the documents were not supplied to the petitioner as there is reference in this letter to this effect stating as follow :

"Further, all possible assistance will be given to you in providing copies of documents from the branch records (which are not in your possession) and which you may require and demand for preparation of your defence, after the presentation by the bank's representative is over but well before the defence side starts."

After pursuing the contents of Ex. A-7 it has become apparent that the petitioner was not supplied the copies of documents at the start of the enquiry. 1967 S.L.R. page 759 Tirk Nath Vs. Union of India and others has also referred in which the Hon'ble Supreme Court has held that the failure of the enquiry officer to furnish the appellant with the copies of the documents during the investigation must be held to have caused prejudice to the appellant in making his defence as at the enquiry and violate the principle of natural justice and is liable to be quashed. Similarly in 1969 S.L.R. page 436 Dhup Singh Kanungo Vs. State of Haryana and others it has been held that in view of the repeated grievance made by the petitioner that he had not been supplied copy of the report of Tehsildar which was the basic documents in framing of the charges, there is no doubt that the petitioner was seriously handicapped in his defence at the enquiry. It was the duty of the enquiry officer to furnish him a copy of that report and his failure to do so has vitiated the enquiry. Similar is the position in the present case as apparent from Ex. A-7 written by the enquiry officer to the petitioner there is clear indication that the petitioner was not supplied the copies of the documents at the start of the enquiry enabling him to prepare his defence. Thus there is violation of principle of natural justice and has caused great prejudice to the petitioner.

Next contention raised by the counsel for the workman is that the enquiry is bad as the petitioner was not allowed to engage a counsel and has referred the proceedings dated 13-12-1982. After pursuing the same the workman had made requests to the enquiry officer that he be allowed to engage a counsel for his assistance. The same was declined by the enquiry officer while saying that since he has already been allowed to defend by the representative of the registered Union no outsider is permitted to defend your case and declined the request of the petitioner to engage counsel for his assistance again violate the principle of natural justice in view of the ratio laid down in AIR 1983 Supreme Court page 109 The Board of Trustees of the Port of Bombay Vs. Dalip Kumar Raghavendranath Nadkarni and others. Following the decision laid down in AIR 1965 Supreme Court 1392 it was held that where an enquiry before the domestic tribunal the delinquent officer is pitted against a legally trained mind, if he seeks permission to appear through legal practitioner the refusal to grant this request would amount to denial of a reasonable request to defend himself and the essential principles of natural justice would be violated and vitiated the inquiry. Similarly in the present case the petitioner was not allowed to engage the counsel by the enquiry officer certainly has violated the principle of natural justice.

Counsel for the petitioner next contended that no defence opportunity was given to the petitioner and has referred the application of the workman Ex. A-15 addressed to the enquiry officer dated 26-8-1983 and Ex. A-16 another appli-

cation dated 11-9-1983 giving the detail of the defence witnesses and has also referred letter dated 20-8-1983 issued by the Regional Manager whereby workman was advised to put the defence before the inquiry officer and has also argued that the request of the workman vide application Ex. A-15 and A-16 has been rejected by the enquiry officer on 13-9-83 vide Ex. A-17 which has also caused prejudice to the workman. All the documents has been pursued. There is reference in the proceedings dated 29-7-1983 about the walking out of the present petitioner at the time of the cross-examination of the bank's witnesses Shri P. P. Sharma. Case was adjourned to 30-7-1983 on the following day without information to the present petitioner. Shri H. L. Mehra enquiry officer as appeared as MW-1 and has stated that the workman was intimated at the starting of the proceedings on day to day basis. He has also admitted that this fact was not recorded in the enquiry proceedings and has also admitted that in the proceedings dated 29-7-1983 there is no mention of the fixing of the next date. Thus the petitioner certainly could not aware of the next date fixed i.e. 30-7-1983. Shri H. L. Mehra MW-1 has also admitted in cross-examination that no proceedings has been recorded after 30th July 1983. He has also admitted the receipt of Ex. A-16. He has also admitted his letter Ex. A-17 addressed to the present workman. After pursuing the same there is clear picture that the workman was not allowed to produce his defence but was only asked his written brief in defence which certainly does not stands to judicial scrutiny because the workman had already given the list of defence witnesses numbering ten vide his letter Ex. A-16 which he wanted to examine as his defence witnesses. How they can be passed merely by submitting written brief in defence. Therefore, action of the enquiry officer rejecting the request of the workman for not producing the witnesses vide his letter Ex. A-17 is not sustainable in the eyes of law.

Next contention raised by the counsel for the petitioner is that his acquittal of the present petitioner criminal case entitles him as instalment and has referred the document Ex. A-5 the judgment. Criminal Court acquired the present petitioner of the criminal charges and Ex. A-6 dismissal of the appeal against acquittal and has argued that the management could not start the enquiry of the same charges after acquittal of the present petitioner from the Criminal Court and has referred to me AIR 1966 Mysore page 68 p. Channappa Vs. Mysore Revenue Appellate Tribunal Bangalore and others and 1984 (1) S.L.R. 409 George Varghese Vs. The Food Corporation of India Madras and others and 1982 (1) S.L.R. 573 Mohan Lal Vs. Union of India and other. After pursuing these there is no dispute of the fact that the management did not initiate the enquiry till the decision of the criminal Court. But this fact ipsofacto does not lead to vitiate the whole inquiry proceedings in view of the judgments laid down by the Hon'ble Supreme Court in JK Cotton and Spinning Company Vs. Its workmen reported in 1965 (2) L.L.J. page 153.

But however since the acquittal of the present petitioner is purely on merits not on technical grounds and further dismissal of the appeal against acquittal may be corroborative circumstances in addition to the circumstances discussed above but not the independent for vitiating the whole enquiry proceedings. Counsel for the management contended that in the event of the Tribunal coming to the conclusion that the proper opportunity was not given to the petitioner and the enquiry is bad in the eyes of law, they be allowed to adduce evidence in support of the fairness of the enquiry. This argument is not tenable because no such plea has been taken by the management in the written statement and this request cannot be accepted at this stage in view of the ratio laid down by the Hon'ble Supreme Court in 1983 Lab. I.C. 1697 Sambhu Nath Goyal Vs. Bank of Baroda.

In view of the discussion made in the earlier paras it is held that the enquiry conducted against the present petitioner certainly violates the principle of natural justice and no proper opportunity was given to the petitioner to defend his case, thus the enquiry is vitiated and termination is set aside. Consequent thereof the present petitioner is re-instated with full back wages with all consequential benefits.

Chandigarh.

ARVIND KUMAR, Presiding Officer  
[No. L-12012/334/85-D.II (A)]  
S. C. SHARMA, Desk Officer

नई दिल्ली, 20 दिसम्बर, 1991

का. आ. 217.—ओर्डरिंग विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) को धारा 17 के अनुसरण में, केंद्रीय सरकार मुनिदीह प्रोजेक्ट आफ मैसन बी.सी.सी.एल. के प्रबंधनात्म से संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बाच, अनुबंध में निर्दिष्ट ओर्डरिंग विवाद में केंद्रीय सरकार और्डरिंग अधिकारण, (सं. 1), धनबाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केंद्रीय सरकार को 18-12-91 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 20th December, 1991

S.O. 217.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal (No. 1), Dhanbad as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Moonidih Project of M/s. BCCL and their workmen, which was received by the Central Government on 18-12-1991.

#### ANNEXURE

#### BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. I, DHANBAD

In the matter of a reference under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947

Reference No. 78 of 1988

#### PARTIES :

Employers in relation to the management of Moonidih Area of M/s. B.C.C. Ltd.

AND

Their Workmen.

#### PRESENT :

Shri S. K. Mitra, Presiding Officer.

#### APPEARANCES :

For the Employers—Shri B. Joshi, Advocate.

For the Workmen—Shri S. Bose, Secretary, Rashtriya Colliery Mazdoor Sangh.

STATE : Bihar

INDUSTRY : Coal

Dated, the 29th November, 1991

#### AWARD

By Order No L-20012/239/87-D.III (A), dated the 11th July, 1988, the Central Government in the Ministry of Labour, has, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :

“Whether the action of the management of Moonidih Area of Bharat Coking Coal Limited, At and P.O. Moonidih Dist. Dhanbad is not allowing one extra increment to the following workmen (see Annexure) who were designated as Clerical Grade III on their regularisation/upgradation/promotion to clerical grade II as the case may be is justified? If not to what relief the workmen are entitled?”

#### ANNEXURE

1. Shri Sarjoo Ram Kahar.
2. Shri Sadhan Mukherjee,
3. Shri Ashis Kumar Banerjee,
4. Shri Haradhan Mousif,
5. Shri Sanjiban Mahato,
6. Shri Ram Nath Yadav,
7. Shri Bhikuram Mahato,
8. Shri Ram Ranjan Mahato,
9. Shri Amleswar Mahato,
10. Shri Naresh Banerjee,
11. Shri Dharanidhar Tiwary,
12. Shri A. B. Singh Vidhyarthi.

2. The dispute has been settled out of Court. A memorandum of settlement has been filed in Court. I have gone through the terms of settlement and I find them quite fair

and reasonable. There is no reason why an award should not be made on the basis of terms and conditions laid down in the memorandum of settlement. I accept it and make an award accordingly. The management of settlement I accept it and make an award accordingly. The memorandum of settlement shall form part of the award.

3. Let a copy of this award be sent to the Ministry as required under Section 15 of the Industrial Disputes Act, 1947.

S. K. MITRA, Presiding Officer  
[No. L-20012/239/87-D.III (A)/IR (Coal-I)]

#### BEFORE THE PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. I

DHANBAD

Reference Case No. 78 of 1988

#### PARTIES :

Employers in relation to the Management of Moonidih Area, BCCL

AND

Their workmen.

#### PETITION OF COMPROMISE

The humble petition on behalf of the parties to the above reference most respectfully sheweth :—

1. That the above dispute has been amicably settled between the parties on the following terms.

#### TERMS OF SETTLEMENT

(a) That the concerned workmen S/Shri Sarjoo Ram Kahar, Sadhan Mukherjee, Ashish Kumar Banerjee, Haradhan Mousif, Sanjiban Mahato, Ram Nath Yadav, Bhikuram Mahato, Ram Ranjan Mahato, Amleswar Mahato, Naresh Chandra Banerjee, Dharanidhar Tiwari and A. B. Singh Vidhyarthi will be deemed to have been promoted with effect from 1-7-1984 instead of being regularised in Clerical Grade-II with effect from that date.

(b) That the basic wages of the concerned workmen will be computed as on 1-7-1984 considering their cases of promotion as on 1-7-1984 and the difference of wages from 11-7-1988 (i.e. the date of reference) till date will be paid to the concerned workmen. They will not claim any difference of wages prior to 11-7-1988.

2. That in view of the above settlement there remains nothing to be adjudicated.

Under the facts and circumstances stated above the Hon'ble Tribunal will be gracious/pleased to accept the settlement as fair and proper and be pleased to pass the award in terms of settlement.

#### For workmen :

- (1) Sd/-  
(G. D. PANDEY)  
Vice-President  
Rashtriya Colliery Mazdoor Sangh  
Dhanbad
- (2) Sd/-  
(K. B. SINGH)  
Secretary  
Rashtriya Colliery Mazdoor Sangh  
Moonidih  
(Dhanbad)

#### For Employer :

- (1) Sd/-  
(S. D. SHARMA)  
General Manager (Opern.)  
Moonidih Area, BCCL
- (2) Sd/-  
Dy. Chief Personnel Manager  
Moonidih Area, BCCL

का.प्रा. 218—ओद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) का घारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, मैरम सा.मा.एल. को स्वांग कोलियरी के प्रबन्धनक से संबद्ध नियंत्रकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट ओद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार ओद्योगिक अधिकरण, (सं. 2), घनवाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 18-12-91 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 218.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal (No. 2), Dhanbad as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Swang Colliery of M/s. C.C.L. and their workmen which was received by the Central Government on 18-12-1991.

#### ANNEXURE

#### BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) AT DHANBAD

PRESENT :

Shri B. Ram, Presiding Officer.

In the matter of an industrial dispute under Section 10(1)(d)

of the I.D. Act, 1947

Reference No. 190 of 1987

#### PARTIES :

Employers in relation to the management of Sawang Colliery of M/s. C. C. Ltd., P.O. Sawang, Dist. Giridih and their workmen.

#### APPEARANCES :

On behalf of the workmen—Shri Lalit Burman, Vice-President, United Coal Workers' Union.

On behalf of the employers—Shri R. S. Murthy, Advocate  
STATE : Bihar INDUSTRY : Coal

Dhanbad, the 10th December, 1991

#### AWARD

The Government of India, Ministry of Labour in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1)(d) of the I. D. Act, 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication vide Order No. L-24012(166)/86-D.IV (B), dated, the 16th April, 1987.

#### SCHEDULE

“Whether the action of the Management of Sawang Colliery of M/s. C.C. Ltd., P.O. Sawang, Dist. Giridih by terminating the services of Md. Yasin Mian on 15-4-86 when the age of the employee in his Identity Card is 19-4-41 is legal and justified ? If not, to what relief the workman concerned is entitled ?”

2. The concerned workman namely Md. Yasin Mian has been working in Swang Colliery as Coal Cutter since 1961 continuously and all of a sudden he was intimated through Supdt. of Mine that his date of retirement has been decided as 15-4-86. The workmen contended that his date of birth as recorded in his identity card was 19-4-41 and, therefore his date of retirement should be 19-4-2001.

3. The workmen filed W.S. alleging his date of birth as recorded in his identity card issued to him by the NODC and on calculation his date of retirement should be 19-4-2001. The workmen raised objection but he was not heard and he filed a Writ Petition before the Hon'ble High Court, Ranchi Bench vide C.W.J.C. No. 603/36 (R). The Hon'ble Court was pleased to order that the petitioner to go before the Industrial Tribunal under the I. D. Act. Accordingly the workmen raised industrial dispute before the ALC (C), Hazaribagh demanding reinstatement with full back wages on and from 15-4-86 i.e. the date of termination of his

services. The conciliation proceeding ended in failure and hence this reference.

4. The workmen contended that the identity card was issued to the concerned workman by the management of NCDC after the concerned workman was appointed in the year 1961 any record prepared by the management of CCL nothing different date of birth must be deemed to be wrong and cannot be relied upon. It has been stated that the action of the management in terminating the services of the workmen on 15-4-86 was totally illegal and unjustified. Accordingly it has been prayed to answer the award in favour of the workmen with full back wages and with other benefits from 15-4-86 till the date of his reinstatement.

5. The management also filed W.S. stating that the claim of the workmen was all bogus and unfounded. Admittedly the concerned workman was employed as Coal cutter in Swang Colliery of the management with effect from 7-2-61. The age of superannuation as contended by the management is 60 years. It was stated that the date of birth of the concerned workman was 15-4-1926. The management has system of preparing service register for each workman in which among other things the date of birth of each workmen is also recorded and the entries made thereunder are duly attested by the concerned workman and also countersigned by the officers of the management. It was stated further that in the case of Md. Yasin Mian the service register was opened on 15-4-71 and in the first page of the said service register the date of birth of the concerned workman was noted as 15-4-26. The necessary entries in the service registers were duly attested by the concerned workman and were also countersigned by the Colliery Manager. The management stated further that the present Colliery was previously known as NCDC Ltd. which was re-named as CCL with effect from 1-11-75 when Coal India Ltd. was established as holding company and the CCL and some other companies became its subsidiaries.

6. The date of birth of the concerned workman was also recorded in the Form B Register maintained under the Mines Act and Mines Rules and the entries made therein including the date of birth were attested by him. The date of birth as shown in that register is also 15-4-1926. Naturally after attaining 60 years of age the concerned workman retired on 15-4-1986.

7. The management further contended that the attestation of the relevant entry by the concerned workman in the service register as well as in Form B Register by fixing his LTI amounted to an admission within the meaning of Section 17 of the Evidence Act and is bound by the same. In face of such admission the concerned workman is estopped from raising the present dispute. Lastly it was contended that the identity card is not meant for recording the date of birth/age of the employees rather it is meant only for identification of the workmen. The correct and proper records for this purpose are the service registers and Form B Register. On this ground it has been urged that the dispute has got no meaning and the concerned workman is not entitled to any relief.

8. From the pleadings of the parties it is clear that the concerned workman is disputing his date of birth as recorded in the service registers and Form B Register. Ext. M-1 is the service sheet of Md. Yasin Mian and there the date of birth has been recorded as 15-4-1986. Definitely the date of birth has been recorded in different ink and may be also in different setting. In this connection the evidence of MW-1 Shri R. N. Singh may be looked into who had occasion to work in Swang Colliery of NCDC from October, 1966 to June, 1971 as Asstt. Colliery Manager. According to him during the year 1970-71 the job relating to the completion of service sheet of Swang Colliery was undertaken and he himself was associated with that work. He has proved the service sheet and Col. 1, 3 and 5 of the same was written in the pen of Shri Anil Kumar Roy. He also stated that Col. No. 2 relating to the date of birth was written by him. Again the witness stated that he had noted the date of birth in Col. 2 under Ext. M-1 on the basis of the entry of the age in Form B Register. According to him the entries of Col. No. 1 to 5 of the service sheet was read over and explained to the concerned workman and then he had put his LTI. I

find that there is no endorsement to that effect that entries recorded therein were read over and explained to the concerned workman. Besides this all the entries were recorded in English.

9. In cross-examination the witness has stated that at the time of the appointment of the concerned workman in the year 1960 the particulars regarding his age date of appointment etc. must have been entered in Form B Register. In this way according to his own statement those entries in Form B Register must have been made round about the year 1961. Now let us have a look regarding the entries made in Form B Register Ext. M-4. At Sl. No. 11 the name of Md. Yasin Mian appears and his date of birth has been recorded as 15-4-26. I further find that the name of village, Post Office, District has also been recorded at the appropriate column and lastly his LTI was obtained. But there is no endorsement to the effect that the LTI belonged to Md. Yasin. Similar is the case with respect to that LTI appearing on Ext. M-1. Further we find that the names of number of workmen say about 288 have been written but the signature or the LTI of a few workmen have been obtained in the appropriate Col. and this is suggestive of the fact that it was not regularly maintained. The register again further discloses that it was prepared in the year 1978. In this very context I would like to refer the evidence of Shri S. K. Ram, MW-2. He stated in his cross-examination that the entries in Form B Register had been made by the CCL in 1971. However, he has displayed his ignorance that the Form B Register in respect of the concerned workman was prepared soon after his appointment in the year 1961. He also stated that the concerned workman had not given his LTI in Form B Register in his presence. It may be very important to mention here that according to MW-1 he had noted the date of birth in Col 2 of Ext. M-1 on the basis of the entry of the age of the concerned workman in Form B Register. It was rightly pointed out by the learned counsel for the concerned workman that service sheet was prepared in the year 1971 while the Form B Register was prepared in the year 1978 and so how any entry in service sheet can be made in the year 1971 on the basis of any entry made in Form B Register which was prepared in the year 1978. If any Form B Register was prepared immediately after the appointment of the concerned workman then the same should have been produced before the Court. In this way we find that the entries whatever it may be were not made in regular course of business and they are also not upto-date.

10. On the other hand the concerned workman has solely relied upon his identity card issued to him by the authorities of the NCDC. The identity card has been marked Ext. W-2. Definitely such identity card are issued to the workmen for the identification sake. But at the same time we cannot ignore other entries made thereunder. The learned counsel for the management submitted that the identity card must be sealed but it has been tampered with and most probably the date of birth might have been forged. In this respect I may again refer to the evidence of MW-2 who has stated that the identity card bears the signature of Shri S. K. Mukherjee, Manager, as well as the signature of Shri Banerjee Labour Officer which has been marked Ext. W-2. This means that the witness has identified the signature of the two important officers of the rank of Manager and in this way the entries in the identity card can be hardly doubted. I have perused the entries made in the identity card and prima facie there is nothing like tampering in any entry including the entry of the date of birth. Atleast this document (Ext. W-2) is in favour of the concerned workman. But at the same time it must be noted that the identity card is not sealed rather its lower portion is open. I have stated already that other documents indicating the date of birth of the concerned workman were not properly maintained by the management.

11. Be that as it may I find that the variation and difference of date of birth as recorded in the service sheet and Form B Register and that of the identity card is quite at larger. In other words the variation will be near about of 15 years and in the circumstances in order to solve this issue permanently the best and proper course would be to get the concerned workman examined by the medical board. In this respect I would also like to mention ossification of bonus will be the proper test while determining the age of a particular man or woman. The management, therefore, is directed

to get the concerned workman examined through its medical board after due notice to the concerned workman within one month from the date of publication of the Award and the decision of the Medical Board regarding the age will be final. The reinstatement of the concerned workman will depend upon the age assessed by the medical board.

An Award is passed accordingly.

B. RAM, Presiding Officer  
[No. L-24012(166)/86-D.IV(B)/IR (Coal-I)]

K. J. DYVA PRASAD, Desk Officer

मही दिल्ली, 23 दिसम्बर, 1991

का.प्रा. 219-- औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसार में केन्द्रीय संचार एम.सी.पी. मलान्ज़खान के प्रबन्धसंस्थ के संबंध में नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुदंड में निर्विट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकारण, जबलपुर के पंचपट को प्रकाशित करते हैं, जो केन्द्रीय सरकार को 19-12-91 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 23d December. 1991

S.O. 219.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of M.C.P. Malanjkhand and their workmen, which was received by the Central Government on the 19-12-91.

#### ANNEXURE

BEFORE SHRI V. N. SHUKLA, PRESIDING OFFICER,  
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL  
CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)  
Case No. CGIT/LC(R)(178)/1987

#### PARTIES :

Employers in relation to the management of Malanjkhand Copper Project of H.C. Ltd., P.O. Malanjkhand, Distt. Balaghat (M.P.) and their workmen, Shri K.P. Singh, Sr. Technician, Code No. 1516, represented through the Copper Mine Workers (INTUC), P.O. Malanjkhand District Balaghat (M.P.)

#### APPEARANCES :

For Workman.—Shri S. K. Rao, Advocate

For Management.—Shri R.K. Gupta Advocate.

INDUSTRY : Copper Project DISTRICT : Balaghat (MP)

Dated November, 29th 1991

This is a reference made by the Central Government, Ministry of Labour, vide its Notification No. L-43012/13/87-D.IV(B) Dated 7-9-1987, for adjudication of the following dispute:—

"Whether the action of the management M.C.P., Malanjkhand in terminating the services of Shri V. P. Singh, Sr. Technician, Code No. 1516 with effect from 6-10-86 is justified? If not, what relief the workman is entitled to?"

2. Vide proceedings dated 19-2-1991 this Tribunal came to a conclusion that no substantial point has been raised by the workman as to that the enquiry is vitiated and therefore this Tribunal held that the domestic enquiry is valid. Accordingly, I hold that the domestic enquiry is proper and legal and that it is not necessary for the management to lead evidence before this Tribunal. Issues No. 1 & 3 accordingly stand decided.

3. Issues are, however, as follows:—

#### ISSUES

1. Whether the domestic|departmental enquiry is proper and legal?
2. Whether the punishment awarded is proper and legal?
3. Whether the management is entitled to lead evidence before this Tribunal?
4. Whether the termination|action taken against the workman is justified on the facts of the case?
5. Relief and costs ?

4. Now the remaining Issues no. 2,4 & 5 relating to which I have to deal only with the relevant part of the pleadings. The workman, Shri K.P. Singh Senior Technician Code No. 1516 was working with the management of M.C.P. Malanjkhand, District Balaghat. He is said to have been serving for last 13<sup>1/2</sup> years with satisfactory record. The following charge-sheet was issued to him (vide Ex. M/1, dated 7th February, 1986) :—

#### CHARGE-SHEET

"It has been reported that during the month of March, 1984, You have drawn an advance to the tune of Rs. 3600/- (Rs. Three thousand six hundred only) from the Finance Department against LTC (Home Town) for the block years 1984-85 for self and family including your parents. Subsequently on 30-4-84, you submitted a claim bill towards LTC (Home Town) avail'd for the block year 1984-85 by self and family alongwith parents. In the travelling allowance bill which was forwarded by the Personnel Department to Finance Deptt. on 2-5-1985, you have claimed to have spent an amount to the one of Rs. 4500/- (Rs. 'Four thousand five hundred only) in the course of alleged travel by car No. BRK 40 both ways in the above LTC journey upto your home town and back.

After investigation it has been revealed that you have availed home town LTC for the block years 1984-85 along with fam'l'y and parents in the train by second class and by road through bus in case the route was not connected by rail. It is, therefore, evident that you have submitted a false bill to the tune of Rs. 4500/- against LTC for the block years 1984-85 indicating therein to have travell'd both the ways by taxi with the intention of cheating the company and making personal financial gain to yourself and corresponding financial loss to the company.

You are, therefore, charged as under:—

- (1) Fraud, breach of trust and dishonesty in connection with the company's business.
- (2) Forgery, falsification and manipulation of any documents or records of the company.
- (3) Any act (cheating) which is *prima facie* detrimental to the interest and reputation of the company.

The aforesaid act's on your part amounts to gross misconduct under clause 30(ii), 30(ix) and 30(Li) of the Certified Standing Orders of this Project and render you liable for strict disciplinary action. You are, therefore, required to explain in writing within 72 hours of the receipt of this Charge-sheet stating as to why disciplinary action should not be taken against you for the aforesaid acts of misconduct on your part. In case you fail to submit your explanation within the above STIPULATED TIME, IT WILL BE presumed that you have nothing to say in your defence and further action shall be taken against you as per rules."

His services are said to have been terminated with effect from 6-10-1986. The delinquent workman appears to have admitted his mistake and deposited the difference.

5. Workman says that he had drawn an advance of Rs. 3600/- towards LTC for Block Years 1984-85 towards

himself and his own parents for their Home Town in Bhar. After completing journey he had submitted the LTC Bill for Rs. 4500/- within the time limit and out of which an amount of Rs. 2877.68 P. was passed by the Finance Department of the Company as per rules and the balance of Rs. 722.32 P. was deducted from his salary and hence there was no necessary of any departmental enquiry against him.

6. After return from his Home Town and prior to the issuance of the Charge-sheet on 31-10-1985 the workman had returned the complete amount to the department further requested that he had drawn the LTC amount for journey by car but he had availed the journey by train and by bus, therefore he returned the amount. Despite the above fact, the management intentionally harassed him. He was assured that a lenient view shall be taken in the matter but surprisingly penalty of termination of service was imposed. It is too severe a punishment and discriminatory for lenient view has been taken in regard to other workmen for similar type of charges.

7. The management has completely denied the above averment. Management has also denied that there was any discrimination. There is no such cases of LTC as alleged. The other cases related to other department and the facts are entirely different. The punishment is proper and the reference is liable to be rejected.

8. It is to be noted that the management has not specifically denied that the workman had deposited the entire amount. In para 2 of the rejoinder the management have only said that this fact is entirely irrelevant and it does not absolve from the liability of committing the fraud.

#### REASONS FOR MY FINDINGS

9. Issues No. 2, 4 & 5:—From the fact that the workman admitted the charge and that he has deposited the entire amount the management should not have taken a very serious view in the matter because it has become almost a day to day affairs to make false claims of LTC etc. Here the workman deposited the entire amount and confessed his mistake.

10. That apart, certain documents have been filed by the workman which are obviously subsequent to the termination of the workman concerned and relate to past period. I may refer to few documents. There is one case of Shri B. D. Sahare who was charge sheeted for fraud, breach of trust etc. for putting a loss to the Copper Club to the tune of Rs. 25,399.92 which was found unaccounted. Charge sheet to him is said to have been issued on 11-10-1986, but there is nothing to show as to what was the result of it. There is another case of Shri R.K. Tiwari who is said to have permitted to give false weighment and thereby created fraud etc. He was held guilty and his basic pay was reduced from Rs. 1459/- to Rs. 1409/- in his pay scale. Shri R. K. Tiwari was charge-sheeted on 9-8-1988 and punishment was awarded to him vide order dated 25-10-90. Now comes the case of one Shri M.R. Chokhandre who was charge-sheeted on 10th April 1989. He had also submitted a false bill and he was charge-sheeted for fraud, breach of trust, dishonesty etc. He was also imposed penalty of stoppage of two increments without cumulative effect from 1-10-90 and 1-10-1991. There are various other documents filed by the workman which I need not examine. These documents can certainly be considered in view of the fact that the discrimination came to the knowledge of the workman only after the reference was made after his termination from service.

11. It is true that in such cases drastic action must be taken. else lenient view would lead to more corruption in making false claim etc. It is high time that the workmen should feel their responsibility that this is a serious matter. It is certainly on taking lenient view in the matter such types of misconducts are at increase.

12. Thus taking of the facts and circumstances in consideration, I am of the view that the punishment is disproportionate as also discriminatory. It would be a sufficient

punishment that he is not paid any back wages. Issues are accordingly answered as follows:—

1. Punishment awarded is though legal but not proper.
2. Termination action taken against the workman is not justified on facts of the case. Workman is entitled to be reinstated but without any back wages and the period of his absence shall be treated as 'dies non'. He shall be entitled to wages as soon as he joins. No order as to costs. Reference is answered as above and award is made accordingly.

V. N. SHUKLA, Presiding Officer  
[No. L-43012/13/87-D.III(B)]

दिल्ली, 30 दिसम्बर, 1991

का.आ. 220:— औद्योगिक विदाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) का धारा 17 के अनुसार में, कन्द्र.य सरकार, एयर-हाउस बम्बई के प्रबन्धालय के संबंध नियमों आर उनक कर्मकारों के बाब्त अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विदाद में कन्द्र.य सरकार औद्योगिक औद्योगिक कानून सं. 2, बम्बई के पंचाट का प्रकाशित करता है, जो कन्द्र.य सरकार का 23-12-91 का प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 30th December, 1991

S. O. 220.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal No. 2, Bombay as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Air India, Bombay and their workmen, which was received by the Central Government on the 23-12-1991.

#### ANNEXURE

#### BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 2, AT BOMBAY

PRESENT :

Shri P. D. Apshankar, Presiding Officer.  
Reference No. CGIT-2/27 of 1988

PARTIES :

Employers in relation to the Management of Air India, Bombay.

AND

Their Workmen.

APPEARANCES :

For the Employer—(1) Shri M. M. Varma, (2) Ms. Anjali Seth, Advocates.

For the Workmen : Shri M. B. Anchan, Advocate.

INDUSTRY : Air ways.

STATE : Maharashtra.

Bombay, the 30th November, 1991

#### AWARD

The Central Government by their Order No. L-11012/34/87-D.II(B)/D.III(B), dated 31-8-1988 have referred the following industrial dispute to this Tribunal for adjudication under section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947.

"Whether the action of the management of Air India in terminating the services of Smt. Vanjari from Handicrafts Centre (NTB) with effect from 1-7-1986, is legal and justified? If not, what relief is she entitled to?"

2. The case of the workman Smt. Chhabu Keshav Vanjari, as disclosed from the statement of claim (Ex. 2) filed by her before this Tribunal, in short, is thus:—

Her husband Shri K. K. Vanjari was in the service of the Air India as a Chowkidar from 2-1-1956 to

31-7-1980. He expired immediately on the next day i.e. on 1-8-1980. In October 1985 she made an application for her appointment and the management appointed her as a Chowkidar from 10-7-1985. She was declared fit for service by the Medical Board. However, the management by their letter dated 20-7-1986 on a of a sudden terminated her services without any valid reasons. Thereafter, she made representations for her reinstatement in service and she approached the State Labour Commissioner for his intervention in the matter. However, as the conciliation proceedings ended in failure, the Central Government made the present reference, as above. While terminating her services, a breach of the provisions contained under section 20F of the Industrial Disputes Act, 1947, was committed by the management, and as such, the termination of services of the said lady is bad in law. Therefore, the said lady prayed that this Tribunal should direct the management to reinstate her in service with full back wages and continuity of service.

3. The Deputy Industrial Relations Manager of Air India by his written statement (Ex. 3) opposed the said claim of the said lady, and in substance contended thus:—

No relationship of Employee and Employer existed between the said lady and the Air India Corporation as she was working as a Contract Labour. She had at no time worked as an employee of the Air India. As such, there was no question of the termination of her services by the Air India Corporation. The Air India Handicrafts Centre is a society registered under the Societies' Act, and is a distinct entity from the Air India Corporation. The present case does not fall within the purview of the Industrial Disputes Act, 1947. Therefore, the Management of the Air India Corporation prayed for the rejection of the prayer of the said lady.

4. The necessary issues were framed at Ex. 4 on the basis of the pleadings of the parties.

5. The said lady filed her affidavit in support of her case at Ex. 5. While the reference was at the stage of her cross examination by the Management, she filed an application (Ex. 6) that as she is sick, she does not wish to proceed further in the present matter, and as such, the present reference may be disposed off. I asked that lady whether she made the statement, as above, of her own, or whether she had filed that application under any pressure from somebody. She replied that she, of her own account, had made that statement. The said lady's Advocate Shri M. B. Anchan also put his signature below that application, and stated that the lady of her own will had filed that application. Therefore, as the present reference has not been prosecuted further by the said lady, it stands disposed off.

6. The parties to bear their own costs of this reference.

P. D. APSHANKAR, Presiding Officer  
[No. L-11012/34/87-D.II(B)/D.III(B)]

B. M. DAVID, Desk Officer

दिल्ली, 24 दिसम्बर, 1991

का.आ. 221.—न्यूनतम मजदूरी अधिनियम, 1948 (1948 का 11) की धारा 26 की उपधारा (2) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये केल्ड्रीय सरकार बम्बई पत्तन न्याय के अधीन मोटर पालट थान "बेणु" में काम करने वाले कर्मचारियों की सेवा की गतों के संबंध में लागू विशेष विधियों को ध्यान में रखते हुए इसके द्वारा यह निर्देश देनी है कि उक्त अधिनियम की धारा 13 के प्रावधान उन कर्मचारियों पर इन अधिसूचना के सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से पांच वर्ष की प्रवधि तक निम्नलिखित गतों पर लागू नहीं होगी अर्थात्:—

(i) बम्बई पत्तन न्याय, विधियों को एक पुस्तिका के रूप में अंग्रेजी भाषा में और ऐसी भाषा या भाषाओं में प्रकाशित करायेगा जिसे प्रधिकर कर्मचारी समझते हों।

(ii) पूर्वोक्त विविधमों में कोई संशोधन करने के पूर्व बंगई पत्तन न्यास संबंधित कर्मचारियों को प्रस्तावित संशोधनमों की सूचना देने के लिये नोटिस देगा, जिसे पूर्वान्तर पत्तन के कार्यालय के सूचना-गल पर लगाया जायेगा और ऐसे सभी आकारों और सुनावाओं पर विचार करेगा जो नोटिस देने की तारीख से ५-लांस दिन के भीतर प्राप्त हों, और

(iii) खण्ड (i), में निर्दिष्ट पुस्तका की एक प्रति और उसमें किये जाने वाले प्रत्येकउ संशोधनों की एक प्रति प्रत्येक संबंधित कर्मचारों को उपलब्ध करायी जायेगी।

[नंबरा एस-32014/2/90-डब्ल्यू.सी. (एम. डब्ल्यू.)]

ज्ञा.एस. लोबाना, संयुक्त सचिव

New Delhi, the 24th December, 1991

S.O. 221.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 26 of the Minimum Wages Act, 1948 the Central Government having regard to the special regulations in force in respect of the service conditions of the employees working in the Motor Pilot Vessel "Venu" under the Bombay Port Trust, hereby directs that the provisions of section 13 of the said Act shall not apply to these employees for a period of five years commencing from the date of publication of this notification in the official Gazette, subject to the following conditions, namely:—

- the Bombay Port Trust shall publish the regulations in a pamphlet form in English language and in the language or languages understood by the majority of the employees;
- before making any amendment to the aforesaid regulations, the Bombay Port Trust shall inform the employees concerned by notice, to be put up on the notice board, at the office of the aforesaid Port Trust, of the proposed amendments and shall consider any objections or suggestions that may be made thereto within twenty one days of such notice; and
- a copy of the pamphlet referred to in clause (i) and a copy of every amendment thereto shall be supplied to each employee concerned.

[No. S-32014/2/90-WC(MW)]

G. S. LOBANA, Jt. Secy.

मई किल्ड, 4 दिसंबर, 1991

का.आ. 222.—न्दीय सरकार ने यह नोटिस दिया पर कि नोटिस में ऐसा करना अनिवार्य है कि नोटिस की वारा 2 के खण्ड (१) के उपवर्त्ती (६) के उपवर्त्ती के अनुसरण में भारत सरकार के अम भावालय की प्रधिकारियों संभवा बना आ. 1914 दिनांक 20 जून, 1991 द्वारा सांचा अनुसन उद्योग हो उक्त प्रधिनियम के प्रयोजनों के लिए 10 जूनाई, 1991 से छः मास की कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित होया आ,

और केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि लोकहित में उक्त कालावधि को छः मास की और कालावधि के लिए बदाया जाना अनिवार्य है,

अतः अब, औद्योगिक विवाद प्रधिनियम, 1947 (1947 का 14) की भारा 2 के खण्ड (१) के उपवर्त्ती (६) के परस्पर द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त उद्योग को उक्त प्रधिनियम के प्रयोजनों के लिए 10 जूनाई, 1992 से छः मास की और कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित करती है।

[फा.सं. एस-11017/7/85-भार. (नीति)]

New Delhi, the 24th December, 1991

S.O. 222.—Whereas the Central Government having been satisfied that the public interest so required had, in pursuance of the provision of sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), declared by the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 1914 dated the 20th June,

1991 the Copper Mining Industry to be a public utility service for the purposes of the said Act, for a period of six months, from the 10th July, 1991;

And whereas, the Central Government is of opinion that public interest requires the extension of the said period by a further period of six months;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby declares the said industry to be a public utility service for the purpose of the said Act, for a further period of six months from 10th January, 1992.

[No. S-11017/7/85-I.R. Policy)]

का.आ. 223.—केन्द्रीय सरकार इससे संतुष्ट है कि लोकहित में यह अनिवार्य है कि नोटिस की वारा 2 के खण्ड (१) की वारा प्रत्येक विवाद प्रधिनियम, 1947 (1947 का 14) की प्रथम प्रत्युम्भी में निर्दिष्ट 23 द्वारा शान्ति है, को उक्त प्रधिनियम के प्रयोजनों के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित किया जाना चाहिए।

अतः अब, औद्योगिक विवाद प्रधिनियम, 1947 (1947 का 14) की भारा 2 के खण्ड (१) के उपवर्त्ती (६) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त उद्योग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए तरहान प्राप्ति से उक्त नास की कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित करती है।

[फा. सं. एस-11017/4/85-डी-I(ए)]

S.O. 223.—Whereas the Central Government is satisfied at the public interest requires that the Phosphate Mining industry, which is covered by entry 23 in the First Schedule to the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), should be declared to be a public utility service for the purposes of he said Act;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by b-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby declares with immediate effect the said industry to be a public utility service for the purpose of the said Act for a period of six months.

[No. S-11017/4/85-D.I(A)]

नई दिल्ली, 26 दिसम्बर, 1991

का.आ. 224.—केन्द्रीय सरकार का सनाचार हो गया है कि नं.१८ दि. १ में ऐसा घोषित है कि सिक्युरिटी पेपर मिल, होशंगाबाद का, निये अंदोगिक विवाद प्रधिनियम, 1947 (1947 का 14) की प्रथम प्रत्युम्भी का निर्दिष्ट 21 के अन्तर्गत निर्दिष्ट विवाद प्रधिनियम के प्रयोजनों के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित किया जाना चाहिए,

अतः अब, औद्योगिक विवाद प्रधिनियम, 1947 (1947 का 14) की भारा 2 के खण्ड (१) के उपवर्त्ती (६) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त उद्योग को उक्त प्रधिनियम के प्रयोजनों के लिए तरकार प्रभाव से छः मास की कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित करती है।

[नंबरा एस-11017/10/85-डी-I(ए)]

New Delhi, the 26th December, 1991

S.O. 224.—Whereas the Central Government is satisfied that the public interest requires that the Security Paper Mill, Hoshangabad, which is covered by item 21 of the First Schedule to the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), should be declared to be a public utility service for the purposes of the said Act;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-clause (vi) of clause (n) of section of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby declares with immediate effect the said industry to be a public utility service for the purposes of the said Act for a period of six months.

[No. S-11017/10/81-D.I(A)]

S. S. PRASHER, Under Secy.

नई दिल्ली, 1 जनवरी, 1992

का.आ. 225.—केन्द्रीय सरकार ने यह समावन हो जाने पर कि लोकहिन में ऐसा करना प्रयोगित था, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) का ध.रा 2 के खण्ड (३) के उत्तरांग (६) के अन्तर्गत के अनुसर में भारत सरकार के अमंत्रित्य का अधिवृद्धता संबंध का.

2093 दिनांक 10 जून 1991 द्वारा भारत सरकार टक्काल, करकता को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए 10 जून 1991, 1991 से छह मास का कालावधि के लिए निम्न उपयोग सेवा घोषित किया था।

और केन्द्रीय सरकार का राय है कि लोकहिन में उक्त कालावधि का छह मास का और कालावधि के लिए बढ़ाया जाना चाहिए।

अतः अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) का ध.रा 2 के खण्ड (३) के उत्तरांग (६) के परम्परुक द्वारा प्रदत्त गतिविधि का प्रयोजनों के लिए 10 जून 1991, 1991 से छह मास का और कालावधि के लिए लोक उपयोग सेवा घोषित करता है।

[का.सं. एस-11017/6/85-डा-I(८)]

New Delhi, the 1st January, 1992

S.O. 225.—Whereas the Central Government having been satisfied that the public interest so required had, in pursuance of the provision of sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), declared by the notification of the Govt. in the name of the Ministry of Labour No. S.O. 2093 dated the 10th July, 1991 the India Government Mint, Calcutta to be a public utility service for the purposes of the said Act, for a period of six months, from the 10th July, 1991;

And whereas, the Central Government is of opinion that the public interest requires the extension of the said period by a further period of six months;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby declares the said industry to be a public utility service for the purpose of the said Act, for a further period of six months from the 10th January 1992.

[No. S-11017/6/85-D.I(A)]

नई दिल्ली, 3 जनवरी, 92

का.आ. 226.—केन्द्रीय सरकार इसे नं. २२६ है कि लोकहिन में यह अपेक्षित है कि उपरोक्त विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 4) के प्रथम अनुच्छेद में प्रविष्ट 24 द्वारा गतिविधि है, को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए निम्न उपयोग सेवा घोषि किया जाना चाहिए।

अतः अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की ध.रा 2 के खण्ड (३) के उत्तरांग (६) द्वारा प्रदत्त गतिविधि का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त उपयोग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए उत्तरांग विवाद से भूत तरीकों से भूत तरीकों से उपयोग सेवा घोषित होता है।

[का.सं. एस-11017/8/85-डा-I(८)]

एस.एस. पराशर, प्रधान सचिव

New Delhi, the 3rd January, 1992

S.O. 226.—Whereas the Central Government is satisfied that the public interest requires that the Magnesite Mining Industry, which is covered by entry 24 in the First Schedule to the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), should be declared to be a public utility service for the purposes of the said Act.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-clause (vi) of clause (n) of section of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby declares with immediate effect the said industry to be a public utility service for the purposes of the said Act for a period of six months.

[F. No. S-11017/8/85-D. I. (A)]

S. S. PRASHER, Under Secy.

नई दिल्ली, 26 दिसम्बर, 1991

का.आ. 227.—ओद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसर में केन्द्रीय सरकार द्वारा महाराष्ट्र के प्रबन्धतंत्र के संबंध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच प्रमुखध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, अंगलौर के पंचांग को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 20-12-91 को प्राप्त हुआ।

New Delhi, the 26th December, 1991

S.O. 227.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Bangalore as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Bank of Maharashtra and their workmen, which was received by the Central Government on the 20-12-91.

#### ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, BANGALORE

Dated this the 11th day of December, 1991

PRESENT :

Shri M. B. Vishwanath, B.Sc, LL.B., Presiding Officer.  
Central Reference No. 56 of 1990

I PARTY :

The Secretary, Bank of Maharashtra Karmachari Sangh, Aunradha Building, Subedar Chatram Road, Bangalore-9.

(By Sri A. S. Alse)

II PARTY :

The Assistant General Manager, Bank of Maharashtra, Southern Zonal Office, No. 15, Police Station Road, Basavanagudi, Bangalore-560004.

(By Sri Jayashankar)

#### AWARD

In this reference No. L-12012/181/90-IR.B.(II) dated 9-10-90, made by the Hon'ble Central Government in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) and sub-section (2A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) the point for adjudication as per Schedule to reference is :—

“ Whether the action of the management is justified in postponing the increment of Smt. B. K. Shobha, Clerk, City Market Branch of the Bank, by the number of days spent on EOL. If not to what relief is she entitled? ”

2. In the claim petition it is contended that the II Party was not justified in postponing the increment of the I Party

permanently by 18 days. The I Party has prayed for setting aside this order on the ground that it is illegal. In the counter statement the II Party has stated that it was justified in postponing the increment for the I Party by 18 days.

3. I will refer to the relevant facts as and when they are necessary in the course of my discussion.

4. It is admitted that the I Party was on maternity leave for 90 days from 4-1-88 to 3-4-88, half pay sick leave from 5-4-88 to 4-5-88, privileged leave from 5-5-88 to 3-6-88.

5. The I Party applied for extraordinary leave from 4-6-88 to 21-6-88 (18 days) on the ground of anemia. The II Party granted this extraordinary leave.

6. But the II Party by order dated 7-11-88, passed by the Chief Manager postponed the increment permanently by 18 days. The I Party has contended that this order is illegal. The II Party has contended that the order is legal and proper.

7. I have adverted to above, the maternity leave, half pay sick leave, and privileged leave taken by the I Party, and granted by the II Party. The extraordinary leave for 18 days applied for by the I Party has been sanctioned by the II Party.

8. The Officer who argued on behalf of the II Party relied on 13.36 of the Bipartite Settlement which says that no pay and allowances are admissible during the period of extraordinary leave and the period spent on such leave shall not count for increment. The proviso says that in cases where the sanctioning authority is satisfied that the leave was taken on account of illness or for any other cause beyond the employee's control, it may direct that the period of extra-ordinary leave may count for increment.

9. In the instant case what has happened? The I Party was granted maternity leave for 90 days, half pay sick leave for 30 days, then privileged leave for 30 days. The reason given by the I Party for the extraordinary leave is that she has exhausted all kinds of leave and she was applying for extraordinary leave as per doctor's advice. To repeat, this extraordinary leave was also sanctioned to I Party.

10. The I Party applied for extra-ordinary leave from 4-6-1988 to 21-6-1988 as per doctor's advice. She enclosed the doctor's certificate also. The Doctor has stated in the certificate that leave was required for the I Party since she was suffering from anemia. The Doctor has stated that this leave for the I Party on account of anemia was absolutely necessary ( ). It is clear from the doctor's certificate that the I Party had to apply for extra-ordinary leave because of circumstances beyond her control. The stand of the II Party in the counter statement is that anemia is not sickness. It is difficult to accept this argument, bearing in mind the general notions prevailing and the doctor's certificate that anemia is not sickness. In any case the I Party applied for extra-ordinary leave for reasons beyond her control. Thus the I Party has fulfilled the conditions of the proviso to 13.36 of the Bipartite settlement. The II Party was therefore not justified in permanently postponing the increment by 18 days, having sanctioned the extra-ordinary leave.

11. There is yet another reason to hold that the order postponing the increment cannot be sustained. As per the Bipartite settlement 29(iv) all sick leave shall be granted on production of a medical certificate acceptable to the Bank. When the II Party granted the extra-ordinary leave which was accompanied by the medical certificate produced by the I Party in which it was stated that the I Party was suffering from anemia, the II Party could not have postponed the increment due date. The II Party, having acted upon the Doctor's certificate, is estopped from contending that anemia is not sickness.

12. Clause 34 of the Bipartite Settlement says that Extra-ordinary leave may be granted to an employee when no ordinary leave is due to her. The I Party applied for 18

days extra-ordinary leave because no other ordinary leave was there to her credit. The I Party produced the medical certificate in which it was stated that the I Party was suffering from anemia. The II Party having sanctioned this leave applied for by the I Party because of her illness, the II Party was not justified in postponing the increment. It should be borne in mind that the sick leave and the privileged leave were granted to the I Party on the same ground.

13. One other legal aspect deserves to be noted. The extra-ordinary leave for 18 days applied for by the I Party has been sanctioned by the Assistant General Manager on 7-10-88. The impugned order postponing the increment date of I Party has been passed on 7-11-88 by the Chief Manager. The Chief Manager is lower in rank to the Assistant General Manager according to I Party. When this submission was made by the Union leader who argued on behalf of the I Party, it was not contradicted by the Officer who argued on behalf of the II Party. There is nothing to show that the Chief Manager was also incharge as Assistant General Manager had delegated his power to the Chief Manager. The order postponing the increment by 18 days amounts to a sort of punishment. In my opinion, it is illegal for one officer to sanction the extra-ordinary leave and another officer to pass an order postponing the increment. On this score also the order postponing the increment has to be set aside.

13. (a) All other documents and evidence not referred to by me are not relevant. In any case they do not alter my conclusions reached above.

14. For the aforesaid reasons, I pass the following :—

#### AWARD

The action of the II Party—Management in postponing the increment of the I Party by the number of days spent EOL is set aside. The II Party is directed to restore the annual increment date of I Party to the original date. The I Party is entitled to the monetary benefit flowing from the restoration of her increment date to the original date. Award passed as stated herein. Reference accepted.

Dictated to the Secretary, taken down by him, got typed and corrected by me.

M. B. VISHWANATH, Presiding Officer

[No. L-12012/181/90-IR(B.II)]

V. K. VENUGOPALAN, Desk Officer

नई दिल्ली, 27 दिसम्बर, 1991

का. आ. 328—केन्द्रीय सरकार ने यह समाधान हो जाने पर कि लोक हित में ऐसा करना प्रयोगित था, औद्योगिक विवाद प्रधिनियम 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खंड (h) के उपखंड (VI) के उपमंडों के अनुसरण में भारत सरकार के ब्राम मन्त्रालय की अधिसूचना संस्था का आ. 1960 दिनांक 27 जून, 1991 द्वारा किसी भी ब्रामिज तेल (कम्पा तेल) मोटर और विमान स्पिरिट, बीजल तेल, मिट्टी का तेल, ईधन तेल, विविध हार्ड्वेकर्बन तेल और उनके मिश्रण, जिनमें सिस्टेटिक ईधन स्नेक्ट तेल और इसी प्रकार के तेल शामिल हैं, के नियमण या उत्पादन में लगे उत्थोग में सेवाओं का उक्त प्रधिनियम के प्रयोजनों के लिए 29 जून 1991 से छह मास की कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित किया था।

और केन्द्रीय सरकार की गय है कि लोकहित में उक्त कालावधि को छह मास की धौर कालावधि के लिए बढ़ाया जाना प्रयोगित है।

अतः प्रब्र, औद्योगिक विवाद प्रधिनियम 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खंड (h) के उपखंड (VI) के परन्तुक द्वारा प्रवस्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त उत्थोग को उक्त प्रधिनियम के प्रयोजनों के लिए 29 दिसम्बर, 1991 से छह मास की धौर कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित करती है।

सं. एस. ~11012/2/84 दी-I (ए)]

दीपू जोशी, उप सचिव

New Delhi, the 27th December, 1991

S.O. 228.—Whereas the Central Government having been satisfied that the public interest so required had, in pursuance of the provision of sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), declared by the notification of the Government of India in the Ministry of Labour, S.O. No. 1960 dated the 27th June, 1991, the industry engaged in the manufacture or production of mineral oil (crude oil, motor and aviation spirit, diesel oil, kerosene oil, fuel oil, diverse hydrocarban oils and their blends including synthetic fuels, lubricating oils and the like, to be a public utility service for the purposes of the said Act, for a period of six months, from the 29th June, 1991;

And, whereas, the Central Government is of opinion that public interest requires the extension of the said period of six months;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby declares the said industry to be a public utility service for the purposes of the said Act, for a further period of six months from the 29th December, 1991.

[No. S-11017/2/84-D.I(A)]

TINOO JOSHI, Dy. Secy.

मही दिल्ली, 2 अप्रैल, 1992

का. भा. 229—आधिकारिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के प्रभुत्वरण में, केन्द्रीय सरकार गन कैरिज फैब्रिंज जबलपुर के प्रबन्धनात्मक के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, इन बीच में निर्दिष्ट आधिकारिक विवाद में केन्द्रीय सरकार आधिकारिक अधिकरण, जबलपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 24-12-91 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 2nd January, 1992

S.O. 229.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Gun Carriage Factory, Jabalpur and their workmen, which was received by the Central Government on 24-12-91.

#### ANNEXURE

BEFORE SHRI V. N. SHUKLA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

Case No. CGIT/LC(R)(254) 1989

#### PARTIES :

Employers in relation to the management of Gun Carriage Factory, Jabalpur (M.P.) and their workman, Shri Kalooram Vish-

Karma, Labourer, C/o Shri S. K. Dube, General Secretary, G. C. F. Labour Union, 365/4, Type-2, G. C. F. Estate, Jabalpur-482011 (M.P.)

#### APPEARANCES :

For Workman.—Shri S. K. Dube.

For Management.—Shri C. K. Sharma, Advocate.

INDUSTRY.—Gun Factory

District—Jabalpur (MP).

#### AWARD

Dated: December, 12th 1991

This is a reference made by the Central Government, Ministry of Labour, vide its Notification No. L-14012/7/89-2(B) Dated 5th December, 1989, for adjudication of the following dispute:—

“Whether the action of the management of Gun Carriage Factory, Jabalpur (M.P.) in retiring Shri Kalooram Vishwakarma, Labourer, w.c.f. 31-10-88 by recording his date of birth in his services record as 30-10-28 on the basis of examination by the Medical Officer is justified? If not, to what relief the workman concerned is entitled?”

2. Facts leading to this case are that Shri Kalooram Vishwakarma was working as a Carpenter 'C' Grade with effect from 31-10-1962. His date of birth has been recorded as 30-10-1928 in the record of the management on which basis he has been retired with effect from 31-10-1988.

3. The workman says that at the time of his appointment he had given his correct date and accordingly his signatures were obtained. On 12-6-67 when he had gone to verify his date of birth he found that there were two things written in his record (1) the age as given by him and (2) the date of birth as given by the Doctor. The workman applied to the General Manager on 2-7-1987 for correction of his age on the basis of the certificate and affidavit but to no effect. His correct date of birth is 12-11-1935. His date of birth be accordingly corrected and he be given the consequential benefits arising therefrom.

4. Management says that at the time of his appointment the workman did not submit any documentary evidence in support of his date of birth. Hence as per rules he was medically examined and his age was assessed to be 34 years and on this basis his date of birth was recorded as 30-10-1928. This was not challenged by the workman. While the workman had full knowledge of the same. Obviously, the workman had accepted this position and after the retirement notice he had sent the pension papers also. After that notice he raised this dispute which is neither justified nor acceptable.

5. There is no clerical error involved in this case. The workman is not entitled to any relief.

6. Reference was the issue in this case.

## REASONS FOR MY FINDINGS :

7. The workman has examined himself by way of an affidavit in support of his case and proved two documents Ex. W|1 and Ex. W|2. He has also filed the copy of Birth Register.

8. At the out set I must point out that the workman in his statement of claim has not given his correct date of birth.

9. Ex. W|2 is an affidavit which is said to have been filed by the workman before the management along with a copy of the Birth Register. The photo of the Birth Register is on record according to which son of one Shobharam, whose father's name was not known, was born on 12-11-35. The informer appears to be Taj Mahal. The particulars of his father has not been given. According to Shri Kalooram this entry relates to his birth.

10. Now let us come to the evidence on record. As per W. W. I. Kalooram, who has examined himself on affidavit states in para 4 that his youngest brother, Bharat Lal, is four years younger to him. He has also filed the photo copy of the certificate of Higher Secondary School Examination, according to which Bharat Lal was born on 14-4-43. If this was so the workman should have been born in the year 1939 but according to him, he was born in the year 1935. This is a material contradiction. The birth certificate does not give the particulars including the father's name of Shobharam, where he was residing at the time of the delivery of the child relating to which entry in the birth register, the copy of which has been produced.

11. That apart the workman was sleeping until the date of notice and signing of the pension papers with regard to his age and he raised his issue only at the time of his retirement. The conduct of the workman itself is sufficient enough to prove the contradictions in the evidence as pointed out above.

12. The version of the workman cannot be accepted. It cannot be said that he was born on 12-11-1935. His date of birth does not call for any correction. I accordingly record my award in answer to the reference order as follows :—

That the action of the management of Gun Carriage Factory, Jabalpur (M.P.) in retiring Shri Kalooram Vishwakarma Labourer, w.e.f. 31-10-88 by recording his date of birth in his service record as 30-10-28 on the basis of examination by the Medical Officer is justified. He is not entitled to any relief. No order as to costs.

z V. N. SHUKLA, Presiding Officer  
[No. L-14012|7|89-D. II(B)(Pt.)]

का. पा. ३० औद्योगिक विवाद अधिनियम, १९४७ (१९४७ का १४) की धारा १७ के अन्तर्गत में केन्द्रीय सरकार और केन्द्रीय मंत्री द्वारा के प्रबन्धनात्मक के संबंध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच अन्तर्वंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक प्रधिकरण जबलपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 24-12-91 को प्राप्ता हुआ था।

S.O. 230.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Vehicle Factory Jabalpur and their workmen, which was received by the Central Government on 24-12-91.

## ANNEXURE

BEFORE SHRI V. N. SHUKLA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

Cose No. CGIT/LC(R) (201) 1989

## PARTIES :

Employers in relation to the management of Vehicle Factory, Jabalpur, and their workman Shri Mahesh Kumar, Yadav Slo Bihari Lal Yadav, House No. 141, Choti Omti, Uriya Mohalla, Jabalpur -482002 (M.P.)

## APPEARANCES :

For Workman.—Shri R. K. Gupta, Advocate

For Management.—Shri S. S. Jha, Advocate.

INDUSTRY:—Vehicle Factory

DISTRICT—Jabalpur (MP)

## AWARD

Dated : December 11th, 1991

This is a reference made by the Central Government, Ministry of Labour, vide its Notification No. L-14012|7|89-2(B) dated 5th December, 1989, for adjudication of the following dispute:—

“Whether the action of the management of Vehicle Factory in terminating the services of Shri Mahesh Kumar Yadav Slo Bihari Lal Yadav, Ex-Labour, B-Grade w.e.f. 15-4-86 is justified? If not, to what relief the workman concerned is entitled?”

2. Facts leading to this case are that Shri Mahesh Kumar Yadav was employed and was working under the control and supervision of the General Manager, Vehicle Factory, Jabalpur as Labourer B Grade bearing Ticket No. VA 513|04248. The workman was charge-sheeted as follows and after enquiry his services were terminated with effect from 15-4-1986:—

## ARTICLES OF CHARGE ANNEXURE I

Statement of articles of charge framed against  
Shri Mahesh Kumar Yadav Labourer 'B'  
Grade, T. No. VA|513|04248.

That the said Shri Mahesh Kumar Yadav while functioning as Labourer 'B' Grade is alleged to have committed:—

“Gross Misconduct- Attempted theft of Government material - Conduct unbecoming of a government servant.”

## ANNEXURE-II

Statement of imputations of misconduct or misbehaviour in support of the articles of charge framed against Shri Mahesh Kumar Yadav.

It is alleged that on 30-12-88 at about 0530 hrs while the said Sri Mahesh Kumar Yadav, Labourer 'B' Grade, T. No. VA/513/04248 was going out from the factory through Gate No. 3 after completion of his Night Duty, he was subjected to rigorous search in the Gate Office. During the course of touch search of the said Shri Mahesh Kumar Yadav, carried out by the DSC sentry in the presence of Security Asstt. on duty, same material was suspected concerned in the back pocket of his full pant. Shri S. K. Sahu, Works Manager, Orderly Officer was immediately called and a rigorous search of the said Shri Mahesh Kumar Yadav was carried out by DSC Sentry in the presence of Orderly Officer and Security Asstt. On search, 52 Nos of Brass Connectors of 3 different sizes were recovered from his possession. Out of the 52 Nos of Brass Connectors, few were kept concealed in both the lags shoes, few in the back pocket of his full pant and remaining were found hanged on neck in a garland shape which he was taking out of the factory unauthorisedly. The material was confiscated and his statement was recorded in the presence of Shri S. K. Sahu, Works Manager, Orderly Officer. Shri Mahesh Kumar Yadav in his statement has admitted that he was taking out 52 Nos of Brass Connectors for selling. The above acts on the part of the said Shri Mahesh Kumar Yadav are highly irregular and subversive of discipline which amounts to "Gross Misconduct—Attempted theft of government material—Conduct unbecoming of a government servant."

3. The workman says that the alleged charges are false. The enquiry was deliberately delayed, findings are perverse and the order of termination of service is liable to be set aside with his reinstatement and all back wages as also costs of these proceedings.

4. Since as per proceedings dated 18-3-1991 the validity of the enquiry was not challenged except the conduct of the Enquiry Officer and consequential perversity of findings, I have dealt with this part of the pleadings of the workman.

5. Management as usual questioned the jurisdiction of this Tribunal. According to it defence production is sovereign functions and this Tribunal cannot entertain the reference. The charge-sheet was rightly given. Offences are proven. The action taken is just and no interference is called for. Reference is therefore liable to be rejected.

6. Following issues were framed in this case and so far Issues No. 1 & 3 are concerned I record my findings that the departmental enquiry is proper and legal and that the question of management to lead evidence before this Tribunal does not arise.

## ISSUES

1. Whether the domestic/departmental enquiry is proper and legal?

2. Whether the punishment awarded is proper and legal?
3. Whether the management is entitled to lead evidence before this Tribunal?
4. Whether the termination action taken against the workman is justified on the facts of the case?
5. Relief and costs?

Findings with Reasons on issues No. 2, 4 & 5 :

7. So far the question of jurisdiction of this Tribunal is concerned I have repeatedly held that the Defence Factory is an industry in various cases and the workman is a workman within the meaning of Industrial Disputes Act, 1947. Thus this Tribunal has jurisdiction to entertain the reference.

8. The charges are so obvious that I have not dealt with the pleading part of the charges. The enquiry papers have been admitted by the workman. They are 36 sheets in all.

9. I have gone through all the evidence led before the Enquiry Officer viz. C.L. Bajpai, Security Asstt. PW1, Shankar Lal SUP(A) Security PW2 and Balram Singh Sentry PW3. All these witnesses are material witnesses. They have been cross-examined at length and nothing could be gathered from their testimony as to doubt the truthfulness of their statements.

10. C. L. Bajpai has stated that on the alleged date of incident i.e., 30-12-88 he was on duty from 5 a.m. to 4 p.m. He was deployed on Gate No. 3. Shankar Lal Supervisor was with him along with other Security Durbans.

11. This witness states that during the surprise check at the mustering out DSC Security noticed something hidden with an individual. The Sentry reported the matter to him. He stopped him from going out of the factory and reported the matter to his Supervisor. Shri Shankar Lal and handed over the person to Supervisor. It was the delinquent, Shri Mahesh Yadav.

12. On search some Brass articles were recovered from his possession particularly from inside the shoe, inside chocks, joursev, from his neck in the form of garland. He has also stated that the garland was not visual. This testimony has been corroborated by Shankar Lal, PW2 and Balram Singh Sentry PW3. There is absolutely nothing to doubt their testimony.

13. The delinquent workman has admitted that there is no enmity with these witnesses. His defence is that at the time of mustering out when he was going with some of his section people and his Incharge Shri Dua, CM of BO Section, after the touch search directed him to go to the Search Room for surprise checking in routine. He entered the Search Room where Shri Shankar Lal Supervisor asked him to identify some of the components which were already kept there. He could not identify them. Then Shri Shankar Lal gave him a pen and paper and asked him to record the statement as dictated by him. Accordingly he wrote admission. He has not committed any offence nor did he steal those articles.

14. From the pleadings on record the defence appears to be baseless. Offence is serious. Evidence has been well dealt with by the Enquiry Officer and looking to the gravity of the offence adequate punishment has been awarded to the workman which does not call for any interference. There does not appear to be any malice on the part of the Enquiry Officer nor there appears to be any perversity in the findings. They are well considered and discussed.

15. My findings are recorded as follows :—

- (a) Punishment awarded is proper and legal.
- (b) Termination|action taken against the workman is justified on the facts of the case.
- (c) Workman is not entitled to any relief.

16. Reference is accordingly answered as follows :

The action of the management of Vehicle Factory in terminating the services of Shri Mahesh Kumar Yadav S/o Biharilal Yadav, Ex-Labourer, B-Grade w.e.f. 15-4-86 is justified. He is not entitled to any relief. No order as to costs.

V. N. SHUKLA, Presiding Officer  
[No. L-14012|2|89-D.II(B)(Pt.)]

का. आ. 231—औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के मनस्तर में, केन्द्रीय सरकार गन कैरिज कैरिज जबलपुर के प्रबन्धाता के सबूत नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक विवाद जबलपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 24-12-91 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 231.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Gun Carriage Factory, Jabalpur and their workman, which was received by the Central Government on 24-12-1991.

#### ANNEXURE

BEFORE SHRI V. N. SHUKLA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

CASE NO. CGIT/LC(R)(226)1989

#### PARTIES :

Employers in relation to the management of Gun Carriage Factory, Jabalpur and their workman, Shri Dhaniram S/o Kalloo, Labour, represented through the Gun Carriage Factory, Labour Union, Jabalpur (M.P.).

#### APPEARANCES :

For Workman—Shri Arvind Srivastava, Advocate.

For Management—Shri S. S. Jha, Advocate.

INDUSTRY : Gun Carriage Factory.

DISTRICT : Jabalpur (M.P.)

#### AWARD

Dated : December 11th 1991.

This is a reference made by the Central Government, Ministry of Labour, vide its Notification No. L-14012|3|89-D-2(B) dated 3rd October, 1989, for adjudication of the following dispute :—

“Whether the action of the management of Gun Carriage Factory, in recording the date of birth of Shri Dhaniram S/o Kalloo, Labour, in his service record as 5-11-87 (year seems to have been wrongly written as 87. This should be 37) on the basis of the examination by the Medical Officer is justified? If not, to what relief the workman concerned is entitled?”.

2. In the instant case, the management remained ex parte and exparte evidence was taken by way of an affidavit of the workman.

3. The case of the workman in brief is that he was appointed as Labour in the G.C.F. Jabalpur on 5th November 1962. He was about 23 years old. At that time he was not in a possession of any certificate or document showing his correct date of birth as no educational qualification was required for appointment. The Medical Officer Incharge assessed his age to be 25 years on 5-11-62 and calculated his date of birth as 5-11-1937 at the time of his recruitment. The workman was not informed of his age.

4. In January, 1978 he came to know that his age has been recorded as 5-11-1937. He made presentation on 15th March 1978 along with a School Leaving Certificate from Ordnance Factory Khamaria Primary School, Khamaria, Jabalpur, according to which the exact date of birth is 2nd March 1940 and not 5th November 1937. It was not accepted.

5. Again the objections were invited and the workman furnished his explanation on 4th April 1978 explaining that at the time of his appointment he was not in possession of School Leaving Certificate and that he was not illiterate. His prayer was, however, rejected vide management's letter dated 25-4-1989.

6. The matter came under reference before this Tribunal. The workman accordingly prayed that in his service record his date of birth be recorded as 2-3-1940 instead of 5-11-1937 on the basis of his School Leaving certificate with other reliefs.

7. The workman has filed his own affidavit in support of his case. Here also he suppressed the primary evidence of his date of birth by producing the School Leaving Certificate or copy thereof. He has filed no document to show that he has made representations or they were rejected by the management. Ex parte evidence has to be strictly scrutinised. In the circumstances, I cannot place reliance on the affidavit of the workman concerned. The workman is, therefore, not entitled to any relief. Reference is accordingly answered as follows :—

The action of the management or Gun Carriage Factory, Jabalpur (M.P.) in recording the date of birth of Shri Dhaniram S/o Kalloo, Labour, in his

service record as 5-11-37 on the basis of the examination by the Medical Officer is justified. Workman is not entitled to any relief. No order as to costs.

V. N. SHUKLA, Presiding Officer  
[No. L-14012/3/89-D II(B) (Pt.)]

का. आ. 235—आधोगिक विवाद प्रधिनियम 1947 (1947 का 14) को धारा 17 के अनुसरण से, केन्द्रीय सरकार नेशनल डेरी रिसर्च इस्टीचूट बंगलार के प्रबन्धसंच के सबद्व नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच अनुबंध में निर्दिष्ट आधोगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार आधोगिक आधिकरण बंगलोर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 30-12-91 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 232.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Bangalore as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of National Dairy Research Institute, Bangalore and their workmen, which was received by the Central Government on 30-12-91.

#### ANNEXURE

#### IN THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, BANGALORE

Dated, the 28th December, 1991

#### PRESENT :

Shri M. B. Vishwanath, B.Sc.LL.B.,  
Presiding Officer.

Central Reference No. 34 of 1988

#### I PARTY :

Sri Subramani,  
Helper,  
C/o Karmika Horaia Samithi,  
No. 9, New Gurappanapalya,  
Bannerughatta Road,  
Behind Drive-in-Theatre,  
Bangalore-81 since deceased  
by legal representatives.

#### II PARTY :

The Director,  
National Dairy Research Institute,  
Adugodi,  
Bangalore-560030.  
(By Sri B. N. Dayananda)  
Advocate.

1. Smt. Radhamma.  
W/o late Sri Subramani,  
aged about 34 years.
2. Kumari Susheela,  
D/o late Sri Subramani,  
aged about 12 years.
3. Master Venugopal,  
S/o late Sri Subramani,  
aged 9 years.
4. Master Venkatesh,  
S/o late Sri Subramani,  
aged about 7 years.

5. Master Shivakumar,  
S/o late Sri Subramani,  
aged about 5 years.

6. Kumari Poongudi,  
D/o late Sri Subramani,  
aged about 3 years.

#### —I PARTY

(L. Rs. 2 to 6 are minors and sons and daughters of late Sri Subramani, and represented by their mother and natural guardian Smt. Radhamma, the L.R. No. 1 herein.

All are residents of No. 103, Swagath Slum Area, Byrasandra Tank Bund Road, Tilaknagar, Bangalore (vide order on I.A.V. dt. 19-9-90) (By Smt. Bharathi, Advocate).

#### AWARD

In this reference No. L-42012/130/87-D, II(B) dated 27/28-7-88 made by the Hon'ble Central Government in exercise of the powers conferred by clause (d) of Sub-Section (1) and Sub-Section (2A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the point for adjudication as per Schedule to reference is:—

“Is the management of Southern Regional Station, National Dairy Research Institute (I.C.A.R.) justified in terminating the services of Shri Subramani. If not, to what relief the workman is entitled?”

#### 2. In the claim statement it is contended:—

The I Party workman was employed by the II Party. The I Party had served the II Party continuously for over a period of 5 years. The II Party has illegally terminated the services of the I Party. The I Party was a permanent worker. The I Party workman was working as an helper and he was doing the work of Grass Cutting, Watering Plants, cleaning drainage, Planting etc., and that he was paid monthly wages of Rs. 350. The Central Government increased the wages of the workman doing similar jobs to Rs. 450 per month and if the I Party workman had continued for another 2-3 months he too would have been paid at the rate of Rs. 450 per month. The I Party workman had worked more than 240 days. The II Party has not complied with Section 25F of I.D. Act. The services of the I Party were terminated without show cause notice or holding an enquiry. Since the termination of the services of the I Party workman is illegal he is entitled to reinstatement and full backwages.

#### 3. In the counter statement it is contended:—

The I Party was a casual worker and was engaged on daily basis. He has not worked continuously for 240 days in any year. It is not true he was a permanent worker. The I Party was offered to work on temporary basis only when there was need. It is false

that he was getting monthly wages of Rs. 350 and that he would have got Rs. 450 if he had continued for 3 or 4 months. Since the I Party was not a regular employee, the question of issuing notice or holding domestic enquiry does not arise. The non-utilisation of the services of the I Party workman, was a casual labourer subsequent to 1980, does not amounts to retrenchment. The I Party is not entitled to any relief. The I Party had made false allegation in his claim statement. It is made clear that at no point of time had the I Party worked 240 days continuously in a calendar year. The letter said to have been written by the II Party to the I Party is not based on actual facts. Some mistake has crept into the letter. The I Party is not entitled to any relief.

4. This Tribunal has stated in the order sheet dated 8-10-90 that, since the point to be decided is covered by schedule to the reference, no separate issue is required.

5. On behalf of the II Party MW-1 Nagaraj, Assistant Finance and Accounts Officer has been examined.

6. On behalf of the I Party WW-1, the I Party L.R. (wife) of the deceased workman has been examined.

7. Exhibit W-1 is the certificate of death showing that the I Party workman Subramani died on 4-1-1990. His legal representatives have been brought on record.

8. The case of the II Party is that the I Party workman was a casual labourer and he was not a regular or a permanent employee. It is stated in the counter statement that the I Party had not worked for 240 days continuously in any year. The case of the I Party is that the I Party workman had worked for more than 240 days continuously in a year.

9. On behalf of the II Party, MW-1 Nagaraj, Assistant Finance and Accounts Officer, has stated that the I Party had not put in 240 days continuously in any year. Exhibit M-1 are the series of Muster Roll produced by the II Party to show that the I Party workman, deceased Subramani had not worked for 240 days continuously in any year. MW-1 has stated in his evidence that all the muster rolls have been produced. The say of MW-1 cannot be accepted. I have carefully gone through the M-1 series. The first sheet of muster roll is for the year March 1982, then for April 1982, then for June, 1982. It is easily seen that the muster roll for the month of May 1982 has not been produced. The muster rolls sheet for the month of June 1982 and July 1982 have been produced in the M-1 series. The muster roll sheets for the months August 1982, September 1982, October 1982, December 1982, January 1983 have not been produced. The muster roll from February 1983 have been produced. To repeat, the muster roll sheets from August 1982 upto January 1983 have not been produced. The only inference possible is that the muster roll sheets for some other months have not been produced deliberately. Adverse inference has to be drawn.

10. WW-1, wife of deceased I Party workman, has produced the xerox copy exhibit W-2. Exhibit W-2 is the xerox copy of the confidential report issued by the Administrative Officer S. Ramanujam to the Assistant Labour Commissioner (Central), Bangalore, in connection with the industrial dispute raised by the I Party workman Subramani. The xerox copy bears the letter head of the II Party. It has been marked in evidence. It is argued by the learned counsel for the II Party that the contents of exhibit W-2 cannot be believed. There is no material to show that action against the person who issued the original exhib. W-2 has been taken for having given false information. There is nothing to disbelieve the contents of exhibit W-2.

11. In exhibit W-2 it is clearly stated that the I Party workman had worked for 240 days in 1983. This means that the I Party workman had worked for more than 240 days continuously in 1983. This means that the I Party workman had worked for a period of one year within the meaning of Section 25B (2) (a) (ii). The I Party workman had therefore become entitled to retrenchment compensation as contemplated under Section 25F. It has been laid down by the Supreme Court in 1981 Lab. I.C. 806 (Mohan Lal v. Management, Bharat Electronics Ltd.) where pre-requisite for valid retrenchment as laid down in Section 25F has not been complied with retrenchment bringing about termination of service is ab initio void. There is absolutely nothing to show that the II Party has complied with the conditions of Section 25F, before terminating the services of the I Party workman. Hence, the termination of the services of the I Party is illegal and he has become entitled to reinstatement.

12. But, in the instant reference, an award cannot be passed reinstating the I Party because he is since deceased. This Tribunal can only award compensation. The law in this regard has been laid down by our Hon'ble High Court in 1986 II LLJ page 54 (Prema vs. Management, H.G.S.C.S. Ltd.). It has been laid down by the Hon'ble Mr. Justice BOPANNA "that it is for the Court to mould the relief sought for to suit the requirements of the case. The relief which is personal to the employment of the deceased workmen could not be granted but the relief which could be granted in terms of money in the event of reinstatement of the workmen or in lieu of reinstatement could always be granted."

13. In the petition before the Labour Reconciliation Officer the I Party Subramani has stated that he has worked under the II Party from 1980 to 1985. The Reconciliation Officer has noted in the first day order sheet that the workman has last worked in July 1986, drawing Rs. 350.00 P.M. Even in the claim petition it is stated that the I Party was getting Rs. 350 P.M. But MW-1 has stated in his evidence para 42 that II Party gives basic pay of Rs. 750.00 to Attendant Grade-I which is the lowest grade. I am of opinion that a sum of Rs. 20,000 as compensation to the legal representatives of the deceased I Party workman will meet the ends of Justice.

14. All other documents and evidence not referred to by me are not relevant. In any case they do not

alter my conclusions reached above.

15. In the result, I pass the following :—

#### AWARD

The II Party shall pay to the legal representatives of the I Party workman a sum of Rs. 20,000 (twenty thousand) as compensation in lieu of reinstatement of I Party workman and the backwages if any, the deceased I Party workman is entitled to. The amount shall carry interest at 9 per cent per annum from the date of award till its paid to the legal representatives of I Party workman. The amount shall be paid to L.R. No. 1 Smt. Radhamma wife of late Subramani, on her behalf, and on behalf of her children L. Rs. 2 to 6. Award passed as stated herein.

(Dictated to the Secretary, taken down by him, got typed and corrected by me).

M. B. VISHWANATH, Presiding Officer

[No. L-42012/130/87-D. II(B) (Pt)]

का. आ 233.—ओद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार टेलीकाम फैक्ट्री जबलपुर के प्रबन्धातेल के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच अनुबंध में निर्दिष्ट ओद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार ओद्योगिक अधिकारण जबलपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 30-12-91 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 233.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Telecom Factory Jabalpur and their workman, which was received by the Central Government on 30-12-91.

#### ANNEXURE

BEFORE SHRI V. N. SHUKLA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR M.P.)

Case No. CGIT/LC(R)(54) 1988

#### PARTIES :

Employers in relation to the management of Telecom Factory, Jabalpur and their workman, Shri Mohd. Ayub, Motor Mechanic, Grade II, M.V.M. Shop, Ticket No. 1688 C/o Hansraj Gulati, R/o 402, Galgala, Jabalpur (M.P.).

#### APPEARANCES :

For Workman.—Shri Rajendra Menon, Advocate.

For Management.—Shri S. S. Jha, Advocate.

INDUSTRY : Telecom Factory DISTRICT : Jabalpur (M.P.)

#### AWARD

Dated, 12th December, 1991

This is a reference made by the Central Government, Ministry of Labour, vide its Notification No.

L-40012/23/86-D.II (B) Dated 3rd June, 1988, for adjudication of the following dispute :—

#### SCHEDULE

"Whether action of the management of Telecom Factory, Jabalpur in terminating the services of Shri Mohd. Ayub Motor Mechanic, Grade II, M.V.M. Shop vide order dated 25-2-86 is justified ? If not, to what relief is the workman concerned entitled ?"

2. In the instant case, the following issues were framed :

#### ISSUES :

1. Whether the domestic|departmental enquiry is proper and legal ?
2. Whether the punishment awarded is proper and legal ?
3. Whether the management is entitled to lead evidence before this Tribunal ?
4. Whether the termination|action taken against the workman is justified on the facts of the case ?
5. Relief and costs ?

3. Vide Order dated 25-1-1990 this Tribunal came to the conclusion that the departmental enquiry is not proper and legal and was accordingly set aside. This Tribunal, however, held that the management be directed to lead evidence in regard to the misconduct and other issues. Issues No. 1 and 3 have been disposed of accordingly.

4. Since these issues have been disposed of I will deal with the relevant part of the pleadings which relate to Issues No. 2, 4 and 5 as also the evidence adduced before this Tribunal.

5. The charge framed against the workman on 3-2-84 is as follows :—

"That the said Shri MD. Ayub, T. No. 1668 while passing through Gate No. 1 at about 11.00 A.M. on 18-12-1983 was stopped at the said GATE ON suspicion of carrying some material. As a result of the search two pieces of Gun Metal half circular were recovered from his waist. The weight of the seized material was about 2 Kgs. The material was seized, sealed and kept in the custody of the Security Officer.

Shri Md. Ayub, T. No. 1668 by the above acts exhibited misconduct of attempt to commit theft of Govt. Property vide clause 31(d) of the certified standing orders."

6. The workman denied the said charge.

7. The management has produced the relevant Article A of theft which is not disputed (See proceedings 28-9-89). Two witnesses viz. M.W. 1 Ravi Sankar Kewat and M.W. 2 Ramesh Chandra have been examined by management. Workman on his part file three affidavits, Mohd. Ayub (W.W. 1), Garib Das (W.W. 2) and Moti Chand (W.W. 3). These witnesses

have been cross-examined by the management. All the documents have been admitted by the workman and the D.E. file has been marked Article 'A'.

8. Before appreciating the evidence on record I will refer to the statement of the workman who has been examined as W.W. 1. He has stated as follows:—

"On 18-12-83 at about 10.45 A.M. I was going for some work to the Post Office and Society Officer. When I was near the garrage office near the pipal tree situated there I found a piece of Gun Metal lying. I took it with the intention of giving it in the garrage where I used to work. After taking the piece in my hand I went to the Post Office situated near Gate No. 2 and thereafter I was going to the Society Office near Gate No. 1. While I was reaching the Society Office, some Security Guard apprehended me. I tried to explain them that I am going to the Society Office and thereafter I will be going to the garrage, i.e., my place of duty. However they did not listen to me instead took me to the Security Office and made seizure in memo, Panchanama etc."

W.W. 2, Garib Das and W.W. 3, Moti Chand did not help the delinquent workman in any manner whatsoever. On the other hand, their evidence reveals the conduct of the workman himself inasmuch as if he had found pieces of gun metal lying near the Pipal tree he would have immediately informed of the fact but Garib Das and Moti Chand were not informed.

9. According to these witnesses, W.W. 2 and W.W. 3, the workman only said that he was going to the Society Office for some work. Moti Chand, W.W. 3, says that the delinquent told him that he was going to Post Office and Society Office. If the delinquent was going to Post Office along with pieces of Gun Metal which he found lying his intentions are not understandable. He would first have informed that he had found the piece of gun metal instead of keeping quiet. On this point he told them that first he was going to Post Office and then to Society Office.

10. It is not understandable why the workman did not straight way went to the officer concerned to report the matter along with gun metal which he found lying.

11. Here comes the story of the management. According to the management, the article was found at the relevant time at Gate No. 1 from where gun metal was seized underneath of Pyjama trouser well wrapped. The workman as W.W. 1 has himself admitted that the seizure was made at the Gate No. 1. Thus the story of the management is obviously reliable.

12. If the gun metal was not kept hidden by the workman it should have been noticed by Shri Garib Das and Shri Moti Chand.

13. M.W. 1, Ravi Shanker Kewat, has admitted in para 2 of his deposition that he had seen the delinquent along with two pieces of gun metal in his hands and seeing him the delinquent turned towards Gate No. 1. Being suspicious about the conduct of the delinquent he followed him. He also called his colleague, Ramesh Kumar.

14. This witness admits in para 3 of his deposition that when he and Ramesh Kumar caught the delinquent, the delinquent had already kept the pieces in his waist and inside the Pyjama. He admits he could not see the delinquent keeping those gun metal underneath his trouser because here is a turning (Para 8 of his deposition). M.W. 2 is very emphatic on the point that he was on duty and was present at Gate No. 1 and on the call of Shri Ravi Shanker he caught hold of the delinquent and searched him. Having found something hard near his waist he detected two pieces of gun metal underneath his trousers. Nothing could be made out in the cross-examination of these witnesses to doubt their testimony, particularly in the entire circumstances of the case.

15. The conduct of the workman is highly suspicious and is established from the evidence on record. Thus the charge has been proved against the workman before this Tribunal and he is guilty of grave misconduct. The punishment is adequate, proper and legal and termination action by the management is justified on the facts of the case.

16. Reference is answered accordingly as follows:

The action of the management of Telecom Factory, Jabalpur in terminating the services of Shri Mohd. Ayub Motor Mechanic Grade II, M.V.M. Shop vide Order dated 25-2-86 is justified. He is not entitled to any relief. No. order as to costs.

V. N. SHUKLA, Presiding Officer

[No. L-40012/23/86-D.II(B)(Pt.)]

का. आ. 234—आंदोलिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) का धारा 17 के अनुसार में, केन्द्रीय सरकार द्वितीय भाष्यरेक्टर आफ एकाउट्स (पास्टल) भांपाल के प्रबन्धता के संबंध नियोजकों और उनके कमीकारों के बीच अनुशंख में निविष्ट आंदोलिक विवाद में केन्द्रीय सरकार आंदोलिक अधिकारण, अबलपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 30-12-91 को प्राप्त हुआ था

S.O. 234.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Dy. Director of Accounts (Postal), Bhopal and their workmen, which was received by the Central Government on 30-12-91.

#### ANNEXURE

BEFORE SHRI V. N. SHUKLA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

Case No. CGITLC(R)(163) 1989

#### PARTIES :

Employers in relation to the management of Dy. Director of Accounts (Postal), Bhopal and their workman Shri M. K. Karhade, Ex-LDC, represented through the All India P&T Employees Federation, 62 Old Subedhar Layout Extension, Nagpur-440024 (MS).

## APPEARANCES :

For Workman—Shri A. S. Bhagat, Advocate.

For Management—Shri V. Venkatachalam, Accounts Officer.

INDUSTRY . P. & T. DISTRICT : Nagpur (M.S.)

## AWARD

Dated : December 20th, 1991

This is a reference made by the Central Government, Ministry of Labour, vide its Notification No. L-40012/54/89-IR(DU) dated 18th August, 1989, for adjudication of the following dispute :—

“Whether the termination of Shri M. K. Karhade, Ex-LDC by the Account Officer, Administrative, Office of the Dy. Director of Accounts (Postal), Bhopal by the letter No. Admin/Spl/83-84/25 dated 19-3-84, is justified or not ? if not to what relief the workman is entitled to ?”

2. Without going into the verbose pleadings I confined myself to the relevant part of the undisputed pleadings of this case.

3. The workman after observing of the recruitment formalities required for appointment of temporary L.D.C. was appointed in clear vacant Schedule Caste post in the industrial establishment of the office of the Deputy Director Accounts (Postal), Bhopal. He was appointed vide order dated 12-10-83 and he joined his services on 17-11-83. His services were terminated on 19-3-1984. He was paid the wages and allowance for the period of notice.

4. The workman in short states that since a criminal case was pending against him the management got prejudiced and removed him from service by way of punishment in violation of the provisions of law as also the Constitutional provisions without holding a departmental enquiry. It amounts to unfair labour practice. Smt. Mala Pardhe etc. were also involved in criminal case but they were acquitted. The action being by way of punishment he could not be terminated without holding the departmental enquiry. His services have not been terminated by the competent authority. The workman is therefore entitled to be reinstated with full back wages and consequential benefits.

5. Management at the out set challenged the jurisdiction of this Tribunal stating that neither the workman is a workman nor the management is an industry within the meaning of the Industrial Disputes Act. That apart, the Working President of All India P & T Employees Federation Nagpur is not a staff Union and cannot raise the dispute. The workman was not removed on account of a criminal case pending against him, but on account of suppression of the fact at the time of appointment that a criminal case is pending against him and he has been prosecuted. Hence his services were terminated on account of suppression of fact and not for any misconduct as alleged by him.

6. No DE was necessary. The workman has not completed 240 days continuous service. His services

have been terminated in accordance with law by the competent authority viz., Accounts Officer.

7. Reference was the issue in this case.

## FINDINGS WITH REASONS :

8. No oral evidence has been led by either party in this case. Workman has proved 10 documents, Ex. W/1 to Ex. W/10 which have been admitted by the management.

9. It has also to be borne in mind that in the written statement, para 5, management has pleaded that the applicant has deliberately suppressed the fact that a criminal case is pending against him. While reply to this para in the rejoinder this fact has not been denied by the workman in para 3 in the rejoinder which has been filed by him on affidavit.

10. In the same way in para 6 of the written statement (in reply to para 10) workman has pleaded that the Accounts Officer has been declared as the appointing authority for L.D.C. in the O/o D.A.P., Bhopal, vide Notification No. 154/2/77 Disc. II from Government of India, Ministry of Communication, P & T Board. These documents have been filed and for want of non-denial of the pleadings they can be looked into. Thus while giving out the information on 1-11-83 in the Attestation Form (Annexure R/II) it can very well be seen that despite the warning the workman has 12(i)(b). This is certainly suppression of material facts and the warning is there that there should not be suppression of facts while filing in the form. In this regard, warning No. 1, 2 & 3 are note worthy. The workman himself has admitted in para 6 of statement of claim that he was tried in criminal case before the Additional Sessions Judge, Chandrapur even before and after recruitment/appointment of the workman. In para 8 he has pleaded that the Hon'ble Additional Sessions Judge, Chandrapur has acquitted him vide judgment dated 17-1-85.

11. Workman has not challenged that he has suppressed this fact that he was prosecuted in a criminal case.

12. It is true that the removal of the workman from service amounts to a punishment because the order should not be taken on the face value but the facts behind passing the order should be looked into. Obviously, suppression of material fact is a misconduct and therefore the order in the garb of removal from service without any stigma amounts to punishment in the eye of law. If that is so, services should have been terminated after holding due enquiry in accordance with the law and rules laid down, but it has not been done. It is true that the management has not pleaded that in case this Tribunal comes to conclusion that the removal of workman by way of punishment should be after due enquiry, it may be permitted to lead evidence in regard to misconduct of the workman which opportunity can certainly be availed of by the management as propounded by the Supreme Court in the case of Cooper Engineering Ltd. Vs. P. P. Munde (AIR 1975 SC 1900), the relevant part of which is as follows (Para 19):—

“In Workmen of M/s. Firestone Tyre & Rubber Co. of India (P) Ltd. Vs. Management [(1973) 3 SCR 587—AIR 1973 SC 1227=1973 Lab I.C. 851] this

Court stated the law laid down by this Court as on December 15, 1971. For our purpose we will extract from that decision only propositions 4, 6, 7 & 8 :

- (4) "Even if no enquiry has been held by an employer or if the enquiry held by him is found to be defective, the Tribunal in order to satisfy itself about the legality and validity of the order, has to give an opportunity to the employer and employee to adduce evidence before it. It is open to the employer to adduce evidence for the first time justifying his action."
- (6) "The Tribunal gets jurisdiction to consider the evidence placed before it for the first time in justification of the action taken only, if no enquiry has been held or after the enquiry conducted by an employer is found to be defective."
- (7) "It has never been recognised that the Tribunal should straightway, without anything more, direct reinstatement of a dismissed or discharged employee once it is found that no domestic enquiry has been held or the said enquiry is found to be defective."
- (8) "An employer, who wants to avail himself of the opportunity of adducing evidence for the first time before the Tribunal to justify his action, should ask for it at the appropriate stage. If such an opportunity is asked for, the Tribunal has no power to refuse. The giving of an opportunity to an employer to adduce evidence for the first time before the Tribunal is in the interest of both the management and the employee and to enable the Tribunal itself to be satisfied about the alleged misconduct."

13. This opportunity has not been sought by the management, but this is a peculiar case where the workman had full opportunity to place those facts on record which could help him as to why he suppressed this material facts. On the contrary, the workman has avoided to meet with the above pleadings of the management in its rejoinder filed by way of an affidavit. Thus without any evidence the misconduct of the workman is established before this Tribunal and the workman is liable to be dismissed. That being so, the other question challenging the order of removal from service have no bearing. Even otherwise also Accounts Officer who has been delegated with the powers as per Annexure R/III to appoint L.D.C. was competent to remove him from service. I may repeat that the workman has not challenged this part of the pleadings as I have already pointed out above. That being so, the removal of the workman from service has been established by the competent authority.

14. I need not go into the other part of the points raised as to whether the dispute has been raised by the competent authority or whether the establishment is an industrial establishment or not because on merits the case is being disposed of. The workman is not entitled to any relief.

15. Reference is accordingly answered as follows :

The termination of Shri M. K. Karhade, Ex-LDC by the Accounts Officer, Administrative, Office of the Dy. Director of Accounts (Postal) Bhopal by the letter No. Admn/Spl/83-84/25 dated 19-3-84 is justified. He is not entitled to any relief. No order as to costs.

V. N. SHUKLA, Presiding Officer  
[No. L-40012/54/89-IR(DU)(Pt)]

का. शो. 235 :—औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसार में केन्द्रीय सरकार विहक संसदीय जबलपुर के प्रबन्धन के संबंध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में विविध औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, जबलपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार में 24-12-91 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 235.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur, as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Vehicle Factory, Jabalpur and their workmen, which was received by the Central Government on 24-12-91.

#### ANNEXURE

BEFORE SHRI V. N. SHUKLA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

CASE NO. CGIT/LC(R)(88)/1988

#### PARTIES :

Employers in relation to the management of Vehicle Factory, Jabalpur (M.P.) and their workman, Shri Suresh Rao, Maihar Niwas, Gram Tilwarghat, Thana Garha, District Jabalpur (M.P.)

#### APPEARANCES :

For Workman—Shri R.C. Srivastava, Advocate.  
For Management—Shri S. S. Jha, Advocate.

INDUSTRY : Vehicle Factory—DISTRICT :  
Jabalpur (MP)

#### AWARD

Dated : December 11th 1991  
This is a reference made by the Central Government, Ministry of Labour, vide its Notification No. L-14012/18/87-D-2(B) Dated 28th July, 1988, for adjudication of the following dispute :—

"Whether the action of the management of Vehicle Factory, Jabalpur, in dismissing Shri Suresh Rao, Ex-Junior Examiner, by an order dated 27-12-86 is justified ? If not, to what relief he is entitled ?"

2. Facts leading to this case are that the workman was holding the post of Junior Examiner. He was found guilty of misconduct on 12-9-1984. D.E. was held against him and he was dismissed vide order dated 27-12-1986.

3. This Tribunal vide its order dated 20-3-1991 held that the enquiry is valid and the question of management to lead evidence in regard to the misconduct of the workman does not arise and directed to hear the parties on the question of perversity of findings, quantum of punishment and the relief to which the workman is entitled.

#### REASONS FOR MY FINDINGS :

4. Workman was charge-sheeted as follows :—

#### ARTICLE OF CHARGE/ANNEXURE I

Statement of articles of charge framed against Shri Suresh Rao, Junior Examiner, VFJ TNO, WIT[146]09586. That the said Shri Suresh Rao while functioning as Junior Examiner is alleged to have committed :—

“Gross Misconduct—Attempted theft of government property (33 Nos of tools of different shape and sizes)—Conduct of unbecoming of a government servant”.

#### ANNEXURE-II

Statement of imputations of misconduct or misbehaviour in support of the articles of charge framed against Shri Suresh Rao.

That the said Shri Suresh Rao, Junior examiner, VFJ T. NO. WIT[146]09386 went to Gate No. 3 at about 0540 hours on 13-9-1984 for mustering out. He was searched by the DSC Santry on duty inside the Gate Office, in the presence of Shri G.L. Haldkar, Security Assistant 'B' Grade. During the search the following items were found hidden inside the shoes of the said Shri Suresh Rao, Junior Examiner, VFJ T. No. WIT[146]09386 :—

**LEFT SHOES**—4 Nos. Single Cutting Tools (HSS).  
5 Nos. Tape (different size and make).

**RIGHT SHOE**—4 Nos. Single Point Cutting Tools (HSS) 5 Nos. Tape (different size and make).

On further search in the presence of Orderly Officer & Shri A. K. Chakraborty, Security Supervisor 'A' Grade, the following items were also found hidden inside the pant belt of the said Shri Suresh Rao, Junior examiner, VFJ T. No. WIT[146]09386:—

1. No. Single Point Cutting Tool (HSS).
- 4 Nos. Tape (different sizes and makes).
- 8 Nos. Milling cutting Tools (conical shape).
2. Nos. Milling cutting Tools (Round shape).

The said Shri Suresh Rao, Junior Examiner, VFJ T. NO. WIT[146]09386 in his written statement dated 12-9-1984, has also admitted that the above items were recovered from his possession. The above act on the part of the said Shri Suresh Rao, 20GI/92—17

Junior Examiner, VFJ T. No. WIT[146]09386 is highly irregular & subversive of discipline, which amounts to “Gross Misconduct—Attempted theft of government property (33 Nos. of tools of different shape and sizes) Conduct unbecoming of a government servant”.

5. Documents Ex.M|1 to Ex.M|8 have been admitted by the workman vide proceedings dated 28-11-1989.

6. According to the management, charges were proved in the departmental enquiry while the version of the workman is otherwise.

7. According to the workman, findings are perverse. Even enquiry report, page 4, admits that the property should have been produced which have not been produced. Enquiry Officer recommended the enquiry against Shri A. K. Jha as is evident from page 9 of the enquiry report. Delinquent was not caught red handed.

7. Apart from the evidence on record and the details of property seized from the workman at the relevant time when the workman was mustering out at about 5.40 hours on 13-9-1984 from Gate No. 3 of the Factory. While he was going out of the factory through Gate No. 3 he was sent to Gate Office for search. During search, on removing his shoes from left and right legs 18 tools of different sizes and makes were found. They were seized and confiscated. The enquiry was held and after the charge having been proved the workman is said to have been punished.

8. There is voluminous evidence in this regard. Merely because the property was not produced during the D.E. the evidence cannot be rejected. The following witnesses were examined on behalf of the management viz. (1) H. S. Rawat PW1, G. L. Haldar PW2, A. K. Jha P.W.3, A. K. Chakraborty PW4 and G. P. Chouksey PW5. The alleged misconduct is sufficiently proved from the testimony of the said witnesses. Nothing could be brought out in the cross-examination of these witnesses. Defence Witness DW1, Onkar Prasad Lodhi does not help him in any way. So is the case of DW2 R.S. Tripathi. General examination of the accused is at page 52 and he was satisfied with the D.E. He admitted that there was no enmity with any body.

9. As I have pointed out there is nothing to doubt the testimony of the prosecution witnesses; hence neither the findings are perverse nor bad in law. Offence is grave and is not mitigated merely because seized articles were not produced during the D.E. I accordingly hold that the findings are neither perverse nor quantum of punishment is excessive. The punishment is proper and legal. Workman is not entitled to any relief. Reference is accordingly answered as follows :—

**The action of the management of Vehicle Factory, Jabalpur in dismissing Shri Suresh Rao, Ex-Junior Examiner, by an order dated 27-12-1986 is justified.**

He is not entitled to any relief. No order as to costs.

V. N. SHUKLA, Presiding Officer  
[No. L-14012/18/87-D.II(B)(Pt.)]

का. आ. 236—ओडीयिक विवाद अधिनियम 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसार में, केन्द्रीय सरकार गवर्नर एकेस्ट्री जबलपुर के प्रबन्धसंतंत्र के संबंध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निविष्ट ओडीयिक विवाद में केन्द्रीय सरकार ओडीयिक अधिकारण जबलपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 24-12-91 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 236.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur, as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Gun Carriage Factory, Jabalpur and their workmen, which was received by the Central Government on 24-12-91.

#### ANNEXURE

BEFORE SHRI V. N. SHUKLA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR(M.P.)

CASE NO. CGIT/LC(R)(151)|1989

#### PARTIES :

Employers in relation to the management of Gun Carriage Factory, Jabalpur(M.P.) and their workman, Shri P.N. Tiwari, Ex.T. No. 11547[I.E.|Fitter 'Gr. 'B' C/o Shri R. P. Yadav, Quarter No. 383|1, Type-II, Panahara, GCF Estate, Jabalpur (M.P.)-482 001.

#### APPEARANCES :

For Workman—Shri R. C. Srivastava, Advocate.

For Management—Shri C. K. Sharma, Advocate.

INDUSTRY : Gun Factory DISTRICT : Jabalpur M.P.

#### AWARD

Dated : December, 12th 1991

This is a reference made by the Central Government, Ministry of Labour, vide its Notification No. L-14012/26/87-D.II(B) Dated 1-8-1989, for adjudication of the following dispute :—

#### THE SCHEDULE

"Whether the action of the management of Gun carriage Factory, Jabalpur (M.P.) in compulsorily retiring Shri P. N. Tiwari, Ex. T. No. 11547 I.E. Fitter Gr. 'B' vide their order dated 31-1-86 is justified ? If not, to what relief the workman concerned is entitled ?"

2. Facts of this case are that Shri P.N. Tiwari, workman concerned, was working as fitter in Gun Carriage Factory at Jabalpur. His service record was satisfactory. He was charge-sheeted on

7-10-1983 on the allegations made therein and after departmental enquiry he was compulsorily retired from service with effect from 31-1-1986. The charge-sheet against him is as follows :—

#### ARTICLE OF CHARGE—ANNEXURE-I

That the said Shri P. N. Tiwari, T. No. 11547[IE, While functioning as fitter 'C' in IFC(Main), Gun Carriage Factory, Jabalpur, during the month of Feb. 82 committed "Gross Misconduct—attempted to cheat the Govt. by fraudulently claiming LTC for his deceased father, married sisters, nephew, fictitious brother and sister—conduct of subversive of Discipline.

#### ANNEXURE II

Statement of imputation of misconduct or misbehaviour in support of the article of charge framed against Shri P. N. Tiwari, T. No. 11547[IE|Fitter 'C' IFG(M), GCM, Jabalpur.

It is alleged that Shri P. N. Tiwari, T. No. 11547[IE fitter 'C', IFG(Main), deliberately and with ulterior motive included the name of his deceased father, two married sisters, one nephew, one brother and one sister in the declaration form of family particulars and drew LTC advance for the block year 1982—85, whereas with reference to his declaration he was supposed to claim LTC for his wife, sister and two sons, he claimed and drew LTC advance for eleven persons and thus deliberated misused the public money. This tantamounts to "Gross Misconduct—Subversive of Discipline."

3. Workman says that the enquiry was not properly held, findings are perverse, the management has failed to consider his past record he is only 45 years old and has a large family to support the punishment is excessive unreasonable and discriminatory. It be therefore quashed and the workman be reinstated in service with all consequential benefits.

4. The management denied the above contentions. According to the management earlier also he had a bad record (para 3). He is not a first offender. Thus he does not deserve to be retained in service. The enquiry has been properly held and the punishment is adequate. The workman is neither entitled to be reinstated nor is he entitled to any relief.

5. Following issues were framed and my findings are recorded against them.

#### ISSUES

- (1) Whether the enquiry is proper and legal ?
- (2) Whether the management is entitled to lead evidence before this Tribunal ?
- (3) Whether the charges of misconduct are proved on the facts of the case ?
- (4) Whether the punishment awarded is proper and legal ?
- (5) Relief and costs ?

#### FINDINGS WITH REASONS :

6. So far issue No. 1 & 2 are concerned, since the validity of the enquiry has not been questioned vide

proceedings dated 11-12-1991, the question of management to lead evidence before this Tribunal does not arise. Issues No. 1 & 2 are accordingly answered as follows :—

1. The enquiry is proper and legal.
2. It is not necessary for the management to lead evidence in relation to the misconduct of the workman.

Issue No. 3,4 & 5 :

7. It is a case of mercy appeal simpliciter. The previous punishments have not been given in the charge-sheet. The punishment of compulsory retirement is nothing short of removal of service in substance. It is true that these false claims are prevalent and serious view should be taken but looking to the age and other factors as also the complete surrender of the workman I set aside the order of compulsory retirement of the workman. He has been compulsorily retired with effect from 31-1-86. He would not be entitled to any back wages until the date he joins (If he has already completed superannuation age this fact may be considered

in the light of the above order). My findings are accordingly as under :—

- (1) The charges of misconduct are proved on the facts of the case.
- (2) Though the punishment awarded is legal but disproportionate.
- (3) He is entitled to be reinstated without any back wages but continuity in service. He shall only be entitled to those wages which he has last drawn and he will not be entitled to any increments of the period for which he was out of job. His services shall be deemed to be continued for all other purposes.

8. Reference is answered accordingly. No order as to costs.

V. N. SHUKLA, Presiding Officer

[No. L-14012/26/87-D.II(B)(Pt.)]

K.V.B. UNNY, Desk Officer

